लुज्जतुन्नूर

(अध्यात्म प्रकाश का सागर)

लेखक
हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी
मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम

नाम पुस्तक	: लुज्जतुन्नूर (अध्यात्म प्रकाश का सागर)
लेखक	: हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम
अनुवादक	: इब्नुल मेहदी लईक मुरब्बी-ए-सिलसिला एम-ए हिंदी
सेटिंग	: नईम उल हक़ क़ुरैशी मुरब्बी-ए-सिलसिला
संस्करण	: प्रथम संस्करण (हिन्दी) मार्च 2020 ई०
संख्या	: 500
प्रकाशक	: नज़ारत नश्र-व-इशाअत, क़ादियान, 143516 ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब)
मुद्रक	: फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रेस, क़ादियान, 143516 ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब)

Name of book	: Lujjatunnoor (Adhyatm Parkash ka Sagar)
Author	: Hazrat Mirza Ghulam Ahmad Qadiani Masih Mou'ud W Mahdi Mahood Alaihissalam
Translator	: Ibnul Mehdi Laeeque, Murabbi-e-Silsila, M.A Hindi
Setting	: Naeem-ul-Haq Qureshi Murabbi-e-Silsila
Edition	: 1st Edition (Hindi) March 2020
Quantity	: 500
Publisher	: Nazarat Nashr-o-Isha'at, Qadian, 143516 Distt. Gurdaspur, (Punjab)
Printed at	: Fazl-e-Umar Printing Press, Qadian 143516 Distt. Gurdaspur (Punjab)

प्रथम संस्करण के टाइटल पृष्ठ का अनुवाद

يَاَيُّهَا النَّاسُ قَدْ جَآءَكُمْ بُرْهَانٌ مِّن
رَّبِّكُمْ وَ اَنْزَلْنَآ اِلَيْكُمْ نُوْرًا مُّبِيْنًا (अन्निसा-175)

हे लोगो! क़ुरआन एक दलील है जो ख़ुदा तआला की ओर से
तुमको मिली है और एक खुला-खुला प्रकाश है जो तुम्हारी ओर उतारा गया है।

احاط الناس من طغوىٰ ظلام علامات بها عُرف الامام

उद्दंडता के कारण अंधकार ने लोगों को घेर लिया है। यह वह निशानियाँ हैं जिन से समय के इमाम की निशांदही की गई है।

فلا تعجب بما جئنا بنور بدت عين اذا اشتد الاوام

अत: आश्चर्य न करो उस प्रकाश पर जो हम लाए हैं। क्योंकि परोक्ष से यह झरना प्रकट हो रहा है।
प्यास बढ़ती गई।

नूर को तलाश करने वालों के लिए ख़ुशख़बरी हो कि यह पुस्तक समय के मार्गदर्शक की ओर से है। इस पुस्तक का नाम इसके लेखक के समान

लुज्जतुन्नूर

(अध्यात्म प्रकाश का सागर)

है। यह पुस्तक अरब, सीरिया, बगदाद, इराक़ तथा खरासान के उलमा के नाम है ताकि ईमान के खेतों में विश्वास तथा विवेक की नहरें जारी हों।

इस की छपाई ज़ियाउल इस्लाम प्रेस में हुई। और इसका प्रकाशन प्रेस बद्र ज़िलकद्र में ख़ादिम फकीर मेहदी हुसैन प्रबन्धक पुस्तकालय घर हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलातो वस्सलाम क़ादियान दारुलअमान के अधीन मोहरमुल हराम के महीने 1328 हिजरी में हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अलैहिस्सलाम नऊरुद्दीन भैरवी के समय में हुआ।
संख्या-(2100) एक पुस्तक का

मूल्य - 3 (तीन आना)

यह पत्रिका ज़ियाउल इस्लाम प्रेस क़ादियान में हकीम फ़ज़लुद्दीन की देख-रेख में प्रकाशित हुई थी। अंतिम पृष्ठ प्रेस बद्र क़ादियान में मुफ़्ती मुहम्मद सादिक़ के अधीन प्रकाशित हुआ। फ़रवरी 1910 ई० में

प्रकाशक की ओर से

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी मा'हूद अलैहिस्सलाम द्वारा लिखित पुस्तक "**लुज्जतुन्नूर**" का यह हिन्दी अनुवाद आदरणीय इब्नुल मेहदी लईक मुरब्बी-ए-सिलसिला एम. ए. हिन्दी ने किया है। तत्पश्चात आदरणीय शेख़ मुजाहिद अहमद शास्त्री (सदर रिव्यू कमेटी), आदरणीय फ़रहत अहमद आचार्य (इंचार्ज हिन्दी डेस्क), आदरणीय अली हसन एम. ए., आदरणीय नसीरुल हक़ आचार्य, आदरणीय इब्नुल मेहदी एम. ए. और आदरणीय सय्यद मुहियुद्दीन फ़रीद एम.ए. ने इसका रिव्यू किया है। अल्लाह तआला इन सब को उत्तम प्रतिफल प्रदान करे।

इस पुस्तक को हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ (जमाअत अहमदिया के वर्तमान ख़लीफ़ा) की अनुमति से हिन्दी प्रथम संस्करण के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

विनीत

हाफ़िज़ मख़्दूम शरीफ़

नाज़िर नश्र व इशाअत क़ादियान

लेखक परिचय

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी अलैहिस्सलाम

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम का जन्म 1835 ई० में हिन्दुस्तान के एक कस्बे क़ादियान में हुआ। आप अपनी प्रारंभिक आयु से ही ख़ुदा की उपासना, दुआओं, पवित्र क़ुरआन और अन्य धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में व्यस्त रहते थे। इस्लाम जो कि उस समय चारों ओर से आक्रमणों का शिकार हो रहा था, उसकी दयनीय अवस्था को देख कर आप अलैहिस्सलाम को अत्यंत दुख होता था। इस्लाम की प्रतिरक्षा और फिर उसकी शिक्षाओं को अपने रूप में संसार के सम्मुख प्रस्तुत करने के लिए आपने 90 से अधिक पुस्तकें लिखीं और हज़ारों पत्र लिखे और बहुत से धार्मिक शास्त्रार्थ और मुनाज़रात किए। आपने बताया कि इस्लाम ही वह ज़िन्दा धर्म है जो मानवजाति का संबंध अपने वास्तविक सृष्टिकर्ता से पैदा कर सकता है और उसी के अनुसरण से मनुष्य व्यवहारिक तथा आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है।

छोटी आयु से ही आप सच्चे स्वप्न, कश्फ़ और इल्हाम से सुशोभित हुए। 1889 ई० में आपने ख़ुदा तआला के आदेशानुसार बैअत[1] लेने का सिलसिला प्रारंभ किया और एक पवित्र जमाअत की नींव रखी। इल्हाम व कलाम का सिलसिला दिन प्रति दिन बढ़ता गया और आपने ख़ुदा के आदेशानुसार यह घोषणा की कि आप अंतिम युग के वही सुधारक हैं जिस की भविष्यवाणियाँ संसार के समस्त धर्मों में भिन्न-भिन्न नामों से उपस्थित हैं।

आपने यह भी दावा किया कि आप वही मसीह मौऊद व महदी माहूद हैं जिसके आने की भविष्यवाणी आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने की थी। जमाअत अहमदिया अब तक संसार के 200 से अधिक देशों में स्थापित हो चुकी है।

---

1 **बैअत**- किसी नबी, रसूल, अवतार या पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना- अनुवादक

1908 ई० में जब आप का स्वर्गवास हुआ तो उसके पश्चात पवित्र क़ुरआन तथा आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की भविष्यवाणियों के अनुसार आपके आध्यात्मिक मिशन की पूर्णता हेतु खिलाफ़त का सिलसिला स्थापित हुआ। अत: इस समय हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ आप के पंचम ख़लीफ़ा और विश्वस्तरीय जमाअत अहमदिया के वर्तमान इमाम हैं।

पुस्तक परिचय
(लुज्जतुन्नूर)

यह पुस्तक हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने इस्लामी देशों अरब, फ़ारस, रोम तथा सीरिया इत्यादि के संयमी लोगों तथा नेक उलमा और सूफ़ियों को तबलीग़ करने के लिए में लिखी है तथा इसके लिखने का वास्तविक कारण वह इल्हाम तथा स्वप्न हुए जिन में आप को अल्लाह तआला ने यह ख़ुशख़बरी दी थी कि विभिन्न देशों के पवित्र तथा नेक बन्दे आप पर ईमान लाएंगे और आप के लिए दुआएं करेंगे और यह कि अल्लाह तआला आपको बरकत पर बरकत देगा यहाँ तक कि बादशाह आपके कपड़ों से बरकत ढूंढेंगे।

यह पुस्तक 1900 ई० में लिखी गई। पुस्तक से ज्ञात होता है कि हज़रत अक़दस की इच्छा कई अध्याय लिखने की थी (देखो पृष्ठ-6 लुज्जतुन्नूर) परन्तु आपने एक ही अध्याय लिखा तथा फिर ज्ञात होता है कि आपका ध्यान अन्य पुस्तकों की ओर आकर्षित हो गया और इस पुस्तक का समान्य प्रकाशन आपके देहांत के पश्चात फ़रवरी 1910 ई० में हुआ।

इस पुस्तक के आरंभ में आपने अपना उपनाम अबू महमूद अहमद लिखा है तथा इसमें आपने अपने दावा मसीह मौऊद तथा महदी माहूद की सच्चाई साबित करने के लिए युग की आवश्यकता को दलील के रूप में प्रस्तुत किया है। और अपनी जीवनी, अपने रब्बानी इल्हाम से सम्मनित होने तथा अपने युग की अवस्था का स्पष्टता तथा विस्तार से वर्णन फ़रमाया है और क़ौमों तथा धर्मों में झगड़े का वर्णन करते हुए इस्लामी संसार की धार्मिक तथा सांसारिक बुरी अवस्था का बहुत दर्दनाक नक्शा खींचा हैं। उनके आपसी मतभेद एवं फूट और उनकी भ्रष्ट आस्थाएँ और मुसलमान उलमा और सूफ़ियों और सामान्य मुसलमानों की ख़राबियों तथा कुफ्र और अधर्मता तथा इस्लाम पर आक्रमण करने वाले शत्रुओं के समक्ष उनकी बेबसी का विस्तारपूर्वक वर्णन फ़रमाया है। और अंत में पादरियों

के आक्रमणों का वर्णन करके यह ख़ुशख़बरी दी है कि अल्लाह तआला ने मेरे हाथों पर उन्हें खुली-खुली पराजय दी है तथा वे मैदान से भागने पर विवश हो चुके हैं। और फ़रमाया है कि

اليوم يئس الذين كانوا يصولون على الاسلام

(लुज्जतुन्नूर, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द 16 पृष्ठ 475)

अर्थात आज इस्लाम पर आक्रमण करने वाले कुफ्फ़ार निराश हो गए हैं और उपकार का वर्णन करते हुए फ़रमाया है कि अल्लाह तआला ने मुस्लिहीन की समस्त शर्तें मुझ में एकत्र कर दीं हैं तथा उसने मुझे प्रत्येक प्रकार अध्यात्म लाभ प्रदान किए हैं और मेरी प्रत्येक इच्छा पूरी की तथा प्रत्येक प्रकार की धार्मिक और सांसारिक नेमतों से मुझे मालामाल किया है। उन नेमतों का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए इस नेमत का भी वर्णन किया है कि कई बार मनुष्य इस विचार से उदास तथा हतोत्साहित और दुखी रहता है कि उसका कोई बेटा नहीं होता जो उसकी मृत्योपरांत उसका उत्तराधिकारी हो परन्तु अल्लाह तआला के फ़ज़ल और दया से इस प्रकार का दु:ख मुझे एक पल के लिए भी नहीं हुआ।

واعطانی ربی ابناءً الخدمةملته

क्योंकि मेरे रब्ब ने मुझे अपने पास से बेटे प्रदान किए हैं जो इस्लाम धर्म की सेवा करेंगे।

(लुज्जतुन्नूर, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द 16 पृष्ठ 398)

इस पुस्तक में आप ने इस आरोप को भी रद्द किया कि नाऊज़ूबिल्लाह आप ने अपनी पुस्तक में नेक उलमा का अपमान किया है। आप फ़रमाते हैं:-

"हम नेक तथा सालेह उलमा तथा सम्माननीय शुरफ़ा के अपमान से ख़ुदा तआला की पनाह (शरण) मांगते हैं बेशक वे मुसलमान हों या आर्य या ईसाई या किसी और धर्म के हों अपितु हम तो उनके अधम तथा बेहूदा लोगों में से भी केवल उनका वर्णन करते हैं जो अपनी व्यर्थ बातों और निंदा तथा गाली-गलौज में विख्यात हो चुके हैं। परन्तु जो लोग मूर्खता और गाली-गलौज से बरी हैं हम उनका भलाई से वर्णन करते और उनका सम्मान करते तथा उनसे भाईयों के समान प्रेम रखते हैं।

(लुज्जतुन्नूर से अनुवाद, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द 16 पृष्ठ 409)

और इस पुस्तक में हज़रत अक़दस ने यह महान भविष्यवाणी भी दर्ज फ़रमाई है कि:-

"अल्लाह तआला मेरी सहायता करेगा यहाँ तक कि मेरा आदेश अथवा मेरी सन्देश धरती के पूर्व तथा पश्चिम में पहुंचेगा।"

(लुज्जतुन्नूर से अनुवाद, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द 16 पृष्ठ 408)

यह मूल पुस्तक अरबी भाषा में है और उसके नीचे फ़ारसी भाषा में अनुवाद भी लिखा गया है।

ख़ाकसार

जलालुद्दीन शम्स

بسم الله الرحمٰن الرحيم

الحمد لله ربّ الارضين والسماوات العُلٰى، وسلام على عباده الذين اصطفٰى. أمّا بعد فهذا مكتوب مِن مَظهَرِ البُروزَين ★ ووارثِ النبيَّينِ، عبدِ الله الاحد أبى المحمود أحمد عافاه الله وأيّد، إلى عباد الله المتّقين الصالحين العالمين من العرب وفارس وبلاد الشام وأرض الروم وغيرها من بلاد توجد فيها علماء الإسلام، الذين إذا جاء هم الحق، وعُرض عليهم المعارفُ الإلٰهيّة والبشارات السّماوية بسلطانها وقوّتها و لُمعانها، اختضعتْ لقبولها قلوبُهم، وحفَدوا إليها

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

प्रत्येक प्रकार की प्रशंसा अल्लाह के लिए है जो ज़मीनों और बुलंद आसमानों का रब्ब है और सलामती हो उस के प्यारे बन्दों पर। तत्पश्चात यह पुस्तक दो बुरूज़ों (प्रतिरूपों) के द्योतक तथा दो नबियों (अर्थात हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम और सय्यदना हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) के उत्तराधिकारी, अद्वितीय ख़ुदा के बन्दे अबू महमूद अहमद (عافاه اللهُ وآيد) की ओर से अल्लाह तआला के उन संयमी, नेक तथा विद्वान बन्दों के नाम है जो अरब, फ़ारस, सीरिया, रोम तथा विभिन्न देशों से हैं। इन देशों में इस्लाम के ऐसे उलमा मौजूद हैं कि जब उनके पास

★ قدجرت عادة اكثر علماء الاسلام انّهم يسمّون البروز قدمًا ويقولون مثلًا ان هٰذا الرجل على قدم موسٰى وذالك على قدم ابراهيم۔ منه

अधिकतर इस्लाम के उलमा की यह आस्था रही है कि वह बुरूज़ का नाम "क़दम" रखते हैं। उदाहरणतया वे कहते हैं कि यह व्यक्ति मूसा अलैहिस्सलाम के क़दम पर है और वह इब्राहीम अलैहिस्सलाम के क़दम पर। इसी से।

مطيعين مؤمنين ولا يمرّون عليها معرضين مستكبرين. وإذا بلغهم خبرٌ من رجل أثرٌ من عبد بعثه الله لتجديد الدين وتائيده، تراءتْ نضارة الفرح على وجوههم، ويسعى النور الا جباههم۔

وحمدوا الله وشكروا له على ما رحم ضعفاء الإسلام، وقاموا مستبشِرين وخرّوا ساجدين. وترى أعينهم تفيض من الدمع بما رأوا رحمة الحق، ووجدوا أيام الله وبما كانوا أنفدوا الاعمار منتظرين، ويشدّون الرحال للقاء ذالك العبد المبعوث بعدما عرفوا الحق، ويخلصون النيّاتِ

सत्य आता है और उनके समक्ष ख़ुदा के आध्यात्म ज्ञान और आकाशीय ख़ुशख़बरी अपनी प्रतिष्ठा और अपनी शक्ति और अपनी चमक के साथ प्रस्तुत किए जाते हैं तो उनके दिल उन्हें स्वीकार करने के लिए विनम्रता का प्रदर्शन करते हैं तथा वे आज्ञापालन करते हुए और ईमान लाते हुए उनकी ओर दौड़े चले आते हैं। और वह उनके निकट से ऐतराज़ करने वालों तथा अहंकारी लोगों के समान नहीं गुज़र जाते और जब उन्हें किसी ऐसे मनुष्य के बारे में सूचना अथवा किसी व्यक्ति की रिवायत पहुंचे जिसे अल्लाह ने धर्म को जीवित करने के लिए भेजा हो तो उनके मुख पर प्रसन्नता की ताज़गी प्रकट होती है तथा उनके मस्तकों पर प्रकाश दौड़ता है।

वे अल्लाह की प्रशंसा करते हैं तथा उसका धन्यवाद करते हैं इस पर कि उसने इस्लाम के कमज़ोरों पर दया की। वे अत्यंत प्रसन्नता पूर्वक नमाज़ में खड़े होते तथा सज्दह में गिर जाते हैं। और तू देखेगा कि उनकी आँखों से आंसू बहते हैं इस का कारण यह है कि उन्होंने सच्चे ख़ुदा की दया को देख लिया तथा ख़ुदा के दिनों को पा लिया। इस कारण कि उन्होंने प्रतीक्षा करते-करते अपनी

ويطهّرون الضمائر و يجرّدون القصد والهمّة له، ويسعون إليه وإن كان فى الصين. ولا يكونون كالذى أساء الادب علىٰ أهل الله، وإذا سمع قولا منهم مُحْدَثًا فى زعمه ما صبر طُرفةَ عين واستعجل و بلّغ ظنون السوء إلى منتهاها، وصال معاديًا وسبّ وشتم وافترٰى، و كفّر وآذى وأغرى القومَ وحَضا، وما وجد سهمًا إلا رمٰى، وما ظفر بكيد إلّا أَسْدى، وقصَد عِرْضَ رجال الله ونَفْسَهم وما خاف يومًا فيه يؤخذ ويُجزى، وصار أوّلَ المنكرين. بل يتأدّبون مع الله وأهله، ويصبرون حتى يتجلّى لهم وجه الحقّ، فيرحمهم الله بسيرتهم

उमरें गुज़ार दीं तथा सच्चाई को पहचान लेने के पश्चात् उस अवतरित किए गए बन्दे से मिलने के लिए वह सफ़र पर चल पड़ते हैं। और वह शुद्ध नीयतें रखते हैं तथा अपने अंत:करण को पवित्र करते हैं और उसके लिए अपने इरादों और साहस को अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं से अलग करते हैं तथा उसकी ओर दौड़े चले जाते हैं चाहे वह चीन में ही हो। वे उस व्यक्ति के समान नहीं होते जो कि ख़ुदा के वलियों के साथ असभ्यतापूर्वक व्यवहार करता है और जब उनसे कोई ऐसी बात सुनता है जो उसके विचार में नई है तो वह तनिक भी सब्र नहीं करता, शीघ्रता से काम लेता है तथा कुधारणा को चरम सीमा तक पहुंचा देता है, शत्रुतापूर्ण आक्रमण करता है और गाली-गलौज करता है और झूठ बोलता है और कुफ़्र करता है तथा कष्ट पहुंचाता है और लोगों को भड़काता है और आग लगाता है, वह हर तीर चलाता है और जिस यत्न की उसको शक्ति हो वह कर गुज़रता है। वह ख़ुदा के बन्दों के सम्मान तथा उनके प्राण लेने की घात में रहता है तथा वह उस दिन से नहीं डरता जिस में वह पकड़ा जाएगा और दंड दिया जाएगा। और वह इंकार करने वालों में सबसे आगे होता है जबकि वे (नेक लोग) अल्लाह

هـذه، ولا يفوتـهم خـير ولا يكونـون مـن المحرومـين. وتلـك قـوم مـا يعلمـهم إلّا الله و لا أعلـم أسـماء هـم وصُورهـم، بيـد أنى رأيـتُ فى مبشِّـرة أُرِيتُهـا جماعـةً مـن المؤمنـين المخلصـين والملـوك العادلـين الصالحـين بعضـهم مـن هـذا المُلـك، وبعضـهم مـن العـرب، وبعضـهم مـن فـارس، وبعضـهم مـن بـلاد الشـام، وبعضـهم مـن أرض الـروم و بعضـهم مـن بـلاد لا أعرفهـا، ثـم قيـل لى مـن حضـرة الغيـب إن هـؤلاء يصدّقونـك، ويؤمنـون بـك ويصلّـون عليـك ويدْعـون لـك، وأُعْطِـىَ لـك بـركات حـتى يتـبرّك الملـوك بثيابـك و أدخِلـهم فى المخلصـين. هـذا رأيـتُ فى

तआला और अल्लाह के बन्दों के साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करते हैं तथा सब्र करते हैं यहाँ तक कि सच्चे ख़ुदा का चेहरा उन पर ज़ाहिर होता है। अत: उनकी इस आदत के कारण अल्लाह तआला उन पर दया करता है और कोई भलाई उनसे व्यर्थ नहीं होती तथा न ही वे वंचितों में से होते हैं। यह एक ऐसी क़ौम है कि जिन्हें केवल ख़ुदा ही जानता है। मैं न तो उनके नाम जानता हूं और न ही उनकी सूरतें, सिवाय इसके कि मैंने स्वप्न में देखा जिसमें मुझे निष्कपट मोमिनों तथा नेक और न्यायवान बादशाहों का एक समूह दिखाया गया उनमें से कुछ इस देश के हैं और कुछ अरब के हैं, कुछ फ़ारस के हैं, और कुछ सीरिया के हैं, कुछ रोम के हैं तथा कुछ ऐसे देशों के हैं जिन्हें मैं नहीं पहचानता। फिर उस हस्ती की ओर से जिसे शारीरिक आँखों से नहीं देखा जा सकता मुझे बताया गया कि ये वे लोग हैं जो तेरा सत्यापन करेंगे और तुझ पर ईमान लाएंगे और तुझ पर दुरुद भेजेंगे और तेरे लिए दुआ करेंगे। और मैं तुझे बरकत पर बरकत दूंगा यहाँ तक कि बादशाह तेरे कपड़ों से बरकत ढूंढेंगे। और मैं उन्हें निष्ठावानों में दाख़िल करूंगा। यह तो मैंने स्वप्न में देखा और सर्वज्ञ ख़ुदा की ओर से मुझे इल्हाम भी किया गया। तत्पश्चात मेरे दिल में डाला गया कि मैं उनके लिए

المنـام وأُلهمـت مـن الله العـلّام. ثـم بعـد ذالـك أُلقـىَ فى روعـى أن أؤلّـف لـهم كُتبًـا و أكتـب فيهـا كل مـا فُتِـحَ علىّ مِـن خالقـى، وأعلّمـهم كلّ مـا عُلّمـتُ مـن الحقائـق الصادقـة والمعـارف العاليـة المطهـرة، وأُعثِـرَ عليـهم ممّـا رزقـنى ربى مـن آيـات ظاهـرة، و خـوارق باهـرة و دلائـل موصـلة إلى علـم اليقـين، لعلّـهم يعرفونـنى، ولعلـهم يكونـون أنصـارى فى سُـبل ربّ العالمـين۔

فاعلمـوا أيهـا الاعـزّة، رحمكـم الله أن هـذا الكتـاب مـن كتـبى الـتى ألّفتهـا لهـذا المقصـد، وإنى أُهدِيـه إلى سـادات

कुछ पुस्तकें लिखूं और उनमें प्रत्येक वह बात लिखूं जो मेरे सृष्टा ने मुझ पर खोली है और जो सच्ची वास्तविकताएँ तथा उच्च और पवित्र आध्यात्म ज्ञान मुझे सिखाए गए हैं वह समस्त मैं उन्हें सिखाऊँ। और जो मेरे रब्ब ने मुझे भौतिक निशानों, ज्वलंत चमत्कारों और इल्मुल यक़ीन (अटल विश्वास) तक पहुंचाने वाले तर्क प्रदान फ़रमाए हैं उनसे उन्हें अवगत कराऊं ताकि शायद वह मुझे पहचान लें और ताकि वे समस्त लोगों के प्रतिपालक के मार्गों में मेरे सहायक हो जाएँ।

अत: हे प्यारो! ख़ुदा तुम पर दया करे। तुम जान लो कि मेरी यह पुस्तक उन पुस्तकों में से है जो मैंने इस मक़सद के लिए लिखीं हैं और मैं इन्हें अरब तथा सीरिया के सय्यदों के लिए उपहार स्वरूप प्रस्तुत करता हूँ। और जो मेरे प्रतापवान एवं प्रतिष्ठावान ख़ुदा ने मुझ पर अनिवार्य किया है, पहुंचाता हूँ ताकि नेक लोग अपनी मनोकामना पा लें और विमुख होने वालों पर हुज्जत पूरी हो जाए और मैंने ख़ुदा से दुआ की है कि वह इस (पुस्तक) को मुसलमानों के संप्रदायों के लिए मुबारक करे और लोगों के दिलों को इस ओर फेर दे और उस से अपने नेक बन्दों को बहुत सा लाभ प्रदान करे। निस्संदेह वह प्रत्येक चीज़ पर सामर्थ्यवान है और दया

العرب والشام، وأبلّغ ما علىّ من ربى ذى الجلال والإكرام، لينال السعدائُ مُرادهم وليتمّ الحجّة على المعرضين. وسألتُ الله أن يجعله مباركًا لطوائف المسلمين و يجعل أفئدةً من الناس تهوى إليه، و يجعل منه حظًّا كثيرًا لعباده الصالحين، وإنه على كل شيء قدير، وإنه أرحم الراحمين. وأرجو من أصحاب القلوب ورجال البصيرة أن لا يعجَلوا علىّ كما عجِل بعض سكّان هذه البلاد من البخل والعناد، فإن العجلة على أهل الله والذين أُمِروا من حضرته ليس بخير، ولا يُعقِب إلا ضيرًا، ولا يزيد إلا غضب الله فى الدنيا وفى يوم الدين. ولا يرى المستعجل سبلَ الصدق والسَّداد، ولا يُعَزُّ فى هذه ولا فى المعاد، ويموت مُهانًا وهو من العَمِين. وإن لحوم الاولياء

करने वालों में से सबसे बढ़ कर दया करने वाला है। मैं दिलवालों तथा विवेकवानों से आशा करता हूँ कि वह मेरे बारे में जल्दबाज़ी से काम नहीं लेंगे जैसा कि इस देश के लोगों में से कुछ ने कृपणता तथा शत्रुता के कारण जल्दी की है। निस्संदेह अल्लाह वाले लोगों तथा उन लोगों के विरुद्ध जिन्हें ख़ुदा तआला की ओर से भेजा गया हो जल्दी करने में भलाई नहीं है और इसका परिणाम हानि ही होता है। और यह इस संसार में तथा प्रतिफ़ल के दिन में केवल ख़ुदा के प्रकोप को ही बढ़ाती है। जल्दबाज़ कभी भी सच्चाई तथा सन्मार्ग को नहीं देख सकता, न इस लोक में उसको सम्मान प्राप्त होता है और न उस लोक में और वह अपमान की मौत मरता है और वह अंधों में से है। निस्संदेह औलिया किराम के मांस विषैले होते हैं। अत: जो कोई भी उनकी चुग़ली करके अथवा गाली-गलौज कर के उसको खाएगा वह उसी समय ही मर जाएगा। और सावधानी पूर्वक चलने वालों तथा संयम धारण करने वालों के लिए ख़ुशख़बरी है। मैंने इस पुस्तक को (कुछ) अध्यायों के रूप में लिखा है ताकि पढ़ने वालों को

مسـمومة، فمـا أكلهـا أحـد بغِيبتـهـم وسَـبِّهم إلا مـات عـلى
مكانـه، وبُشـرى للمجتنبـين المتّقـين۔ وإنى رتّبـت هـذا الكتـاب
عـلى أبـواب، لئـلّا يشـقّ عـلى طـلّاب، ومـع ذالـك سـلكْنا مسـلكَ
الوسـط ليـس بإيجـازٍ مخـلّ و لا إطنـابٍ ممـلّ. رَبِّ اجعـلْه
كتابـا مبـاركا شـافيا لصـدور الطالبـين، ونـورًا منـوِّرًا لقلـوب
المتدبرين۔ آمـين

★ ★ ★

कठिनाई न हो। अत: हम ने मध्यवर्ती मार्ग अपनाया है, न इतना संक्षेप है कि विघ्न उत्पन्न करे तथा न ही इतना विस्तार है कि थका दे। हे मेरे रब्ब! इस पुस्तक को मुबारक बना दे जो सत्याभिलाषियों को सन्मार्ग प्रदान करने वाली हो और ऐसा नूर बना दे जो सोच-विचार करने वालों के दिलों को प्रकाशमान करने वाला हो। आमीन

★ ★ ★

البابُ الاوّل

فی ذکرِ أحوالی وذکر ما ألهمَنی ربی، وذکرِ وقتی
وزمانی وما أراد اللّٰہ بإرسالی، وذکرِ تفرقة الاٰمم و
الملل والنحل، وضرورةِ حَکَمٍ من اللّٰہ الحکیم الوال۔
یا عباد اللّٰہ، رحمکم اللّٰہ، اعلموا أنی عبد من عباد اللّٰہ
الملهَمین المأمورین. بعثنی ربی لأُقیم الشریعة وأُحیی الدین،
وأُتمّ الحجّة علی المنکرین. وأنا المسمّی من اللّٰہ بأحمدَ مع
أسماء أخری ذکرتُها فی مواضعها، واسم أبی میرزا غلام
مرتضٰی، وأبوه میرزا عطا محمد و میرزا عطا محمد ابن میرزا

प्रथम अध्याय

मेरे हालात और मुझ पर मेरे रब्ब की ओर से किए गए इल्हाम, मेरे समय और युग तथा मेरे अवतरण द्वारा अल्लाह तआला के उद्देश्य का वर्णन। इसी प्रकार क़ौमों तथा धर्मों के मतभेद तथा हकीम ख़ुदा की ओर से हकम (निर्णायक) की आवश्यकता के बारे में है

हे ख़ुदा के बन्दो! अल्लाह तुम पर दया करे। जान लो कि मैं ख़ुदा के इल्हाम प्राप्त और आदेशित बन्दों में से एक बन्दा हूँ। मेरे रब्ब ने मुझे इसलिए अवतरित किया है कि मैं शरीअत को स्थापित करूं, धर्म को जीवित करूं और इंकार करने वालों पर समझाने का अंतिम प्रयास पूर्ण करूं। मुझे अल्लाह तआला की ओर से उन अन्य नामों के साथ अहमद का नाम भी दिया गया है जिन का मैंने उनके (उचित) स्थानों पर वर्णन किया है। मेरे पिता का नाम मिर्ज़ा ग़ुलाम मुर्तज़ा है और उनके पिता मिर्ज़ा अता मुहम्मद हैं, मिर्ज़ा अता मुहम्मद इब्ने मिर्ज़ा गुल मुहम्मद, मिर्ज़ा गुल मुहम्मद इब्ने मिर्ज़ा फैज़ मुहम्मद,

گل محمد، و میرزا گل محمد ابن میرزا فیض محمد، و میرزا فیض محمد ابن میرزا محمد قائم و میرزا محمد قائم ابن میرزا محمد أسلم و میرزا محمد أسلم ابن میرزا محمد دلاور، و میرزا محمد دلاور ابن میرزا إله دین و میرزا إله دین ابن میرزا جعفر بیك و میرزا جعفر بیك ابن میرزا محمد بیك و میرزا محمد بیك ابن میرزا عبد الباقی، و میرزا عبد الباقی ابن میرزا محمد سلطان و میرزا محمد سلطان ابن میرزا عبد الهادی بیگ. و بعد هذا لا أعلم أسماء آبائی المتقدمین. ولٰكنّی قرأت فی بعض كتب فیها تذكرةُ آبائی أنهم كانوا من سمرقند، و كانوا من بیت السلطنة و الإمارة، ثم صُبّت علیهم المصائب فظعنوا

मिर्ज़ा फैज़ मुहम्मद इब्ने मिर्ज़ा मुहम्मद क़ायम, मिर्ज़ा मुहम्मद क़ायम इब्ने मिर्ज़ा मुहम्मद असलम, मिर्ज़ा मुहम्मद असलम इब्ने मिर्ज़ा मुहम्मद दिलावर, मिर्ज़ा मुहम्मद दिलावर इब्ने मिर्ज़ा इलाहुद्दीन, मिर्ज़ा इलाहदीन इब्ने मिर्ज़ा जाफ़र बैग, मिर्ज़ा जाफ़र बैग इब्ने मिर्ज़ा मुहम्मद बैग, मिर्ज़ा मुहम्मद बैग इब्ने मिर्ज़ा अब्दुल बाक़ी, मिर्ज़ा अब्दुल बाक़ी इब्ने मिर्ज़ा मुहम्मद सुल्तान, मिर्ज़ा मुहम्मद सुल्तान इब्ने मिर्ज़ा अब्दुल हादी बेग। और मैं इनसे पहले अपने पूर्वजों के नाम नहीं जानता परन्तु मैंने कुछ पुस्तकों में जिन में मेरे पूर्वजों का वर्णन था, पढ़ा है कि वे समरकंद के थे तथा बादशाह के वंशजों में से थे। फिर उन पर संकट आए जिनके कारण वे अपने घरों, मित्रों तथा पड़ोसियों को छोड़ कर चले गए यहाँ तक कि इस देश में पहुंच गए और अपनी यात्रा की सवारियों को यहाँ अपने समस्त साथी सेवकों, अपने भाइयों तथा अपने मित्रों और अपने सहायकों सहित बिठा दिया। फिर उन्होंने हिंदुस्तान के बादशाह बाबर से भेंट करने का इरादा किया और उस से कहा कि वह उन्हें अपने बड़े पदाधिकारियों में सम्मिलित कर ले। अत: दयालु ख़ुदा की कृपा से उन्होंने

عن بلدة دارهم و إلْفِهم و جارِهم، حتى وصلوا إلى هذه الديار، وأناخوا بها مطايا التَسْيار، مع رفقةٍ من خَدَمِهم و إخوانهم وأحبابهم و ٓ أعوانهم. ثم قصدوا أن يعتمروا مَلِكَ الهند «بابر»، ويسألوا عنه أن يُدخِلهم فى أكابر، فوجدوا ما قصدوا من فضل الله الرحيم وانتظموا فى أمراء هذا المَلِكِ الكريم. ثم بدء لهم أن يتخذوا وطنهم هذه الديارَ، وأُعطوا قُرٰى كثيرة من السلطنة المُغْلِيّة والاملاكَ والعَقارَ، ونسوا أيام الغربة والهموم والافكار. و بينا هم فى ذالك إذ قُلِّبَتْ أمورُ السلطنة المُغْلِيّة، وظهر الفساد فى الثغور، وما قدَر الدولةُ أن تُحامى عن الرعايا تطاوُلَ المفسدين والخُلْسةَ، و كثُر سفكُ الدماء وبَثْكُ الرقاب، ونهبُ الاموال و هتكُ الحجاب، واستصعبَ

अपने उद्देश्य को प्राप्त कर लिया। और वे इस सम्मानित बादशाह के वज़ीरों के साथ जुड़ गए। तत्पश्चात इन लोगों (के दिलों) में आया कि इस देश को ही अपना निवास स्थान बना लें। और उन्हें मुग़लिया साम्राज्य की ओर से बहुत से गाँव, संपत्ति तथा धन प्रदान किया गया। और वे बेवतनी के बुरे दिन तथा समस्त दु:ख दर्द भूल गए। वे इसी अवस्था में थे कि अचानक मुग़लिया साम्राज्य उलट-पलट हो गया और सरहदों पर अराजकता फैल गई। और हुकूमत में इतनी शक्ति न थी कि वह उपद्रवियों, अत्याचारियों तथा चोर उचक्कों के उपद्रव से प्रजा की रक्षा कर सके। रक्तपात, मारकाट, लूट-पाट और अफरा-तफरी बहुत बढ़ गई, व्यवस्था चलाना कठिन हो गया, दु:ख तथा कठिनाईयां बहुत बढ़ गईं। अत: मुग़लिया हुकूमत शासन में अपना स्थान खो बैठी और इस देश के राजाओं ने आज्ञापालन छोड़ दिया और वे किसी भी हुकूमत को न मानते हुए उपद्रवियों की तरह आज़ाद तथा हुकूमत में स्वेच्छाचारी हो गए। अत: उन दिनों हमारी खोई हुई रियासत कुछ समय के लिए दोबारा हमारे पास लौट आई और हम

الانتظام، وزادت الكروب والآلام. فترَك الدولةُ المغلية هذا القدرَ من المملكة، وخُلِّصَ أعناقُ أمراء هذه الديار مِن رِبْقة الإطاعة، وصاروا كطوائف الملوك غير تابعين لاحد من دول، والمختارين فى الحكومة. ففى تلك الايام رجعتْ إلينا دولتُنا المفقودة إلى أيام، وكنّا نرمى عن قوس المِراح إلى غرض الافراح بأمن وسلام، وعِشْنا عيشة السرور والراحة ولبثنا علٰى ذالك إلى مدّة أراد الله ذو الجلال والعزة. ثم طلع نجمُ إقبالِ مشركى الهند الذين سُمّوا بالخالصة فعصفتْ بنا ريحُ الحوادث فى تلك الايام، وقُلِعَ ما خيّمْنا بصراصرِ جَور هذه الاقوام، وصار الامن محرّمًا كصيدِ حَرَمِ البيت الحرام۔ ونبَذْنا عُلَقَنا وعلاقتنا بالاضطرار، وخلَسها الخالصةُ بقدر الله القهّار، فزَمَّ

अमन तथा सलामती के साथ आराम की कमान से खुशियों को निशाना बना रहे थे तथा प्रसन्नता और आराम का जीवन व्यतीत कर रहे थे। हम इस अवस्था में उस समय तक रहे जब तक प्रतापी और प्रतिष्ठित ख़ुदा ने चाहा। फिर हिंदुस्तान के मुश्रिक जिन्हें ख़ालसा (सिक्ख) के नाम से पुकारा जाता है उनके सौभाग्य का सितारा उदय हुआ। अत: उन दिनों हम पर घटनाओं की आंधियां चलीं और जो तंबू हमने लगाए थे वह इन क़ौमों के अत्याचारों की प्रचंड हवाओं से उखड़ गए तथा अमन इस प्रकार हराम (अवैध) हो गया जैसे क़ाबा के हरम में शिकार करना हराम है। अत: विवशता के कारण हमें अपनी प्रिय संपत्ति तथा क्षेत्र त्यागना पड़ा और कह्हार (महाप्रकोपी) ख़ुदा के निर्णयानुसार सिक्खों ने इसे लूट लिया। अत: हमारे पूर्वजों ने अपने नफ़्सों (दिलों) की ऊंटनियों को सब्र की लगाम दी। वह अपनी जंगों में मुश्रिकों से पराजित होने वाले तो न थे परन्तु भाग्य ने उन्हें पराजित कर दिया। इसमें विवेकवानों के लिए सीख है। इसी प्रकार हमारे पूर्वजों पर मुसीबतों के पहाड़ टूट पड़े तथा एक के बाद एक

آباؤنا نُوق نفوسهم بزمام الاصطبار، وما كادوا يُعجَزون من المشركين فى حروبهم ولكن القدر أعجزَهم و كان فى ذالك عبرة لاولى الابصار. و كذالك صُبّت على آبائنا المصائب وتواترت النوائب، حتى انتهى الامر إلى أنهم عُطّلوا من إمارتهم وسياستهم، وأُخرجوا من دار رياستهم. فلبثوا فى دار غربتهم إلى مدّة نحو ستين أعوام، حتى إذا ماتت الاعداء الذين وقعتْ بهم محاربات، وجهِل الناسَ حقيقةَ الواقع، رجعوا إلى الوطن متوارين مستورين، بما كانت الخالصة قوما ظالمين جاهلين. يسفكون الدماء على أدنى عثار، ولم يكن أمن من أيديهم لا فى ليل ولا فى نهار. وإذا انقضٰى عهد الدولة الخالصة، وجاء عهد الدولة الإنكلزية، نُجّينا من تلك المصيبة، ولم يبق إلا قصص من تلك الفئة الظالمة، وحُفظت بهذه الدولة العادلة أعراضُنا

कठिनाइयाँ आईं, बात यहाँ तक पहुँचीं कि वे अपनी हुकूमत के पदों से निकाल दिए गए तथा अपनी रियासत से निकाले गए। फिर उन्होंने साठ वर्ष के लगभग बेवतनी की अवस्था में गुज़ारा, यहाँ तक कि जब वह शत्रु मर गए जिन के कारण लड़ाइयां हो रही थीं और लोगों ने घटनाओं की वास्तविकता को भुला दिया तो वे छुपते छुपाते अपने वतन की ओर लौट आए क्योंकि सिक्ख एक अत्याचारी तथा मूर्ख क़ौम थी। वे एक छोटी सी बात पर भी रक्तपात करते थे। इनके हाथों से न तो रात को अमन था न दिन को। जब सिक्खों का राज्य समाप्त हुआ तथा अंग्रेज़ी हुकूमत का युग आया तब हमें इस मुसीबत से मुक्ति प्राप्त हुई और उस अत्याचारी क़ौम के वृतांत ही बाक़ी रह गए। इस न्यायप्रिय सरकार के कारण हमारे सम्मान, हमारे रक्त तथा हमारी संपत्ति सुरक्षित हो गए और बीते दिनों में जो हम पर घटा वह सब भूल गए। और निस्संदेह यह सरकार इस देश के मुसलमानों के लिए बाबरकत है। उसने बिना किसी ज़ोर ज़बरदस्ती के प्रत्येक धर्म तथा जाति को पूर्ण आज़ादी प्रदान

ودماؤنا وأموالنا، ونسينا كلَّ ما جرى علينا فى الايام الخالية. و لا شك أن هذه الدولة مباركة لمسلمى هذه الديار وقد أعطتْ كلَّ ديانة وملّة حريةً تامّة من غير الإكراه و الإجبار، فنشكر الله ونشكر هذه الدولة، فإنا نُقلنا به إلى الجنة من النار۔ بيد أن القسوس قد انتبذوا الحق ظِهْرِيًّا۔ و لم يأتوا فيما دوّنوه إلا أمرًا فَرِيًّا. وقد جمعتْ هممُهم على إعدام الإسلام، وقلعِ آثار سيّدنا خير الانام. يدعون الناسَ إلى اللّظٰى و الدَرَك، ناصبين شَرَكَ الشِرْكِ. و يقولون إن المسيح ابن مريم جمَع فى

की। अत: हम अल्लाह तआला का शुक्र अदा करते हैं और इस सरकार का भी शुक्र अदा करते हैं क्योंकि इस के कारण हम नर्क से स्वर्ग की ओर आ गये। हाँ यद्धपि पादरियों ने सच्चाई को पीठ पीछे डाल दिया तथा जो कुछ भी उन्होंने★ संपादित किया वह केवल बनावटी बातें हैं। उनकी शक्तियाँ इस्लाम को मिटाने और हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के निशानों को झुठलाने के लिए एकत्रित हैं। वह शिर्क (ख़ुदा के अतिरिक्त किसी की उपासना करना-अनुवादक) के जाल बिछाए लोगों को भड़कती हुई आग और गढ़े की ओर बुलाते हैं, और कहते हैं कि मसीह इब्ने मरियम ने अपने

★ قداصروا على انه صلب المسيح ونجّا المؤمنين به هٰذا الذبيح وقالوا ان الله لما اراد ان ينجّى الناس من جهنم انزل ابنه و كلمته وتجسّد اللاهوت تالّه الناسوت وصُلب ولُعن ودخل جهنم ابن الله ولبث فيها الىٰ ثلٰثة ايام و وزر وازرة المجرمين منه

★ निस्संदेह उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मसीह सलीब पर चढ़ गया तथा इस सलीब पर चढ़ने (सलीबी मौत) के द्वारा मोमिनों को मुक्ति दी और उन्होंने कहा कि जब अल्लाह तआला ने यह चाहा कि लोगों को नर्क से मुक्ति दिलाए तो उसने अपने बेटे तथा अपने कलिमा को भेजा। और ख़ुदा ने शारीरिक रूप धारण कर लिया तथा मनुष्यता ने ख़ुदाई रूप धारण कर लिया और वह सलीब दिया गया और लानत किया गया और अल्लाह का बेटा नर्क में प्रवेश कर गया तथा तीन दिन तक वहां पड़ा रहा और उसने मुजरिमों का बोझ उठा लिया। इसी से।

نفسه سِرَّ الناسوت واللاهوت ★ وإنّ هم إلّا عُبّاد الطاغوت. والذين قبلوا دينهم من أهل الإسلام، وارتدّوا من ملّة سيدنا خير الآنام، فهم يوجدون فى هذه البلاد فى زهاء ثمانين ألفًا أو يزيدون، وهم يسبّون نبيَّنا صلى الله عليه وسلم ويشتمون، ويكيدون ما يكيدون ويريدون أن يهُدّوا بُرْجَ الإسلام ويهدموه، ويتسلّقوا فيه مفسدين ويُسلِّموه. وإن القسوس قد خرجوا عن العدّ والإحصاء۔ وبلغوا عديدَ الحصى، وما بقى من بلدة ولا قرية إلا نُصِبتْ خيامهم فيها. ما وجدوا كيدًا إلّا استعملوه، وما مكرًا إلا أظهروه واستحرّتْ حربهم، وكثُر

दिल में इंसानियत तथा ख़ुदाई (दोनों) के राज़ एकत्र किए हुए थे। वे लोग तो केवल शैतान की उपासना करने वाले हैं। इस्लाम धर्म को मानने वालों में से वे लोग जो उनका धर्म स्वीकार कर चुके हैं और हमारे स्वामी हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के धर्म से मुर्तद हो चुके हैं वे इस देश में अस्सी हज़ार के लगभग अथवा इस से अधिक पाए जाते हैं। वह हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को गालियां देते हैं और बुरा भला कहते हैं तथा जो भी उपाय वे कर सकते हैं करते हैं और वे चाहते हैं कि इस्लाम के मीनार को गिरा दें तथा उसे ध्वस्त कर दें तथा उपद्रव फैलाते हुए उस पर चढ़ जाएँ तथा मुसलमानों को इस से बाहर निकाल दें। पादरी तो आंकड़ों से भी आगे निकल चुके हैं तथा कंकर पत्थर की भांति फैल चुके हैं। कोई भी शहर अथवा गाँव ऐसा नहीं बचा जहाँ तक उनकी पहुंच न हुई हो। उन्होंने कोई ऐसा उपाय नहीं पाया जिसका उन्होंने प्रयोग न किया हो तथा न कोई छल जिसे उन्होंने प्रदर्शित न किया हो। उनकी जंग का बाज़ार गर्म हो गया तथा उनका भाले चलाना तथा तलवार चलाना बहुत बढ़ गया है और उन्होंने ऐसी चालें चली हैं जिन के उदाहरण पहलों में नहीं मिलते और न ही उसका उदाहरण समस्त जहानों में पाया जाता है। अल्लाह तआला ने देखा कि

طعنهم وضربهم. وأرَوا مكائد لم يُر مثلها فى الاوّلين، ولم يوجد نظيرها فى العالمين. ورأى الله أن المسلمين لا يستطيعون أن يبارزوا أحزابهم، ورأى فيهم ضعفًا أصابهم، فرتَّب فضلًا مِن عنده فى مقابلة هذه الافواج الارضية أفواجًا فى السماء، وأنزلَ مسيحَه الموعود ليكسر صليب ★ الاعداء۔ وإن هذا الكسر ليس بسيف ولا سِنان، كما زعَمه فريق من عُميان، بل الكسر كله بدليل وبرهان، وآيات من السماء وسلطان. ولا يُستعمل سبب من أسباب الارض ولا يؤخذ سلاح من أسلحة هذا العالم،

मुसलमान यह सामर्थ्य नहीं रखते कि उनके गिरोहों से मुक़ाबला कर सकें और उसने उनमें चिमट जाने वाली कमज़ोरी देखी। अत: उसने अपनी ओर से फ़ज़ल फ़रमाते हुए उन ज़मीनी फ़ौजों के मुक़ाबले में आसमान पर फ़ौजें सुन्योजित की तथा अपना मौऊद मसीह भेजा ताकि वह शत्रुओं की सलीब को टुकड़े-टुकड़े कर दे। और यह सलीब का टूटना ★ तलवार तथा भालों से नहीं होगा जैसा कि अंधों का एक गिरोह विचार करता हैं, अपितु यह टूटना पूर्ण रूप से तर्क वितर्क के साथ तथा आसमानी निशानों और विजय के साथ होगा। ज़मीनी माध्यमों में से कोई माध्यम प्रयोग नहीं किया जाएगा और न इस संसार के हथियारों में से कोई हथियार लिया जाएगा। सच्चाई आएगी ताकि झूठ को ऐसे हथियार से समाप्त कर दे जिसे लोगों ने देखा भी न हो, आरंभिक युग से यही निर्णित था तथा नबियों की पुस्तकों में लिखा गया था

★قد جاء فى الاحاديث أن المسيح الموعود يكسر الصليب، ويُرٰى فى كسره الاعاجيب، وفهّمني ربّي أنّ كسر المسيح ليس بالمحاربات، بل يضَع الحروبَ كلها ويكسر ما بُنى على الصليب بالآيات منه

★हदीसों में आया है कि मसीह मौऊद सलीब को तोड़ेगा और उसके तोड़ने में विचित्र-विचित्र बातें नज़र आएंगी और मेरे रब्ब ने मुझे समझाया है कि मसीह का कसर (सलीब करना) जंगों के द्वारा नहीं होगा अपितु वह तो जंगों को समाप्त कर देगा। और जिन अक़ीदों की बुनियाद सलीब पर रखी हुई होगी उन्हें निशानों के द्वारा टुकड़े-टुकड़े कर देगा। इसी से।

وينـــزل الحـق ليُعـدِمَ الباطـل بسـلاح لا يـراه الخَلـق، و كان هـذا مقـدّرًا مـن بـدو الزمـان، ومكتوبًـا فى كتـب النبيـين ومَـن خالفـه فقـد عصـى وصايـا المرسـلين. ولا يـأتى المسـيح محاربًـا بالاسـنّة والسـهام والمرهَفـات، نعـمْ، يـأتى بعجائـب الخـوارق والآيـات. ومـن علاماتـه أن تسـمعوا عنـد وقـت مجيئـه أخبـارَ المحاربـات، ثـم تسـكُت الدول كلهـا ويميلـون إلى المصالحـات. ولا تبقـى حـرب فى الارض ولا غلبـة الفتـن والبدعـات، وتميـل النفـوس إلى التقـوى بعـد كثـرة المعاصـى وظلمـة شـديدة عـلى وجـه الارض وميـل النفـوس إلى السـيّئات. وإنكـم تـرون اليـوم كيـف تـراء تْ عسـاكر الإلحـاد، وظهـرت رايـات الفسـاد، وتجلّى عـلى القلـوب سـريرُ إبليـس، وأشـاع أهـلُه المكـرَ والتلبيـس، ونعَـرتْ كُوسـاتُه

और जिस ने इसका विरोध किया तो उसने रसूलों की वसीयतों की अवहेलना की। मसीह भालों, तीर, तेज़ धार तलवारें ले कर जंग करने नहीं आएगा, हाँ वह अजीब-अजीब विलक्षण निशानों के साथ आएगा, उसके चिह्नों में से यह भी है कि उसके आने के समय तुम जंगों की ख़बरें सुनोगे। फिर समस्त हुकूमतें चुप हो जाएंगी तथा संधि की ओर आकर्षित होंगी। ज़मीन में न जंग बाक़ी रहेगी तथा न उपद्रव तथा बिदअतों की विजय, और गुनाहों की अधिकता, ज़मीन पर सख्त अंधकार तथा बुराइयों की ओर लोगों के झुकाव के बाद इंसानी दिल तक़वा की ओर आकर्षित हो जाएँगे। आज तुम देख रहे हो कि इल्हाद (निरीश्वरवाद) की सेनाएं किस प्रकार स्पष्ट दिखाई दे रही हैं तथा उपद्रव के निशान प्रदर्शित हो रहे हैं। और दिलों पर इब्लीस के तख़्त का प्रभुत्व हो चुका है और उसका अनुकरण करने वाले चालबाज़ियों को फैला रहे हैं। उस के नकारे बुलंद आवाज़ से बज रजे हैं और इसके बिगुल प्रत्येक ओर से शोर मचा रहे हैं। उसके घोड़े चक्कर लगा रहे हैं। और उसके सैलाब बह रहे हैं। तुम देख रहे हो कि फ़ितनों (झगड़ों) के समन्दर

وصاحت من كل طرف بُوقاتُه، وجالت خيوله، وسالت سيوله. وترون بحور الفتن متموّجة، وآفات الارض فى ظهورها متوالية، و كثُرتْ أحزاب الفاسقين، وقلّت جماعة المتقين۔والذين قالوا إنا نحن على دين الله الإسلام، أماتَ قلوبَ أكثرهم سمُّ الاجترام، فما بقى فى أكُفِّهم إلا اسم الدين وصاروا كالانعام. واستبدلوا الخبيثاتِ بالذى هو من الطيبات، وغشّوا طبائعهم بغواشى الظلمات، وأعرضوا عن ذكر الله بتوجُّههم إلى العالم السفلى والشهوات. فلمّا أعرضوا عن جناب الحق ركدتْ نفوسهم، وانجذبتْ قريحتهم إلى الزخارف الدنيوية والمُقتنيات المادّيّة لمناسبتهم بالخبيثات، واشتدَّ حرصُهم ونَهْمتُهم وشغفُهم بها وألقاهم شُحُّ نفوسهم فى السيئات، وتمايلوا على

ठाठें मार रहे हैं और ज़मीनी आफतें एक के बाद एक अपना प्रकटन कर रही हैं। दुष्टों के समूहों की अधिकता हो गई है तथा संयमियों की जमाअत कम हो गई है। वे लोग जो कहते थे कि हम निस्संदेह अल्लाह तआला के इस्लाम धर्म पर स्थापित हैं अपराध के ज़हर ने उनमें से अधिकतर के दिलों को मुर्दा कर दिया है। उनके हाथों में धर्म के नाम के अतिरिक्त कुछ शेष नहीं रहा और वे जानवरों के समान हो गए हैं। उन्होंने पवित्र वस्तुओं के बदले में अपवित्र वस्तुएं लीं तथा अपने स्वभाव को अंधकारों के पर्दों से ढांप दिया है। वे भौतिक जगत और तामसिक इच्छाओं की ओर आकर्षण के कारण अल्लाह को भूल गए। अत: जब उन्होंने सच्चे ख़ुदा की ओर से मुंह फेरा तो उनके नफ़्स (एक ही) स्थान पर ठहर गए तथा मलिन वस्तुओं से उनका संबन्ध होने के कारण उनके स्वभाव सांसारिक एश्वर्य तथा भौतिक वस्तुओं की ओर झुकने लगे और उनके बारे में उनका लालच, वासना तथा आकर्षण बढ़ गया और उनके नफ़्सों के लालच ने उन्हें बुराइयों में डाल दिया। और वे संसार तथा उसकी नश्वर चमक-दमक की ओर आकर्षित हो गए।

الدنيا وزخارفها الفانيات

و كلما استكثروا فيها و ازدادحرصهم عليهاوشُحُّهم بهارجعواخائبين غيرفائزين إلى المرادات۔ وما كانت عاقبةُ أمرهم إلّا الضنك فى المعيشة، وانتياب الاذى على المُهْجة. وما نفَعهم كذبُهم و كيدهم وصخبهم لدنياهم واستأصل الله الراحةَ من قلوبهم، وأزال اضطجاع الامن من جنوبهم وتركهم فى أنواع الغمّ والتشوّشات، مع التغافل من الدين والضلالات، وما بقى لهم ذوق فى المناجاة، و لا تلذُّذٌ فى العبادات۔فحاصل الكلام أن الناس فى زماننا هذا قد انقسموا إلى قسمين، ولحِق كلَّ قسم مرضٌ بقَدَرِ ربّ الكونَين۔فالقسم الاول قوم النصارٰى، و تراهم للدنيا كالسكارٰى وفى عبادة المخلوق كالاسارى، والقسم الثانى... المسلمون الذين يقولون إنّا نحن

जब कभी भी उन्होंने इस (संसार) की धन-दौलत चाही और उन का लालच इस में बढ़ा तो वे हमेशा अपना उद्देश्य सफ़लता पूर्वक प्राप्त किए बिना असफ़ल, निराश और घाटे के साथ लौटे। उनकी इस बात का परिणाम सिवाए जीवनयापन के साधनों में तंगी तथा बार-बार आत्मा को कष्ट पहुंचने के और कुछ नहीं। संसार के लिए उनके झूठ, साज़िशों तथा कोलाहल ने उन्हें कुछ लाभ न दिया। अल्लाह तआला ने उनके दिलों से आराम खींच लिया तथा अमन भी उनसे दूर कर दिया और धर्म से सुस्ती तथा गुमराहियों के साथ-साथ उन्हें भिन्न-भिन्न प्रकार के दुखों और चिंताओं में छोड़ दिया। उनके लिए दुआओं में रुचि तथा इबादतों में आनन्द बाकी न रहा। अत: आश्य यह कि हमारे इस युग में लोग दो किस्मों में बंट गए हैं, और रब्ब की ओर से प्रत्येक किस्म को बीमारी लग गई है। अत: प्रथम किस्म क़ौम-ए-नसारा (ईसाई) हैं तू उन्हें देखता है कि वे संसार के लिए मदहोश के समान हैं तथा सृष्टि की उपासना में क़ैदियों के समान। और दूसरी किस्म मुसलमान हैं, जो कहते हैं कि हम मोमिन

مؤمنـون، ومـا بقـى فى أكثرهـم حـلاوةُ الديـن والإيمـان۔ ولا علـمُ كتـاب الله القـرآن. وبعـدوا مـن أعمـال البرّ وأفعـال الرشـد والصـلاح، وانتقلـوا مـن سـبل الفـلاح إلى طـرق الطـلاح. وعـادَ جمرُهـم رمـادًا، وصلاحـهم فسـادًا. وركنـوا إلى الدنيـا الدنيّـة وركـدوا بعـد جريـهم فى أماكـن الخـير لإرضـاء حضـرة العـزّة۔ وتركـوا سِـيَرًا إبراهيميـة، واتبعـوا سـبلا جحيميـةً. وصـاروا لإبليـس كالمقرَّنـين فى الاصفـاد، والمقوَّديـن فى الاقيـاد. خرّبـوا بأيديـهم مسـاجدَ الله لـترك الصـلاة، ولـم يبـق فى أعينـهم جـاهُ الاذان وعـزّةُ الدُعـاةِ لِمـا سـمعوا صـوتَ المؤذّنـين ثـم مـا حفـدوا إلى المسـاجد للعبـادات. يكذبـون ولا يخافـون، ويخانـون ولا يتقـون، ويقرُبـون حرمـاتِ الله ولا يجتنبـون، ويفسُـقون ولا يمتنعـون. مُلئـت بطونـهم مـن الحـرام، وألسـنُهم لُوّثـتْ بأكاذيب

हैं, यद्यपि उनमें से अधिकतर में धार्मिकता तथा ईमान का माधुर्य शेष नहीं रहा और न ही अल्लाह तआला की पुस्तक क़ुरआन का ज्ञान शेष रहा है। वह शुभ कर्मों, हिदायत और भलाई के कामों से दूर हो चुके हैं तथा सफ़लता के मार्गों से तबाही के मार्गों की ओर स्थानांतरित हो गए हैं। उनके अंगारे राख़ हो गए हैं और उनकी भलाई झगड़ा बन गई है। वे तुच्छ संसार की ओर झुक गए हैं तथा प्रतिष्ठित ख़ुदा के प्रेम के लिए भलाई के स्थानों पर चलने के पश्चात रुक गए हैं। उन्होंने इब्राहीमी आदर्श को छोड़ दिया तथा नर्क के मार्गों को अपना लिया, वे इब्लीस (शैतान) के लिए ऐसे हो गए जैसे (उसकी) बेड़ियों में जकड़े हुए हों तथा (उसकी) ज़ंजीरों में खिचे जाते हों। उन्होंने नमाज़ों को छोड़ कर अपने हाथों से अल्लाह की मस्जिदों को वीरान कर दिया। और उनकी आँखों में अज़ान का तेज तथा मुअज़्ज़िनों का सम्मान शेष न रहा क्योंकि वे मुअज़्ज़िनों की आवाज़ सुनने के बावजूद इबादतों के लिए मस्जिदों की ओर नहीं लपकते, वे झूठ बोलते हैं तथा डरते नहीं, वे ख़यानत करते हैं तथा संयमी नहीं बनते,

الـكلام، وتـزنى أعينـهم ولا يخشـون قهـر الله العـلّام. وقـد صـاروا أعوانًـا لأهـل الكفـر بسـوء أعمالـهم، وأرضَـوا الشـيطان بضلالـهم. رُفعـت مـن بينـهم الأمانـة، وضاعـت الديانـة. ومـا بقـى مـن معصيـة إلا ارتكبوهـا، ومـا مـن جريمـة إلا ركبوهـا. وتركـوا القـرآن ومـا دعـا إليـه، وتبعـوا الشـيطان ومـا أغـرى عليـه. وصـاروا كاليهـود قـردة خاسـئين، بعـد مـا كانـوا أُسـودًا عاديـن. فلأجـل ذلـك ذاقـوا الذلّة بعـد العـزّة، وضُربـت عليـهم المسـكنة بعـد أيـام الدولة۔ وذالـك جـزائُ قلـوب مقفّـلة، وأَثـامُ صـدور مغلقـة مـن ربّ العالمين۔ يـا حسـرةً عـلى هـؤلاء المسـلمين۔ إنهم تركـوا الديـن لدنياهـم وآثـروا هـذه الدار عـلى عقباهـم، وأحبّـوا

वे अल्लाह द्वारा प्रतिबंधित वस्तुओं के निकट जाते हैं तथा उनसे बचाव नहीं करते, वे दुष्कर्म करते हैं और मानते नहीं, उनके पेट हराम (अवैध) से भरे हुए हैं और उनकी ज़बानें झूठी बातों से भर गई हैं। उनकी आँखें ज़िना (व्यभिचार) करती हैं तथा वे ख़ुदा के प्रकोप से नहीं डरते। वे अपने बुरे कर्मों के कारण अधर्मियों के सहायक बन गए हैं तथा उन्होंने अपनी गुमराही से शैतान को प्रसन्न किया है। अमानत उनके मध्य से उठा दी गई है तथा ईमानदारी खत्म हो गई। कोई ऐसा गुनाह बाक़ी नहीं रहा जो उन्होंने न किया हो, और न कोई जुर्म जिसे उन्होंने न किया हो। क़ुरआन तथा जिन आदेशों की ओर वह बुलाता है उन्होंने सबको छोड़ दिया और शैतान तथा उसकी प्रेरणाओं का अनुकरण किया, और वे यहूद की तरह ज़लील बन्दर बन गए जबकि वे एक खूंखार शेर थे। अत: इसी कारण उन्होंने सम्मान के बाद अपमान को चखा तथा हुकूमत के बाद उन पर लाचारी की मार मारी गई। यह रब्बुल आलमीन की ओर से बंद दिलों का फल तथा तंग दिलों की सज़ा है। हाय निराशा! उन मुसलमानों पर कि उन्होंने अपने संसार के लिए धर्म को छोड़ दिया और परलोक के मुक़ाबले पर इस संसार को प्राथमिकता दी। उन्होंने उपद्रव से प्रेम किया तथा सच्चाई से शत्रुता।

الفساد، وعادَوا الصدق والسَّداد، ونسوا نموذج قوم افتتحوا بالشهادة بكمال الانقياد وذبحوا نفوسهم بالمحبّة والوداد، الذين سقَوا بستانَ الملة بدماء هم، وهدموا بنيان وجودهم لإرضاء بَنّائهم. والذين تَلطّخوا بأدناس الدنيا ورجزها وقذرها، أولئك قوم كثروا فى هذا الزمان، وإنّهم فقدوا تقواهم وأغضبوا مولاهم بأنواع العصيان. وترى كثيرًا منهم شغَفهم حبُّ الاموال والاملاك والنسوان، وأقسى قلوبَهم لوعةُ الفضّة والعِقْيان، ودسّوا نفوسهم بهمومها بعد ما جلّتْ مطلعَها نورُ الإسلام والإيمان. وإذا رأوا بعض أمور دنياهم غيرَ المنتظمِ أخَذهم الضجَرُ بالكَظْم، ولا

वे उस क़ौम के आदर्शों को भूल गए जिन्होंने पूर्ण आज्ञाकारिता से शहादत का प्याला पिया और अपने अस्तित्व को प्रेम तथा प्यार से ज़िबह कर दिया। यह ऐसे लोग थे जिन्होंने अपने रक्तों से क़ौम के बाग़ (अर्थात इस्लाम) की सिंचाई की। और अपने बनाने वाले के प्रेम के लिए अपने अस्तित्व की बुनियादों को तोड़ दिया और वे लोग जिन्होंने संसार की मोहमाया, उसकी गन्दगी तथा उसकी अपवित्रता से स्वयं को गंदा कर लिया, यही वे लोग हैं जिनकी इस युग में अधिकता है। वे अपने संयम को खो चुके हैं तथा उन्होंने भिन्न-भिन्न प्रकार के पापों से अपने ख़ुदा को क्रोधित किया है। तू देखता है कि उनमें से अधिकतर के दिलों में धन, संपत्ति तथा औरतों का प्रेम भर गया है। सोने-चांदी के प्रेम ने उनके हृदय कठोर कर दिए हैं। उन्होंने संसार के दुखों में अपने अस्तित्व को मिट्टी में मिला दिया। इसके पश्चात् कि इस्लाम तथा ईमान के प्रकाश ने उनके चित्त को प्रकाशित कर दिया था। जब वे अपने कुछ सांसारिक मामलों को बिगड़ा हुआ देखते हैं तो बेचैन और दुखी हो जाते हैं। वे अपने धर्म की कोई परवाह नहीं करते चाहे उसके स्तंभों को गिरा दिया जाए और उसकी दीवारों को ध्वस्त कर दिया जाए। वे पसंद नहीं करते कि इस्लाम की निशानियाँ अपने

يبالـون دينَـهم ولـو يُهَـدّ أركانـه وتُهـدَّم جدرانـه. ويكرهـون أن يُظهِـروا عـلى أبدانـهم شِـعار الإسـلام، ويحبّـون أن يلبسـوا لبـاس أهـل الكفـر وعَبَـدة الاصنـام. تركـوا فريضـة الصّلٰـوة وصيـام رمضـان ولا يحضـرون المسـاجد وإنْ سـمعوا الاذان، بـل يكـره أكثـرُ ذى مَخِيْـلة أن يـبرُزوا للتعييـد، ومـا تـرٰى فيـهم مِـن سُـننِ العيـد إلّا لبـس الجديـد. وتـرى أكثرَهـم اعتضـدوا قِرْبـةَ الملحديـن۔ واسـتقادوا لِسِـيَرِ الكافريـن. وحسـبوا أن الوُصـلة إلى الدولة طُـرق الاحتيـال والاختيـال والإباحـة، وأفتاهـم فكرهـم بـأن الفـوز فى المكائـد، فيسـتَقُرُونها ويرصُـدون مواضعهـا كالصائـد۔ ومنـهم قـوم يسـتَوْكِفون الاكُـفَّ بالوعـظ والنصيحـة

शरीर पर प्रकट करें अपितु वे तो यह पसंद करते हैं कि इन्कार करने वालों और मूर्ति पूजकों के रंग में रंगीन हों। उन्होंने नमाज़ और रमज़ान के रोज़ो को छोड़ दिया है। और अज़ान सुनने के बावजूद वे मस्जिदों में उपस्थित नहीं होते। अपितु अधिकतर अहंकारी (तो यह भी) पसंद नहीं करते कि ईद की नमाज़ पढ़ने के लिए बाहर निकलें। तू नए कपड़े पहनने के अतिरिक्त उन में (इस्लामी) ईद की कोई सुन्नत न पाएगा। और तू देखेगा कि उनमें से अधिकतर ने नास्तिकों के मुश्कीज़ों (पानी भरने का थैला) को अपने बाज़ुओं में ले लिया है तथा काफ़िरों के चरित्र को अपना आदर्श बना लिया है। और उन्होंने यह समझ रखा है कि हुकूमत तक पहुंचने का माध्यम बहाने बाज़ी, नाज़ो नख़रा और इबाहत (शरीअत में वैध और अवैध कर्मों में कोई पाबंदी न हो सब कुछ वैध हो- अनुवादक) है। उनकी विचारधारा ने उन्हें यह राय दी है कि सफ़लता छल-प्रपंच में ही है। अत: वह चालबाज़ियों की खोज में रहते हैं तथा शिकारी के समान उचित अवसर की घात में रहते हैं। और उनमें से एक ऐसी क़ौम भी है जो उलमा के समान सदुपदेशों तथा नसीहतों के द्वारा लोगों की हथेलियों से दान दक्षिणा की अभिलाषी है और फुकहा (अर्थात ज्ञानियों) के वस्त्र पहन कर शिकार खोजते हैं।

كالعلمـاء۔و يطلبـون الصيـد بتقمُّـص لبـاس الفقهـاء۔

و يأمـرون النـاس بالـبرّ و طريـق الصلحـاء، و ينسَـون أنفسـهم و يحسـبون هـذا الطريـق مـن الدهـاء. لا ينقّـدون أمـور الديـن بعـين المعقـول۔ ولا يُمعِنـون النظـر فى مبـانى الاصـول، ولا يسـلكون مسـلك التحقيقـات و مـا تجدهـم إلا كالعجمـاوات، بـل هـم كالجمـادات. و يُظهِـرون الحلـم و الرفـق كأنـهم هُذّبـوا بأخـلاق النبـوّة و الولايـة، و إذا رأوا أن اسـتعطافهم لا يُكـدى رجعـوا إلى الإغـلاظ و الشـكاية۔ يُؤثِّمون الابـرار، و يكفِّـرون الاخيـار، و يفسِّـقون الصلحـاء الكبـار، و يجهِّلـون قومًـا يكمِّلـون الانظـار، مـع أنـهم كغمـرٍ جاهـل.

वे लोगों को तो नेकी तथा नेक लोगों के मार्ग पर चलने का आदेश देते हैं परन्तु अपने आप को भूल जाते हैं तथा सोचते हैं कि यह बुद्धिमता है। वे धर्म के मामलों को विवेक से नहीं जांचते और सिद्धांत की बुनियादों पर बारीक दृष्टि नहीं डालते तथा न ही खोज-बीन का मार्ग अपनाते हैं। तू उन्हें जानवरों जैसा बल्कि कंकर-पत्थरों जैसा पाएगा। वह सहनशीलता तथा नर्मी का ऐसा प्रदर्शन करते हैं मानो वह नुबूवत और वलायत (ख़ुदा से निकटस्थता) के शिष्टाचार से सुशोभित किए गए हैं। परन्तु जब वे देखते हैं कि उनकी नर्मी उन्हें कुछ लाभ नहीं पहुंचा रही तो वे गाली-गलौज तथा शिकायतों पर उतर आते हैं, वे नेकों को गुनहगार ठहराते हैं और प्रतिष्ठित लोगों को काफ़िर ठहराते हैं। वे बड़े-बड़े नेक लोगों को दुराचारी ठहराते हैं तथा पूर्ण विवेक रखने वाली क़ौम को मूर्ख जानते हैं, बावजूद इसके कि वे स्वयं नादान मूर्ख के समान हैं। वे नहीं जानते कि इस्लाम क्या है। फिर वे विद्वानों को उनके स्तरों से गिराने का प्रयास करते हैं तथा सोचते हैं कि वे स्वयं बहुत बड़े विद्वान हैं। वे अपनी चाहतों में उसकी खोज कर रहे होते हैं जो उनकी बातें सुनने के पश्चात उनका कटोरा भर दे। वे सुबह-सुबह बाहर

ما يعلمون ما الإسلام، ثم يضعون مِن الذين أوتوا العلم، و يحسبون أنهم هم العلماء العظام. يَرُودون فى مسارح لمحاتهم. مَن يملاءِ وفاضَهم بعد سماع كلماتهم، ويُضمِرون عند مسائح غدواتهم مَن يزيد عددَ دُريهماتهم. يخوّفون الناسَ بزواجرِ وعظهم، ولا يخافون الله بلفاظة لفظهم. يسُرّون أخلاطَ الزُمَر بإنشاد أشعار، و يبُوحون إليهم عند خاتمة الوعظ بحاجات وأوطار، ليفرّجوا غُمّتهم بدرهم ودينار. و يدلِفون إلى الامراء، ويُظهِرون عليهم أنهم من أكابر العلماء، وأسبغ الله عليهم من علم الحديث والقرآن، والناسُ يستَكِفّون بهم الافتنان بمكائدِ عَبَدة الصلبان، ثم يشيرون إلىٰ

निकल जाते हैं तथा उनके दिल में यह बात छुपी हुई होती है कि (उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए) जो उनके रुपयों की संख्या में वृद्धि कर दे। वह अपने कठोर भाषण में डांट-डपट से लोगों को डराते हैं लेकिन वे (इस बात पर) अल्लाह से नहीं डरते कि उनके मुखों से क्या निकल रहा है। वे विभिन्न गिरोहों को कविताएँ सुनाकर प्रसन्न करते हैं तथा फिर अपने भाषण के अंत में अपनी आवश्यकताओं तथा ज़रूरतों को उनके समक्ष प्रस्तुत करते हैं ताकि वे दिरहम व दीनार (रुपया) के द्वारा अपनी कठिनाई को दूर करें। वे सम्मानपूर्वक चल कर हाकिमों के पास जाते हैं तथा उन पर यह प्रदर्शित करते हैं कि वह बड़े उलमा में से हैं, और अल्लाह तआला ने उन्हें क़ुरआन तथा हदीस का भरपूर ज्ञान प्रदान फ़रमाया है और यह कि लोग पादरियों के छलपूर्ण उपद्रव फैलाने के बदले उनसे भिन्न-भिन्न प्रकार की सहायता प्राप्त करते हैं। फिर वह इस ओर संकेत करते हैं कि वे क़ौम के समर्थक हैं तथा ख़ुदा तआला के प्रेम के लिए धर्म के मार्गों में अपना धन तथा साहस खर्च करने वालों में से हैं। और उनका काम केवल भाषण के और कुछ

أنـهم مـن حُمـاة المـلّة ومـن الذيـن بذلـوا مالـهم وهمّتـهم فى سـبل الديـن لرضاالحضـرة، ومـا بقِـى لـهم شـغل إلّا الوعـظ ليـؤدّوا فريضتـهم وليهـدوا النـاس ولـيُرُوُوا غُلّتـهم، وليـس مـن سـيرتهم ليُخلِقـوا لـكل أحـدٍ ديباجتَـهم، ويرفعـوا إليـه حاجتـهم. فالحاصـل أنـهم يقولـون كـذا وكـذا مكـرًا وحيـلةً، وقـد يتفـق أن رئيسًـا يرسُـم لـهم وظيفـةً، أو يعطـى لـهم صـلةً، لمـا وجـدهـم كالسـائلين الباكـين. فـلا شـك أن هـذه العلمـاء قـد انتهـوا فى غلوائـهم، وسـدروا فى خيـلائـهم، وأصـرّوا عـلى جهـلا تـهم، ولوّنـوا النـاس بألـوان خزعبيـلا تـهم، وقـد جـاوز الحـدَّ غيُّـهم، وأهلـك النـاسَ بغيُـهم. إذا وعـدوا أخلفـوا، وإذا غضبـوا أغلظـوا، وإذا حدّثـوا كذبـوا.

नहीं ताकि वे अपना कर्तव्य निभाएं, लोगों का मार्गदर्शन करें तथा उनकी प्यास को बुझाएँ और उनकी आदत यह नहीं कि प्रत्येक के सामने स्वयं को अपमानित करें तथा उसके सामने वे अपनी आवश्यकताएँ प्रस्तुत करते फिरें। अत: आशय यह कि वे इस-इस प्रकार की बातें छल और चालबाज़ी से करते हैं तथा कभी यों भी संयोग होता है कि कोई अमीर उनके लिए वज़ीफ़ा लगा देता है अथवा जब वह उन्हें रोते हुए मांगने वालों के समान पाता है तो उन्हें कुछ दे देता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन उलमा ने अपनी अतिश्योक्ति में हद कर दी तथा अपने अहंकारी विचारों में बेबाक हो गए हैं, अपनी मूर्खता पर अडिग हैं और उन्होंने अपनी रंग-बिरंगी झूठी बातों से लोगों को रंग दिया है। उनकी पथभ्रष्टता सीमा पार कर चुकी है और उनकी उद्दंडता ने लोगों को तबाह व बर्बाद कर दिया है। जब वे वचन देते हैं तो वचन तोड़ते हैं तथा जब क्रोध में आते हैं तो गाली गलौज करते हैं, और जब बात करते हैं तो झूठ बोलते हैं। उनके अहंकार ने बुरा आचरण दिखाया है तथा उनके खेल तमाशे ने सच्चाई को हानि पहुंचाई है। जब लोगों

و نشَــر نمــوذجَ الســوء زَهْوُهــم، وأضــرَّ الحــقّ لَهْوُهــم. وأقسٰــى قلــوبَ النــاس ســوئُ أعمالــهم وقبــحُ ســيرتهم، بعدمــا عثــروا عــلى ســريرتهم يجــترؤن عــلى الســيئات بعــزم صميــم، كأنــهم ليســوا بمَــرْأى رقيــبٍ عليــم. زلّــتْ أقدامُــهم، وأوبــقَ النــاسَ أقلامُــهم، وتغــيّرَ حالُــهم. و كــدِر زلالُــهم. مــا يأخذهــم نــدمٌ مــع كثــرة الذنوب. ويرصُــدون المزرعــة مــع عــدمِ زرع الحبــوب، لا ينتهجــون مَهجّــة الاهتــداء ولا يعطفــون عــلى أحــدٍ إلّا بطريــق الريــاء. قــد كان فيمــا مــرّ مــن الزمــان أهــوٓاء كأهوائــهم، ولٰكــن مــا خــلا قــوم مــن قبــل فى شــباء ة اعتدائــهم. يوقظــهم الله فيتناعســون، و يجذبــهم الحــق فيتقاعســون. جمعــوا التعصّــب بأنــواع غــرارة، ولا يســمعون

को उनके चाल-चलन का पता चला तो उनके बुरे कर्मों तथा उनके बुरे शिष्टाचार ने उन लोगों के दिलों को सख्त कर दिया। वह निश्चित इरादे के साथ बुराइयों पर ऐसे साहस दिखाते हैं मानो कि वे संरक्षक तथा सर्वज्ञ ख़ुदा की नज़रों से ओझल हैं। उनके क़दम फिसलने लगे हैं तथा उनकी क़लमों ने लोगों को मार दिया है। उनकी अवस्था परिवर्तित हो चुकी है और उनकी प्रकृति गन्दी हो चुकी है। गुनाहों की अधिकता के बावजूद भी उन्हें खेद नहीं होता। वह बीजारोपण किए बिना ही खेती की आशा किए बैठे हैं तथा हिदायत के मार्ग नहीं अपनाते। वह किसी से करुणा नहीं दिखाते परन्तु कपट करते हुए। गुज़रे हुए लोगों की लोभ लालसाएं भी इन लोगों के समान होती थीं परन्तु इस से पहले कोई भी क़ौम ऐसी नहीं गुज़री जो अत्याचार में इतनी तेज़ थी। अल्लाह उनको जगाता है परन्तु वह आराम से सोये हुए हैं। सच्चाई उन्हें खींचती हैं परन्तु वह पीछे हटते हैं। उन्होंने भिन्न-भिन्न प्रकार की सुस्ती से ईर्ष्या-द्वेष कर रखा है। वह सच्चाई को नहीं सुनते मानो वे किसी गुफ़ा में हैं। उनमें न ही कुछ विवेक पाया जाता है तथा न ही बुद्धि। शैतान ने उनसे

الحق كأنهم فى مغارة، و لا يوجد فيهم شيء من بصيرة ولا بصارة. قد هجم الشيطان عليهم مُواريًا عنهم عِيانَه، فانساب فى عروقهم وشراٍينهم وأغرى عليهم أعوانَه. لا يستطيعون أن يسمعوا كلمة الحقّ، فيثِبون وَثْبَ البَقِّ، ويزفِرون زفرةَ القيظ، ويُخاف أن يتميّزوا من الغيظ. ويُحَمْلِقون إلى من قال قولا يخالف آراء هم، ولو كان يواخى آباء هم. ترى هِمَمَهم عالية للدنيا الدنيّة، وترى احتدادَ بصرهم فى الافكار السفليّة، وأما فى أمر حماية الدين فقد خبثٌ نارهم، وتَوارى أُوارُهم. يوافون الامراء بالمداهنة، ويقعدون قُبالتَهم علىٰ لحم مشوى وخبز سميذ للمؤاكلة، ولو كان من أهل البدعات والمعصية.

छुप कर उन पर आक्रमण किया है, अत: वह उनकी नसों तथा नाड़ियों में प्रवेश कर गया तथा उनके विरुद्ध अपने सहायकों को भड़काया है। वे (यह भी) सहन नहीं करते कि सच्ची बात सुनें। और वे पिस्सू के समान उछलते हैं, वे सख्त गर्मी में हांफने के समान श्वास खींचते हैं, और लगता है कि कहीं वे क्रोध से फट न जाएँ। और जो उनके विचार के विरुद्ध बात करे वह उसको क्रोध से आंखें फाड़-फाड़ कर देखते हैं, चाहे वह उनके बाप-दादों का मित्र ही क्यों न हो। तू तुच्छ संसार के लिए उनके साहस को बहुत बुलंद देखता है। और तू नीच विचारों में उनकी सोच को तेज़ पाता है। परन्तु जहाँ धर्म की सहायता का विषय हो वहां उनकी आग बुझ जाती है और उनकी गर्मी की तेज़ी छुप जाती है। वह अमीरों के साथ चापलूसी से पेश आते हैं तथा भुने हुए गोश्त और मैदे वाली रोटी खाने के लिए उनके आमने-सामने बैठते हैं चाहे वे नए-नए आडंबरवादी और पापी ही हों। और उनके मुखों से कोई ऐसी बात नहीं निकलती जो इस गिरोह के विचारों के विरुद्ध हो। वह पूर्ण प्रसन्नता से इस गिरोह के साथ पानी तथा शराब की

ولا يخرج من أفواههم كلمةٌ تخالف آراء هذه الفئة. ويخالطونهم كالماء والراح بكمال الفرحة، ويمدّون أيديهم فرحين للمصافحة. فالحاصل أنهم يُرضُون أهل الدولة والحكومة بلطائف الاحتيال، ويسجدون لكل مَن ملَك أمرًا ويتركون طريق الجدال. وأما الغرباء الضعفاء فيُداسون تحت أقدامهم. و يُكفَّرون بأقلامهم. ولا يرون كُفْرَ مَن يُجلَب منه ما يُقتنٰى. أو يُستَدْفَعُ به الاذىٰ، فلا يسألون من ذا؟ ويقولون يا سيدى أنت فُقتَ غيرك بمحامد لا تُحصَى. ويستَقْرُون للقائه الطُرُقَ، ويستفتحون الغُلَقَ، ولا يبرحون مكانه حتى يروا عِيانه، وإذا لقوا

मिलावट के समान घुल मिल जाते हैं और प्रसन्न होते हुए मिलाने के लिए अपने हाथ आगे बढ़ाते हैं। अत: आशय यह है कि भिन्न-भिन्न प्रकार के उपायों से वह हुकूमत तथा हुकूमत के अधिकारियों को प्रसन्न करते हैं तथा प्रत्येक अधिकारी के सामने सज्द: करते हैं और झगड़े के तरीके को छोड़ देते हैं। परन्तु जहाँ तक ग़रीबों तथा कमज़ोरों की बात है तो वे उनके पैरों तले कुचले जाते हैं तथा उनकी कलमों से काफ़िर ठहराए जाते हैं। परन्तु उस व्यक्ति के कुफ़्र को नहीं देखते जिस से कुछ धन प्राप्त होने अथवा कोई कठिनाई दूर होने की आशा होती है तथा न ही वे यह पूछते हैं कि वह कौन हैं? अपितु कहते हैं हे स्वामी! आप तो असंख्य विशेषताओं के कारण अपने गैर पर प्राथमिकता ले गए हैं तथा वह उससे मिलने के अवसर ढूंढ़ते हैं और बंद द्वार खोले जाने की प्रार्थना करते हैं। और अपने स्थान से उस समय तक नहीं हटते जब तक कि उसको देख न लें। और जब (उनसे) मिलते हैं तो झुक कर सलाम करते हैं और विनम्रता से बात करते हैं। यह वही भ्रष्ट उलमा हैं तथा यही वे लोग हैं जो हज़रत ख़ातमुन्नबिय्यीन मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की ज़बान से मलऊन (शापित) कहे

سـلّموا راكعـين، و كلّمـوا خاشـعين. أولئـك هـم علمـاء السـوء، وأولئـك هـم الملعونـون عـلى لسـان خاتـم النبيـين. يريـدون عَـرض الدنيـا و لا يريـدون الآخـرة، وآثـروا الحيـاة الدنيـا واستيأسـوا مـن يـوم الديـن۔

فالحاصـل أنـهم قـوم يختـارون كل طريقـة يُرشَـح بهـا إنـاء۔ و يحضـرون كل أرض يخـرج منهـا مـاء، و يصيـدون الخَلـق ببـكاء و نحيـبٍ فى نـادٍ رحيـب، و يزيـد صفـرُ راحتِـهم رُنّـةَ نِياحتـهم. و مـا كان مجلبـة الدمـع، إلا الشـحّ الذى أذابـهم كالشـمع. و كذلـك ينفـدون أعمارهـم فى فكـر هـذه العيشـة،

गए। वे संसारिक धन मांगते हैं तथा परलोक नहीं चाहते। उन्होंने संसारिक जीवन को प्राथमिकता दी तथा प्रतिफ़ल के दिन से निराश हो गए।

अत: आशय यह है कि यह ऐसे लोग हैं जो प्रत्येक वह तरीका अपनाते हैं जिस से उनका बर्तन छलके तथा प्रत्येक उस ज़मीन को जा खोदते हैं जिस से पानी निकलता हो। वह बड़ी-बड़ी सभाओं में लोगों को विलाप करके शिकार करते हैं, और उनके ख़ाली हाथों ने उनके रोने-पीटने की आवाज़ों को और बढ़ा दिया है। उनके अश्रुओं को भड़काने का कारण केवल लालच है जिस ने उन्हें मोम के समान पिघला दिया है और इसी प्रकार उन्होंने अपनी आय, इसी आजीविका की चिंता में गुज़ार दी हैं तथा शैतान ने उन्हें परलोक की चिंता भुला दी है। जहाँ कहीं भी वे कोई शिकार देखते हैं वहीं भाषण तथा उपदेशों का जाल बिछा देते हैं। वे (अपनी) उसी चाल पर चलते हैं जो उन्होंने दिल में छिपा रखा है और वह केवल यह कि छल-कपट से धन एकत्र कर लें तथा बच्चों का पेट भर लें। और वे उन लोगों को खोजते हैं जो रोते हैं तथा अपनी सभाओं में उनका स्वागत करते हैं ताकि वे उनसे अपनी सभाओं को गर्म करें। यदि कोई वेश्या भी उनको धन दे तथा उनके समक्ष हराम (निषेध) प्रस्तुत करे

وأنساهم الشيطان فكر الآخرة. أينما وجدوا قَنَصًا نصبوا شَرَكَ الوعظ والنصيحة، ويمشون على مساق واحد أضمروه فى النية وليس هو إلا جمع الاموال وإشباع العيال بالمكر والخديعة. ويستَقْرُون الباكين والمُرجِّبين فى مجالسهم ليُنزلوهم منزل القَبَس والذُبالة، وإنْ أعطاهم بَغِيٌّ مالًا، وعرضتْ عليهم حرامًا لا حلالًا، فيتسلّمون ولا يتكلّمون لحرصهم على تلك الجيفة. وترى أبناء هم يقتصّون مَدرَجَهم ويقرؤُوْنَ مُدرَجَهم. تشابهت قلوبهم بآبائهم الضالين، إلّا قليل من عباد الله الصالحين. ما دانتْهم تقوى القلوب، واستعادَ الله علومهم فما بقى فى صدورهم إلا ظلمات الذنوب۔ومنهم قوم لا يدْرون الفقر

न कि हलाल (पवित्र) तो वे इसको भी स्वीकार कर लेते हैं और अपनी लालच के कारण उस मुरदार के बारे में कुछ नहीं बोलते। तू देखता है कि उनके बेटे भी उन्हीं के मार्ग का अनुसरण करते हैं तथा उन्हीं की गाथाएँ पढ़ते हैं। उनके दिल उनके भ्रष्ट पूर्वजों के समान हो गए हैं, सिवाए अल्लाह के कुछ नेक बन्दों के। दिलों का संयम उनके निकट भी नहीं आता। अल्लाह ने उनके ज्ञानों को छीन लिया है। अत: उनके दिलों में सिवाए पापों के अंधकार के कुछ शेष नहीं रहा। और उनमें ऐसे लोग भी हैं जो सब्र और संयम को जानते ही नहीं, तथा न ही वलायत (सदात्मा पुरुष) के स्थान को समझते हैं। इसके बावजूद उनके दिलों में यह बात बैठ गई है कि वह अल्लाह वाले लोग हैं तथा सीधे मार्ग पर हैं। तू उनमें से अधिकतर को देखता है कि फ़क़ीरी तथा आध्यात्मिकता के मार्गों में अटकलें लगाते हैं। उनका कार्य केवल बिगाड़ उत्पन्न करना और नई-नई रस्मों को शरीयत के साथ मिलाना है और उनके हाथ में सिवाए पूर्वजों के सिलसिलों से संबद्ध होने के और कुछ नहीं, और यदि न्यायपूर्वक देखा

ولا يستطلعون طِلْعَ مقامِ الولاية، ومع ذالك خالَجَ قلبَهم أنهم أهل الله وعلى الهداية. وترىٰ أكثرهم يخبطون فى أساليب الفقر والطريقة، وما أمرُهم إلا التخليط وخلط البدعات بالشريعة. وليس فى أيديهم إلا الانتساب بسلاسل الاسلاف، وما هو إلا كسلاسل بعين الإنصاف. قد خطَف الشيطان نورَ صدورهم وأوْدعها الكبر والعُجْب والرياء ، وزيّن أعمالَهم فى أعينهم فآثروا الرعونة والخيلاء . يهُشّون لرجوع الناس إليهم، ويبتهجون بمدح الجالسين لديهم، ويحبّون أن يُحمَدوا بما لم يفعلوا، وأن لا يسمّى ذنبهم ذنْبًا وإنْ أجرموا. فهذا هو الذى دعاهم إلى التعامى، ومنَعهم من قبول الحق وأضلّهم فى المَواٰمى- يُوغِلون

जाए तो यह सिलसिले केवल ज़ंजीरो के समान हैं। शैतान ने उनके दिलों के प्रकाश को उठा लिया और उनमें अहंकार, खुदपसंदी और दिखावा भर दिया और उनके कर्मों को उनकी आँखों में सुन्दर कर के दिखाया अत: उन्होंने उद्दंडता तथा अभिमान को प्राथमिकता दी। वे लोगों के उनकी ओर ध्यान देने से प्रसन्न होते हैं और अपने पास बैठने वालों की प्रशंसा से फूले नहीं समाते। वे पसंद करते हैं कि उनकी ऐसे कार्यों पर भी प्रशंसा की जाए जो उन्होंने किए ही नहीं, और यह कि उनके गुनाह को गुनाह न कहा जाए चाहे वे जुर्म ही करें। अत: इसी कारण ने उन्हें जानबूझ कर अंधेपन पर उकसाया और उन्हें सच्चाई स्वीकार करने से रोक दिया, और उन्हें मरुस्थलों में भटका दिया। वे इस तुच्छ संसार के कामों में बहुत तेज़ी दिखाते हैं परन्तु धर्म के कार्यों के समय मुर्दे के समान गिर जाते हैं। वे उन (इलाही) आदेशों के लिए कि जिनका उन्हें आदेश दिया गया है हार्दिक प्रसन्नता से नहीं उठते, परन्तु अपने नफ़्से अम्मार: (वह तामसिक शक्ति जो बुरे कार्यों की ओर प्रवृत करती है- अनुवादक) के

فی مقاصد الدنیا الدنیّة۔ و یسقطون عند مهمّات الدین کالمَیّتِ. ما ینهَضون لاوامِرَ أُمروا بها بنشاط الخواطر، و یقومون لنفسهم الامّارة کالکمیش الشاطر. یتلقّفون ما وافقَ هوی النفوس، ولو من أیدی القسوس، ولا یقبَلون ما کان یخالف حُکمَ أهوائهم، ولو کان من آبائهم. لا یعلمون شیئا من الحقیقة والمعرفة۔ وجمعوا فی أقوالهم وأعمالهم أنواع البدعة۔ وأمّا عامة الناس من المسلمین، فقد تبع أکثرُهم الشیاطینَ. وتری أحداثَهم وشیوخهم منهمکین فی السیئات۔ و تری بَلْبالَهم لدنیاهم وللبنین والبنات۔ یمیلون عن الحق عند الخصام والمِراء۔ ویحضرون المحاکماتِ لغصبِ حقوق الشرکاء. یریدون أن یدُعّوا الإخوانَ ویستخلصوا لنفوسهم حقوقَ الإرث، ولا یذکرون

लिए पूर्ण इरादे वाले चालाक के समान खड़े हो जाते हैं। जो वस्तु उनकी तामसिक इच्छाओं के अनुसार हो उसको शीघ्रता से निगल जाते हैं बेशक वह पादरियों के हाथों से ही क्यों न हो, और जो उनकी इच्छाओं के आदेश के विरुद्ध हो उसको स्वीकार नहीं करते बेशक वह उनके पूर्वजों की ओर से ही हो। वे वास्तविकता और मारिफ़त (आध्यात्म ज्ञान) के बारे में कुछ नहीं जानते और उन्होंने अपनी बातों तथा कर्मों में कहीं न कहीं बुराइयाँ एकत्र कर लीं हैं। जहाँ तक मुसलमानों में से समान्य लोगों का संबंध है तो उनमें से अधिकतर ने शैतान का अनुकरण किया है। तू उनके युवाओं तथा उनके बूढ़ों को बुराइयों में डूबा हुआ पाएगा और तू देखेगा कि उनकी तड़प (केवल) अपनी दुनिया तथा बेटों, बेटियों के लिए है। वे झगड़े तथा बहस के समय सच्चाई से हट जाते हैं। वे साथियों के अधिकार हथियाने हेतु सरकारी दफ़्तरों में जाते हैं। वह चाहते हैं कि (अपने) भाइयों को निकाल दें तथा विरासत के अधिकार केवल अपने लिए ही रख लें।

يـوم الجـزاء لا عـلى وجـه الجِـدّ ولا العبـثِ. ويعراهـم اكتيـاب واضطـراب لفـوتِ شيء مـن هـذه الدار، ولا يتهيّـج أسـفهم عـلى فـوت الديـن كله كالكفّـار۔ يموتـون للدنيـا ولا يخبـو ضَجَرُهـم ولا ينصُـل كَمَدُهـم ولا يَجِمُـون ليـومٍ يغضـب فيـه مولاهـم وصَمَدُهـم. ضـلّ سـعيهم فى الحيـاة الدنيـا، و مـا بقـى لـهم بـه مـن حـيٍّ و ماتـت قلوبـهم، فـلا يُفيقـون مـن هـذه الغَشْـية و أوردوا أنفسَـهم مـوردَ سـخطِ الله ثـم لا يتركـون مَسـرَى الفَجَـرة. لا يَسْـرُون إلا المسـرى الذى يخالـف طـرق الـورع، ولـو نُـدِّدَ بأنـه مـن مناهـى الشـرع. يحسـبون بَـوْلَ إبليـس مُزْنـةً۔ و رَوْث النَعَـم نعمـةً. بلـغ الزمـان إلى الانقطـاع، ومـا انقطعـت مـادّةُ زيغـهم الذى دخلتْـهم مـن الرضـاع۔ أَصْبَتْـهم الذمائـم مُـذْ مِيطـتْ عنـهم التمائـم، واستسـنَوا زينـةَ الدنيـا وقيمتَهـا۔ وحسـبوا

वह प्रतिफ़ल के दिन का वर्णन भी नहीं करते न गंभीरता से तथा न अगम्भीरता से। इस संसार की वस्तु के खो जाने पर दु:ख और चिंता उन्हें बेहाल कर देती है परन्तु कुफ्फ़ार के समान बेशक समस्त धर्म ही हाथ से जाता रहे तो उन्हें कोई अफ़सोस नहीं होता। वह संसार के लिए मरे जाते हैं। उनकी बेआरामी समाप्त नहीं होती तथा न ही उनका आंतरिक दु:ख दूर होता है। परन्तु वह उस दिन के लिए चिंतित नहीं होते जिस में उनका मौला तथा नि:स्पृह ख़ुदा प्रकोपित होगा। उनके समस्त प्रयास सांसारिक जीवन की प्राप्ति में गुम हो गए तथा उनमें विवेक बाक़ी न रहा। उनके दिल मुर्दा हो चुके हैं अत: वह इस बेहोशी से होश में नहीं आते और वह अपनी जानों को अल्लाह तआला के प्रकोप के घाट पर ले आए हैं। इसके अतिरिक्त दुष्टों का मार्ग भी नहीं छोड़ते और वे केवल उस मार्ग पर चलते हैं जो संयम के मार्गों के विरुद्ध है। बेशक उन पर स्पष्ट कर दिया जाए कि यह बात मन्हियाते शरआ (वह कर्म जो धर्म में वर्जित हों) में से हैं।

جِهامَهـا صَيّبًـا واسـتَغْزَروا دِيمتَهـا، واستأنسـوا بجَمالهـا۔ و ولِعـوا ببِغالهـا وجِمالهـا، وخدَعـهم حـلاوةُ عشـرتِها۔ و تجمُّـلُ قشـرتها، و طـراوةُ بُسْـرتها، و تألُّـقُ بَشـرتها، و مـا أمعنـوا النظـر فی توسُّـمها، ومـا سـرّحوا الطـرف فی مِیسـمها وهنَّـأوا نفوسـهم بالـزُور، وابتـدروا اسـتلامَ یـد المَـكّار الغَـرور. جهلـوا جدرانَهـا المتهافتـة برؤیـة شِـیدِها، وخُلِبـوا بعماراتهـا ومـا تَذكّـروا قصـص حصیدهـا. وإنّ إیمانـهم أحـالَ صفاتِـه الاولی، وغـاب روحُـه ومـا بقـی إلا الهَیُـولیٰ. وبدعـات علمائـهم غـیّرتْ صـورة الإسـلام، وأَرَتْـه كأرنـبٍ

वह इब्लीस के मूत्र को मूसलाधार वर्षा समझते हैं तथा जानवरों के मल को नेमत। युग समाप्त होने को है परन्तु उनके टेढ़ेपन का तत्व जो उनमें स्तनपान के दिनों से प्रवेश हो चुका है समाप्त होने को नहीं आता। जैसे ही तअवीज़ इत्यादि उनसे दूर किए गए बुराइयों ने उनको पकड़ लिया। और उन्होंने इस संसार की सुन्दरता तथा इसकी संपत्ति को उच्च समझा तथा इसके बिना पानी के बादल को वर्षा बरसाने वाला समझा तथा इसकी मध्यम वर्षा को मूसलाधार समझा। उन्होंने इस संसार की सुन्दरता से प्रेम किया तथा इसके खच्चरों और ऊँटों पर लालच कर गए, इस संसार के मीठे समाज, इसकी बाह्य सुन्दरता, उसकी वर्षा की ताज़गी और उसके मुख की बाह्य चमक दमक ने उनको धोखा दिया। उन्होंने संसार को पहचानने के लिए गहरी दृष्टि से कम नहीं लिया और इस के चेहरे को पहचानने के लिए अपनी दृष्टि न दौड़ाई। उन्होंने झूठ से अपने नफ्सों को मुबारकबाद दी तथा कपटी धोकेबाज़ का हाथ चूमने में जल्दी की। वह इसकी पराजित दीवारों के रंग व रौगन को देख कर पहचान न सके तथा इसकी इमारतों पर फ़िदा हो गए परन्तु उनके अकेलेपन के क़िस्सों को स्मरण न रखा। उनके ईमान ने अपनी पुरानी विशेषताओं को परिवर्तित

مـع كونـه كالضِرْغـام. فـترى اليـوم بَرْقَـه خُلّبًـا، والدهـرَ بـه قُلّبًـا، و كلُّ مـن الإقـران يريـد أن يبلَعـه، ويقصـد كلُّ عـدوّ أن يقلَعـه. العلـوم الطبعيـة تُضـرّى بـه الخطـوبَ، و كذالـك الهيئـةُ أحمـى الحـروب. وفى طـرفٍ أقمَـرَ ليـلُ البراهمـة، وصالـوا علينـا بإفـراط القـوة الواهمـة، ومِـن جانـبٍ نهَـض الفلاسـفة. و طغـوا ولا تطغـى كمثـله الريـاح العاصفـة. وإنّ هـذا الإسـلام الذى بُدّلـتْ حِلْيتُـه وقُبّحـتْ هيئتُـه، تـراه بينـهم كرجـل يـداه مقطوعتـان، ورجـلاه تتخـاذلان. يمنعـه القَـزَلُ مـن الفـرار، وليـس لهٗ يـدٌ ليحـارب فى المِضْمـار. فمـا

कर दिया है। उसकी आत्मा ग़ायब हो गई है तथा केवल ढांचा ही बाक़ी रह गया है। उनके उलमा की बुराइयों ने इस्लाम की शक्ल बिगाड़ दी है और उन्होंने उसे ख़रगोश के रूप में दिखाया है यद्धपि वह शेर के समान हैं। अत: आज तू उसकी बिजली को वर्षा न बरसाने वाली तथा युग को उसके साथ चालबाज़ देखता है। प्रत्येक प्रतियोगी यही चाहता है कि उसको निगल जाए, और प्रत्येक शत्रु यह इरादा करता है कि उसको ध्वस्त कर दे। भौतिक विज्ञान ने इस पर हादसों की भरमार कर दी। इसी प्रकार खगोल शास्त्र ने भी अपनी जंगों को खूब भड़काया। एक ओर हिन्दुओं की रात प्रकाशित हो गई और उन्होंने कल्पना शक्ति की अधिकता के कारण हम पर आक्रमण कर दिया तथा दूसरी ओर दार्शनिक उठ खड़े हुए तथा सीमा से इतना आगे बढ़ गए कि भीषण हवाएं भी इस प्रकार तूफ़ान नहीं लाती और यह इस्लाम है कि जिस का रूप परिवर्तित कर दिया गया है और आकृति बिगाड़ दी गई है। तू उसे देखता हैं कि (अन्य धर्म) के मध्य वह उस व्यक्ति के समान है कि जिस के दोनों हाथ कटे हुए हों तथा दोनों क़दम लड़खड़ाते हों और सख्त लंगड़ापन उसको भागने से रोकता है तथा उसके हाथ में नहीं कि मैदान में लड़ सके। अत: इन संकटों के

الحيلة عند هجوم هذه الخطوب ولزوم تلك الحروب، مِن غير أن يرحم الله من السماء، ويُرِيَ وجهَ الإسلام مع يده البيضاء. ومع ذالك ترون أن النُوَبَ الخارجية انتابت، ومَعَارِى الإسلامِ قُبِّحَتْ وغارَ منبعُه ومياهُه غاضتْ، وأقوَتْ مجامعُ الدين وانقطعتْ وأقضّتْ مضاجعُ أهل الحق والراحةُ هربتْ. واستحالت الحال وتواترت الاهوال، وانعقرتْ أَجارِدُ العقول، وخلتْ مرابطُها من العلماء الفحول. ونبا المَرابعُ بفقدان الصالحين. وكثُرت الانعام وأودَى مَن كان من الناطقين. واحتذى الإسلامُ الوَجى، ودهَم المسلمين الشَجىٰ. وتواترتْ أيام الخيبة

आक्रमण के समय तथा इन थोपी गई जंगों से बचने का कौन सा उपाय है सिवाए इसके कि अल्लाह तआला आकाश से रहम फ़रमाए तथा अपने रौशन हाथ के साथ इस्लाम के रूप से परिचित करवाए। इसके अतिरिक्त तुम देख रहे हो कि बाह्य घटनाएँ भी एक के बाद एक आ रही हैं तथा इस्लाम का रूप बदसूरत हो गया है। और इसका स्त्रोत ज़मीन के नीचे चला गया है तथा इसके पानी सूख चुके हैं। और धर्म की सभाएं ख़ाली हो गईं तथा समाप्त हो गईं और सच्चे लोगों का जीना कठिन हो गया तथा आराम जाता रहा तथा बुरा हाल हो गया तथा निरंतर भय छा गया। बुद्धियों के तेज़ गति वाले घोड़े ज़ख़्मी हो गए (अर्थात बुद्धि भ्रष्ट हो गई) और उनके केंद्र विद्वान उलमा से ख़ाली हो गए। पवित्र लोगों की कमी के कारण स्थान अनुचित हो गए। जानवर बढ़ गए तथा जो बोलने वाले थे वह मर गए। इस्लाम ने ज़ख्मों के जूते पहन लिए हैं और दु:ख ने मुसलमानों को पकड़ में ले लिया है। असफ़लता, दुर्भाग्य तथा वंचित होने के दिन बार-बार आने लगे, अक़्लों ने गढ़ों को अपना ठिकाना बना लिया है और उनके सिरों में सिवाए शैतान के समान अहंकार के कुछ बाक़ी न रहा। जब से अल्लाह

والشقا والحرمان، واستوطن العقولُ وِهادًا، وما بقِی فی الرؤوس إلا التکبّر کالشیطان. وإن الإسلام مُذْ أنزلَه اللّٰه علی الارض لم یرَ هذا الهوانَ، وما صار کمثل هذا الیوم الدِینَ المُهانَ. ولیس فی وسع المسلمین دواءُ هذه العلّة التی جرتْ علی الالسن کالقصّة، ولا مساغُ هذه الغُصّةِ. فمَثلهم کمثل غریب فقَد مطیّتَه فی الاعماء، ولیس عنده شیء من الغذاء والماء، و کان فی ذالك فإذا فاجأَه حزب من الاعداء، و معهم سیوف و أسنّة و صالوا بشدة البطش کالهوجاء، و کان له حبیب من أهل الحکومة والفوج والدولة. فبلَغه خبرُه وما أصابه من المصیبة

فالحقّ والحقَّ أقول إنه یبدُر إلیه لنصرتِه، ویبلُغ

तआला ने इस्लाम को ज़मीन पर उतारा है उसने ऐसा अपमान (पहले कभी) न देखा था और आज के समान यह धर्म (पहले कभी) बदनाम नहीं हुआ। मुसलमानों के पास उस बीमारी की जो कि ज़बानों पर घटनाओं के समान चल रही है कोई दवा नहीं है तथा न इस गले की हड्डी से बचने का कोई मार्ग है। उनकी उदाहरण उस यात्री के समान है जो अपनी सवारी घने जंगल में खो दे और उसके पास खाने-पीने की कोई वस्तु न हो, और वह इसी अवस्था में हो कि सहसा उसे शत्रुओं की सेना आ पकड़े तथा उनके पास तलवारें और भाले हों और वह भीषण आंधी के समान तेज़ी से आक्रमण कर दें और उस (व्यक्ति) का एक मित्र हो जो हुकूमत वाला तथा सेना और अधिकार प्राप्त में से हो। अत: उसे अपने मित्र की तथा उस पर पड़ने वाले संकटों की सूचना पहुंचे।

अत: सच यह है और सच ही मैं कहता हूँ कि वह तेज़ी से उसकी ओर उसकी सहायता के लिए आएगा और अपनी सेना तथा अपनी हुकुमत के सहायकों के साथ उसके स्थान पर पहुंचेगा और अपने मित्र को मुक्ति

مقامَه مع جنده وأعوان دولته وينجي حبيبه ويجزٰى كلَّ أحدٍ جزائَ جريمته. فذالك مَثل الله ومَثل دينه، ويعرفه العارفون. وإن كنتَ لا تعرف ففكّرْ في آية "إِنَّا لَهُ لَحَافِظُونَ"۔ وإن في ذالك لآية لقوم يتدبّرون۔ فأَدْرِكْ فإِنّتَك، واغتنِمْ ساعتَك، وأشفِقْ عليك وعلى عِترتك. ولا تنسَ أيام إقبال المسلمين، ولا تيأَسْ مِن وعد الله رَبّ الناس، رَبّ أجسامهم ورَبِّ نفوسهم عند كونهم كالعمين. ألا ترى أن الآثار قد ظهرتْ، والآفات عمّت والقلوب فسدت، وصغائر الذنوب

दिलाएगा तथा प्रत्येक अपराधी को उसके अपराध का दंड दिया जाएगा। यही अल्लाह और उसके धर्म का उदाहरण है तथा विवेक रखने वाले उसको भली-भांति जानते हैं। यदि तू नहीं जानता तो आयत اِنَّا لَهٗ لَحٰفِظُوْنَ अर्थात निस्संदेह हम ही अवश्य उसकी सुरक्षा करने वाले हैं। (अलहिज्र-15/10) पर विचार कर और निस्संदेह इसमें सोच-विचार करने वाली क़ौम के लिए निशान है। अत: जो तुझ से खो गया उसको प्राप्त कर ले और अपनी इस घड़ी को बहुमूल्य जान। अपने आप पर तथा अपने परिवार पर दया कर और मुसलमानों के सौभाग्य के दिन को विस्मृत न कर और तू उस ख़ुदा के वचन से निराश न हो जो लोगों का प्रतिपालक है और उनके अंधों के समान होने के बावजूद उनके शरीरों और उनके दिलों का प्रतिपालक है। क्या तू देखता नहीं कि निशानियाँ ज़ाहिर हो चुके हैं तथा आपदाएं सार्वजनिक हो गई हैं तथा दिल बिगड़ गए हैं। सगीरा (छोटे गुनाह) तथा कबीरा (बड़े गुनाह) की अधिकता हो गई है। यद्यपि इस से पहले वे दुष्कर्मों का खुले रूप से प्रदर्शन नहीं करते थे परन्तु आजकल एक व्यक्ति व्यभिचार करता है तथा दूसरा उसको देख रहा होता है और वह उसको बुराई नहीं समझता। तू देखता है कि व्यभिचारी लड़कियों, संगीत तथा शराब के साथ सभाएं आयोजित की जाती हैं परन्तु किसी भाग की ओर से इस पर आपत्ति नहीं

وكبائرها كثرت۔و كان قبل ذالك لا يقرُبون الفسق والفجور علانيةً، والآن يزنى أحدٌ ويراه آخر ولا يعُدّونه سيّئة، وترى مجالس تُنعقد بجوارى زانيةٍ، ومزاميرَ ومُدامةٍ، ولا يعترض عليها أحد مِن حلقةٍ، بل يسرّون برؤية تلك البغايا، ويقبّلونهن ويشربون الخمر بهن فى وسط الاسواق من غير حياء وخشية۔ إن فى ذالك لآية لقوم يتفكّرون۔ و إن عمارة الإسلام قد انهدمتْ، و أموره تشتّتتْ، و رياح العداوة عصفت۔ فكيف ينكرون ضرورةَ حَكَمٍ ينصر الدين، ويقوّى ما ضعف ويُقيم البراهين۔ وأنتم ترون أن كثيرًا من الآفات نزلت على الإسلام، وظلمات أحاطت قلوب الانام، و كيف يُفتى قلبكم أن الله رأى هذه الآفاتِ

की जाती अपितु वे उन व्यभिचारी स्त्रियों को देखने से प्रसन्न होते हैं। उनसे चुम्बन इत्यादि करते हैं तथा बिना किसी लज्जा और भय के बीच बाज़ार उनके साथ मदिरापान करते हैं। निस्संदेह इसमें सोच-विचार करने वाली क़ौम के लिए निशान है। इस्लाम की इमारत बेशक ध्वस्त हो गई है तथा उसके मामले अस्त व्यस्त हो गए हैं और शत्रुता की हवाएं तेज़ हो गई हैं। अत: वे एक हकम (फ़ैसला करने वाला) की आवश्यकता का किस प्रकार इंकार कर सकते हैं जो धर्म की सहायता करेगा तथा जो कुछ कमज़ोर हो चुका है उसको शक्ति देगा और तर्कों को स्थापित करेगा। तुम देख रहे हो कि असंख्य आपदाएं इस्लाम पर आ चुकी हैं तथा अंधकारों ने लोगों के दिलों को घेर लिया है। तुम्हारा दिल किस प्रकार यह फत्वा देता है कि अल्लाह तआला इन समस्त आपदाओं को देखे और समस्त गुमराहियों तथा मूर्खताओं का अवलोकन करे फिर भी अपने कमज़ोर बन्दों पर दया न करे? और अपने मरने वाले गिरोह की सहायता के लिए न आए? यदि तुम अल्लाह तआला की सुन्नतों को नहीं जानते या तुम संदेह में लिप्त हो तो अपने इन्हीं

كلهـا، و آنـسَ الضـلالاتِ و الجهـلات بأسـرها، ثـم لـم يرحـم عبـاده المسـتضعَفين. ولـم يـدرك حزبـه الهالكـين. وإن كنتـم لا تعلمـون سُـنن الله أو تريبـون، فانظـروا إلى سُـننكم الـتى عليهـا تُداومـون. و إنكـم تسـقُون زروعكـم عـلى أوقاتهـا، ولا يرضـى أحـد منكـم أن لا يسـتعمل آلاتِ الحـرث عنـد حاجاتهـا، و إذا بُشّـر مثـلا أحدُكـم بجدارٍ مِـن بيتـه يريـد أن ينقـضَّ ظـلَّ وجهُـه مصفـرًّا، ويقـوم ولا يـرى بـردًا ولا حـرًّا، ويطلـب المِعْمـار ويـرُمُّ الجـدار، شـفقةً عـلى نفسـه وعـلى الاهـل والبنـين. فكيـف يظـنّ ظـنَّ السـوء بـالله الكريـم الرحيـم، ويقـول إنـه لا يبـالى ضعـفَ دينـه القويم. مـع رؤيـة هـذا الخلـل العظيـم. ألا سـاء

तरीक़ों को देख लो जिन पर तुम हमेशा अमल करते रहे हो। तुम अपनी खेतियों को उनके समयों पर पानी देते हो और तुम में से कोई इस बात पर राज़ी नहीं होगा कि वह आवश्यकता के समय खेती के उपकरणों का प्रयोग न करे। इसी प्रकार उदाहरण स्वरूप जब तुम में से किसी को सूचना दी जाए कि उसके घर की दीवार गिरने वाली है तो उसका मुख पीला पड़ जाता है तथा वह तुरंत उठ खड़ा होता है और गर्मी सर्दी देखे बिना भवन निर्माता को बुलाता है और अपने आप पर तथा बीवी-बच्चों पर दया करते हुए उस दीवार की मरम्मत करवाता है। अत: वह कैसे दयालु तथा कृपालु ख़ुदा के बारे में कुधारणा रखता है और कहता है कि बावजूद इतना बड़ा विघ्न देखने के उसे अपने सशक्त धर्म (इस्लाम) की कमज़ोरी की कोई परवाह नहीं। सुनो! तुम क्या ही बुरा फैसला करते हो। तुम अन्याय करते हो तथा न्याय नहीं करते और यदि अल्लाह तआला इस क़ौम का उनके अन्याय के कारण बदला लेता तो उनके साथ भी वही करता जो उसने इनसे पहले यहूदी उलमा के साथ किया। परन्तु वह उन्हें एक निर्धारित समय तक मोहलत दे रहा है ताकि शायद वे रुक जाएँ तथा बहुत प्रेम करने वाले ख़ुदा

ما تحكمون، وتظلمون ولا تقسطون. ولو يؤاخذ الله هذه الامّةَ بظلمهم لفعَل بهم ما فعَل قبلهم بعلماء اليهود، ولكن يؤخّرهم إلى الاجل الموعود، أجل مسمّى، لعلهم ينتهون ويتوبون إلى الله الودود، ولعلهم يتفكّرون. ألا يرون أنهم لمولاهم ما عملوا، وليوم الدين ما استبضعوا، ولينظرْ كلُّ امرء أيمشى قويمَ الشطاطِ أو مُكِبًّا كالانعام. وليتدبّرْ أنه سُرَّ بعين الزلال أو بملامح السراب والجِهام؟ انظروا كيف تكابدون الصعوبة لدنياكم، فأَنَّى كَربُكم كَهٰذا الكُرب لمولاكم ويشهد كلُّ امرء إنْ شاء أنه رجلٌ سعى فى سُبُل نفسه وما وَنٰى، ليحصل ما قصَد من الهوى، وما

की ओर लौट जाएँ और ताकि शायद वह सोच-विचार से काम लें। क्या वे देखते नहीं कि उन्होंने अपने मौला के लिए क्या काम किया है? और प्रतिफ़ल के दिन के लिए क्या पूंजी एकत्र की है? चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति यह देखे कि क्या वह सीधा मार्ग अपना रहा है या जानवरों के समान ओंधा है और चाहिए कि वह सोच-विचार करे कि क्या वह मीठे पानी के झरने से प्रसन्न होता है या मृगतृष्णा की चमक तथा न बरसने वाले बादल से। विचार करो कि तुम अपनी दुनिया के लिए कितनी अधिक सख्तियाँ सहन करते हो। अत: इस व्याकुलता के समान तुम्हारी अपने मौला के लिए व्याकुलता कहाँ है? प्रत्येक व्यक्ति यदि चाहे तो यह गवाही दे सकता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जिसने अपने नफ़स के मार्गों में इतना अधिक प्रयास किया कि थका नहीं ताकि जिस इच्छा का उसने दृढ़ संकल्प किया है उसे प्राप्त कर ले। संसार के लिए तो वह स्वयं को कठिनाई तथा दु:ख में डालना और थक कर चूर हो जाना वैध रखता है परन्तु अल्लाह के लिए झुकना पसंद नहीं करता। विनम्र सूरत बनाए अधिकारियों की ओर जाने में जल्दी करता है परन्तु उसी प्रकार डरते हुए नमाज़ तथा रोज़े के लिए जल्दी नहीं करता। वह

امـطّ عنـه قـطُّ وَ غُشـاؤه و عَنـاؤه للدنيـا وللهِ مـا عنـا. و بـادرَ فى هيئـة الخاشـع إلى الحـكام، و مـا بـادرَ خائفًـا كمثـله إلى الصّلٰـوةِ والصّيـام. وقصَـد مجالـسَ البَطَـر و المِـراح و الفسـق و الريـاء ولـو كابـدَ لتلـك الاسـفار الصعوبـةَ، ومـا حضَـر فى سِـكّتِه صلٰـوة عَروبـةٍ. وإنْ كان هـذا الرجـل مـن العلمـاء ، فيشـهد عليـه نفسـه أنـه أنفـد عمـره فى الريـاء، ومـا ارتقـى قـطُّ فى منبر الوعـظ و النصيحـة و الدعـوة، و مـا مثُـل بـالذِروة، ومـا بكـى و مـا صـاح عنـد اكتظـاظ الجامـع بحفـله، ومـا أرى هنـاك رَعْـدَ جِهامـه وجَفْـلِه، ومـا بـرَز خطيبًـا فى أُهْبـة الائمـة، ومـا سلّم على عصبـة الحاضريـن عنـد تأهُّـب الخُطبـة، إلّا و كان قلبـه مملـوءً

घमण्ड, हर्ष, दुष्कर्म तथा दिखावे की सभाओं का तो इरादा करता है बेशक उसे इन यात्राओं के लिए कठिनाई ही क्यों न सहन करनी पड़े परन्तु जुमे की नमाज़ पर अपनी गली (की मस्जिद) में भी उपस्थित नहीं होता। और यदि ऐसा व्यक्ति उलमा में से है तो उसका दिल इस पर गवाही देगा कि उसने अपनी आयु दिखावे में गुज़ार दी और वह कभी उपदेश तथा दावत व तब्लीग़ के मंच पर नहीं चढ़ता तथा न उच्च स्थान पर खड़ा होता है और न ही मस्जिद के खचा-खच भर जाने के समय रोता-चिल्लाता है और न ही बिन बरसे गुज़र जाने वाले ख़ाली बादलों के समान गर्ज दिखता है और न ही इमामों के समान तैयारी करके भाषण के लिए आता है और न ही भाषण आरंभ करते समय उपस्थितगण को सलाम करता है परन्तु उसका हृदय भिन्न-भिन्न प्रकार की इच्छाओं से भरा होता है और वह सभा वालों को उदारता के लिए उभारता है। और वह भाषण के आरंभ में **الحمد لله المعطى** (प्रत्येक प्रकार की प्रशंसा अल्लाह के लिए है जो प्रदान करने वाला है) केवल इसलिए पढ़ता है कि अपनी जमाअत को दान करने की प्रेरणा तथा ध्यान दिलाए और वह **الله الذى يقضى الحاجات ويحسم**

ا بأنـواع الهـوىٰ، و كان يسـتكِفّ أكُـفَّ النـدىٰ بالندىٰ۔ومـا قال:الحمـد للّٰه المعطـى فى بـدو خطبتـه، إلّا ترغيبًـا فى العطـاء وتشـويقًا لعُصبتـه. ومـا قـال:اللّٰهُ الّذى يقضـى الحاجـات و يحسِـم أنـواعَ الـلاواء، إلّا ليحـث الحاضريـن عـلى الإعطـاء والإرواء. ومـا قـال

إن اللّٰه يحـبّ أهـل السـماح والجُـود والكـرم، ويُهلِـك البخيلـين كمـا أهلـكَ عـادًا و إِرَمَ۔ إلا ليرغّـب المصلّـين فى الطَـول والإحسـان، ليمـلاوا كِيسـه بالفضّـة والعِقْيـان۔وإن كان هـذا الرجـل مـن الصوفيـة الذيـن يبايعـهم النـاسُ ليُثبِّتـهم اللّٰه عـلى التوبـة، ويكتُـب فى قلوبـهم الإيمـان ويغـرس فيهـا أشـجار

انواع اللاوآء (अर्थात अल्लाह ही है जो आवश्यकताएं पूर्ण करता है तथा भिन्न-भिन्न प्रकार की कठिनाइयाँ दूर करता है) केवल इसलिए पढ़ता है ताकि उपस्थितगण को उदारता की ओर ध्यानाकर्षित करे और वह

ان اللّٰه يحب اهل السماح والجود والكرم ويهلك البخيلين كما اهلك عاداً وارم

(अर्थात निस्संदेह अल्लाह तआला उदारता और उपकार करने वालों को पसंद करता है तथा कंजूसों को मारता है जैसा कि उसने आद और इरम को मारा था) केवल इसलिए कहता है कि नमाज़ियों को दान करने और उपकार करने की प्रेरणा दिलाए ताकि वह उसके थैले को चांदी तथा सोने से भर दें। और यदि ऐसा व्यक्ति सूफ़ियों में से हो जिन की लोग इसलिए बैअत करते हैं कि अल्लाह तआला उन्हें तौबा पर दृढ़ बनाए और उनके दिलों में ईमान लिख दे और उनमें प्रेम के पौधे लगा दे तथा तक़वा (संयम) को उनकी आँखों में सुशोभित कर दे। और भलाई, नेकी तथा संयम के कर्मों के लिए उनके दिल खोल दे। अत: कोई शक नहीं कि उस व्यक्ति का दिल और उसका ईमान का बीज उसके विरुद्ध गवाही देगा

المحبّة، و يزيّن التقوى فى أعينهم و يشرح صدورهم لاعمال الخير و البرّ و الصلاح و العفّة، فلا شك أن قلب هذا المرء وزَرْعَه الإيمانى يشهد عليه و يلومه، و يلعَنه بما يخالف ظاهرُه باطنَه و يقول له يا هذا ما هذا الشَرَك الذى نصبتَه و الشِرك الذى ارتكبتَه۔ ألا تعلم أنك رُجَيلٌ ما حظِيتَ مثقال ذرّة من علم الفقراء و لا من حلم الصلحاء و ما أُعطى لك سرّ من أسرار الدين، و ما مسّ قلبَك نورٌ من أنوار الشرع المتين، و ما شُرح صدرُك و ما أثمر سِدْرُك، و ما علّمك الله علمًا من علوم المعرفة، و ما آتاك رحمة من عنده و ما كنتَ مُجَلِّى الحَلْبةِ، و ما تحقّقت فيك آثارُ كامل و مكمّل، و ما استُجيبَ بك دعائُ مؤمّل، و لست من الذين أُيّدوا من

तथा उसकी भर्त्सना करेगा और उस का धिक्कार करेगा क्योंकि उसका बाह्य उसके आंतरिक के विरुद्ध है। और उसे कहेगा: हे अमुक! यह कैसा जाल है जो तूने बिछा रखा है? और कैसा शिर्क (अनेकेश्वरवाद) है जिसको तू कर रहा है? क्या तू नहीं जानता कि तू एक सामान्य सा व्यक्ति है जिसे सद्पुरुषों के ज्ञान तथा पवित्र लोगों की सहिष्णुता से तनिक भी भाग नहीं मिला तथा न ही तुझे धर्म के रहस्यों में से कोई रहस्य प्रदान किया गया है और न ही सुद्धरण शरीअत (क़ुरआन शरीफ़) के प्रकाशों में से किसी प्रकाश ने तेरे दिल को छुआ है। न तेरा दिल खोला गया है और न ही तेरी बेरी फल लाई और न अल्लाह तआला ने तुझे आध्यात्मिक ज्ञान में से कोई ज्ञान सिखाया तथा न ही अपनी ओर से तुझ पर दया की और न ही तू इस मैदान का घुड़सवार है। और न तुझ में पूर्ण तथा कामिल होने के लक्षण हैं तथा न तेरे द्वारा किसी इच्छुक की दुआ स्वीकार की जाती है और न ही तू उन लोगों में से है जिनकी सच्चे ख़ुदा की ओर से उस समय सहायता की जाती है जब कोई भी शरण तथा सहायक उनके साथ

جناب الحق فی وقتٍ لا رِدْئَ معهم ولا مُساعِدَ۔ ولا من الذین فهّموا الناسَ أسرارَ الدین وأصوله والقواعدَ۔ الذین کانوا للإسلام ممهّدین، وللملّة موطّدین، ولادلّة الرسل مؤکّدین، ولقلوب الطالبین مسدّدین، والذین حفظوا الاقوام من الوساوس الشیطانیة، والذین وصلوا الارحام بالمنن الروحانیة. ثم تسأله نفسه أیُّ فضیلة توجد فیك لتُعَدَّ من الائمّة، ولِیتبعَك الناس لاستفاضةِ أنوار تلك الفضیلة۔ أأُعطیتَ معارفَ لا توجد فی غیرك من العلماء والفقراء۔ أو تُفاض علیك أسرارُ الغیب أکثرَ من غیرك من حضرة الکبریاء۔ أو فیك قوّة قدسیّة فتُرَدَع الاهوائُ باتّباعك، و مَن ورِثك ببیعته یجد متاعًا من متاعك، ثم بعد هذا الإرث یُعدّ

नहीं होता। और न तू उनमें से है जो लोगों को धर्म के रहस्य तथा सिद्धांत समझाते हैं। जो लोग इस्लाम के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाले और क़ौम को सुधारने वाले थे, रसूलों के तर्कों पर ज़ोर देने वाले और सत्याभिलाषियों के दिलों का सुधार करने वाले थे। और वे जिन्होंने शैतानी प्रयासों से क़ौमों की रक्षा की और जिन्होंने आध्यात्मिक उपकारों से हमदर्दी की। फिर उसका दिल उस से पूछेगा कि तुझ में कौन सी ऐसी विशेषता पाई जाती है कि तू इमामों में सम्मिलित हो? और ताकि लोग इस विशेषता के प्रकाश से लाभान्वित होने के लिए तेरा अनुकरण करें? क्या तुझे ऐसे अध्यात्म ज्ञान प्रदान किए गए हैं जो तेरे अतिरिक्त दूसरे उलमा तथा सद्पुरुषों में नहीं पाए जाते? या महान और प्रतिष्ठित ख़ुदा की ओर से तुझ पर दूसरों से अधिक रहस्यमय बातों का वरदान होता है। या तुझ में ऐसी आध्यात्मिक शक्ति पाई जाती है कि तेरे अनुकरण से तामसिक इच्छाओं का अंत हो जाता है। और जो अपनी बैअत से तेरा उत्तराधिकारी बनेगा तो वह तेरे (आध्यात्मिक) धन से भाग प्राप्त करेगा? फिर इस विरासत के (प्राप्त

للرحلة إعدادَ السعداء، ويرحمه الله من عنده فيصير من الصلحاء، فيَدَّرِعُ حُلَلَ الورع، ويداوى علّةَ العِثار والصَّرَع، ويسوّى كلَّ أَوَدِ العمل والاعتقاد والاخلاق۔ و ينجو من سلاسل النفس وأغلالها وينزل له أمرُ الإعتاق۔ وإن كنتَ ما أُعطيتَ كمثل هذه الصفة ونوع الكمال۔فبيّنْ أىّ كمال أُخفِىَ فيك إن كنتَ صادقًا فى المقال۔أأُعطيتَ عصًا كعصا موسٰى، أو آيةَ الدم لمن عصٰى، أو يدَه البيضاء لمن يرىٰ؟ أو أُعطيتَ إعجازًا كإعجاز القرآن، أو وُهِبَ لك بلاغةٌ كبلاغة رسول آخر الزمان۔ فإنّ الولىّ يأتى على قدم الرسول ويُعطٰى له من الخوارق ما أُعطىَ لرسوله المتبوع المقبول۔و قد

करने) के पश्चात् वह भाग्यशालियों की ओर यात्रा (प्रतिफ़ल के दिन) के लिए तैयार हो जाएगा। और अल्लाह तआला उस पर अपनी ओर से दया करेगा और वह नेक लोगों में से हो जाएगा और संयम का वस्त्र पहन लेगा और अपनी (आध्यात्मिकता) से डगमगाने की बीमारी तथा मिर्गी का इलाज कर लेगा और अमल, विश्वास और शिष्टाचार के प्रत्येक कपट को ठीक कर देगा तथा नफ़्स की ज़ंजीरों और समस्त बन्धनों से मुक्ति प्राप्त कर लेगा और उसको आज़ाद किए जाने का आदेश होगा? और यदि तुझे ऐसी कोई विशेषता तथा इस प्रकार का कोई गुण प्रदान ही नहीं किया गया तो यदि तू अपनी बात में सच्चा है तो फिर तू ही बता की तुझ में कौन सा गुण छुपा हुआ है? क्या तुझे मूसा के असा (डंडे) के समान कोई असा दिया गया है? या अवज्ञाकारियों के लिए खून का निशान प्रदान किया गया है? या देखने वालों के लिए उसका सफ़ेद हाथ प्रदान किया गया है? या तुझे क़ुरआन के चमत्कार जैसा कोई चमत्कार प्रदान किया गया है? या तुझे पैग़म्बर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के समान अलंकारिकता प्रदान की गई है? क्योंकि वली (अल्लाह का सानिध्यप्राप्त)

اتّفق أهل القلوب على أن الولاية ظِلٌّ للنبوة، فما كان فى الاصل من أنواع كمال يُعطَى للظِلِّ علامةً للظِلّيّة. و كان من كمالات رسولناصلى الله عليه وسلم معجزةُ حسن البيان كما هو تجلَّى فى مرآة القرآن، فمِن شرائط الولاية الكاملة إعجازُ الكلام، ليتحقق الظلّيَةُ بالتشبّه التامّ. و لا يختلج فى قلبك أن هذا الامر يقدَح فى معجزة كتاب الله المجيد، فإن الظلّ ليس بشىء بل يترائَى بلباسه الاصلُ۔ و يتجلّى هويّةُ الاصل فى مرآة الظلّ كما لا يخفٰى على الرشيد۔ ولو فُرض القدحُ لبطُلت المعجزات كلها بالكرامات، فإنها قد شابهها فى صورِ ظهورها على وجه الخرق و كونها فوق العادات۔ فلا

तो रसूल (अवतार) के पदचिह्नों पर आता है तथा उसको उन्हीं चमत्कारों में से प्रदान किए जाते हैं जो उसका अनुकरण करने वाले तथा प्यारे रसूल को प्रदान किए गए हों। और दिल रखने वाले इस बात से सहमत हैं कि विलायत (वली) नुबूवत का ही ज़िल (प्रतिरूप) है। अत: जो विभिन्न प्रकार के गुण मूल में पाए जाते हैं वह ज़िल (प्रतिरूप) को समरूपता की निशानी के रूप में दिए जाते हैं। हमारे रसूले करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के चमत्कारों में से एक मधुर वाणी का चमत्कार भी है। जैसा कि वह क़ुरआन के दर्पण में सुशोभित है। अत: वाणी का चमत्कार भी पूर्ण विलायत की शर्तों में से है ताकि ज़िल्लीयत पूर्ण समानता के साथ सिद्ध हो जाए। और तेरे हृदय में यह शक न हो कि यह बात महान तथा प्रतिष्ठित ख़ुदा की पुस्तक के चमत्कार के अपमान का कारण है। क्योंकि प्रतिरूप अपने अस्तित्व में कोई चीज़ नहीं अपितु उसके रूप में असल ही ज़ाहिर होता है तथा प्रतिरूप के दर्पण में असल का रूप ही प्रतिबिंबित होता है जैसा कि यह बात बुद्धिमान से छुपी हुई नहीं। और यदि (प्रतिरूप) को अपमान समझ लिया जाए तो समस्त मोजिज़ात, करामतों के द्वारा झूठे

شك أن هذا الوهم باطل بالبداهة ومن قبيل الاغلوطات۔ ولا يزعم كمثل هذا إلا الغبيّ الذى ذهب عقله بسيل التعصّبات۔ و ليس عندنا جوابُ قريحة جامدة، وفطنة خامدة، و لا حاجةَ إلى ردّ هذه الخرافات۔ و لو كان لهذا الاعتراض مورد من موارد الصواب، فكان من الواجب أن يمنع رسول الله صلى الله عليه وسلم صحابتَه مِن تكلُّمِهم ببلاغة البيان وفصاحة التبيان سدًّا للباب، ولٰكن الرسول صلى الله عليه وسلم ما منعهم وما أشار إلى أن ينتهوا من هذه العادة، و ما ندّد بأنه من مناهى الشرع لما فيه رائحة من الشِركة، بل حث عليه فى مواضع فما استقالوا منه

ठहरते हैं क्योंकि अपने विलक्षण तथा असाधारण होने के कारण ये करामतें अपने प्रकटन की अवस्था में मोजिज़ात के समतुल्य हैं। अत: इस में कोई संदेह नहीं कि यह भ्रम बिलकुल झूठा तथा ग़लतियों की किस्म है। और इस प्रकार का विचार किसी के मन में आ ही नहीं सकता सिवाए ऐसी मंदबुद्धि के जिसकी बुद्धि नफ़रतों की धारा में बह गई हो। हमारे पास इस प्रकार के कठोर स्वभाव तथा बुझी हुई अक़्ल का कोई उत्तर नहीं और न ही उनके उपद्रवों के निपटारे की कोई आवश्यकता है। यदि सरसता और सुबोधता आपत्तिजनक बात होती तो आवश्यक था कि रसूले करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम इसको रोकने के लिए अपने सहाबा को सरस वर्णन तथा सुबोध भाषणों से रोक देते। परन्तु रसूले करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने न उनको रोका तथा न इस आदत से रुकने की ओर संकेत किया और न ही घोषणा की कि यह मन्हीयाते शरीअत (जो बातें इस्लाम धर्म में निषेध हैं-अनुवादक) में से है इसलिए कि इसमें से भागीदारी की बू आती है अपितु कई अवसरों पर आप ने इसकी प्रेरणा दी है अत: वे (सहाबा किराम रज़ि॰) इस बात से पृथक न हुए ताकि प्रतिष्ठित ख़ुदा

ليتأدّبوا مع كلام حضرة العزّة، بل تصدَّوا للنظم والنثر و كثُر شغلُهم فى هذه المهجّة، ولهم أشعار وقصائد و عبارات ساقوها على نهج البلاغة، ودُوّنتْ فى الكتب المشهورة۔ ومن المعلوم أنه كان طائفة من الشعراء الماهرين والفصحاء المتكلّمين موجودين فى حضرة النبوّة. ثم اعلم أن كلام الاولياء ظِل لكلام الانبياء كأشكال منعكسة ومرايا متقابلة، وهما يخرجان مِن عين واحدة، و ما هو ثابت للاصل ثابتٌ للظلّ مِن غير تفرقة، ولا يُعرَف كلامُ الولاية إلا بمشابهته بكلام النبوّة، فى كل صفة وهيئة. و كفاك هذا إن كان لك حظٌّ من معرفةٍ۔ثم نرجع إلى أول الكلام، فاعلمْ أن

की वाणी का सम्मान करें। अपितु वे गद्य और पद्य में व्यस्त हो गए और इस मार्ग में उनकी व्यस्तता बहुत बढ़ गई। उनके ऐसे दोहे, यशोगान तथा ऐसे लेख हैं जिन्हें उन्होंने अलंकृत रूप में वर्णित किया तथा वे प्रसिद्ध पुस्तकों में दर्ज हो गए। यह बात ज्ञात ही है कि दरबारे नबवी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम में विशेषज्ञ कवियों तथा सरस और सुबोध बातें करने वालों का एक गिरोह उपस्थित रहता था। फिर यह भी जान ले कि वलियों की वाणी नबियों की वाणी का ऐसे समरूप होती है जैसे प्रतिबिंब तथा आमने-सामने पड़े दर्पण और यह दोनों एक ही स्रोत से निकलते हैं। और जो वस्तु मूल के लिए साबित है वह बिना किसी झगड़े के समरूप के लिए भी साबित है। विलायत की वाणी को तो पहचाना ही नहीं जा सकता सिवाए इसके कि वह प्रत्येक विशेषता तथा प्रत्येक प्रकार से नुबूवत की वाणी के बिलकुल समान हो। यदि तुझे आध्यात्मिकता से कुछ भी भाग प्राप्त हुआ है तो तेरे लिए इतना ही काफ़ी है। फिर हम (अपनी) पहली बात की ओर लौटते हैं। अत: समझ ले कि युग पूर्ण रूप से परिवर्तित हो चुका है। गुनाहों की अधिकता है और दया कम हो गई है। आपदाओं के

الزمان قد تغيّرَ بالتغيّر التامّ ، و كثُرت المُعاصاة، و قلت المواسات ، و ازدُرىَ أهلُ القلوب مع حلول الاهوال و مساورة الاعداء و حمل الاثقال۔ لا يرضى العدو إلا بسَكْرةِ مَصرَعِهم، و إعدامِ أثرِ مَطلَعِهم، وجَعْلِ اللحدِ مُودَعَهم، ويريد الحاسدون أن يطمِسوا مَعلَمَهم۔و يُمِرّوا مَطعَمَهم. طالت ألسُنُ كلِّ سفيه ورَعاعٍ، وغلب كلُّ مَسُودٍ على مُطاع. وعقوقُ الابناء أنقضَ ظهر الآباء۔ وولّد دواؤهم أنواعَ الدّاء . وتعوّدَ أكثر الناس مواصلةَ اللهو۔ وعوّدهم عُجْبُهم مداومةَ الزهو، وعكَس الآمالَ تعليمُ الصبيان، وصار حصادَ الاخلاق والإيمان، وغيَّر الهيئةُ هيئةَ الاحداث، وأحاط الطبعيّة

आने, शत्रुओं के आक्रमणों तथा बोझों के पड़ने के साथ-साथ दिल रखने वालों का अपमान भी किया गया है। शत्रु उनकी दर्दनाक मौत से उनका निशान मिटाने और उन्हें क़ब्र को सौंपे बिना राज़ी नहीं होता। और ईर्ष्यालु यह चाहते हैं कि उनके निशानों को मिटा डालें और उनके खाने को कड़वा करें। प्रत्येक मूर्ख तथा कमीने की ज़बान लम्बी हो गई है। प्रत्येक सेवक मालिक पर विजयी हो गया है। बच्चों की अवज्ञा ने माता-पिता की कमरें तोड़ दी हैं और उनकी औषधियों ने भिन्न-भिन्न प्रकार की बिमारियों को जन्म दिया है। अधिकतर लोगों को खेल-कूद से चिमटे रहने की आदत हो गई है और उनके अहंकार ने उन्हें स्थाई रूप से डांट-डपट वाला बना दिया है। बच्चों की शिक्षा ने उम्मीदों के विपरीत फ़ल उत्पन्न किए और इस (शिक्षा) से शिष्टाचार और ईमान सूख चुके हैं। तथा खगोल-शास्त्र ने युवाओं की शक्लें बिगाड़ दी हैं और भौतिक विज्ञान ने उनके स्वभाव को नष्ट कर दिया है। उन्होंने नास्तिकता के तरीकों को विरासत के समान अपनाया और वे अल्लाह और उसके आदर-सम्मान को भूल गए। उन्होंने माध्यमों को ख़ुदा बना लिया तथा उन्हीं को दुआ स्वीकार करने वाला

طبيعتَهم فملكوا طرقَ الإلحاد كالميراث، ونسوا الله وقدرَه، واتّخذوا الاسباب إلهًا وحسبوها كالغَوّاث، ويسخَرون من الذين آمنوا ويحسبونهم جاهلين ناقصين كالإناث، ودخلوا فى بطن الفلاسفة كدخل الاموات فى الاجداث. ولم يبق لقوم شرحُ الصدر للإيمان لِما هبَّ ريحُ الفسق وقسى القلوب بهذا الطوفان، إلا قليل من عباد الرحمن. وكل ما كان من أخلاق فاضلة و شمائل محمودة مرضية، فقد ركدتْ فى هذا العصر ريحُها، وخبَتْ مصابيحُها، وقَلَّ التقوى والتوكّل على الله القدير، وأفرط الناس فى استقراء الحيل وتجسس التدابير. لا يؤمنون باقتدار الله و يوم الاثام، ولو كانوا مؤمنين لما

समझ लिया। वे मोमिनों से हंसी-ठठा करते हैं तथा उन्हें मूर्ख और औरतों के समान कम (अक़्ल) समझते हैं। वे दार्शनिकों के पेट में ऐसे प्रवेश कर गए हैं जैसे मुर्दे क़ब्रों में प्रवेश करते हैं। किसी क़ौम में भी ईमान के लिए हार्दिक संतुष्टि नहीं रही क्योंकि झूठ की हवा चली और दिल उस तूफ़ान के कारण सख्त हो गए सिवाए दयालु ख़ुदा के कुछ बन्दों के। जितने भी सदव्यवहार तथा पसंदीदा प्रशंसनीय विशेषताएँ थीं उन सब की इस युग में हवा रुक गई है और उनके दीप बुझ गए हैं। संयम तथा कादिर ख़ुदा पर विश्वास कम हो गया है और लोग कपट तथा उपायों के लिए जिज्ञासा में सीमा से बढ़ गए हैं। वे अल्लाह तआला के सत्तावान होने तथा गुनाहों की सज़ा के दिन पर ईमान नहीं लाते और यदि वे मोमिन होते तो गुनाह करने का साहस न करते। उनके दिलों में अल्लाह तआला का भय शेष नहीं रहा। इसी कारण उनके गुनाहों का सैलाब सीमा से अधिक बढ़ गया है और उनकी अवज्ञा की तेज़ हवा उनको उड़ा ले गई है। उनका समस्त जीवन उनकी अपनी इच्छाओं तथा उनके शैतान के लिए हो कर रह गया है। उनकी दुनिया ने उन्हें दुखों के सुपुर्द कर दिया है और इस (संसार)

اجترؤوا على الاجترام۔ ما بقى خوف الله فى قلوبهم، فلاجل ذالك طغى سيل ذنوبهم وعصفتْ بهم هَوجائُ عصيانهم، وصارت عيشتُهم كلها لنفسهم وشيطانهم. أَسْلمَتْهم دنياهم للكُرَبِ، وألقاهم طلبها فى نار النُوَبِ، يتعلمون لها كثيرا من العلوم النُخب، كمثل الهيئة والطبعيّة وفنون الادب، فإنْ لم يُرفَعوا عند الامتحان وأُقعِدوا فى الصَبَبَ، فكادوا يُهلِكون أنفسهم وتصعَد زفرتُهم كالسحب، وإنْ فازوا بمرامهم فيتمَرْمَرون عند نَجْحِ الإرب، و يرون قُرّة عينهم فى المال وسكينتهم فى النَّشَب، هذه هممُهم فى منتجع الهوى ومرمى الطلب۔ يقرؤون الكتب بشِقّ الانفس والوَجى

के लालच ने उन्हें मुसीबतों की आग में झोंक दिया है। इसके लिए वे बहुत से चयनित ज्ञान सीखते हैं जैसा कि खगोल विज्ञान, भौतिक विज्ञान, साहित्य कला। और यदि वे परीक्षा के समय उच्च पदों पर बिठाए न जाएँ (अर्थात सफ़ल न हों) तथा निम्न पदों पर बैठा दिए जाएँ (अर्थात फ़ैल हो जाएँ) तो संभव है कि वे अपने आप को मार डालें। और उनका रोना-धोना बादलों के समान ज़ोर-ज़ोर से होता है, और यदि वे अपने उद्देश्यों में सफ़ल हो जाएँ तो अपनी इच्छाओं के पूर्ण होने पर प्रसन्नता से झूमने लगते हैं। वे अपनी आँखों की ठंडक धन में तथा (दिल की) संतुष्टि धन-संपत्ति में पाते हैं। यह उनके साहस तामसिक वृतियों के प्राप्त करने तथा इच्छाओं को उद्देश्य बनाने के लिए हैं। वे अपने आप को कठिनाई में डालकर, मुसीबत तथा लाचारी बर्दाश्त करके पुस्तकें पढ़ते हैं तथा अपनी रातें जो कुछ उन्होंने पढ़ा होता है उसको याद करते हुए तथा उसके अर्थों पर विचार करते हुए गुज़ारते हैं और इस दौड़ में उनमें से कुछ, कुछ से आगे बढ़ जाते हैं और वे उसमें अपनी इच्छाओं की सवारियां लाद देते हैं यहाँ तक कि भय होने लगता है कि कहीं उनकी मौत के कारण ही

والتعب، ويبيتون مُدّ كِرين مفكّرين فيما ادّرسوا ويسبق بعضهم بعضًا فى الخَبَب، ويُنضُون فيه ركابَ طلبِهم حتّٰى يُخاف عليهم دواعىَ العَطَب. ويريد كلّ أحد منهم أن يكون حَظِيًّا ومالِكَ الفضّةِ والذهب، فيسعى له بجهد النفس فى ليله ونهاره ويُذيب جسمَه فى مطالعة الكتب، وترٰى كثيرًا منهم أَسَلَّهم شدّةُ جهدهم أو أخَذهم الصَرَعُ بهذا السبب. وذهبَ الحياةُ فى هوى الذهب، وماتوا وغابت أشباحهم كالحُبَبِ، وانسدّت الحيَلُ ثم نزل الاجل فخلَس أرواحهم بيد الحَرَب، فهذه مآل الدنيا ومآل شدّة الجهد لها ونموذج شعبةٍ من الشعب. يا حسرة على الذين اغترّوا بحلاوتها ونضارتها ونسوا مرارة

उत्पन्न न हो जाएँ। उनमें से प्रत्येक यह चाहता है कि वह शक्तिशाली और दौलतमंद हो तथा प्रतापी हो तथा सोने-चांदी के भंडार का मालिक हो। अत: उसके लिए वह अपनी पूरी शक्ति से दिन-रात दौड़-धूप करता है तथा पुस्तकों के अध्यन से अपने शरीर को थका देता है। और तू उनमें से बहुत लोगों को देखेगा कि उनके कठोर परिश्रम ने उन्हें बहुत कमज़ोर बना दिया है। या इस कारणवश उन्हें मिर्गी ने दबोच लिया है। सोने की लालसा में जीवन समाप्त हो गया तथा वे मर गए, और उनके ढांचे बुलबुलों के समान लुप्त हो गए। समस्त उपाय समाप्त हो गए, फिर मौत आई तथा रक्तपात के हाथों उनकी आत्माएं उठा ली गईं। अत: यह है इस संसार का अंजाम और इसके लिए सख्त प्रयास का फल तथा इस (संसार) की (विभिन्न) शाखों में से एक शाख का उदाहरण। हाय अफ़सोस! उन लोगों पर जो इस की मिठास तथा इसकी ताज़गी पर गिर गए तथा मौत की कड़वाहट को भूल गए। जब उन्हें कहा जाता है कि अल्लाह का तक़वा (संयम) धारण करो तथा आख़िरत (परलोक) में अपने हिस्से को मत भूलो, तो वे कहते हैं कि आख़िरत (परलोक) क्या है? यह तो केवल वृतांत हैं

المنقلب، وإذا قيل لهم اتقوا الله ولا تنسوا حظَّكم من العقبىٰ، قالوا ما العقبىٰ إنْ هى إلا قصص نحتتُها أهل العجم والعرب. وأفرط كثير منهم فى الطباع الذميمة، وفسدتْ نفوسهم ورعنَتْ رؤوسُهم ومالوا إلى الخسّة والدناءة والبخل والشحّ والكبر والفسوق والمعصية، ورذائل أخرى من الرياء والشحناء والغيبة والنميمة. ولا ترى نفسًا ولّى وجهَها شَطْرَ الحضرة، إلا قليل من الإتقياء الذين هم كالنادر المعدوم فى هذه الطوائف الكثيرة المستكثرة. وترى ألوفًا من الاحداث والشبّان، الذين تعلّموا العلوم الجديدة وفنون أهل الصلبان، ما انقاد قلوبُهم لربّ العالمين وظلموا أنفسهم بإنكار خالق

जिन्हें संसार वालों ने गढ़ लिया है। और उनमें से अधिकतर दुष्टता में सीमा से बढ़ गए हैं। और उनके नफ्स अपवित्र हो गए हैं और उनके सिर बुद्धि से ख़ाली हो गए हैं। वह कमीनगी, नीचता, कृपणता, ईर्ष्या, अहंकार, दुराचार, दृष्टता, दिखावे की विभिन्न बुराइयों और द्वेष, चुग़ली की ओर झुक गए हैं और तुम कोई ऐसा व्यक्ति नहीं पाओगे जो अपना ध्यान ख़ुदा की ओर फेरे, सिवाए कुछ संयमियों के जो इन बड़े-बड़े गिरोहों में न होने के समान हैं। और तू ऐसे हज़ारों नवयुवक देखेगा जिन्होंने आधुनिक विद्याएँ तथा ईसाइयों की कलाएँ तो सीखी हैं परन्तु उनके दिल रब्बुल आलमीन के आज्ञाकारी नहीं हुए। उन्होंने ज़मीन व आसमान के स्रष्टा का इंकार करके अपनी जानों पर अत्याचार किया और शरीअत (धार्मिक सिद्धांत) तथा इस्लामी चल-चलन की सीमाओं की पाबंदी न की और इस्लामी वेश-भूषा को छोड़ दिया तथा जानवरों के समान हो गए। और उनका अल्लाह के बारे में विश्वास इस प्रकार बाक़ी न रहा जिस प्रकार कि इस्लामी धर्म में है। अपितु वे अल्लाह तआला के आदेश से बाहर निकल गए तथा दार्शनिकों के आदेश के नीचे आ गए हैं। उन्होंने स्वयं को पश्चमी नास्तिकों

السّماء والارضين۔ وما تقيّدوا بقيود الشرع وشِعار الإسلام، وخلعوا خِلْعةَ الملّة وصاروا كالانعام. وما بقى اعتقادهم فى الله كما هو فى الملة الإسلامية، بل خرجوا من حُكم الله ودخلوا تحت حكم الفلاسفة، وسلّموا نواصيَهم إلى أيدى الملاحدة الغربيّين، و أعرضوا عن الحكمة اليمانية و عرفان العربيّين. فجَرَّهم الملاحدة حيثما شاؤوا، و بعدوا مِن رُحم الله وبغضب من الله باؤوا. و أشاطَهم شياطينُهم، ومزّقهم سراحينُهم، وأضلّتْهم طواغيتُهم وشنّتْ عليهم الغارة و نزعتْ منهم يواقيتهم، و قاموا إلى شَنِّ إيمانهم فأَهراقوا ماء ها، وما تركوا فيها إلّا أهواء ها۔ فبعث الله فيهم مصلحًا

के हाथों में दे दिया है। उन्होंने क़ुरआन की रहस्यपूर्ण शिक्षाओं तथा (मुसलमान) अरबों के आध्यात्म ज्ञान से मुंह फेर लिया। अत: नास्तिकों ने उन्हें जहाँ चाहा, घसीटा। वे अल्लाह की दया से दूर हो गए तथा अल्लाह के क्रोध के साथ लौटे। उनके शैतानों ने उन्हें मार दिया तथा उनके भेड़ियों ने उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया। और उनके सरदारों ने उन्हें भटका दिया। उन पर प्रत्येक ओर से आक्रमण किया गया और उनके (ईमान के) मोती उनसे छीन लिए गए। वह (पश्चिमी दार्शनिक) इन (तथाकथित मुसलमानों) के ईमान के थैले की ओर बढ़े तथा उसका सारा पानी बहा दिया। और उसमें सिवाए (तामसिक वृतियों की) इच्छाओं के कुछ न छोड़ा। अत: अल्लाह तआला ने उनमें उन्हीं में से एक सुधारक भेजा ताकि उनकी (ईमानी) संम्पत्ति उन्हें लौटाए तथा धन लुटाए तथा उन्हें उनके भय से अमन प्रदान करे। अत: विरोधी ऐसी क़ौम हैं जो अकाट्य तर्क तथा बुद्धि को कुचल देने वाली चोट के बिना कदापि रुकने वाले नहीं। क्योंकि वह अपने अंधकारमय परवरिश में शैतानी विशेषताओं तक पहुँच चुके हैं वे टुकड़े-टुकड़े कर देने वाली लाठी के मोहताज हैं। उन्होंने दार्शनिकों की

منهم ليردّ إليهم أموالهم و يفيض المال و يؤمِنهم من أهوالهم، فإن المخالفين قوم لم يكونوا منفكّين مِن غير حجّة بالغة، وضربة دامغة، بما بلغوا فى نشأتهم الظلمانية إلى هويّة إبليسية، واحتاجوا إلى عصا ثامِغةٍ. وإنهم تبعوا الفلاسفة فى جميع ما رقَمه بنانُهم، ونطق به لسانهم، ودخلوا بطونَهم، واستيقنوا ظنونَهم. واستحسنوا شؤونهم، واستبدلوا الزَقُّومَ بالتى هى لُهَنةُ الجنّة و أخذوا الخَزَفَ و أضاعوا وِشاحَ دُررِهم اليتيمة الفريدة. وقالوا: ما انحلّتْ عُقَدُنا وما انكشفَ غطاؤنا إلا بكتب الفلسفة، وإنْ هى إلا حيل كاذبة، و كلمات مخلوطة بالمكر والفِرْية، بل ما حصلتْ لُبانةُ

प्रत्येक उस बात का अनुकरण किया जो उन्होंने लिखी तथा जो उनकी ज़बानों पर जारी हुईं। वे उनके पेटों में प्रवेश कर गए तथा उन्होंने उनकी काल्पनिक बातों को वास्तविक समझ लिया तथा उनके कारनामों को उत्तम समझा और उन्होंने स्वर्ग के आतिथ्य के बदले कड़वे फल को लिया। उन्होंने ठीकरियां ले लीं तथा बहुमूल्य मोतियों के हार व्यर्थ कर दिए और उन्होंने कहा कि दर्शनशास्त्र की पुस्तकों के बिना न हमारी समस्याएँ हल हो सकती हैं तथा न ही वास्तविकता प्रकट हो सकती है। यह केवल झूठे बहाने ही हैं तथा छल और कपट से भरी बात है। अपितु उनके तामसिक उद्देश्यों की पूर्ति पारिवारिक बन्धनों तथा क़ौम और धर्म से निकले बिना नहीं हो सकती। वे नहीं जानते कि नबियों की शरीयतें उस ख़ुदा की ओर मार्गदर्शन करती हैं जिस से बुद्धिमानों की अक्लें भटकी रहें। और उन रहस्यों को व्याख्यायित करती हैं जिस से दार्शनिक हमेशा अंधकार में रहे। वे हिदायत के मार्गों को नहीं जानते। और इसमें राज़ यह है कि नबियों को ज्ञान अलीम व हकीम (बहुत जानने वाले तथा हिकमत वाले) ख़ुदा की ओर से दिए जाते हैं। और अल्लाह तआला हिदायत के मार्ग से लापरवाह

نفوسهم الامّارة إلا فى طرق الإباحة والخروج من الرِبْقة المِلّيّة. ولا يعلمون أن شرائع الانبياء قد هدَتْ إلى حضرةٍ غفَل عنها عقولُ الحكماء. وأوضحتْ أسرارًا لم يزل الفلاسفة فى ظلماتٍ منها لا يعلمون طرق الاهتداء. والسرّ فيه أن الانبياء يُلَقَّون العلومَ من الله العليم الحكيم، والله لا يغفل عن النهج القويم، بل يجمع فى بيانه علومًا صحيحة ودلائل مبصرة تُوصِل إلى الصراط المستقيم لِما لا يجوز عليه الذهول. وهو نور كامل تَنزَّهَ شأنُه عن ظلمة الرأى السقيم. وأما العبد فلا بدّ له أن يغفل عن شىء دون شىء ، ويذهَل عن أمر عند أخذِ أمر آخر، وليس فى يده قانون

नहीं अपितु वह अपने वर्णन में ऐसे वास्तविक ज्ञान और विवेक सम्मत तर्क एकत्र करता है जो कि सीधे मार्ग तक पहुंचाते हैं। क्योंकि आलस्य उसकी वैभव एवं प्रतिष्ठा के विपरीत है। वह तो पूर्ण प्रकाश है तथा उसका वैभव ग़लत परामर्श के अंधकार से मुक्त है, परन्तु जहाँ तक बन्दे का संबंध हैं आवश्यक है कि वह एक चीज़ पर ध्यान देने के कारण दूसरी चीज़ में आलस्य करे, तथा एक कार्य करते समय दूसरे को भुला दे। और उसके हाथ में भूल-चूक तथा ग़लती से बचाने वाला कोई कानून नहीं तथा जहाँ तक तर्कशास्त्र के ज्ञान का संबंध है तो वह रद्दी माल है तथा वह उस भीषण आंधी से कदापि बचा नहीं सकता। और दार्शनिक विद्वान! इस (अर्थात तर्कशास्त्र) की कला को अपना मार्गदर्शक बना कर गुमराह हो गए तथा उनके रायों में मतभेद, विपरीतता और संदेहों की अधिकता है तथा वे यह सामर्थ्य नहीं रखते कि इसके द्वारा झगड़ों को समाप्त कर सकें। इसलिए तू दार्शनिकों को रायों में एक-दूसरे को विपरीत पाएगा और उनमें से प्रत्येक पूर्ण विवेक का दावा करता है, और यही वह बात है जिस से नबी तथा उसके अनुकरण करने वाले दार्शनिको से उत्कृष्ट

عاصم من الذهول والخطأ. وأما صناعة المنطق فمتاعٌ سَقَطٌ، وليستْ بعاصمة قطُّ من هذه الهَوجاء۔ وقد ضلّت الحكماءُ الفلاسفةُ مع اتخاذهم هذه الصناعة إمامًا، وكثرت فی آرائهم الاختلافات والتناقضات والشبهات، فما استطاعوا أن يقطعوا بها خصامًا، فلذالك تجد الفلاسفةَ يُخالف بعضُهم بعضًا فی الآراء ،وكلُّ أحدٍ منهم يدّعی كمال الدهاء، وهذا هو الامر الذی يتميّز به النبی ومَن تبِعه عن الفلسفی، فإيّاك أن تغفل عنها وتبعد من حضرة العليم العلیّ وقد عثرتَ علىٰ أن هذا الزمان زمانُ الفتن والإلحاد والبدعات، ومُلئت الارض ظلمًا وجورًا وقَلَّ عدد الصالحين والصالحات، ومِن أعظم المصائب علی الإسلام أن الذرّية الجديدة الذين ورِثوا شيوخهم المسلمين

होते है। अत: तू इन बातों से लापरवाह से तथा सर्वज्ञानी ख़ुदा से दूर होने से बच। निस्संदेह तू इस बात से अवगत है कि यह युग उपद्रव, नास्तिकता तथा बुराइयों का युग है। ज़मीन अत्याचार से भर गई है तथा नेक मर्दों तथा नेक औरतों की संख्या कम हो गई है। इस्लाम पर सबसे बड़ी मुसीबत यह है कि नई पीढ़ी के लोग जो अपने मुसलमान बुज़ुर्गों के वारिस बने हैं वे समस्त मुसलमानों को मूर्ख ठहराते हैं और कहते हैं कि दार्शनिक सच्चे हैं। और कहते हैं कि वे खोज-बीन के उच्च दर्जों पर बैठे हैं तथा उस शुद्ध मदिरा से पूर्ण रूप से भरे हुए हैं तथा जहाँ तक नबियों का संबंध है तो उन्होंने (नाऊज़ुबिल्लाह) कुछ बातें ठीक की हैं तथा कुछ में ग़लती की है तथा उनकी बातें (नाऊज़ुबिल्लाह) सच तथा झूठ का मिश्रण है तथा (नाऊज़ुबिल्लाह) वह युक्ति के विषयों में अनभिज्ञ तथा मंदबुद्धि थे। अत: देखो कि इस्लाम को अपमानित करने का मामला किस सीमा तक पहुंच चुका है। निस्संदेह यह एक खुली-खुली परीक्षा तथा बहुत बड़ी मुसीबतों में से है। यह मक़ाम मांग करता है कि आकाश से प्रकाश

يجهّلـون أهـلَ الإسـلام بأجمعـهم و يقولـون إن الفلاسـفة مـن الصادقـين۔ و قالـوا إنـهم فـازوا بدرجـة التحقيق،وشـربوا مسـتوفِين مـن هـذا الرحيـق، و أمّـا الانبيـاء فأصابـوا بعضًـا و أخطـأوا بعضًـا و كلامـهم مخلوط بسديدوغير سـديد۔ و كانـوا فى الامـور الحِكَمية كغبيّ و بليـد. فانظـروا إلى أىّ حـدّ بلَـغ أمـرُ توهـين الإسـلام۔و إنّ هـذا لهـو البـلاء المبـين و مـن الدواهـى العظـام. و يقتضـى هـذا الموطـن أن ينـزل نـورٌ مـن السـماء، كمـا خرجـتْ ظلمـات مخوّفـة مـن أرضِ قلـوب العميـان و الجهـلاء، ليُـوفى الله الموطـنَ حقّـه و يُـدرك الذيـن كانـوا عـلى شـفا التبـاب، وهـذا مـن سُـنن الله كمـا لا يخفٰـى عـلىٰ أولى الالبـاب۔ ولا شـك أن هـذه السـموم قـد بلغـتْ إلى حـدّ أحسّـتْ بـها قلـوب النسـوان و الصبيـان، فضـلًا عـن عقـول

आए जैसा कि अंधों और मूर्खों के दिलों से भयानक अंधकार उत्पन्न हुए हैं ताकि अल्लाह तआला इस मक़ाम को इसका पूरा-पूरा हक़ दे, तथा उन लोगों को पकड़ ले जो विनाश के किनारे पर हैं, और यह अल्लाह तआला की सुन्नत है जैसा कि बुद्धि रखने वालों से छुपा नहीं। निस्संदेह यह विष इस सीमा तक दिलों में घर कर चुका है कि विवेकवान लोगों तथा बुद्धिजीवियों के अक़्लें तो अलग रहीं, औरतों तथा बच्चों के दिलों ने भी इस को महसूस किया है। उन विषों का मामला मामूली नहीं है अपितु संसार के आरंभ से ले कर इस वर्तमान युग तक इसका कोई उदाहरण नहीं मिलता। और उस (विष) ने गुज़रे हुए युग के विषों की मौतों के मुक़ाबले अधिक मारा है। दिलों के किसी भी भाग में ख़ुदा का भय नहीं रहा तथा उनके दिलों पर इस संसार और इसके धन्दों की मोहब्बत प्रेमिका के समान छा गई है। अत: लोगों के दिलों में जो बातें उत्पन्न हुईं उनके मुक़ाबले में आकाश पर उनका इलाज किया गया है, ताकि समस्त आदेश वाहिद तथा क़हहार ख़ुदा का हो जाए और जो शैतान के हाथों ने बुना है

أهـل البصـيرة و العرفـان، و مـا كان أمرُهـا هيّنًـا بـل لا يوجـد نظيرهـا مـن بـدو الخِلقـة إلى هـذا الاوان، وأهلكـتْ أكثـرَ ممـا أهلكـتْ سـمومُ سـابق الزمـان. ومـا بقـى خـوف الله فى زاويـة مـن زوايـا القلـوب، ووسِـعها حـبُّ الدنيـا وشـغفها كالمحبـوب. فَخُلِـقَ فى السـماء بحـذاءٍ مـا حدثـت فى خواطـر النـاس، ليكـون الامـر لله الواحـد القهّـار و يقطَـعَ مـا نسـجه أيـدى الخنّـاس. فـإن الغَـيرة الإلٰهيـة لا تُعطِـى الضـلالاتِ عمـرًا طويـلا، وتنـزل منـه حربـةُ الصـدق و يقتـل مـا دجـل الحـقَّ حجـةً ودليـلًا. ولا تحسـبن الله مُخلِـفَ وعـدِه رسـلَه أو مُنسِـىَ سُـننِه وسـبلِه، فإنـه جـواد كريـم، يرحـم عبـاده عنـد المصائـب ويُنـزِل رُحمـه عنـد انتيـاب النوائـب، و كذالـك جـرتْ عادتـه مـن بـدو الخلقـة، وقـد

उसे वह टुकड़े-टुकड़े कर दे क्योंकि ख़ुदा का स्वाभिमान गुमराहियों को लम्बी आयु प्रदान नहीं करता। उसकी ओर से सच्चाई का हथियार आता है तथा जिस ने सच्चाई को छुपा रखा है उसको तर्क-वितर्क से क़त्ल कर देता है और तू यह न सोच कि अल्लाह अपने रसूलों से किए वचन को तोड़ने वाला है अथवा अपनी सुन्नत और तरीके को भुला देने वाला वाला है क्योंकि वह उदार तथा कृपालु है और मुसीबतों के समय अपने बन्दों पर रहम करता है और निरंतर आने वाले संकट के समय अपनी दया भेजता है। संसार के आरंभ से उसकी यही सुन्नत जारी है तथा उसने इस आदत के इंकार पर दंड की चेतावनी दी है। अत: मुजद्दिद को खोजो कि इन उपद्रवों के समय तथा इस युग में वह कहाँ है? अब तो इस सदी के आरंभ पर कई वर्ष गुज़र चुके हैं तथा क़ौम (मुहम्मदिया) के शत्रुओं को भालों ने छलनी कर दिया गया है, और अल्लाह तआला अपने धर्म के शहर को वीरान इमारतों तथा गिरी हुई दीवारों के समान नहीं छोड़ता अपितु वह उसकी चारदीवारी को मज़बूत करता है तथा उसमें रहने वालों को

توعّدَ علیٰ إنکار ھذہ العادۃ۔ فتَحسَّسوا مِن مجدّدٍ أین ھو عند ھذہ الفتن وھذا الزمان؟ وقد انقضتْ علیٰ رأس المائۃ مِن سنین وثُقّبت المِلّۃُ بأسنّۃِ أھل العدوان۔ ولا یترك اللّٰہ مدینۃ دینہ کعمارۃ خُرّبتْ۔ وجدران ھدّمتْ، بل یبنی سُورَھا ویُنجِی محصورَھا۔ ویدُعُّ صَولَ الاعداء، ویُطفئ ما ظھر من نار المِراء، حتّٰی لا یبقی لمسلم من أیدی العِدا فزعٌ، ولا فی ھدمِ بیت الدین لکافر طمعٌ۔ وھکذا تمشّی أمرُ اللّٰہ علی ممرّ الدھور۔ ولزِم ظھورَ المفاسِدِ لمعانُ ھذا الظھور۔ وإن کنتَ لا تعرف ھذہ السُنّۃ فاقرأْ فی القرآن ما قیل لموسیٰ "اِذْهَبْ اِلٰى فِرْعَوْنَ اِنَّهٗ طَغٰى"۔

فانظرْ کیف اقتضی طغیانُ فرعون وجودَ الکلیم،

मुक्ति देता है और शत्रुओं के आक्रमणों को दूर करता है और जो भी झगड़े की आग ज़ाहिर हो, उसे बुझाता है यहाँ तक कि एक मुसलमान को शत्रुओं के हाथ से भय नहीं रहता तथा न ही किसी काफ़िर के लिए धर्म के घर को गिराने का कोई लालच तथा उम्मीद बाक़ी रहती है। अल्लाह तआला का आदेश संसार के साथ-साथ से इसी प्रकार जारी है। और इन उपद्रवों का प्रकटन इस प्रकाश के प्रकटन के लिए आवश्यक था। और यदि तू इस सुन्नत से अवगत नहीं तो क़ुरआन में पढ़ जो मूसा अलैहिस्सलाम को कहा गया :

اِذْهَبْ اِلٰى فِرْعَوْنَ اِنَّهٗ طَغٰى ﴿۱۸﴾ (अन्नाज़िआत-79/18)

(अर्थात फिरऔन की ओर जा। निस्संदेह उसने विद्रोह किया है) अत: देख कि किस प्रकार फिरऔन के विद्रोह ने कलीमुल्लाह (मूसा नबी अलैहिस्सलाम) को चाहा तथा किस प्रकार अल्लाह तआला ने उस कमीने अधर्मी के विद्रोह के समय अपने रसूल को भेजा। फिर जब हज़रत रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के युग में उपद्रव ज़ाहिर हुआ तथा उपद्रवियों

و کیف أرسل اللہ رسولہ عند غُلوّ ھذا الکافر اللئیم۔ ثم لما ظھر الفساد و کثرت أحزاب المفسدین فی زمان خاتم النبیین، وعُبِدت الاصنام، وتُرک القدیر العلّامُ، و وقع فی دَو کۃٍ وبَوحٍ الاقوامُ، وأباحَ الفسقَ والمعصیۃَ اللئامُ، وما بقی شغلُھم إلا الاکل والشرب کأنّھم الانعام۔ بعَث اللہ رسولہ الکریم من الامّیّین، وأرسلہ إلی العالمین وقال ”قُمْ فَاَنْذِرْ ﴿۳﴾ وَ رَبَّکَ فَکَبِّرْ ﴿۴﴾ وَ ثِیَابَکَ فَطَھِّرْ ﴿۵﴾ وَ الرُّجْزَ فَاھْجُرْ ﴿۶﴾“

خواھند شد و جلال و عظمتِ الٰھی ظاھر خواھد شد۔ و از پلیدی ھا جدا باش۔ ای‌ں اشارت است سوئے اینکہ کہ نجس اند ترا جدا کند و شرک را از زمین مکہ بر دارد۔ و جامہ

के गिरोहों की अधिकता हो गई तथा मूर्तियों की पूजा की जाने लगी और ज्ञानी तथा क़दीर ख़ुदा को छोड़ दिया गया तथा समस्त कौमें लड़ाई झगड़ा और उखाड़-पछाड़ करने लगीं तथा कमीने लोगों ने झूठ और गुनाह को वैध ठहरा दिया तथा सिवाए खाने-पीने के और कोई काम बाक़ी न रहा। मानो कि वे जानवर हैं। तो अल्लाह तआला ने अनपढ़ लोगों में से अपने रसूल करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को भेजा और आप को समस्त संसारों की ओर भेजा और फ़रमाया :

قُمْ فَاَنْذِرْ ﴿۳﴾ وَ رَبَّکَ فَکَبِّرْ ﴿۴﴾ وَ ثِیَابَکَ فَطَھِّرْ ﴿۵﴾ وَ الرُّجْزَ فَاھْجُرْ ﴿۶﴾ (अल-मुद्दस्सिर-74/3-6)

{अर्थात उठ खड़ा हो और सतर्क कर और अपने रब्ब की ही महिमा वर्णन कर और जहाँ तक तेरे कपड़ों (अर्थात निकटतम साथियों) का संबंध है, तू (उन्हें) बहुत पवित्र कर और जहाँ तक अपवित्रता का संबंध है तो उस से पूर्ण रूप से अलग रह} अत: सारांश यह है कि हमारे नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम, ख़ुदा की ओर से इसी उपरोक्त उद्देश्य के लिए भेजे गए थे। तथा प्रत्येक नबी और रसूल उपद्रव की किसी शाख़ा के प्रकटन के समय

هـائے خـود را و دل خـود راپاك كن(ثـوب بمعـنى الىٰ ماسـوى الله پاك كند۔ونـيز ايں هـم دريں آيـت هـا اشـاره مـى كننـد كـه ايں شـريعت بـريں همـه اجـزا فحاصـل الـكلام أن نبيّناصـلى الله عليـه وسـلم أُرسـل لهـذا الغـرض المذكـور مـن رب العبـاد، ومـا كان مـن نـبى ولا رسـول إلا أنـه أُرسـل عنـد فـرعٍ مـن فـروع الفسـاد، واجتمعـت الفـروعُ كلهـا فى زمـن نبيِّنـا الحَمّـاد السَـجّاد. ثـم جـاء زماننـا هـذا فـلا تسـأل عمـا رأينـا فى هـذا الزمـان، واللهِ قـد تمّـتْ فى هـذا الزمـان دائـرةُ الفسـوق والفحشـاء والشـرك والعـدوان، ومـا تـرَك النـاس صغـيرةً ولا كبـيرة فمـا أصبرَهـم عـلى النـيران۔ يستحسـنون السـيئاتِ ويسـتَحْلُون مُـرًّا

ही भेजा जाता है। और उसकी समस्त शाखाएं हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम, जो कि बहुत प्रशंसा करने वाले तथा बहुत इबादत करने वाले थे, के युग में एकत्र हो गईं थीं। फिर हमारा यह युग आया। अत: हमने इस युग में जो देखा उसके बारे में मत पूछ। अल्लाह की क़सम! निस्संदेह इस युग में बुराई, व्यभिचार, शिर्क तथा अत्याचार की सीमा पार हो गई है और लोगों ने बड़े तथा छोटे गुनाहों में कोई कसर नहीं छोड़ी। अत: आग पर यह क्या ही सब्र करने वाले हैं। वे बुराइयों को नेकियाँ समझते हैं तथा कड़वे को मीठा, तथा अवज्ञा का विष खाते हैं। नीच लोगों की अधिकता हो गई है और संयम तथा ईमान रखने वालों में से सज्जन लोग बहुत कम रह गए हैं। वे एक अपवित्र बूटी के समान फूट पड़े, और नास्तिकता, मुर्तद तथा ने'अमत का इंकार करने वालों की मजलिसों में परवान चढ़े। उन्होंने अल्लाह तआला के अधिकार ग़ैरुल्लाह (अल्लाह के अतिरिक्त उपास्यों) को दे दिए तथा विद्रोह का तरीक़ा अपनाया। कोई ऐसी शक्ति तथा शिष्टाचार बाक़ी नहीं रहा जो उन्होंने प्रतिफल के मालिक अल्लाह के सिवा किसी दूसरे को न दे दिया हो। उदाहरणतया प्रेम मनुष्य में एक उच्च विशेषता तथा महान

ويأكلون سمَّ العصيان۔ و كثر رعاعُ الناس وقلّ شرفاؤهم من أهل التقى والإيمان، وأنبتوا نباتًا خبيثًا ونشأوا في مجالس الإلحاد والارتداد والكفران، وأعطوا حقوق الله غيرَه وأخذوا طريق الطغيان، وما بقى مِن قوة ولا خُلُقٍ إلا أعطوها لغير الله الديّان. مثلًا كانت المحبّة جوهرًا شريفًا وخُلقًا أعظم في الإنسان، وأودعَه الله تعالىٰ إيّاها ليُفنى نفسَه في تصوُّرِ جمالِ ربّه المنّان، وليكون له بالروح والجَنان، وليترقّى في سبل حبه ولا يبقى منه أثرٌ ويذوبَ وجودُه بنار العشق والوَلَهان، ولٰكن العميان بذلوا هذه الصفة الجليلة الشريفة في غير محلّها وأضاعوا دُرّةَ الإيمان۔ ووضعوا محبّة الله في مواضع أهواء النفس عند غليانها والهيجان، ونسوا اللهَ

शिष्टाचार है और अल्लाह तआला ने मनुष्य में इस प्रेम की भावना को इसलिए डाला है ताकि वह अपने दयालु ख़ुदा के अगाध प्रेम में अपने आप को लीन कर दे और दिल और जान से उसका हो जाए और उसके प्रेम के मार्गों में उन्नति करे और उसका कोई निशान बाक़ी न रहे और उसका अस्तित्व ख़ुदा के प्रेम तथा मोहब्बत की आग (की गर्माहट) से पिघल जाए परन्तु अंधों ने इस प्रतापवान तथा महान विशेषता (प्रेम) को बिना अवसर के ख़र्च किया तथा ईमान के मोतियों को व्यर्थ कर दिया। उन्होंने अल्लाह की मोहब्बत को तामसिक इच्छाओं के स्थान पर रख दिया (उस समय कि) जब वह खौलने और भड़कने लगी। और अल्लाह तथा उसके प्रेम को भुला दिया, तथा औरतों और नवयुवकों पर मर मिटे। वह सच्चे ख़ुदा की दरगाह से ग़ायब हो गए तथा उन्होंने उसकी सुन्दरता को भुला दिया। अत: मौत है उन अंधों के लिए जिन की आँखें तो हैं परन्तु वे उनसे देखते नहीं। उनके हृदय तो हैं परन्तु उनसे समझते नहीं। अत: यह हृदय दयालु ख़ुदा के अतिरिक्त किसी और से प्रेम करने लगे तथा अपवित्र विचार उनके साथ

وحبَّه وشُغفوا بالغلمان المُرْد والنسوان۔ وغابوا عن حضرة الحق و جهلوا حُسْنَها، فويل للعميان۔ لهم أعين لا يبصرون بها، ولهم قلوب لا يفقهون بها، فتهوى تلك القلوب غيرَ الرحمٰن. ولصِق بها طائفُها فلا يترُكها فى حين من الاحيان. يفعلون سيئاتِهم بالحريّة والاجتراء، حتى لا يُفهَم منه قطُّ أنهم يؤمنون بالله ويوم الجزاء، ولا يُتخَيّلُ برؤية أعمالهم أنهم يخافون مثقال ذرّة حضرة الكبرياء. فهذا هو الامر الذى اقتضى مصلحًا ينزل بينهم من السّماء، و كذالك جرت عادة الله فى السابقين من أهل البغى والغلواء۔ وقد كتب الله قصة قوم نوح وقوم إبراهيم وقوم لوط و قوم صالح فى القرآن، وأشار إلى أنهم أُرسلوا كلهم عند الفتن والفسوق

लग गए हैं। अत: वे उन्हें किसी पल भी नहीं छोड़ते। वह आज़ादी और दिलेरी से बुराइयाँ करते हैं। यहाँ तक कि उस से कदापि यह समझ नहीं आता कि क्या वे अल्लाह तथा प्रतिफल दिवस पर विश्वास भी रखते हैं? और उनके कर्म देख कर यह विचार भी नहीं आता कि वह महान ख़ुदा से तनिक भर भी नहीं डरते हैं। यह वह बात है जिस ने मांग की कि उनके मध्य आसमान से एक सुधारक आए। पहले लोगों से ही विद्रोह करने वालों के साथ अल्लाह का व्यवहार ऐसा ही रहा है और निस्संदेह अल्लाह तआला ने क़ुरआने करीम में नूह अलैहिस्सलाम की क़ौम, इब्राहीम अलैहिस्सलाम की क़ौम, लूत अलैहिस्सलाम की क़ौम तथा सालेह अलैहिस्सलाम की क़ौम के वृतांत लिखे हैं और इस ओर संकेत किया है कि वे सब के सब उपद्रवों, बुराइयों तथा भिन्न-भिन्न प्रकार की अवज्ञाओं के समय भेजे गए थे। न तो यह सुन्नत कभी बेकार हुई है और न ही परिवर्तित। और अल्लाह तआला मनुष्य के समान कभी भूलने वाला नहीं। यदि तू तर्क चाहता है तो अल्लाह तआला की सुन्नत के बारे में तेरे लिए इतना (वर्णन) ही काफी है।

وأنواع العصيان، وما عُطِّلتْ هذه السُنّة قطّ وما بُدِّلتْ، وما كان الله نَسِيًّا كنوع الإنسان. فكفاك هذا لمعرفةِ سُننِ الله إنْ كنتَ تطلب دليلا،"وَلَنْ تَجِدَ لِسُنَّةِ اللّٰهِ تَبْدِيْلًا ﴿٦٢﴾"

ثم اعلموا رحمكم الله أنى امرؤ قد أعطانى ربّى كلَّ ما هو من شرائط المصلحين، وأرانى آياتِه وأدخلنى فى عباده الموقنين. وإنّه أنزل علىّ بركاتٍ وأنار مكانى، وما بقى لى مِن مُنْيةٍ إلّا أعطانى. ويتمنّى الإنسان أن يكون من بيت الرياسة والإمارة، ويكون له حسب ونسب، فأعطانى ربّى هذا الشرف كلّه وما بقى لى طلب. وكذالك يتمنّى الإنسان أن يكون له وجاهة فى الدنيا والدين، وكرامة وعزة فى أهل السّماء و الارضين ، فوهب لى ربّى عزة الدارين و شرّفنى

وَلَنْ تَجِدَ لِسُنَّةِ اللّٰهِ تَبْدِيْلًا (अल-अहज़ाब-33/63)

(अर्थत और तू अल्लाह तआला की सुन्नत में कदापि परिवर्तन नहीं पाएगा।)

फिर जान लो! अल्लाह तुम पर दया करे, मैं ऐसा व्यक्ति हूँ कि सुधारकों की जितनी भी शर्तें हैं वे समस्त मेरे रब्ब ने मुझे प्रदान की हैं और मुझे अपने निशान दिखलाए हैं तथा मुझे अपने विश्वास पात्रों में रखा है, उसने मुझे बरकतें (उन्नति) दी हैं, तथा मेरे घर को प्रकाशित कर दिया है और मेरी ऐसी कोई भी इच्छा नहीं है जो उसने मुझे प्रदान न की हो। मनुष्य इच्छा करता है कि वह अमीर परिवार तथा धनाढ्यों में से हो और उसका अच्छा वंश हो। अत: मुझे मेरे रब्ब ने यह सौभाग्य पूर्ण रूप से प्रदान किया है और मेरी कोई इच्छा शेष न रही। इसी प्रकार मनुष्य इच्छा करता है कि उसे धर्म तथा संसार में प्रतिष्ठा प्राप्त हो तथा उसे पृथ्वी तथा आकाश में रहने वालों में गरिमा और सम्मान मिले। अत: मेरे रब्ब ने मुझे दोनों लोकों का सम्मान प्रदान कर दिया तथा मुझे दोनों लोकों की प्रतिष्ठा से सम्मानित किया। कई बार मनुष्य अपने पीछे अपना कोई उत्तराधिकारी

بشـرف الكونـين. وقـد لا يـرى الإنسـان مَوالِيَـه مـن ورائـه. ولا يكـون له ولدٌ يرثـه بعـد فنائـه، فيأخـذه غـمّ وضجـر و كآبـة لعـدم أبنائـه، ويعيش حزينًـا ويبكـى فى مسـاءه و رَواحـه، فمـا مَسَّـنى هـذا الحـزن لطرفـة عـين بفضـل الله ورحمتـه، وأعطـانى ربّى أبنـائً لخدمـة ملّتـه. وقـد يهـوى المـرء أن يُعطَـى له دُرَرُ معـارف وعلـومٌ نُخَـبٌ، وأن يحصُـل له نُضـار وعَقـار ونَشَـبٌ، فوهـب لى ربّى هـذه كلهـا بكمـال الإحسـان والمنّـة، وأنعـم علىّ بنعـم هـذه الدار ونعـم الآخـرة، و أتـمّ علىّ و أسـبغَ مِـن كل نـوع العطيّـة، وأعطـانى فى الدارَيـن حسـنتَين مـن غـير المسـألة. وقـد يـودّ الإنسـان أن يُعطـى له محبّـةُ الله كالعاشـقين الفانـين، ويُسـقى مِـن كأس المحبوبـين المجذوبـين، وقـد يحـبّ أن يُفتَـح عليـه

नहीं देखता। तथा न उसकी कोई सन्तान होती है जो उसकी मृत्यु पश्चात उसकी उत्तराधिकारी हो, तो अपने बेटों के न होने के कारण दु:ख, व्याकुलता और बेचैनी उसको पकड़ लेते हैं। वह दुखी जीवन व्यतीत करता है तथा सुबह-शाम रोता रहता है। अत: अल्लाह तआला की कृपा और उसकी दया से इस दु:ख ने एक पल के लिए भी मुझे नहीं छुआ। मेरे रब्ब ने अपने धर्म की सेवा के लिए मुझे बेटे प्रदान किए हैं। कई बार मनुष्य यह इच्छा करता है कि उसे रहस्यज्ञान तथा विशेष विद्याएं प्रदान की जाएँ तथा यह कि उसके पास दौलत, सोना, संपत्ति, ज़मीन तथा धन हो। अत: मेरे रब्ब ने पूर्ण दया तथा करुणा से यह सब कुछ मुझे प्रदान किया है तथा मुझे इस संसार की नेअमतों तथा आख़िरत की नेअमतों से बहुत सम्मानित किया है और मुझे प्रत्येक प्रकार के पुरस्कार पूर्णता से प्रदान किए हैं और उसने बिना मांगे मुझे दोनों लोकों में भलाई प्रदान की है। कई बार मनुष्य चाहता है कि उसे मर-मिटने वाले प्रेमियों के समान अल्लाह तआला का प्रेम प्राप्त हो तथा उसे प्यारों तथा सिद्ध पुरुषों के जाम से

أبـواب الكشـوف والإلهامـات، وأخبـار الغيـب والآيـات، وتُسـتجاب دعواتُـه بأسـرع الاوقـات، وتصـدر منـه عجائـب الخـوارق والكرامـات۔ ويكلِّمـه ربُّـه ويشـرّفه بشـرف المكالمـات والمخاطبـات، فالحمـد للّٰه عـلى أنـه أعطـانى ذالـك أجمـعَ، ووهـب لى كلَّ نعمـة كنـت أقـرأ ذِكرهـا فى الكتـب أو أسـمع، وجعلـنى مـن المقرَّبـين۔و و هـب لى علـم الاوّلـين والآخريـن، و حـلَّ عقـدةً مـن لسـانى وأَمْـلَإِ بمُلَـحِ الادب بيـانى، وحـلَّى كلامـى بحُلـل البلاغـة وقـوّى سُـلطانى. فـواللّٰهِ إن كلامـى أبلـغُ فى قلـوب النـاس مـن مائـة ألـف سـيفٍ، فهـذا هـو الذى وضعـتُ الحـرب بهـا وفتحـتُ الحصـونَ مِـن غـير جـبر وحيـفٍ،

पिलाया जाए और कभी पसंद करता है कि उस पर कश्फों तथा इल्हामों, परोक्ष की ख़बरें और निशानों के द्वार खोले जाएँ, और इस से अजीब-अजीब विलक्षण निशान तथा चमत्कार प्रकट हों और उसका रब्ब उस से बात करे और उसे ख़ुदा से वार्तालाप का सौभाग्य प्राप्त हो। अत: अल्लाह तआला के लिए समस्त प्रशंसाएँ हैं कि उसने यह सब कुछ मुझे प्रदान कर दिया तथा मुझे प्रत्येक वह नेअमत प्रदान की जिस का वर्णन मैं पुस्तकों में पढ़ा करता था अथवा सुना करता था। उसने मुझे प्यारों में स्थान दिया तथा उसने मुझे अगलों और पिछलों का ज्ञान प्रदान किया। वह रहस्य जिनको मेरी ज़बान ज़ाहिर नहीं कर सकती थी मुझ पर प्रकट किए तथा मेरी बातों को साहित्य सुन्दरता से भर दिया है। और मेरे कलाम को अलंकारों के (सुन्दर तथा सुशील) वस्त्रों से सुशोभित किया तथा मेरे तर्कों को दृढ़ कर दिया। अत: ख़ुदा की क़सम! मेरा कलाम लोगों के दिलों में लाखों तलवारों से अधिक प्रभाव डालने वाला है। अत: यही वह बातें हैं जिसके कारण मैंने युद्ध को समाप्त किया तथा बिना किसी अत्याचार और ज़बरदस्ती के क़िलों को विजयी किया। और किसी विरोधी में इतना साहस

وما كان لمخالف أن يبرُز فى مِضْمارى، ومَن برَز فمات قَعْصًا بإنكارى. فالحاصل أن الله كرّمنى بأنواع الصنيعة، ورزقنى من نِعم الدنيويّة والدينيّة، وراعَى أمورى بالفضل و الكرامة، وأحسن مثواى بالتحنّن والرحمة، وبشّرنى بأن عيونه علىّ فى خَلْوتى ومُشاهَدى وفى كل حالى، وإنه يرحمنى ويمنّينى ويؤمّلنى عند أهوالى. وإنى أرى كلَّ ما هو عنده كأنه هو عندى وفى يدى، وإنه كهفى وملجأى وتُرسى وعَضُدى. وإنه سَرَى فى قلبى وعروقى ودمى، و إنّى منه بمنزلة لا يعلَمها الخَلق من عربى وعجمى وإنه خلقنى و خَلَقَ كلَّ قوّتى. فرجعتُ إليه مع هذه القوافل، وانهمرتُ

नहीं कि मेरे सामने मैदान में आए तथा जो भी निकला वह मेरे इंकार के कारण तुरंत मर गया। अत: आशय यह है कि अल्लाह तआला ने मुझे भिन्न-भिन्न प्रकार के उपकारों से सम्मानित किया है तथा मुझे संसारिक तथा धार्मिक नेअमतें प्रदान की हैं और अपने फ़ज़ल व करम से मेरी (समस्त) बातों में सहायता फ़रमाई और दया तथा कृपा से मेरा ठिकाना बेहतरीन बनाया है और उसने मुझे खुशख़बरी दी कि उसकी नज़र एकांतवास तथा भीड़ प्रत्येक अवस्था में मुझ पर हैं और वह मेरे भय के क्षणों में मुझ पर रहम करता है तथा मुझे आशा तथा उम्मीद दिलाता है। मैं विश्वास रखता हूँ कि जो कुछ उसके पास है मानो वह मेरे पास है तथा मेरे हाथ में है, और यह कि वह मेरी शरण, मेरा ठिकाना, मेरी ढाल और मेरा बाज़ू है। वह मेरे हृदय, मेरी नसों तथा मेरे रक्त में प्रवेश कर चुका है। उसके समक्ष मेरा ऐसा स्थान है कि जिसे मनुष्यों में से अरबी हो या अजमी, कोई नहीं जानता। उसने मुझे पैदा किया तथा मेरे समस्त अंग पैदा किए। अत: मैं उन्हीं काफ़िलों के साथ उसकी ओर लौटा तथा मैं उसकी ओर ऐसे बहा जैसे पानी पहाड़ों की चोटियों से निचले स्थानों की ओर बहता

إليه كما ينهمر الماء من قُنن الجبال إلى الاسافل. وأحاطني فغُشِّيتُ تحت ردائه، ومتَّعني بأنوار جماله فأعرضتُ عن أعدائي وأعدائه. وإنه نزَع عني ثيابَ الوَسَخ والدَّرَن. ثم ألبسَني حُلَلَ النّور واصطفاني لِذَاتِهٖ فی هٰذا الزمن، وما أبقى لی غيرَه وهذا أعظمُ المنن ومن آلائه أنه شرح صدری و کمّل بدری، فما أصابنی ضجرٌ قط لافکار الدنیا وهجومها وما أَحَسَّ أحدٌ كآبةً على وجهي وجبيني لِهُمُومِهَا وغمومها۔ وإنّه جعلني مسيحًا موعودًا ومهديًّا معهودًا، ففرَط العلمائُ عليّ وقالوا مزوِّر كذَّاب، وآذَوني مِن كلّ باب۔ وكذّبوني وفسّقوني وجهّلوني وما خافوا يوم

है। उसने मुझे अपने सुरक्षित घेरे में ले लिया। अत: मैं उसके उपकारों के नीचे छुप गया। और उसने मुझे अपनी सुन्दरता के धन से भर दिया। अत: मैंने अपने दुश्मनों तथा उसके दुश्मनों से बचाव किया। उसने मुझसे मैले कपड़े और गंदगियाँ दूर कर दीं। फिर मुझे नूर से भर दिया और इस युग में मुझे अपने लिए चुन लिया कि मरे लिए उसके अतिरिक्त कोई शेष न रहा और यह सबसे बड़ा उपकार है और उसकी नेअमतों में से यह भी है कि उसने मेरा हृदय खोल दिया और मेरे चंद्रमा को पूर्ण किया। अत: मुझे सांसारिक चिंताओं और उसके झमेलों से कभी व्याकुलता नहीं हुई। और कभी भी किसी ने मेरे मुख और मेरे माथे पर संसार के दु:ख और दर्द की चिंता महसूस नहीं की। उसने मुझे मसीह मौऊद तथा महदी माहूद बनाया तब उलमा मुझ पर टूट पड़े और कहने लगे कि यह महा झूठा है तथा प्रत्येक स्थान से मुझे कठिनाई पहुंचाई। मुझे झुठलाया, मुझे दुष्ट और मूर्ख कहा गया। और उन्होंने प्रतिफल दिवस का कोई भय न किया। वह एक ही ओर चल पड़े, न तो उन्होंने हदीसों पर विचार किया तथा न ही क़ुरआन पर। और (मुसलमान) क़ौम इन शोर मचाने वालों की ओर खिंची

الحساب۔و سرَبوا إلی جھة وما تدبّروا الاحادیث وما فی الکتاب. وجُذِبَ القوم إلی ھذہ الصائتِین وما استَقَرَوا طرقَ الصواب۔و فرَضوا لھم من أموالھم وسُیوبھم لیداوموا علی رَدِّ کُتبی و لیکتبوا الجواب، فما کان جوابھم إلا السبّ والشتم والذکر بأسوأ الإلقاب. ودعوتُھم لیبارزونی فی المیدان بفرسانھم ولیسألوا عنّی ما اختلج فی صدرھم، وما خطر فی أمری بجنانھم، فما خرجوا من بابھم، وما فصَلوا عن غابھم۔ و کان من شأنھم أن یُسفِر وجوھُھم ویتلالا جباھُھم بالمسرّۃ عند ھذہ الدعوۃ، و أن یبادروا إلیّ و یُفحِمونی بالکتاب و السُنّة، و إنّ الحق یشجّع القلوب المزئَ

चली गई और उन्होंने सीधा मार्ग तलाश न किया। और उन्होंने अपने मालों और चंदों में से उनके लिए (कुछ भाग) निर्धारित कर दिया ताकि वे मेरी पुस्तकों के रद्द लिखने पर ज़ोर दें तथा उनके उत्तर लिखें। परन्तु उनका उत्तर गाली गलौज तथा बहुत बुरे नाम रखने के अतिरिक्त और कुछ न था। मैंने उनको निमन्त्रण दिया कि मरे मुक़ाबले के लिए अपने साथियों के साथ मैदान में निकलें तथा जो भी उनके सीनों में द्वंद्व है और मेरे बारे में दिलों में जो भी विचार आता है उसके बारे में मुझ से पूछें। अत: न वे अपने घरों से बाहर निकले तथा न ही अपने ठिकानों से अलग हुए। उनके लिए उचित तो यह था कि इस मुक़ाबले के निमन्त्रण के समय प्रसन्नता से उनके मुख खिल उठते तथा उनके मस्तक चमकने लगते और यह कि वे तीव्रता से मेरी ओर आते तथा क़ुरआन और सुन्नत से मुझे निरुत्तर कर देते। निस्संदेह सच्चाई तो भयभीत दिलों को साहस प्रदान करती है तथा बंद दरवाज़ों को खोलती है। परन्तु क्योंकि वे अपनी बातों में झूठे थे इसलिए वे अपने डण्डों और रस्सियों समेत भाग गए। और मैंने उन्हें कहा कि किताब (क़ुरआन) और सुन्नत से मेरे साथ मुबाहिसा कर लो और यदि

ودة و يفتح الابواب المسدودة، و لكنهم كانوا كاذبين فى أقوالهم. ففرّوا مع عصيّهم وحبالهم. وقلتُ لهم جادِلونى بالكتاب والسنّة، وإنْ لم تقبَلوا فبالادلّة العقلية، وإن لم تقبلوا فبالآيات السّماوية، فما قبِلوا طريقًا من هذه الطرق الثلاثة وأخذ بعضهم يعتذرون إلىّ اعتذارَ الاكياس، وجاءونى تائبين وبايَعونى ونجّاهم الله من الوسواس الخنّاس. والبعض الآخرون أصرّوا على تكذيبى، وهمّوا بتمزيق جلابيبى، وقالوا كذبتَ فيما ادّعيت، و كبُر ما افتريتَ، وإن كنتَ تزعم أنّك من الصادقين، فأْتِنا بآية توجب اليقين. وأصرّوا على سُئْلِهم وأبرمونى، وأحرجوا صدرى وآذَونى،

तुम यह (तरीक़ा) न स्वीकारो तो बौद्धिक तर्कों से और यदि यह भी न स्वीकारो तो आकाशीय निशानों से मेरा मुक़ाबला करो। परन्तु उन्होंने इन तीनों तरीक़ों में से किसी एक तरीके को भी न स्वीकारा। उनमें से कुछ मेरे पास विवेकवानों के समान क्षमा प्रार्थी हुए तथा लज्जित हो कर मेरे पास आए तथा मेरी बैअत कर ली। अल्लाह तआला ने उन्हें बहकाने वाले शैतान से मुक्ति प्रदान की। परन्तु कुछ दूसरे मुझे झुठलाने पर अडिग रहे और मेरे अपमान का इरादा किया। उन्होंने कहा कि जो तूने दावा किया है उसमें तू झूठा है और तूने जो झूठ गढ़ा है वह बहुत संगीन है, और यदि तू यह दावा करता है कि तू सच्चों में से है तो हमारे पास कोई ऐसा निशान (चमत्कार) ले आ जो विश्वास करने योग्य हो। उन्होंने अपनी मांग पर ज़ोर दिया तथा मुझ पर बहुत दबाव डाला। उन्होंने मेरे दिल को तंग किया तथा मुझे कष्ट दिया। अत: अल्लाह तआला ने आकाश से उन्हें खुले-खुले निशान दिखाए परन्तु जैसा कि दुष्ट लोगों का स्वभाव होता है उन्होंने इंकार कर दिया तथा दूर रहे। उन्होंने इन निशानों का हठपूर्वक इंकार किया यद्यपि उनके दिल इस बात पर विश्वास रखते थे

فأراهم اللّٰه آياتٍ صريحةً من السّماء، فأبَوا وأعرضوا كما هى سيرة الاشقياء۔ وجحدوا بها واستيقنتْها أنفسُهم وما آثروا طريق الاهتداء۔ بيد أنهم نزَعوا عن إرهاقى، بعدما رأوا خوارقَ خَلّاقى، وقَلَّ احتدادُ اللَّدَدِ و شدّة الخصام، بل جعل بعضُهم يخضعون بالكلام، واتخذوا الادب شِرعةً، والتواضعَ مهجّةً۔ وحُبِّبَ إلیّ مُذْ أُمرتُ من اللّٰه ذی الآیات، أن أعاشر النّاس بالصبر و المداراة، و أن أبدی الاهتشاش، لمن جاءنی و ترَك الاختراش. واتخذتُ لی هذه الشِرعة نُجْعةً، ورجوتُ به من العِدا تُؤدةً۔ فتَعرَّی كبرُهم كتعرِّی الجبال بعد انجیاب الثلوج، وما بقی فیهم من الادب المعروف

और उन्होंने हिदायत के मार्ग को नहीं अपनाया परन्तु यह बात निश्चित है कि मेरे ख़ालिक़ ख़ुदा के चमत्कार देखने के बाद वे मुझे तंग करने से पीछे हट गए और उनके झगड़ने की तीव्रता तथा लड़ने की तेज़ी कुछ कम हो गई। अपितु उनमें से कुछ बातचीत में नर्मी करने लगे तथा उन्होंने शिष्टाचार तथा विनम्रता का मार्ग अपनाया। जब से मैं निशान दिखाने वाले ख़ुदा की ओर से भेजा गया हूँ मुझे यह पसन्द है कि मैं लोगों से संयम तथा सदव्यवहार के साथ पेश आऊं और जो भी मेरे पास आए तथा आक्रमण का स्वभाव छोड़ दे उस से प्रसन्नतापूर्वक मिलूं। मैंने इस तरीके को अपना दस्तूर बना लिया और इस कारण शत्रुओं से भी नर्मी की उम्मीद रखी। परन्तु उनका अहंकार इस प्रकार प्रदर्शित हो गया जैसे बर्फ पिघलने पर पहाड़ नंगे हो जाते हैं। तथा उनमें कोई प्रचलित प्रसिद्ध शिष्टाचार शेष न रहा। मैं अपने हृदय पर आश्चर्यचकित हूं कि मुझे इन शत्रुओं पर दया कैसे आ जाती है? बावजूद इसके कि मैंने उनसे सिवाए कष्टों के कुछ नहीं पाया। उन्होंने मेरा रक्त बहाने तथा मुझे अपमानित करने का इरादा किया और भालों के समान बातों से मुझे

المـروج۔ وعجبتُ مـن قلـبى كيـف يأخـذنى الرُحـمُ عـلى هـذه العِدَا۔ عـلى أنّى لـم أَلْـقَ منـهم إلا الاذى. وقـد أرادوا سـفك دمـى و هتـك عِرضـى و كَلّمـونى بكلـمٍ كالقَنـا، ولبِسـوا الصفافـة، وخلعـوا الصداقـة، وأقبلـوا علىّ إقبـالَ سـباعِ الفـلا، إلا الذيـن تابـوا و أصلحـوا و كفّـوا الالسـن وعاهـدوا أن يجتنبـوا الفحـش وأن لا يتركـوا التقٰـى. ومـا أسـألهم مـن أجـرٍ لِيُظَـنَّ أنـهم مِـن مغـرمٍ مثقَلـون، ومـا أَمثُـلُ بـين يديـهم ليُعطـونِ، ولى ربٌّ كريـم يُكَفّلـنى فى كل حـين، وأرجـو أن أرحـل مـن الدنيـا قبـل أن أحتـاج إلى الآخريـن۔ وواللّٰه إنى جئـت النـاس لِاُجُرَّهـم مـن المَحْـلِ إلى غـرارة السُـحب، و مِـن الجهـل إلى العلـوم النُخَـب، ومـن التقاعـس إلى الطلـب، و مـن الهزيمـة المخزيـة إلى الفتـح

ज़ख्मी कर दिया। उन्होंने बेशर्मी के वस्त्र पहन लिए तथा सच्चाई का वस्त्र उतार फेंका और जंगल के जानवरों समान मुझ पर आक्रमण कर दिया सिवाए उन लोगों के जिन्होंने तौबा की और सुधार किया तथा अपशब्दों से रुक गए और बुराई से बचने तथा संयम को न छोड़ने का वचन लिया। और मैं उनसे कोई बदला नहीं मांगता संभव है कि वे यह समझें कि वे विवशता तले दबे हुए हैं, और न मैं उनके सामने खड़ा होता हूं कि वे मुझे कुछ प्रदान करें। क्योंकि मेरा तो एक कृपालु ख़ुदा है जो हर पल मेरी सहायता कर रहा है, और मैं यह आशा करता हूं कि इससे पहले कि मैं दूसरों का मोहताज बनूँ इस संसार से चला जाऊं। अल्लाह की क़सम! मैं लोगों की ओर इसलिए आया हूं ताकि उन्हें अकाल से बारिश के बादलों की ओर ले जाऊं तथा मूर्खता से विशेष ज्ञानों की ओर, और इंकार से स्वीकार्यता की ओर, और लज्जित करने वाली पराजय से विजय तथा हर्ष की ओर, तथा शैतान से चमत्कारों वाले

والطَّـرَب، ومـن الشـيطان إلى الله ذى العجـب، وأريـد أن أضَـع مَرْهَـمَ عيسٰـى مَواضِـعَ النُقَـب ★ ۔ ولٰكنـهم مـا صالحـوا ولفتـوا وجوهـهم إلى الخصـام ونصّلـوا إلىّ أسـهُمَ المـلام، وصـاروا سِـباعًا بعـد أن كانـوا كالانعـام۔ إلا قليـل مـن الكـرام۔وإنّى جئتُـهم بآيـات وقمـتُ فيـهم مقـامَ المبلِّغين ونصحتُ لـهم نصـحَ المبالغـين، وكانـوا مـن قبـل يطلبـون هـذه الايـام وإقبالهـا، ويسـتَقْرُون دولةَ السـماء ليتفيّـأوا ظلالَهـا، ثـم إذا أفضـى الحـقُّ

ख़ुदा की ओर ले जाऊं। मैं चाहता हूं कि उनके खुजली वाले स्थानों पर मरहम-ए-ईसा लगाऊं★परंतु उन्होंने मैत्रीभाव को न अपनाया तथा अपने मुखों को झगड़ों की ओर फेरा। और मेरी ओर अपमान के तीर फेंके तथा खूंखार जानवर बन गए, बाद इसके कि वे मवेशी थे सिवाए कुछ सम्मानित लोगों के। मैं उनके पास निशान लाया तथा उनमें धर्म प्रचारकों के स्थान पर खड़ा हुआ तथा यथासामर्थ्य उपदेश किया। इस से पहले वे इन दिनों तथा इनकी उन्नति को याद किया करते थे, तथा आकाशीय बादशाहत तलाश किया करते थे ताकि उसकी छत्रछाया में आ जाएँ। फिर जब सच्चाई उनके देशों में आ गई तथा उनकी प्रतीक्षा के कारण रहमत उनके घरों में आई तो उनके दिल तंग हो गए तथा उनके प्रकाश बुझ गए।

★ انّ مرهـم عيسٰـى ينفـع انـواع الحكّـة والجـرب والطاعـون والقـروح والجـروح وغيرهامـن الامـراض الـتى تحـدث مـن فسـاد الدم ركبـه الحواريـون لجـروح عيسٰـى عليـه السـلام الـتى اصابتـه مـن الصليـب والمـراد هٰهنامـن الحكـة حكـة الشـكوك والشـبهات كمالايخفـى عـلى اللبيب منـه

अनुवाद : निस्संदेह मरहम-ए-ईसा प्रत्येक प्रकार की खुजली, खारिश, प्लेग, घावों तथा ज़ख्मों और उनके अतिरिक्त दूसरी ऐसी बीमारियाँ जो रक्त की अशुद्धि के कारण उत्पन्न होती हैं, उन सब के लिए लाभकारी है। हवारियों ने इसे हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम के उन घावों के लिए तैयार किया था जो उन्हें सलीब से पहुंचे थे, परन्तु यहाँ खुजली से तात्पर्य संदेह तथा शक की खुजली है जैसा कि बुद्धिमान से यह छुपा हुआ नहीं। (इसी से)

إلى ديارهم، ونزلت الرحمة على دارهم لانتظارهم، فحرِجتْ صدورهم، وانطفأت نورهم. وإنّنا ألفَينا كثيرا منهم فى سجن الجهل وتركِ الاقتصاد، فلا يريدون أن يتخلّصوا من هذا السجن ويتّخذوا سبل السَّداد، بل له باب من حديد التعصّب والإعراض والعناد، فلذالك أوسعونى سبًّا وأوجعونى عتبًا. فمثلهم كمثل الرجل الذى كان يُنفِد عمره فى كَمَدٍ، لخلُوّه عن ولدٍ، وكان يحضُر الفقراء والعرّافين، ويستقرى حيلةً بدعاء أو دواء للبنين، فلما منَّ الله عليه بحمل زوجته، وتحقّقَ أمر حصول مُنْيته، رغِب فى الإسقاط قبل النتاج، ليضيع الولد لشهواتٍ أرادها وليكسر الجنين كالزجاج. فالحق والحق أقول إن هذا هو مثل الذين يؤذوننى من

निस्संदेह हमने इनमें से अधिकतर को मूर्खता की क़ैद में तथा मध्यम मार्ग को छोड़े हुए पाया। अत: वे चाहते ही नहीं कि इस क़ैद से छुटकारा प्राप्त करें और सन्मार्ग अपनाएं। अपितु इस (क़ैद) का द्वार नफ़रत, विमुखता तथा घोर शत्रुता का है। इसी कारणवश वे मुझे गालियां देने में और अधिक बढ़ गए तथा क्रोध से उन्होंने मुझे तकलीफ़ पहुंचाई। अत: उनका उदाहरण ऐसे व्यक्ति के समान है जिस ने अपनी आयु इस दु:ख में व्यतीत कर दी कि उसके यहाँ पुत्र नहीं है। वह हमेशा ग़रीबों तथा चिकित्सकों की सेवा में उपस्थित होता था तथा पुत्रों के लिए दुआ और दवा के उपाय तलाश करता था। अत: जब अल्लाह की दया से उसकी पत्नी को गर्भ ठहर गया तथा उसकी इच्छा की प्राप्ति की बात सच होनी लगी तो जन्म से पूर्व ही गर्भपात की ओर आकर्षित हो गया ताकि उन तामसिक इच्छाओं के लिए जिन का उसने निर्णय कर लिया है बच्चे को गिरा दे तथा गर्भ को शीशे के समान तोड़ डाले। अत: सच्चाई यह है और सच्चाई ही मैं कहूँगा कि यही उदाहरण उन लोगों का है जो शत्रुता के कारण मुझे कष्ट पहुंचाते हैं।

العدوان، و يَعْتَتِبون الطريق ولا يطأون أقوَم الطرق و أسهلَها للعرفان. و كانوا يطلبون من قبل و يدْعون الله كالعطشان، ثم شاهت الوجوه عند خروجى بقدر الرحمٰن. و كم من داع أَعْوَلُوْا كماخِضٍ فى البكاء عند الدعاء، و بلغت رُنَّتُهم إلى السماء. فاندلقتُ عند هذه الدعوات، و برَز شخصى بتلك الجذبات. و كنتُ غائبًا معدومًا ما ملكتُ لفظَ «أنا»، فكانت دعواتُهم ما أبرَزَنا و هَلْمَمَ بنا. ولما جئتهم كان من شأنهم أن يمتلئوا حبورًا۔ و أن يحمدوا الله على بعثى ليهنّئ بعضهم بعضًا سرورًا۔ و لكنهم أنكروا و سبّوا، و سعوا فى سبل التكفير و خبّوا، حتى تبيّن أنهم من الاعداء لا من الطلباء. فأعرضتُ عنهم كاليائسين۔ لما رأيتُ فى صياغتهم

वह कठिन मार्ग पर चलते हैं तथा आध्यात्मिकता के सबसे अधिक सीधे और सरल मार्ग पर क़दम नहीं मारते। यद्यपि इस से पूर्व वह इसकी खोज में थे और प्यासे के समान अल्लाह तआला से दुआएं किया करते थे। फिर रहमान ख़ुदा के प्रारब्ध अनुसार मेरे प्रकटन पर उनके मुख बिगड़ गए तथा कितने ही दुआ करने वाले ऐसे थे जो दुआ के समय रोने में प्रसव पीड़ा में ग्रस्त औरत के समान चिल्लाते थे। उनकी यह चीखें आकाश तक पहुंची। अत: उन दुआओं के कारण मैं जल्दी ज़ाहिर हो गया तथा उन भावनाओं के कारणवश मेरा अस्तित्व प्रकटन में आया। मैं ग़ायब और लुप्त था तथा मैं तो शब्द "अना" (मैं) का अधिकारी भी न था। अत: यह उनकी दुआएं ही थीं जिन्होंने हमें ज़ाहिर किया तथा हमें पुकारा और जब मैं उनके पास आ गया तो उनको यह शोभा देता था कि वह प्रसन्नता से फूले न समाते तथा मेरे प्रकटन पर ख़ुदा तआला की प्रशंसा करते तथा ख़ुशी से एक-दूसरे को मुबारकबाद देते, परन्तु उन्होंने इंकार किया तथा गालियां दीं तथा कुफ़्र के मार्गों पर चल दौड़े और धोखेबाज़ी की, यहाँ

دَجَلَ الغاشّين. وسيأتى زمان يتعلق عالَمٌ بأهدابى، ويتبرّك الملوك بمساس أثوابى. ذالك قَدَرُ الله ولا رآدَّ لقَدَرِه. وما قلتُ هذا القول من الهوىٰ، إن هو إلّا وحى من ربّ السماوات العُلى. و أوحىٰ إلىّ ربّى ووعدنى أنه سينصرنى حتى يبلغ أمرى مشارق الارض ومغاربها، وتتموّج بحور الحق حتى يُعجِب الناسَ جُبابُ غواربها. هذا ما أردنا أن نكتب شيئا من مفاسد هذا الزمان. و نزّهْنا كتابنا هذا عن إزراء الاخيار الذين هم على دين من الاديان، ونعوذ بالله من هتك العلماء الصالحين، وقدح الشرفاء المهذّبين، سواء كانوا من المسلمين أو المسيحيين أو الآرية، بل لا نذكر مِن سفهاء هذه الاقوام إلا الذين اشتهروا فى فضول الهَذَر والإعلان

तक कि स्पष्ट हो गया कि वे शत्रुओं में से हैं न की सत्याभिलाषी। अत: जब मैंने उन के सोने में मिलावट करने वालों जैसी धोखेबाज़ी देखी, तो मैंने निराश हो कर उनसे मुंह फेर लिया। शीघ्र ही वह युग आएगा जब एक दुनिया मुझ से जुड़ेगी, तथा बादशाह मेरे कपड़ों को छू कर बरकत प्राप्त करेंगे। यह अल्लाह तआला की तक़्दीर है तथा उसकी तक़्दीर को कोई टालने वाला नहीं। मैंने यह बात अपनी ओर से नहीं कही अपितु यह बुलंद आकाश वाले रब्ब की ओर से वह्यी है। मेरे रब्ब ने मुझे वह्यी की है और मुझे वचन दिया है कि वह अवश्य मेरी सहायता करेगा यहाँ तक कि मेरा सिलसिला पूरी ज़मीन में फैल जाएगा। और सच्चाई के समुद्र ठाठें मारेंगे यहाँ तक कि उनकी लहरों की बुलन्दी की झाग लोगों को आश्चर्य में डाल देगी। यह हमारा इरादा था कि हम इस युग के कुछ उपद्रव लिखें तथा हमने अपनी इस पुस्तक को इन नेक लोगों के अपमान से पवित्र रखा है जो विभिन्न धर्मों में से किसी धर्म के अनुयायी हैं, और हम नेक उलमा का अपमान तथा सम्मानित लोगों पर आरोप

بالسيئة. والذى كان هو نقىَّ العِرض عفيف اللسان، فلا نذكره إلا بالخير ونُكرمه ونُعزّه ونحبّه كالإخوان، ونسوّى فيه حقوق هذه الاقوام الثلاثة، ونبسط لهم جناح التحنن والرحمة، ولا نعيب هؤلاء الكرام تصريحًا ولا تعريضًا رعايةً للادب، فإن فى المَعاريض لمندوحةً عن الكذب. ولا نغتاب المستورين قط، ولا نأكل أبدًا لحم العبيط من غير العارضة، الذين عرضوا أنفسهم لكل نوع السيئات وأعلنوها على رؤوس الشاهدين والشاهدات، ولا يزالون يقعون فى أعراض الناس، ويجعلون دينهم تُرْسًا عند إظهار هذه الادناس. وتجد فى كل قوم كثيرا من هذه الفِرقة، فإن كنت لا تعرف فاستعرِض الاقوام كلهم، وسَلْ مَن شئت عن

लगाने से अल्लाह तआला की पनाह मांगते हैं, चाहे वे मुसलमानों में से हों या ईसाइयों या आर्यों में से अपितु हम इन क़ौमों के मूर्खों का भी वर्णन नहीं करते, सिवाए उन लोगों के जो बहुत अधिक बुराई फैलाने तथा उसकी घोषणा करने में प्रसिद्ध हैं। जो व्यक्ति अच्छे आचरण वाला तथा पवित्र बात करने वाला हो हम उसका वर्णन केवल भलाई के साथ ही करते हैं और हम उसका सम्मान तथा प्रशंसा करते हैं और भाइयों के समान उस से मोहब्बत करते हैं, और इस मामले में हम इन तीनों क़ौमों (मुसलमान, ईसाई, हिंदू) के समान अधिकार ठहराते हैं तथा हम इनके लिए मुहब्बत तथा रहमत का हाथ बढ़ाते हैं। और हम शिष्टाचार का ध्यान रखते हुए इन समस्त बुज़ुर्गों पर न प्रत्यक्ष रूप से तथा न अप्रत्यक्ष रूप से आरोप लगाते हैं। क्योंकि द्विर्थीय शब्द प्रयोग करने में झूठ से बचने का मार्ग है। जो लोग बाह्य रूप से पवित्र हैं हम उनकी भी कदापि चुग़ली नहीं करते और हम स्वथ्य जानवरों का गोश्त कदापि नहीं खाते सिवाए उन बीमारों के जिन्होंने स्वयं को प्रत्येक प्रकार की बुराई के

هـذه الحقيقـة۔ و إنـهم مِـن عُـرّض النـاس و عامّتـهم، ليـس لـهم قـدر فی أعـين شـرفاء الاقـوام، يسـبّون الاكابـر ويُكثِـرون اللَغَـطَ بوهـم مـن الاوهـام۔ تراهـم باكـين تحت ذلّة وخصاصة، ويكون مـدار مذهبهم حطامَهم فيبدّلونه بـه ولو بقُصاصة.

فالحاصـل أنـا مـا ذمّمنـا فی هـذه الرسالة، إلا الذيـن يجاهـرون بمعاصيـهم ويجـترؤون كالبغايـا عـلى أنـواع الخباثـة، ويُظهِـرون عيوبـهم وعاداتِـهم الشـنيعة فی وسـط الاسـواق، ويكشـفون مـا سـتر الله عليـهم ويبلّغـون خفايـا عيوبـهم إلى الآفـاق. فـلا غِيبـةَ لفاسـقٍ مجاهِـرٍ عنـد العاقلـين۔ فإنـهم خرّبـوا بيوتـهم بأيديـهم كالمجانـين. وكلّ مـا قصصنـا عـلى الخَلـق مِـن قصـصِ أشـرار هـذه الزمـان فی

लिए प्रस्तुत कर दिया है तथा पुरुषों और स्त्रियों के समक्ष उसका प्रचार करते फिरते हैं। और वे हमेशा लोगों को अपमानित करने पर उतावले रहते हैं तथा उन गंदगियों के प्रकटन के समय अपने धर्म को ढाल बनाते हैं, और तू प्रत्येक क़ौम में इस गिरोह के लोग अधिकता से पाएगा और यदि तू नहीं जानता तो समस्त क़ौमों से पूछ तथा जिस से इच्छा हो इस सच्चाई के बारे में पूछ ले। यह उनके सामान्य लोगों में से हैं और क़ौमों के पवित्र लोगों की नज़र में उनका कोई सम्मान नहीं। वे बड़ों को गालियां देते हैं तथा किसी भी भ्रम के आधार पर बहुत अधिक शोर मचाने लग जाते हैं। तू उन्हें अपमान तथा दरिद्रता के कारण रोता हुआ देखेगा। उनके धर्म का आधार तुच्छ धन है चाहे थोड़ा ही हो तो वे उसके लिए धर्म परिवर्तन कर लेते हैं।

अभिप्राय यह है कि हमने इस पत्रिका में केवल उन लोगों की निंदा की है जो गुनाहों का खुले आम प्रदर्शन करते हैं तथा बाज़ारी औरतों के समान भिन्न-भिन्न प्रकार की बुराइयों पर साहस करते हैं और बाज़ार में खड़े होकर अपनी बुरी आदतों का प्रदर्शन करते हैं और जो अल्लाह तआला ने उन पर पर्दा

الكتاب، فلا نعنى بها إلّا نفوس هذه الاحزاب. وإنّا بَراءٌ مِّن تهمة ذمّ المستورين القليلين، و نُفوّضهم إلى عالِم العالمين، وإنما نذمّ الذين يفعلون السيئات معلنين وأىّ رجل يشكّ فى هذا أن السيئات قد كثرت فى زمننا هذا مع فساد العقائد، وما فينا إلا من يصدّق هذا، فسَلْ من العامة والعمائد. و كثرت الفِرق الضالّة، وتراءت فى كل طرفٍ الضلالةُ. وأكل المتعصّبون القذر كما تأكل الجَلّالةُ. والاصل فى ذالك ما رُوى عن سيدنا خير الانام، وأفضل الانبياء الكرام، وهو أنه قال صلى الله عليه وسلم حين أخبر عن أواخر الايام: لَتَسْلُكُنَّ سُنُنَ مَن قبلكم حَذْوَ النعل بالنعل. وأراد عليه السلام مِن هذا أن المسلمين

डाला होता है उस पर्दे को उठा देते हैं तथा अपने छुपे हुए दोषों को समस्त संसार में पहुंचा देते हैं। अत: अपने दोष स्वयं बता देने वाले दुराचारी की (बात करना) बुद्धिमानों के निकट चुग़ली नहीं। उन्होंने दीवानों के समान अपने घरों को स्वयं अपने हाथों से बर्बाद किया। अत: इस पुस्तक में लोगों पर हमने जो भी इस ज़माने के उपद्रवियों के वृतांत वर्णन किए हैं तो इस से हमारा उद्देश्य केवल उसी प्रकार के लोगों से है तथा हम उन कतिपय गुमनाम लोगों की निंदा से बरी हैं। और उन्हें समस्त जहानों का ज्ञान रखने वाले ख़ुदा के सुपुर्द करते हैं। हम तो केवल उन लोगों की निंदा करते हैं जो खुले आम बुराइयाँ करते हैं और इसमें किस को संदेह है कि हमारे इस ज़माने में बुराइयाँ ग़लत आस्थाओं के साथ बढ़ गई हैं। और हम में से कोई ऐसा नहीं जो इसका सत्यापन न करे। अत: सामान्य तथा विशेष लोगों से पूछ ले। और पथभ्रष्ट लोगों की अधिकता हो गई है तथा प्रत्येक ओर गुमराही फैली हुई है। और नफ़रत करने वाले लोग गंदगी खाने वाले जानवर के समान गंदगी खाते हैं। इसमें मूल बात वह हैं जो हमारे स्वामी आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम से रिवायत है, और वह यह है कि जब आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम अंतिम युग के बारे में बता रहे थे

يشابهونهم فى جميع أنواع الدجل والجُعَل، وقال لتأخُذُنّ مثلَ أخذِهم إنْ شِبرًا فشبرًا وإنْ ذراعًا فذراعًا، وإنْ باعًا فباعًا، حتى لو دخلوا جُحْرَ ضَبٍّ لدخلتموه معهم. ولا يخفى على العالمين أن بنى اسرائيل قد افترقوا على إحدى وسبعين فرقة فأوجبَ منطوقُ هذا الحديث أن تكون كمثلها فرقُ أُمّةِ سيدنا خاتم النبيين عِدّةً. وهذا الافتراق لم يكن فى القرون الثلاثة من قرن النبوّة إلى قرنِ تَبَعِ التابعين، بل ظهر بعد تقادُمِ الاعوام والسنين، ثم ازداد يومًا فيومًا حتى كمل فى هذا الزمان. بما زاد الغِلُّ ونُزِعَ العلم من صدور الرجال والنسوان، واتخذ الناس أئمّتَهم جُهّالًا، الذين ما أُعطُوا علمًا ولا كأهل القلوب حالًا، فضلّوا وأشاعوا ضلالا.

तो आप ने फ़रमाया कि तुम अवश्य अपने पहलों की सुन्नत पर इस प्रकार चलोगे जैसे एक जूती दूसरी जूती का अनुकरण करती है। इस से आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का तात्पर्य यह था कि मुसलमान प्रत्येक प्रकार की धोखेबाज़ी तथा बनावट में उनसे समानता रखेंगे। और आप ने फ़रमाया कि उनके (धर्म, कथनों और कर्मों इत्यादि) को अपनाने के समान तुम अपनाओगे। यदि एक बालिश्त होगा तो एक बालिश्त भर यदि एक हाथ के बराबर होगा तो एक हाथ भर और यदि एक बाज़ू के बराबर होगा तो एक बाज़ू भर। यहाँ तक कि यदि वे गोह के बिल में प्रवेश करेंगे तो तुम भी उनके साथ उसमें प्रवेश करोगे। और उलमा पर यह बात छुपी हुई नहीं कि बनी इस्राइल इकहत्तर फ़िर्क़ों (संप्रदायों) में विभाजित हुए थे। अत: इस हदीस का यह वर्णन यह वाजिब करता है कि संख्या के हिसाब से हमारे स्वामी ख़ातमुन्न नबिय्यीन सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की उम्मत के फ़िर्के भी उनके समान हों। और यह मतभेद नुबूवत की सदी से लेकर तबा ताबेईन की सदी तक की (पहली) तीन सदियों में नहीं था। अपितु वर्षों गुज़रने के पश्चात् प्रकट हुआ फिर दिन प्रतिदिन बढ़ता गया यहाँ तक कि इस युग में अपनी पूर्णता को पहुँच गया। क्योंकि द्वेष बढ़

ونرى أنّ شوكة الدين وصِيتَ جَدِّ رَبِّنا قد أَرَزَتْ إلى الحجاز، كما تَأْرِزُ الحيّةُ إلى جُحرها عند الاوشاز، ما بقى عظمةُ الدين وعزّة حدوده إلا فى مكّة والمدينة وترى فيهما أطلال هذه العمارة كعقيانٍ قليلٍ من الخزينة۔ وإن كنّا نرى بعض بدعاتٍ أيضا فى هذه الديار فىّ قليل من العباد ولكن قد طرأ أضعافُ ذالك على غيرها من البلاد. ثم مع ذالك لا نجد ريح قوّة الإسلام وعِرضه إلّا فى تلك الارض المقدسة۔ وأما الارضون الاخرى فلا نراها إلّا كالاماكن المنجّسة فالحاصل أن الذنوب كثرت فى هذا الزمان مع ترك الحياء، بل هى أُدخلتْ فى العقائد والآراء، وجاهرَ الناس بها وصار الزمن كالليلة الليلاء. وعلى ذالك ترى القسوس

गया और स्त्रियों तथा पुरुषों के दिलों से ज्ञान खींच कर निकाल लिया गया और लोगों ने उन लोगों को अपना इमाम बना लिया जिन्हें न तो ज्ञान प्रदान किया गया है और न ही दिलवाले (अर्थात अल्लाह वाले लोगों) के समान अवस्था प्रदान की गई है। अत: वे स्वयं भी गुमराह हुए और गुमराही का प्रकाशन भी किया। हम देखते हैं कि धर्म के वैभव और हमारे रब के सम्मान की प्रतिष्ठा हिजाज़ की ओर सिमट रही है जैसे सांप मुसीबत के समय अपने बिल की ओर सिमटता है। सिवाए मक्का तथा मदीना के, धर्म की प्रतिष्ठता और इसकी सीमाओं का सम्मान (कहीं) शेष न रहा। और तू उन दोनों शहरों में (धर्म की) इस इमारत के खंडरों को देखता है जैसा कि खज़ाने में से थोड़ा सा शुद्ध सोना। यद्यपि हम इस देश में भी कुछ बुराइयाँ इन लोगों में देख रहे हैं। परन्तु इसके अतिरिक्त दूसरे देशों में इस से कहीं अधिक बुराइयाँ तेज़ी से फैल रही हैं। अत: हम इस्लाम की शक्ति तथा इसके सम्मान की सुगंध सिवाए इस पवित्र ज़मीन के कहीं नहीं पाते। जहाँ तक दूसरी ज़मीनों का संबंध है तो हम तो उन्हें केवल गन्दगी से भरा देख रहे हैं। आशय यह है कि इस युग में निर्लज्जता के साथ-साथ पापों की अधिकता हो गई है। अपितु यह पाप आस्थाओं तथा रायों में भी प्रवेश कर गए

يُضِلّون الناس بأغلوطات فى تحرير وبيان، ويعرِضون على الناس أموالهم وبناتًا من أهل صلبان، ويرغّبونهم فى ملّتهم بعقار وعِقْيان، ويزيّنون حُرّيّتَهم فى أعينهم ويسقُونهم من ألطفِ مُدامة، فيرى المرتدّون أن الصوم والصلاة والعفّة كانت عليهم كغرامة. فالملخص أن الكفر يحارب كمثل هذا والحرب سِجال. والله غيور لدينه فكيف يصدر منه اعتزال. وما ينقضى يوم إلا والبدعات تتجدّد، والعدوّ يحرّف الكلم ويتزيّد. وافترقت الأمة الإسلامية وركِب كلّ أحد جُدّةً من الأمر، فذهب رجال إلى قوانين القدرة والفطرة من الزُمَر، وقالوا لن نقبل معجزاتِ

हैं। और लोग इनको खुले आम करते हैं। युग अँधेरी रात के समान हो गया है तथा इस से बढ़कर तू देखता है कि पादरी लेखन एवं भाषणों में धोखा देकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वे लोगों के समक्ष अपना धन तथा ईसाई लड़कियां प्रस्तुत करते हैं और वे उन्हें ज़मीन तथा सोने का लालच दे कर अपने धर्म की ओर खींचते हैं। और अपनी आज़ादी तथा बेकैदी को उनकी आँखों में सुन्दर कर के दिखलाते हैं तथा उन्हें बेहतरीन शराब पिलाते हैं। अत: मुर्तद यह विचार करते हैं कि रोज़ा, नमाज़ तथा परहेज़गारी तो उन पर केवल एक चट्टी के समान थी। आशय यह कि कुफ्र इस प्रकार का युद्ध लड़ रहा है तथा युद्ध तो एक डोल के समान है (अर्थात एक व्यक्ति सब कुछ छोड़ कर नहीं बैठ जाता अपितु प्रत्येक आक्रमण का उचित उत्तर देता है) और अल्लाह तआला अपने धर्म का बहुत सम्मान रखने वाला है। अत: इस से दूर कैसे हुआ जा सकता है। कोई दिन नहीं गुज़रता परन्तु इसमें नई से नई बुराइयाँ उत्पन्न होती जाती हैं। शत्रु बातों में कभी बदलाव करता है तो कभी अधिकता। उम्मते इस्लाम संप्रदायों में बंट गई है तथा प्रत्येक ने (धर्म के मामले में) अपना अलग मार्ग अपना लिया है। अत: इन गिरोहों में से कुछ व्यक्ति प्राकृतिक कानून तथा प्रकृति के पीछे चल पड़े हैं (अर्थात नेचरी धर्म अपना लिया है) और कहते हैं कि हम नबियों के चमत्कारों तथा करामातों को

الانبياء والكرامات، فإنها قصص لا يصدّقها قانون الفطرة ولا نجد نموذجًا منها في سلسلة المشاهدات. واختار قوم سوادًا أعظمَ ولو جمع الاشرارَ، و قالوا مَن سلَك الجَدَدَ أَمِنَ العِثارَ ★۔ ولا يعلمون أنّ الإجماع قد كان إلى زمن الصحابة، ثم حدث الفَيجُ الاعوجُ و انحرف كثير منهم من الجادّة، و لذالك

कदापि स्वीकार नहीं करते। यह केवल वृतांत हैं जिन का प्राकृतिक कानून सत्यापन नहीं करता तथा न ही हमें अवलोकन के सिलसिले में इसका कोई उदाहरण मिलता है। कुछ लोगों ने बड़े गिरोह को ही अपना लिया है चाहे वे शरारती लोगों का ही गिरोह हो तथा कहते हैं कि जिसने इज्माअ का मार्ग अपनाया वह ठोकरों से बच गया।★ परन्तु वे यह नहीं जानते कि इज्माअ केवल सहाबा के युग तक था। फिर फैजे आवज (गुमराही) का युग आया और उनमें से बहुत से लोग सीधे मार्ग से भटक गए। इसीलिए रहमान ख़ुदा की ओर से एक हकम (फैसला करने वाले) को भेजने की आवश्यकता बढ़ गई, और यह ख़ुदाए मन्नान

★ هٰذا مَثل من أمثال الجاهلية، يُضرَب حثًّا على الاتّباع، والغرض منه مدحُ الإجماع وقالوا مَن شذَّ وانفرد عن الجمهور، فمَثله كمثل رجل نزل بتَلْعةٍ وما نزل بنَجْدٍ من الحُسور، فجاء السيل وجرَف به مع جميع ما كان من البَعاع؛ فالغرض أن المرء على خطر في الانفراد وفي التِلاع هذا وأنا أقول إن هذه الامثال ليست في كل محلّ واجبة الاتّباع، وإنهم ما فهموا مواردها وما نطقوا إلا كالشاء وما آمنوا بالنبيين الصادقين المنفردين وصالوا عليهم كالسباع منه

★ यह जाहिलियत के उदाहरणों में से एक उदाहरण है जो अनुसरण हेतु प्रेरणा देने के लिए वर्णन किया जाता है तथा इसका उद्देश्य इज्माअ की प्रशंसा करना है। कहते हैं कि जिसने एकांत रहना पसंद किया तथा समूह से अलग हुआ तो उसका उदाहरण उस व्यक्ति के समान है जो कि नीची ज़मीन पर बैठ गया तथा थकन के कारण ऊँचे स्थान पर न चढ़ा। अत: सैलाब आया तथा उसे उसके सारे सामान के साथ बहा ले गया। अत: इस से उद्देश्य यह है कि मनुष्य एकांत तथा निचले स्थानों पर हमेशा खतरे की अवस्था में होता है। यह एक उदाहरण है परन्तु मैं कहता हूँ कि ऐसे उदाहरण का हर जगह पर पालन करना अनिवार्य नहीं। उन्होंने इसके उचित स्थान को नहीं समझा तथा मूर्खों की तरह बात की। वह सच्चे नबियों पर जो (आरंभ में) अकेले होते हैं ईमान नहीं लाए और उन पर जानवरों की तरह आक्रमण कर दिया। इसी से

اشتدّت الضرورة إلى بعث الحَكَمِ من الرحمٰن، و كان ذالك وعدٌ من الله المنّان. فإنّ القوم جعلوا القرآن عِضِينَ، وادّعٰى بعضهم أنهم من المحدِّثين، وشمّروا عن ذِراعَيهم لتخطية المقلِّدين، وقوم آخرون يقولون إن الإسلام قد بطُل فى هذا الزمان شَرْعُه. وتجدّدَ ضَرْعُه، وقالوا ما هو إلا كسَمَرِ البارحة، وليس كمَرْهَمِ القروح بل كالاشياء القارحة. وقد بثّوا تلك الآراء، ونثّوا هذه الاهواء. فانظر كيف تمادَى اعتياصُ المسير، وسرَتْ هذه العقيدة فى أكثر الناس من الفقير و الامير، و صارت الشريعة كبئر معطَّلةٍ ومِصرٍ حصيدٍ فى أعين الحكام. فلا يُحرَزُ جَنَى عُودِها كما هو حقُّها مِن دُوَل

(उपकार करने वाला ख़ुदा) की ओर से वचन भी था। अत: क़ौम ने क़ुरआन को टुकड़े-टुकड़े कर दिया तथा उनमें से कुछ ने यह दावा किया कि वे अहले हदीस में से हैं। उन्होंने मुक़ल्लिदों को मुजरिम करार देने के लिए अपनी आस्तीनें चढ़ा लीं तथा दूसरे वे लोग हैं जो कहते हैं कि इस्लामी शरीअत इस युग में झूठी हो गई है और इसकी छातियाँ सूख गईं हैं, और वे कहते हैं कि यह तो केवल गुज़री हुई रात के किस्से हैं तथा यह ज़ख्मों का मरहम नहीं अपितु (स्वयं) ज़ख़्म उत्पन्न करने वाली वस्तुओं के समान हैं। उन्होंने इस विचार को अधिकता से फैला दिया तथा इन स्वार्थपरायणताओं को प्रदर्शित कर दिया है। अत: देख कि किस प्रकार इस मार्ग की कठिनाई तथा दुश्वारियां बढ़ गई हैं और यह अक़ीदा फ़क़ीर से लेकर अमीर तक अधिकतर लोगों में घुस चुका है। और हाकिमों की नज़र में शरीअत एक छोड़े हुए कूएँ तथा वीरान शहर के समान हो गई है। इस्लामी हुकूमतों से इस (शरीअते इस्लामिया) की शाख के फ़ल यथा संभव प्राप्त नहीं हो सके। गुनाह की सज़ा के समय हमारी क़ौम के बादशाहों में से कोई भी ऐसा बादशाह हमें दिखाई नहीं देता कि जो आदेश देते समय शरीअत की सीमाओं का ध्यान रखता हो। अपितु जब उन्हें

الإسلام، وما نرى مَلِكًا من ملوك ملّتنا عند الاثام أن يراعى حدود الشريعة عند تنفيذ الاحكام، بل يتوغّرون غضبًا إذا وُعظوا لهذه السبيل، ولا يخافون قهر الرب الجليل. يقطعون الانوف ويفقَؤون العيون، ويحرقون بأدنى جرمٍ و يُغرِقون، ومع ذالك لا يستَقْرُون اليقين ويتّبعون الظنون. يُذبَح كثير من الناس عند اشتعالهم، وقَلَّ مَن غُمِرَ بنوالهم. يقتلون الناس بقُصاصة، ولو كانوا من ذوى خصاصة. وإذا اعترتْهم شبهة فى خيانةِ رجل من الرجال، فليس عندهم جزاء ه مِن غير سفك الدم والاغتيال. يُسلِمون البَرائَ للكُرَب. ولا يخافون الله ويوم نزول النُوَب. لا يراعون العدل عند

इस मार्ग की ओर कहा जाए तो वे क्रोध से भड़क उठते हैं तथा प्रतापवान ख़ुदा के प्रकोप से नहीं डरते। वे नाकों को काटते हैं तथा आँखें फोड़ते हैं और छोटे से अपराध पर जला देते हैं तथा डुबा देते हैं। इसके बावजूद वास्तविकता को नहीं ढूंढते तथा कल्पनाओं का अनुसरण करते हैं। उनके क्रोध में आने पर बहुत से लोग ज़िबह किए जाते हैं। और थोड़े हैं जो इनसे पुरस्कृत किए जाते हैं। वे तुच्छ सी वस्तु पर लोगों की हत्या कर देते हैं चाहे वे ग़रीब लोग ही क्यों न हों। जिस समय उन्हें किसी व्यक्ति पर विश्वासघात का शक भी हो जाए तो उनके निकट उनकी सज़ा केवल रक्तपात तथा हत्या करने के कुछ नहीं। वे बेगुनाहों को दुखों में डाल देते हैं तथा अल्लाह तआला से और कठिनाइयों के आने के दिन से नहीं डरते। सज़ा देते समय न्याय को समक्ष नहीं रखते तथा युद्ध से प्रेम तथा मुहब्बत की ओर आकर्षित नहीं होते। वे शासकों तथा राजनीतिज्ञों की शर्तों से अवगत नहीं तथा न उन्हें दूरदर्शिता से कोई भाग दिया गया है। वह कहते हैं कि हम मुसलमान हैं परन्तु काम इस्लामी शिक्षा के विरुद्ध करते हैं तथा डरते नहीं। वे उन बातों की ओर आकर्षित होते हैं जो संयम तथा परहेज़गारी के विरुद्ध हैं। वे न रोज़े की चिंता

المكافأة، و لا يميلون من المَصافّ إلى المصافاة۔لا يعلمون شرائط أرباب الامر والسياسة، وما أُعطوا حظًّا من الفراسة۔ يقولون إنّا نحن المسلمون، ويعملون على رغم وصايا الإسلام ولا يخافون۔ يداومون على السِيَر التى تُبايِنُ الورع والتقاة، و لا يبالون الصوم ولا يقربون الصلٰوة. لا يأخذون سبل العدل عند رؤية عثرات الناس، ولا يحزُمون عند تطلُّب المَثالب و يتّكئون على السُّعاة الذين هم كالخنّاس. و كثير منهم ينفدون أموال الرعايا فى الشهوات، و يأخذون بالظلم ثم ينفقونها فى مواضع الهَنات. ولا يراعون مواقعَ البِرّ ويتمايلون على الإسراف، وما تراهم إلا فى مواضع اللعب

करते हैं और न ही नमाज़ के निकट जाते हैं। वे लोगों की ग़लतियों को देखते हुए न्याय का मार्ग नहीं अपनाते तथा बुराई करते समय सावधानी नहीं रखते और उन चुग़ली करने वालों पर विश्वास करते हैं जो कि शैतान के समान हैं। उनमें से अधिकतर जनता की संपत्ति अपनी भोग-विलास पर लुटा देते हैं वे (यह संपत्ति) अत्याचार से छीनते हैं तथा फिर उसे बुराई के अवसर पर ख़र्च करते हैं। वे नेकी के अवसरों का ध्यान नहीं रखते तथा अधिकता की ओर झुके रहते हैं तू उन्हें खेल-कूद के स्थान पर ही देखेगा न कि न्याय के मंच पर। और इसमें कोई संदेह नहीं कि बादशाहों की बुराइयाँ भी बुराइयों की सरदार होती हैं क्योंकि उनका प्रभाव विधवा औरतों, अनाथों, नेक पुरुषों तथा नेक स्त्रियों तक पहुंचता है। कितने ही ऐसे लोग हैं जो नेक नामी के बाद इनके अत्याचारों के कारण गुमनाम हो गए हैं। और उनको ठुकराने के कारण सम्मान पाने के बाद भी अपमानित हो गए। और तू उनको देखेगा कि वह दरबानों के माध्यम से लोगों पर अपने से मिलने के मार्ग को तंग कर देते हैं। इस प्रकार बहुत से चुग़लखोरों को चुग़लखोरी का एक नया तरीक़ा मिल जाता है। वे उनके दरवाज़ों पर आते हैं तथा पूरे सबूत तथा खोज-बीन का दावा

واللهو لا على سُرر الإنصاف. ولا شك أن سيئات الملوك ملوكُ السيئات لِما يبلغ أثرها إلى العجائز والايتام والصالحين والصالحات۔ وكم من رجال يخمُلون بظلمهم بعد النباهة، ويُزدَرون لِرَدِّهم بعد الوجاهة. وتراهم يضيّقون على النّاس سبيل لقائهم بالبوّابين، فيجد إلى السِّعاية طريقا كثيرٌ من الساعين، ويأتون أبوابهم ويدّعون ثبوتا وتحقيقًا، ليطلُبوا لشَمُلِ غريبٍ تفريقًا. ويختلقون أضاليل ويلفّقون أباطيل فيُجهِزون بها الضعفاءَ المجروحين، ويؤلمون المتألّمين۔ و يعقّبون الازواجَ على أزواج، ولا يراعون حقوقهن ويذبحونهن كنِعاج. لا ينظرون إلى البلاد كيف خربتْ وتشعّثتْ، وإلى

करते हैं ताकि ग़रीबों को परेशान कर दें। वे पथभ्रष्टता की बातें बनाते हैं तथा झूठी बातों को सच दिखाने का प्रयास करते हैं। अत: वे इन (झूठी बातों) से ज़ख्मी तथा कमज़ोर लोगों का काम तमाम कर देते हैं तथा दर्द के मारों को दु:ख देते हैं। वे शादियों पर शादियाँ करते हैं परन्तु उनके (अर्थात पत्नियों के-अनुवादक) अधिकारों का ध्यान नहीं रखते। और दुम्बियों के समान उन्हें ज़िबह करते हैं। वे देश की ओर नहीं देखते कि वह किस प्रकार वीरान तथा बिखर गया है तथा न जनता की ओर कि किस प्रकार बुरी अवस्था हो गई है। और इसके मामले अस्त-व्यस्त हो गए हैं। तथा न लश्करों की ओर कि वे किस प्रकार दु:ख तथा कठिनाई में पड़े हुए हैं। और न घोड़ों की ओर कि वे किस प्रकार छोड़ दिए गए हैं तथा मर गए हैं। और जनता की संपत्तियों पर लगाए गए टेक्स में से एक रुपया भी नहीं छोड़ते चाहे ज़मीनी तथा आसमानी आपदाओं के कारण उनके जानवर मर जाएँ तथा उनकी खेतियाँ व्यर्थ हो जाएँ। और टेक्स वसूल करने के लिए लोगों को शिकंजे में जकड़ देते हैं चाहे ज़मीन पर समय पर बारिश न हुई हो तथा देश में अकाल पड़ गया हो। तथा भूख से जिगर पिघल गए हों, और चाहे चारा खत्म हो गया हो तथा खाना न

الرعايا كيف تعكّستْ وتعلّثتْ، وإلى الاجناد كيف نصَبتْ ووصَبتْ وإلى الجياد كيف عطلَتْ وعطِبتْ. ولا يتركون درهما ممّا وظّفوا على ضِياع الرعيّةِ ولو هلكتْ دوابّهم وضاعت زروعهم من الآفات السّماوية أو الارضية، ويعاقبون للخراج ولو لم يتعهّد الارضَ العِهادُ، وأمحَلَ المُلكُ وذابت من الجوع الاكبادُ، ولو أعوزَت العُلوفات، وعزَّت الاقوات. ولا يبالون حتى تهلِك الرعايا أو تلفَظهم أرضٌ إلى أرض لشدائد امتراءٍ المِيرة، ويتيهون مع صبيانهم سائلين على ضعفٍ من المريرة، ولا يملكون فتيلا ولا يجدون إليه سبيلا. لا يبقى لهم متاع ليستظهروا به على الايام، ولا ضِياع لِما ينهَبه سَنَةُ جَمادٍ وجوعُ صائلٌ كالضِرغام، وعدمُ الرّيف ومنْعُ بيعِ الارض مِن

मिलता हो, वे कोई परवाह नहीं करते चाहे प्रजा मर जाए अथवा भोजन प्राप्त करने की सख्तियों के कारण एक देश उन्हें दूसरे देश में जाने पर मजबूर कर दे। और वे शारीरिक रूप से दुर्बल होते हुए भी अपने बच्चों को साथ लिए मारे-मारे फिरते हों तथा उनके पास कुछ भी न हो। और न ही उस तक पहुँचने का कोई मार्ग पाएं। उनके पास इतना भी सामान नहीं जिस से वह मुश्किल दिनों में सहायता ले सकें। सूखा, शेर की भांति हमला करती हुई भूख, खेती योग्य ज़मीन न होने और हाकिमों की ओर से ज़मीन को बेचने पर पाबंदी ने उनको तबाह कर दिया। मुसीबत इतनी सख्त हो गई कि स्त्रियों के गर्भपात हो गए। बच्चे रोते हैं परन्तु उन्हें भोजन नहीं मिलता। इन समस्त (बातों) के बावजूद बादशाह का टेक्स वसूल करने के लिए सिपाही उनकी तलाश करते रहते हैं। और उन्हें बहुत सख्ती से पकड़ते हैं तथा उन्हें शिकंजे में जकड़ देते हैं और कहते हैं कि तुम भागते कहाँ हो। अभी तो तुम्हारे ज़िम्मे इतना (टैक्स) बाक़ी है। अत: वे (बेचारे) रोते हैं तथा कहते हैं कि काश मौत ही हमारे जीवन का निर्णय कर दे। वह उनकी कोई फरियाद नहीं सुनते चाहे

الحكّام. وتشتدّ البليّة حتى تُسقِط النسائُ الْاِجِنّةَ، ويُعوِل الابنائُ ولا يجدون المِيرة. ومع ذالك يستَقْريهم الشرطيّون لخراجِ المَلِكِ و يأخذونهم أخذةً رابية. ويعاقبون ويقولون أين تفرّون وعليكم هذه باقية. فيبكون ويقولون يا ليت المَنيّة كانت القاضية. و لا يسمعون زفيرهم ولو ألقوا معاذيرهم. هذه عِيشة رعاياهم وهم على الارائك يضحكون، ويشربون الخمر ويتمَرْمرون. وبالجوارى يلعبون، وفى الليالى يزنون، وفى النُّهُر يظلمون. وإذا جاء هم أحدٌ من الذين أصابتهم مصيبة وأخذتهم داهية فيشتمون ويدُعّون، وإذا عرض عليهم قصّة مصيبتهم تضرّعًا وآدابًا، فيُعرِضون ساكتين ولا يردّون عليهم جوابًاو لا يعبأون بمقالهم، ولا يبالون

वे अपने (कितने ही) बहाने प्रस्तुत करें। यह है उनकी प्रजा की ज़िन्दगी जबकि वे (स्वयं) तख्तों पर बैठे हँसते रहते हैं। वे मदिरापान करते हैं और झूमते हैं तथा छोकरियों से खेलते हैं, रातों को व्यभिचार करते तथा दिनों में अत्याचार करते हैं। और यदि उनके पास मुसीबत में फंसे हुए तथा आपदा ग्रस्तों में से कोई आ जाए तो वे गालियां देते तथा धक्के देते हैं। और जब उनके सामने उनकी मुसीबत का क़िस्सा रो-रोकर अदब के साथ प्रस्तुत किया जाए तो वे खामोश रहते हुए बचते हैं तथा उनको कोई उत्तर तक नहीं देते। उनकी बात की कोई परवाह नहीं करते तथा न ही उनके रोने-धोने और उन पर आने वाली मुसीबतों की परवाह करते हैं, और अत्याचार का मामला बढ़ता ही जा रहा है तथा लोग शिकार किए जा रहे हैं। यहाँ तक कि जनता मर रही है तथा शहर वीरान हो रहे हैं। ये हैं वे जो मुसलमानों के बादशाह बने फिरते हैं। और हम तुम्हारे सामने दूसरी क़ौमों के वृत्तांत का वर्णन नहीं कर रहे। हे ख़ुदाई तक़दीर! हम तुझे पुकारते हैं तू इन शासकों से कितनी दूर है। जनता अपनी जानों को सख्त मुसीबत में डाल कर ज़मीन को खेती तथा वृक्षारोपण

تضرُّعَهم وما نزل لهم من أهوالهم. ولم يزل أمرُ الظلم يزداد، والنفوس تُصاد، حتى يبور الرعايا وتخرب البلاد. وإنهم من ملوك المسلمين. ولا نقصّ عليكم قصة الآخرين. فندعوك يا قدرَ السماء. أين أنت من هذه الإمراء؟ الرعايا يُصلِحون الارض بشِقِّ الانفس للزراعة والغراسة، وإذا استُخرجتْ فيكتبون الخراج عليهم ولا يؤدّون شرائط السياسة. ومن المعلوم أن الرعيّة تؤدّى الخراج إلى الوُلاة، لكونهم من الحُماة، وإذا فاتتْ شرائط التعهد والتكفّل والحماية، فزال الحق كأن الرعايا خرجتْ من تلك الولاية، بل الخراج ما بقى خراجًا الذى يوظَّف على الفلّاحين، وصار كالجزية التى تُضرَب على رقاب

के लिए योग्य बनाती है तथा जब वह खेती के योग्य हो जाती है तो वे उन पर टैक्स लगा देते हैं यद्यपि स्वयं शासन के प्रबंध के नियमों पर नहीं चलते। यह सामान्य बात है कि जनता हाकिमों को टैक्स इसलिए देती है कि वह उनके समर्थक तथा रक्षक हों। और जब ज़िम्मेदारी, पालन पोषण तथा समर्थन की शर्तें शेष न रहीं तो अधिकार समाप्त हो जाता है। मानो कि वह जनता उस हुकूमत की अधीनता से निकल गई है। अपितु वह टैक्स जो किसानों पर निर्धारित है टैक्स नहीं रहा अपितु जिज़्या के समान हो गया जोकि पराजित ज़िम्मियों* की गर्दनों पर निर्धारित किया जाता है। सारांश यह है कि वे अपना टैक्स वसूल करते ही करते हैं चाहे किसानों की ज़मीन में बारिश हो या न हो, यह है उनका न्याय। अत: देख और आश्चर्य कर। इसी प्रकार उनकी अन्य आदतें भी हैं जिनकी व्याख्या संभव नहीं। और न उनके ज़ख्म इलाज के योग्य हैं। उनकी रातें मदिरापान तथा संगीत में गुज़रती हैं। और उनके दिन चौसर तथा जुए में गुज़रते हैं। इसके अतिरिक्त उनमें से प्रत्येक यह इच्छा रखता है कि वे लोगों की नज़रों में रोबदार लगें तथा युद्ध के समय विजयी रहें। तू उन्हें

---

* ज़िम्मी-: इस्लामी राज्य में गैर मुस्लिम नागरिक।

أهـل الذمّـة المغلوبين۔فالحاصـل أنـهم يأخـذون خراجـهم إن أصـاب المطـرُ أرضَ الفلّاحين أو لـم يُصـبْ، وهـذا عدلُـهم فانظـرْ واعجَبْ۔ و كذالـك لـهم عـادات أخـرىٰ لا يمكـن شـرحُها، ولا يُـوسَى جرحُهـا۔ تمـرّ لياليـهم بالخمـر والزَّمْـر، ونُهُرُهـم فى النَـرْد والقَمْـر۔و مـع ذالـك يتمـنّى كل منـهم أن يكـون مَهيبًـا فى أعـين النـاس۔و مظفَّـرًا عنـد البـأس. وتجدهـم عظيمـة النَّهْمـة فى الشـهوات الدنيـا ولذّاتهـا، ومسـتغرقين فى ملاهيهـا وجهـلا تهـا. لا يفارقـون كأس الصهبـاء، ولا أدنـاس الندمـاء. لا يُطيقـون أن يسـمعوا نصيحـة أو يحتملـوا مـن الوعـظ كلمـة فيأخذهـم عـزّة۔و يتوغّـرون غضبًا و غـيرة و يكون أكـرمَ النـاس علـيـهم مَـن زيّـن لـهم حالَـهم وحمِدهـم وأعمالـهم۔

सांसारिक तामसिक वृत्तियों तथा भोग विलास पर बहुत अधिक लालायित तथा दुनिया के खेल कूद तथा उसकी मूर्खताओं में डूबा हुआ पाएगा। वे न शराब के जाम को छोड़ते हैं तथा न ही साथियों के गंद को। वे नसीहत तथा उपदेश का एक कलिमा सुनने का भी साहस नहीं रखते तथा झूठे सम्मान की हठ उनको पकड़ लेती है। और वे क्रोध तथा स्वाभिमान से भड़क उठते हैं। उनके यहाँ लोगों में सबसे अधिक सम्मानित वह व्यक्ति है जो उनको उनके हालात सुन्दर करके दिखाए तथा उनकी तथा उनके कर्मों की प्रशंसा करे। वे युवावस्था के आरंभ में शासन प्राप्त कर लेते हैं। अत: उनकी तामसिक इच्छाएं तथा उनके साथी उन्हें विनाश के मार्गों की ओर खींच लेते हैं। उन्हें लोगों की समस्याएँ हल करने तथा उनके मामलों का प्रबंध करने की योग्यता नहीं होती। और न उनके दिलों के विचार तथा आंतरिक अवस्थाओं का उनको ज्ञान होता है। और न उन्हें ऐसी बुद्धि दी जाती है जिस से अर्थव्यवस्था, मध्यम मार्ग अपनाना तथा न्याय का ध्यान रखा जाए, अत: वे अपव्यय से काम लेते हैं तथा संसार के भंडार तथा उसके खज़ाने उनके लिए समस्या बन जाते हैं। यदि उन्हें कोई दु:ख पहुँच जाए तो उनसे धैर्य तथा सब्र नहीं होता। कई बार स्वयं

يجدون الإمارة والدولة فى حداثة السنّ وعنفوان الشباب، فيجُرّهم أهواؤهم وندماؤهم إلى طرق التباب. لا يكون لهم معرفة بتدبير الناس وضبط أمورهم، ولا يطّلعون على ضمائرهم ومستورهم. ولا يُعطَى لهم دهاءٌ يُحفَظ به اقتصادٌ وتوسّط واعتدال. فيُسرِفون وتكون ذخائر الدنيا وخزائنها عليهم وبال. وإنْ أصابهم غمّ فلا يكون لهم صبر واستقلال، وربما يذهبون إلى نَهابِرَ بأقدامهم فيحلّ عليهم غضب الله ويأتى زوال. لا يرضَون عن نِحْريرٍ أتقنَ أمور السلطنة، ويتّخذون الرَّعاع أخدانًا كالنّسوة، فيكون آخر أمرهم الانتحار، أو الجنون أو الفضيحة والتبار. لا يُعطَون فراسة صحيحة، ولا كالعقلاء قريحة. وتعلَمُ أن من شرائط الوالى ذى المعالى، أن يُعطى له من دماغ عالى،

अपने क़दमों से मौत की ओर जाते हैं तो उन पर अल्लाह तआला का क्रोध प्रकट होता है तथा पतन हो जाता है। वे उस बुद्धिमान से राज़ी नहीं होते जो शासन के मामलों को दृढ़ करे तथा वह स्त्रियों के समान कमीने लोगों को छिप कर दोस्त बनाते हैं। अत: उनका परिणाम आत्महत्या होता है या फिर पागलपन या अपमान और मौत। उन्हें वास्तविक दूरदर्शिता नहीं दी जाती तथा न ही बुद्धिमानों जैसा स्वभाव। और तुझे ज्ञान है कि एक उच्च शासक के लिए यह शर्त है कि उसे उच्च बुद्धि प्रदान की जाए तथा ऐसी समझ दी जाए जो बारीक़ से बारीक़ मामलों तक पहुँच सके तथा चौतरफा हो और ऐसा नूर दिया जाए जो ऊंच-नीच और हर चीज़ को समझ सके। और यह कि वह बात करने वाले के उद्देश्य को समझ सके। और बनावटी तथा सच्चे दुखियों को पहचान सके। और उसे ऐसी दूरदर्शिता प्राप्त हो जैसे कि वह दिल के भेद से अवगत हो अथवा छुपे हुए राज़ों को अपने कौशल से भांप लेता हो। तथा शासन की शर्तों में से यह भी है कि हाकिम सूजन तथा मोटापे में अंतर कर सके। और यह कि वह राजनैतिक मामलों की बारीकियां समझ सके तथा

وعقل يبلغ إلى الأعماق والحوالى، ونور يحيط الأسافل والأعالى، وأن يعرِف ضميرَ المتكلّم، ويفرّق بين المتكلّف والمتألّم، ويكون على بصيرة كأنه نُوجِىَ بذات الصدور، أو تكهّنَ بما كان من السرّ المستور. ومن شرائط الإمارة أن يفرّق الأمير بين الورَم والوَثارة، وأن يفهم دقائق الأمور السياسية ويفُوقَ رأيُه آرائَ جميع أركان الوزارة. وأن يعظُم رعبُه وتُنفَّذ أحكامُه بالإشارة، وأن يقدر على ضبط الأمور والأخذ فيها بالثقة، وأن يؤدّيها بالتروّى والمَضاء فيها على وجه البصيرة الصادقة، وأن تكون له أنوارُ دراية القلب كالخِضَر عند اعتياص المسير، وعند القَحْم فى السبل الخوفة من دقائق التدابير. ولٰكن كيف يدركون هذا المقام، ولا يخافون ربَّهم العلّام، ولا يتكلّمون

उसकी राए मंत्रालय के समस्त लोगों की रायों पर प्राथमिकता रखती हो। उसका प्रताप बहुत महान हो तथा एक संकेत से उसके आदेश लागू हों। और यह कि वह मामलों के अनुशासन तथा विश्वास के साथ करने का सामर्थ्य रखता हो। और यह कि वह उनको ध्यानपूर्वक पूर्ण करे तथा सच्चे ज्ञान से उसको पूरा करने का दृढ़ संकल्प करे। और कठिन मार्गों में उसके पास खिज़र के समान हार्दिक विवेक का प्रकाश हो। और भयानक मार्गों में प्रवेश करते समय बारीक से बारीक उपाय हों। परन्तु वे इस स्थान को कैसे प्राप्त कर सकते हैं जबकि वे अपने बहुत जानने वाले ख़ुदा से नहीं डरते। और न ही प्रसन्नता पूर्वक बात करते हैं। और केवल त्यूरी चढ़ाए हुए तथा तेज़ ज़बान से ही बात करते हैं। इसीलिए तो उन से लोगों के राज़ छुपे हुए रहते हैं। और वह यह सामर्थ्य नहीं रखते कि लोगों की परख तराज़ू के भार के समान सही कर सकें। अत: जो दया का पात्र होता है उस पर क्रोधित हो कर भड़क उठते हैं तथा जो शैतान के समान हो उस पर दया करते हैं। वे दया के पात्रों पर आग बरसाते हैं तथा निकम्मों को सोना प्रदान करते हैं। उनके हृदय

بوجه طليق ولا ينطقون إلا بعبسٍ ولسان ذليق؟ فلذالك يلتبس عليهم سرُّ الناس، ولا يطيقون أن يزِنوا الناسَ وَزْنَ القسطاس۔ فيتوغّرون غضبًا على من يستحقّ الرحمَ ويرحمون مَن هو كالخنّاس۔ يُودِعون المستحقّين لهبًا، ويُعطُون البطّالين ذهبًا۔ يحارب اللّٰه قلوبُهم ويسُرّ الشياطينَ ذنوبُهم. والذين يُتَخَيّرون لتأديبهم وتهذيبهم فى عهد الصبا، فهم يرغّبونهم فى الخمر والزَّمْر وعلى منادمةٍ على الرُبى. ويستَقْرون حِيَلًا لذالك فى أوقات المطر وعند هزيزِ نسيم الصبا. فيَتَوَتَّحون من الشراب فى بعض الاوقات، ثم يزيدون ويداومون ويُنشَّأون فى مثل هذه العادات، ويقولون هل من مزيد عند المنادَمات۔ ويحفدون إلى استيفاء

अल्लाह से युद्ध करते हैं तथा उनके पाप शैतानों को प्रसन्न करते हैं, उनके बचपन में जो लोग उनकी शिक्षा-दीक्षा के लिए निर्धारित किए जाते हैं वे उन्हें शराब, संगीत तथा पहाड़ों की ऊँचाइयों पर जाकर शराब की सभाएं लगाने की राय देते हैं। और वर्षा के समय तथा शीत हवा चलने के समय वे इस काम को करने के लिए बहाने बनाते हैं। अत: कई बार वे थोड़ी-थोड़ी शराब पीते हैं। फिर इसको बढ़ाते हैं तथा फिर इस के आदी हो जाते हैं। इस प्रकार की आदतों में वे परवरिश पाते हैं। तथा शराब की मजलिसों में कहते हैं कि क्या और अधिक मिल सकती है? और वह वासनाओं को पूरा करने के लिए दौड़ते फिरते हैं। इसी प्रकार वे अपने कर्मों के खाते को काला कर लेते हैं इससे पहले कि उनका पैजामा काला हो जाए तथा उनकी दाढ़ी के बाल निकल आएं। और दिन-प्रतिदिन इसके आदी होते जाते हैं। वे अभिशाप तथा निंदा की कोई परवाह नहीं करते और समझते हैं कि शराब उनके शरीरों को शक्ति प्रदान करती है तथा उनके (नफ्स) के साँप को जगाती है। उनका शैतान उनको व्यभिचारी स्त्रियों की ओर आकर्षित करता है। वे यह समझते हैं कि शराब उनसे दुखों का बोझ दूर करती है तथा उन पर से दुखों की चादर उतार

الـلّذّات. و كذالـك يسـوّدون كتـاب أعمالـهم قبـل أن يخضَـرَّ إزارُهم، و يَبقُـل عِذارُهـم. و يتعوّدونـه يومًـا فيومًـا. ولا يبالـون لعنًـا ولا لومًـا. و يزعمـون أن الخمـر يقـوّى أبدانـهم و يوقـظ ثعبانـهم، و يُغرِى عـلى البغايـا شـيطانَهم. و يظنـون أن الخمـر تحُـطُّ عنـهم ثِقـل الهمـوم، و تضـع عنـهم عِبـائَ الغمـوم. و يقولـون إنّهـا تفـرّح البـال، و تُزيـل اللغـوب و الاضمحلال. و إذا شـربوا فيَهْـذُون طول النهـار، و يصرّون عـلى مـن لـم يُـذق مـن الاحبـاب و الانصـار، و يقدّمـون إليـهم كأسًـا بأيديـهم و يسـقون بالإصـرار، فيشـربون مـا أُحضـرَ كراهـةً أو بالانقيـاد. ثـم يتعوّدونهـا فتـدور الـكأس كلّ ليـل حـتى يسـقطوا كالجَـراد. و يجعلـون النهـارَ للزينـة و اللبـاس، و الليلَ للـكأس. و قد

फेंकती है। वह कहते हैं कि शराब दिल को प्रसन्नता प्रदान करती है तथा थकावट और कमज़ोरी को दूर करती है। जब वे मदिरापान कर लेते हैं तो सारा दिन बुराई करते हैं। उनके साथियों तथा सहायकों में से जो न चखे तो ज़बरदस्ती करते हैं, तथा उन्हें अपने हाथों से शराब के प्याले प्रस्तुत करते हैं तथा ज़बरदस्ती पिलाते हैं, अत: वे जो प्रस्ततु किया जाता है उसे स्वेच्छा से अथवा किसी दबाव में पी लेते हैं फिर वे इसके आदी हो जाते हैं और प्रत्येक रात शराब का दौर चलता है। यहाँ तक कि वे टिड्डियों के समान गिरे जाते हैं। वे दिन को सुन्दरता तथा वस्त्रों के लिए रखते हैं तथा रात को शराब के जाम के लिए। उनकी कई रातों में बाज़ारी औरतें भी उनके पास आती हैं। अत: उन औरतों का सम्मान किया जाता है तथा उनको रात की शराब के प्याले दिए जाते हैं। अत: वे हमेशा जाम पर जाम पीते हैं तथा शराब से अलग नहीं होते और वे ठहाके लगाकर प्रसन्नता का प्रदर्शन करते हैं। वे आपस में व्यर्थ बातों की प्रशंसा तथा विभिन्न प्रकार के आनन्दों के बारे में बात-चीत करते हैं और कभी सबसे उच्च प्रकार की शराब के बारे में वर्तालाप आरंभ हो जाता है तथा कभी गाने वालियों के बारे में बातचीत होने लगती है।

تجتمع إليهم فی بعض لياليهم بغايا السوق، ويُكْرِمْن و يُعْظَمْن وتُقَدَّم إليهن كؤوسٌ من الغَبوق. فلا يزالون يتعاطَون الإقداح، ولا يفارقون الراح، ويُظهرون بالقهقهة المُراحَ، ويتذاكرون فی مدح الملاهی وأنواع اللّذّات، فقد يجری الكلام فی ألطفِ نوع الخمر وقد يدور القول فی مدح المغنِّيات. ويقول أحدٌ: إنی آليتُ أن لا أتزوج إلا هذه البَغِیَّ، ويقول الآخر: إنْ فُزتَ فقد وجدتَ الكوكب الدُرِّیّ ويتزوّجون البغايا فيسری سِيَرُهنّ فی وُلْدِهنّ، ويصدر منهم الرزائل طبعًا لا من الإرادة، ولا يوجد فيهم كأمّهاتهم خُلقٌ حسنٌ ولا رائحةٌ من العفّة والزهادة. نعمْ يوجد كالبغايا نوعٌ من الجَلادة، مع القرائح الوقّادة، و حُبِّ الزينة و هوی السَيدودة و السيادة،

उनमें से एक कहता है कि मैंने क़सम खाई हुई है कि मैं उस वैश्या से ही विवाह करूँगा, तथा दूसरा कहता है कि यदि तू (इसमें) सफ़ल हो गया तो तूने एक चमकते हुए सितारे को पा लिया। वे बाज़ारी स्त्रियों से विवाह करते हैं अत: उन स्त्रियों का आचरण उनकी सन्तान में चला जाता है तथा उनसे अधमताएं स्वाभाविक रूप से हो जाती हैं न कि जान बूझ कर। उनकी माताओं के समान उनमें भी सुन्दर आचरण, पवित्रता तथा संयम की बू तक नहीं पाई जाती। हाँ! उन में बाज़ारी स्त्रियों के समान तेज़ स्वभाव के साथ एक प्रकार की चालाकी, सुन्दरता से प्रेम तथा सरदारी तथा प्रतिष्ठा की भूख पाई जाती है अत: वे अहंकार करते हैं तथा तबाह हो जाते हैं ऐसा कम ही होता है कि उनका अंत भला हो। उनमें से अधिकतर इशारे करने वालों तथा चुग़ल खोरों की आदत पर हैं। और व्यभिचारी स्त्रियों की बेटियों के समान घमंडी, गुस्से से बिफरने वाले तथा जल्दी से क्रोधित होने वाले तथा अहंकार से नाचने वाले हैं। उनके अंदर सिवाए कृपणता, द्वेष तथा शत्रुता की पीप के और कुछ नहीं पाया जाता। वे केवल झगड़े तथा फसाद से ही ख़ुश होते हैं। वे ख़ुदा के बन्दों से बुराई ही करते तथा अपने दिलों में बुराई ही छुपा कर रखते हैं। वे ब्रह्मचर्य के दावों के

فيتكبّرون و يهلكون وقلَّ أن يُختَم لهم بالسعادة. و يبرُز أكثرهم على عادة الغمّازين والنمّامين، و كالجواري الزانيات مُعجَبين متوغّرين مستشيطين، وبالكبر رقّاصين. لا يوجد في بطونهم إلّا صديد البخل والغِلّ والعناد، ولا يرضون إلا بالتفرقة والفساد لا يصنعون بعباد الله إلّا شرًّا، ولا يُضمِرون إلّا ضرًّا يتباهَون بفوز الدنيا الدنيّة، مع دعاوى الرهبانية. يعادون الصدق و بنِيه، و يَلحَقون بمن يناويه. يُنبَّهون على خطئهم، ثم لا يندمون على بادرة إزرائهم. ومَن تصدّى لاستبراء زَنْدِهم. واستشفافِ فِرِنْدِهم، فلا يجدهم إلا سقَطًا خاليًا من خير الدنيا والآخرة، ومِن أَوتَحِ الناس ومِن أسارى الخنَّاس، ومن الفئة المفسدة. و كيف كان على رشد مَن خرج من

बावजूद तुच्छ सांसारिक सफ़लताओं पर गर्व करते हैं। वे सच और सच्चों से शत्रुता रखते हैं तथा जो सच्चाई के शत्रु हैं उनसे संबंध रखते हैं। उन्हें उनकी ग़लतियों के बारे में बताया जाता है फिर भी अपनी बुराई में जल्दी करने की आदत पर खेद नहीं करते और जो कोई उनकी चकमाक (दो पत्थरों को रगड़ने (चिंगारी) से निकले वाली आग) की आग के समान स्वभाव को सुधारने और उनके तलवार के जौहर को समाप्त करने के लिए उठे तो वह उन्हें संसार तथा आख़िरत की भलाई से बेकार तथा रिक्त, लोगों में से सबसे अधिक कंजूस, शैतान के कैदियों तथा उपद्रवी गिरोहों में से पाता है। जो एक व्यभिचारिणी के गर्भ से निकला हो वह हिदायत पर भला कैसे हो सकता है। अत: इसमें कोई संदेह नहीं कि व्यभिचारी स्त्रियों ने हमारे देश को तबाह कर दिया है तथा हमारे नौजवानों को गुमराह कर दिया है। उन औरतों तथा उनकी सन्तान के कारण हमारे नबी हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की बात पूरी हुई जैसा कि तू जानता तथा देखता है। और हमारे स्वामी तथा नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने अंतिम युग के जो निशान बताए वे सच साबित हुए। इन बाज़ारी औरतों का रज अधिकतर बच्चों में प्रवेश कर गया है। और देश के

رحم الزانية۔ فلا شكّ أن البغايا قد خرّبن بلداننا، وأضللن شبّاننا، و بهن وبوُلْدِهن حَقَّ قولُ نبيّنا المصطفٰى كما تعلم وترى۔ وصدَق ما قال سيّدُنا ونبيُّنا فی علامات آخر الزمان۔ فإن نطفة البغايا قد خامرَ أكثرَ وُلْدٍ وتُمْلَإِ منه أكثرُ البلدان، وما نقَصنَ بل يزددن كَمًّا و كَيفًا و خُبثًا وضرًّا، و كلّ يوم هلمّ جرًّا. و هذا ما قدّر الله لهذا الزمان وأتاح وطوبٰى لمن أعرض عنهن و راح. و ويل للذين تمايلوا على رغائب الشهوة، و مالوا إلى هذه الفئة الفاسقة، بدون نظر إلى العاقبة. يموتون لاستيفاء اللّذّة، ويتلُون تِلْوَ البغايا كسكارى الحانة، وينهضون على أثرهن كجدايا الظَبْية و أَجْرِيةِ الكلبة، ويدورون بهن كما يَدُرْنَ فی أهواء النفس الامّارة، وقد سمّاهن رسولنا صلى الله عليه وسلم

अधिकतर भाग उन से भर गए हैं। और यह औरतें कम नहीं हो रही हैं अपितु संख्या, अवस्था, दुराचारी तथा हानि पहुँचाने में बढ़ रही हैं। और यह सिलसिला प्रतिदिन अधिकता तथा तीव्रता से उसी प्रकार जारी है। यह वह बात है जो अल्लाह तआला ने इस युग के लिए लिख रखा था। भाग्यशाली है वह जो उनसे बच कर चला गया। और मौत है उन लोगों के लिए जो आख़िरत पर दृष्टि किए बिना मनोवांछित इच्छाओं की ओर झुक गए। और उस दुराचारी गिरोह की ओर आकर्षित हो गए, वे भोग विलासों से पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए मरे ही जाते हैं। वह शराबखानों के मदहोशों के समान व्यभिचारी स्त्रियों के पीछे जाते हैं तथा वे हिरनी के बच्चों और कुत्तियों के पिल्लों के समान उनके पीछे भागते हैं। वे उनके आगे-पीछे उसी प्रकार चक्कर लगाते हैं जैसे वे स्त्रियाँ तामसिक इच्छाओं के अंतर्गत घूमती हैं इन स्त्रियों का नाम हमारे रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने ज़बियतुद्दज्जाल (अर्थात दज्जाल की हिरनी) रखा है। और आप ने फ़रमाया कि इस धोकेबाज़ दज्जाल से पहले इन स्त्रियों का आना निस्संदेह निर्धारित है ताकि वे स्त्रियाँ इस (दज्जाल) के प्रकट होने के लिए

ظَبيـة الدجّـال، وقـال قـد قُـدّر خروجُهـن قُدّامـةَ هـذا المحتـال۔ ليُنـذِرنَ بظهـوره كـدلالةِ كثـرة الفـأر عـلى الطاعـون الإكّال۔ والسـرّ فيـه أن البغايـا حـزبٌ نجِـسٌ فى الحقيقـة، ويُظهِـرن عـلى النـاس طهارتهـن ونظافتهـن بأنـواع الزينـة والإلبسـة والتهـاب الخـدّ والنعومـة. وهـذه دجـلٌ منهـن كالدجّـال وشـابَهْنَه بأتـمّ المشـابهة، فجُعلـن كإرهـاص له علامـةً لهـذه المماثـلة. ثـم إن الدجّال ليسـت أفعـالُه كالرجـال، بـل يسـتُر وجهـه الـكاذب كالنسـاء ويُرِى نفسَـه كالصادقـين لصيـد الجهّـال، ويُخفـى مكائـده كقَحْبـةٍ يُخفِـى شَـيبَها بالادِّهـان والخضـاب وأنـواع الإعمـال۔ ففـى هـذه إشـارة إلى أن للدجّـال والبغايـا لَسـيرةً واحـدة وهـذه الفرقتـان تشـابهان فى الحيـل والإفعـال۔ وتماثـلان فى الافتعـال وجـذب القلـوب بلـين

प्रथमत: निशानी के तौर पर हों जैसा कि चूहों की अधिकता बड़े प्लेग पर संकेत करती है। और इसमें राज़ यह है कि व्यभिचारी स्त्रियाँ वस्तुत: एक नीच गिरोह हैं। और वे लोगों पर भिन्न-भिन्न प्रकार की सुन्दरता, वस्त्र, गालों की लाली तथा नज़ाकत के द्वारा अपनी सफाई तथा स्वच्छता का प्रदर्शन करती हैं। यह उनकी ओर से दज्जाल की तरह का दजल है तथा वे इस से पूर्ण समानता रखती हैं। अत: वे इस समानता कि चिन्ह के तौर पर दज्जाल के **इरहास** (मार्ग प्रशस्त) बताई गईं। फिर यह कि दज्जाल के कार्य मर्दों के समान नहीं हैं अपितु वह औरतों के समान अपने झूठे चेहरे को छुपाता है तथा मूर्ख लोगों का शिकार करने के लिए अपने आप को सच्चों के समान प्रदर्शित करता है। वह अपने छलों को उस व्यभिचारी स्त्री के समान छुपाता है जो अपने बुढ़ापे को तेल की मालिश, खिज़ाब तथा इस प्रकार के जतन करके छुपाती है। अत: इसमें यह संकेत है कि दज्जाल तथा व्यभिचारी स्त्रियों का एक ही स्वभाव है। और यह दोनों गिरोह यत्नों तथा कर्मों में समानता रखते हैं। और झूठ बोलने तथा नर्मी से बात कर के दिलों को अपनी ओर खींचने में समानता रखते हैं। तू कुछ बूढ़ी

المقال. وترى بعض البغايا العجائز تُظهِر وجهَها بالتدهينات والتسويلات والتزيينات كالشبّان، فيحسب الجاهلُ وجهَها الدميمَ كالبدر فى اللمعان. فكلّ ما تفعل البغىُّ بالمكيدة، وتُرِى جَلادتَه كالظبية، كذالك يفعل الدجّال ويُظهِر زينةَ التقوى والعفّة فى بطنه يغلى الرحيقُ، والوجهُ كأنه الصِدّيق. و يحجُب طوائفَ الاٰنام، بزينةِ تملُّقِ اللسان و إراءة التواضع فى الكلام. فقد وقع هذه وهذا كالمرايا المتقابلة و فى هذا إشارة أخرى من الحضرة النبوية، و هى أن سيئة إذا كثرتْ و كملتْ وطغتْ وتموّجتْ فهى تُحدِث سيئةً أخرى بالخاصيّة، التى تحاكى الاٰولىٰ فى ألوان الكَيفيّة. وقد جرّبنا غيرَ مرّة أن نسائَ دار إنْ كُنّ بغايا فيكون رجالُها دَيُّوثين دجّالين. وهكذا وُجد

व्यभिचारी स्त्रियों को देखता है कि वह अपने चेहरे पर क्रीम लगा कर, सुसज्जित कर तथा सुन्दर बना कर युवा स्त्रियों के समान प्रदर्शित करती हैं। अत: मूर्ख व्यक्ति इसके कुरूप मुख को चमक में चौदहवीं का चांद समझता है। अत: जो कुछ भी व्यभिचारी स्त्री छल कपट से करती है तथा हिरनी के समान अपनी चालाकी दिखाती है इसी प्रकार दज्जाल करता है और संयम तथा परहेज़गारी की सुन्दरता का प्रदर्शन करता है जबकि उसके पेट में शराब जोश मार रही होती है। उसका मुख सच्चे व्यक्ति के समान होता है और वह चापलूसी तथा बातों में विनम्रता की महारत दिखा कर अपनी (वास्तविकता को) लोगों के गिरोहों से छुपाए रखता है। अत: यह (व्यभिचारी स्त्री) तथा यह (दज्जाल) परस्पर एक दूसरे का दर्पण हैं। और इस में नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की ओर से एक और संकेत भी है तथा वह यह है कि जब पापों की अधिकता हो जाए तथा पूर्णता को पहुँच जाए, बहुत बढ़ जाए तथा मौजें मारने लगे तो यह एक दूसरी बुराई को जन्म देती है, ऐसी विशेषता के साथ कि वह अवस्था के रूप में पहली के समान होती है। हम ने कई बार यह अनुभव किया है कि एक

تلازُمُهما من الاولين إلى الآخرين، ففكّرْ إن كنتَ من العالمين۔
ثم نرجع إلى ذِكر الملوك★ والامراء، فنقول ما بقى

घर की स्त्रियाँ यदि व्यभिचारी हों तो उस घर के पुरुष भी दय्यूस (भड़वे) तथा दज्जाल हो जाते हैं। और इस प्रकार आरंभ से लेकर अंत तक यह दोनों एक दूसरे के संपूरक हैं अत: यदि तू ज्ञानियों में से है तो विचार कर।

هذا ما رأينا فى بعض ملوك الإسلام، وأمراء هذه الملّة الذين ★ صاروا كالانعام۔قصّروا هممَهم على اللذّات۔وتركوا حِمى الخلافة كالفلوات۔ما بقى شغلُهم مِن دون الاصطباح۔ولا ذريعة راحتهم مِن غير الراح يشربون الكُمَيتَ الشَموسَ إذا حجَب الشمسَ المَواطرُ، وتراءى السحبُ وسُرّتْ بِشَيْمِها الخواطرُ وقد فسدتْ بلادهم من أنواع الفتن۔ونزلتْ على الرعايا ألوان المصائب والمحن۔المسالك شاغرة والقبائل متشاجرة ما كان لاحد أن يسافر فى بلادهم بالانفراد۔فيُنهَب أو يُقتَل ولا يدركه أحد للإمداد۔لا يرون هؤلاء إلى نظامِ حكّام الدولة البرطانيةوحسنِ صفاتهم ورزانة حَصاتهم۔وأساليبِ سياستهم وأعاجيب فراستهم۔عالجوا كل عليل وما تركوا مِن داء

★यह वे मामले हैं जो हम ने इस क़ौम के कुछ मुसलमान बादशाहों तथा हाकिमों में देखे जो कि जानवरों के समान हो चुके हैं, उन्होंने अपने साहसों को आनन्दों तक सीमित कर रखा है। और ख़िलाफ़त की हरियाली को जंगल के समान कर छोड़ा है। सिवाए सुबह की शराब पीने के उन का कोई और कार्य शेष नहीं रहा। और शाम की शराब के अतिरिक्त उनके आराम का कोई माध्यम नहीं रहा। जब बादल सूर्य को ढांप लेते हैं तो वे तेज़ शराब पीते हैं। और बादल प्रकट होते हैं तो उनको देख कर उनके दिल प्रसन्न हो जाते हैं। और उनके देश भांति-भांति के उपद्रवों से नष्ट हो गए तथा जनता पर विभिन्न प्रकार की आपदाएं तथा मुसीबतें आईं। मार्ग असुरक्षित हैं तथा क़बीले परस्पर शत्रु हैं। किसी के लिए संभव नहीं कि उनके देश में अकेले यात्रा कर सके अन्यथा वह लूट लिया जाएगा या उसकी हत्या कर दी जाएगी तथा कोई भी उसकी सहायता के लिए नहीं आएगा। यह लोग ब्रिटिश सरकार के हाकिमों के प्रशासन तथा प्रबन्धन, उनकी अच्छी विशेषताओं, बुद्धि की दृढ़ता, राजनीति के ढंग तथा दूरदर्शिता के अजीब चमत्कारों की ओर नहीं देखते। उन्होंने प्रत्येक बीमार का इलाज किया तथा किसी आंतरिक बीमारी को भी बिना इलाज

عـلى أمـراء هـذا الزمـان خَتْـمٌ ولا حاجـة إلى الإزراء، وإنـهم انقسـموا فى زماننـا هـذا إلى أقسـام، وتَنافَـوا فى فسـق و إجـرام،

फिर हम बादशाहों★ तथा हाकिमों के वर्णन की ओर लौटते हैं। अत: हम कहते हैं कि इस युग के हाकिमों पर कृपा शेष नहीं रही (अर्थात उनके पाप ढके छुपे नहीं) तथा उनके पापों का वर्णन करने की आवश्यकता नहीं।

دخيـل يدركـون كلَّ مسـتغيث ومُعْوِلٍ۔ ويسـعون إلى كل مُعضِـل۔ و يُسـوُّون كلّ أَوَدٍ بأيديهم۔ ويرَحمـون كلّ مظلـوم بأياديـهم۔ يبـدؤون بعائـدة ثـم ينتفعـون بفائـدة۔ يُنفِقـون فى أمـور السياسـة كثـيرًا مـن المال۔ ثـم ترجـع إليـهم أموالـهم فى المـآل۔ يملِكـون بغـرسِ عـودٍ بستانًا وباسـتمالةِ جَنـانٍ جِنانًـا۔ انظـروا كيـف أهراقـوا المـال عنـد دواهـى الطاعون۔ مـع إسـاءة الظـن مـن الجهـلاء و كثـرة الظنون۔ فمـا كانـوا أن يبالـوا نفسًـا أبيّةً۔ حـتى يكمّلـوا رأيًـا و رَويّةً۔ و كذالـك أجـد طريـقَ سـلطان الـروم بأقاصيـه وأدانيه۔ وأرجـو ألّا يتخلّـف ظـنّى فيـه۔ و لا شـك أن أذكار خـيره فى العـرب سـائرة۔ ومحامده عـلى الالسـن دائـرة۔ فندعـو له و نظـن فيـه ظـنّ الخـير۔

शेष हाशिया- न छोड़ा। वे प्रत्येक मांगने वाले तथा सहायता के लिए चिल्लाने वाले की सहायता करते हैं तथा प्रत्येक कठिनाई की ओर दौड़ पड़ते हैं। और प्रत्येक बुराई को अपने हाथों से ठीक कर देते हैं वे अपने एहसानों से प्रत्येक पीड़ित पर दया करते हैं। पहले दान से आरंभ करते हैं फिर उस से स्वयं लाभ उठाते हैं वे सियासी मामलों में बहुत सा धन ख़र्च करते हैं फिर उनके धन उन्हीं की ओर लौट आते हैं। वे एक शाख लगा कर बाग़ के तथा दिलों को प्रसन्न करके बाग़ों के स्वामी बन जाते हैं। देखो उन्होंने प्लेग की आपदा के समय मूर्खों के बहुत बुरा-भला कहने के बावजूद किस प्रकार पानी के समान धन बहाया? अत: वे ऐसे नहीं थे कि किसी भी शत्रुता की परवाह करते। यहाँ तक कि उन्होंने राय तथा सोच-विचार को चरम तक पहुंचा दिया। इसी प्रकार मैं तुर्क सुल्तान का अपने देश के दूर तथा निकट के क्षेत्रों में यही व्यवहार देखता हूँ और मैं आशा करता हूँ कि वह इसके बारे में मेरे विचारों पर पूरा उतरेगा तथा कोई संदेह नहीं कि उसकी प्रशंसा समस्त अरब में प्रसिद्ध है, और उसकी प्रशंसा सामान्य रूप से प्रत्येक की ज़बान पर है। अत: हम उसके लिए दुआ करते हैं और उसके बारे में पवित्र विचार रखते हैं। उसके देश प्रत्येक प्रकार के नुकसान से सुरक्षित हैं। उन रिवायतों के अनुसार जो हम तक पहुंची हैं वह नेकी

فتجد بعضَهم مشغوفين بنساء ومُدام، وبعضهم بألوان طعام۔ وتشاهد بعضهم مفتونين برَنّات المَثاني، ومطّلعين إلى أغاريد

वह हमारे इस युग में कई प्रकारों में बंट चुके हैं। और दुराचार तथा जुर्मों को करने में एक दूसरे से बढ़े हुए हैं। उन में से कुछ को तू स्त्रियों तथा शराब का उन्मुखी पाएगा तथा कुछ को रंगा रंग खानों का। और कुछ को

فإن بلاده محفوظة من الضير، وهو على خير كما نسمع من الروايات وما لا نفهم من أموره فنؤوّل وإنّما الاعمال بالنيّات۔ وعليها مدار الجزاء والمكافأة۔ ونرى أنه تجرى على يده حسناتٌ كثيرة وهو خادم الحرمين۔ ونوّر الله عيناه ببركة هذه العينين۔ وللدين وحُماته وظائف مستكثرة فى حضرة دولته۔ فهذا هو السبب لإقباله وعظمته وعزّته۔ بيد أنّا رأينا وشاهدنا أن بعض أركان دولته قوم خائنون وما بقى الارتيابُ۔ وكلّما جرٰى عليه من المصائب فأقوى أسبابِها هذه الاحزابُ۔ فالحاصل أنا لا نرمى السلطان بلا ئمةٍ، ولا نذكره إلا بمدح ومحمدة وندعو أن يهَب الله له أزيدَ مِن هذا عِلْمَ دقائق السلطنة۔ ويقطع

शेष हाशिया- पर स्थापित है और हम उसके जिन मामलों को समझ नहीं पाए हम उनका स्पष्टीकरण करते हैं। और कर्मों का आधार नीयतों पर है तथा उन्हीं पर फल और दंड का दारोमदार है। हम देखते हैं कि उसके हाथ से बहुत सी नेकियाँ जारी हैं और वह खादिमुल हरमैन (अर्थात मक्का तथा मदीना का सेवक-अनुवादक) भी है। और इन दो आँखों (मक्का तथा मदीना का स्थान) की बरकत से अल्लाह तआला उसकी आँखों को रौशन करे। उसके स्वामित्व में धर्म तथा धर्म का अनुकरण करने वालों के लिए बहुत से वजीफ़े निर्धारित हैं। अत: उसकी स्वीकारिता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा का यही कारण है। परन्तु हमने देखा तथा निरीक्षण किया है कि उसके शासन के कुछ वज़ीर गद्दार हैं। (इसमें) कोई संदेह बाक़ी नहीं रहा। जब कभी उस पर कोई मुसीबत आई तो उसका सबसे बड़ा कारण यही गिरोह होगा। अत: आशय यह है कि हम सुल्तान को आरोप का निशाना नहीं बनाते। और केवल प्रशंसा तथा तारीफ़ से ही उसको याद करते हैं। और हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला उसे प्रशासन के बारीक मामलों का इस से भी अधिक ज्ञान प्रदान करे। और उसके वज़ीरों से आलस्य का तत्व समाप्त कर दे। और उनमें होशियारी तथा चुस्ती की रूह फूंक दे। और उसको ऐसी दृढ़ता तथा साहस प्रदान करे जो

الغوانى والاغانى، ومستهلكين على صوتِ بَرَهْرَهةٍ من الاءدانى. ومنهم الذين يستعذبون السفر الذى هو قطعةٌ من العذاب، ليصطبحُوْا بنساء المغرب وينضّروا بهن نواظرَهم و يستوفوا مَرَحَ الشباب۔ فتارةً يُغرّبون و أخرى يشرّقون كالغراب، وينسون ممالكهم لفَرَطِ اللَّهَجِ بالشهوات۔ و إذا دعتْهم وزراؤهم لفصل بعض المهمّات، فيتعلّلون بعَسٰى و لعلَّ لعدم المبالات و يعيشون كالسكارٰى لَا طِلْعَ لهم عمّا

तू देखेगा कि वह संगीत की आवाज़ पर मुग्ध हैं तथा सुन्दर स्त्रियों की आवाज़ और गीतों की ओर झुकने वाले हैं। और चमक दमक वाली कमीनी स्त्रियों की आवाज़ पर मरे जाते हैं। उन में से कुछ वे हैं जो यात्रा से, यद्यपि वह अज़ाब का टुकड़ा है, आनन्दित होते हैं ताकि यूरोप की स्त्रियों के साथ शराब पीएं। और उनके द्वारा से अपनी आँखें ठंडी और ताज़ा करें। और जवानी की ख़ुशी को पूर्णता तक पहुंचाएं। अत: कौवे के समान कभी वे पश्चिम की ओर जाते हैं तथा कभी पूर्व की ओर। और कामुकता की

مادّة التغافل من أركانه و ينفخ فيهم روح التقيظ و الجلادة۔ و يهَب له عزمًا و همّة كما يليق لهذه المرتبة التى هى ظِلُّ الحضرة۔ وقد جرتْ عادة الله بأن غضبه يحلّ على الغافلين كما يحلّ على المجرمين۔ ويُسقَون من كأس واحدة من رب العالمين۔ و لا نريد أن نتكلم أكثر من هذا فى هذا السلطان۔ وقد بلغتْنا أخبار فى بعض عمائد دولته فنخفيها تحت ذيل الكتمان. منه

शेष हाशिया- उसकी प्रतिष्ठा के अनुसार है कि जो ख़ुदा का प्रतिरूप है। और अल्लाह तआला की यह आदत जारी है कि उसका क्रोध लापरवाहों पर भी उसी प्रकार गिरता है जैसे दोषियों पर, और रब्बुल आलमीन की ओर से उनसे समान व्यवहार होता है और हम नहीं चाहते कि इस से अधिक उस सुल्तान के बारे में बात करें। यद्यपि हमें उसके शासन के कुछ साथियों के बारे में ख़बरें पहुंची हैं परन्तु हम उनकी पर्दा पोशी करते हैं। इसी से।

شانَ و زانَ، ولا يبالون أمورَ الحلّ والعقد ولا يفارقون النسوان، ولا يخرجون من مغارة و إنّ اغتالهم عدوٌّ على غرارة. و ما أهلكهم إلّا البغايا، و الغبوقُ مع التغذّى بقلايا الجدايا. لا يتوجّهون إلى الرعايا وفصل القضايا. و قد كثرت البغايا لشِقْوة الناس فى هذا الزمان، ورُفِع رسمُ الحجاب فصِرْنَ وبالًا للشبّان، فأَمَطْنَ من الوجوه لِثامَهنّ، و من الافواه لِجامَهن. وترى الناس ينادمونهن على الشراب فى الاسواق، ويتعاطون كالعشّاق. وربما تسقط بَغِيٌّ مِن كثرة الخمر فى وسط السوق وممرّ الزُّمَر، فيحملها مَن عَشِقَ عليها كالحُمُر، و يمشى حاملا فى السوق كالخادمين، والناس

अधिकता के कारण वह अपने देशों को भुला देते हैं। और जब उनके मंत्री उन्हें कुछ अभियानों के फैसले के लिए बुलाएं तो लापरवाही के कारण टाल मटोल से काम लेते हैं। वह मदहोशों के समान जीवन व्यतीत करते हैं। उन्हें नेकी तथा बुराई की कोई ख़बर नहीं होती। और वैध-अवैध तथा दाम्पत्य संबंधों की कोई परवाह नहीं करते तथा न स्त्रियों से अलग होते हैं। और न गुफ़ा से बाहर आते हैं चाहे शत्रु उन्हें लापरवाही में पाकर उनकी हत्या कर दे। और उन्हें क़त्ल किया परन्तु व्यभिचारी स्त्रियों तथा बकरे के गोश्त के कबाबों के साथ मदिरापान ने। वे जनता तथा मुकद्दमों के फैसलों की ओर ध्यान नहीं देते। लोगों के दुराचार के कारण इस युग में व्यभिचारी स्त्रियों की अधिकता हो गई है। तथा पर्दे की रस्म समाप्त हो गई है। अत: वे (व्यभिचारी स्त्रियाँ) नौजवानों के लिए मुसीबत बन गईं हैं उन्होंने अपने चेहरों से नक़ाब तथा अपनी ज़बानों से लगाम हटा दी है। और तू लोगों को देखता है कि वे आशिकों के समान खुलेआम उनके साथ बैठ कर शराब पीते हैं तथा एक दूसरे को जाम प्रस्तुत करते हैं। और कई बार तो व्यभिचारी स्त्री शराब की अधिकता के कारण बाज़ार के बीच में और लोगों के चलने के स्थान पर

ينظـرون إليـه ضاحكـين و لاعنـين، وهـو لا يبـالى لـوم اللائمـين، فيمـرّ بـكلّ سِـكَّة بهيئـةٍ معجِبـة و كيفيـة مخزيـة۔ العَجـوزُ فى البطـن و الشـابّةُ عـلى المتـن. و يبـذل فى مُـداوات بَغِـيٍّ جُهْـدَ أَسِيٍّ و تشـغَفه حبًّـا فيكـون أَسْـرَها، وتجـذب إليهـا قـواه بأسـرها۔ و يسـتعذب تعذيبَهـا لالتهـاب عِذارِهـا، و يصـدّق زُورَهـا مخافـةَ ازورارهـا. يقـرُب بهـا وَشْـكَ الـرَّدىٰ، ولا ينتهـج سـبلَ الهـدىٰ۔ و يتـلاشى الصحّـةُ، و يختـلّ البنيـةُ، و يـترُك عقيلتَـه لهـا، و إن التهبـت أحشـاؤها بالطَّـوىٰ۔ ومـن علامـات القيامـة كثـرة العاهـرات وقـلّة الصالحـات، وإعـلان الفسـق والفجـور وعـدم المبـالاة۔ فـلا شـك أن هـذا الزمـانَ زمـانُ هـذه السـيئات، ولا

ही गिर जाती है। फिर जो उस का आशिक होता है उसे गधों के समान उठाता है, तथा नौकरों के समान उसे उठाए हुए बाज़ार में चलता है तथा लोग हँसते हुए तथा लानत मलामत करते हुए उसकी ओर देखते हैं। परन्तु वह निंदा करने वालों की भर्त्सना की कोई परवाह नहीं करता। तथा प्रत्येक गली से अजीब शक्ल तथा अपमानित अवस्था में गुज़रता है। पेट में शराब होती है तथा पीठ पर जवान स्त्री। और वह उस व्यभिचारी स्त्री के इलाज के लिए चिकित्सक जैसा प्रयास करता है। वह स्त्री उसके दिल में घर कर जाती है। अत: वह उसका बंदी बन जाता है। और उसका प्रत्येक अंग उसकी ओर खिंचा चला जाता है। उसके गालों की लाली के कारण उसकी ओर से पहुँचने वाले कष्ट को मीठा समझता है। और उसके चले जाने के भय से उसके झूठ का भी सत्यापन करता है और उसकी निकटता से वह मौत के निकट पहुँच जाता है तथा हिदायत के मार्गों पर नहीं चलता। स्वाथ्य बिगड़ जाता है तथा उसके अस्तित्व में कमज़ोरी आ जाती है। उस (बाज़ारी स्त्री) के लिए वह अपनी पत्नी को अनदेखा करता है, चाहे भूख के कारण उसकी पत्नी का पेट जल रहा हो, वेश्याओं की अधिकता, पवित्र स्त्रियों की

يتّعظ أحد بما نابَ الناسَ من الوباء والقحط وغيرهما من الآفات، ولا يتذكرون ما دهَمهم من أنواع المصائب وألوان النوائب، وتجلّت لهم العِبَرُ فلا يعتبرون فهذا من العجائب. يحاربون الله ولا يجنَحون للسَّلْم، ولا يتخذون سبل الصلاح والتُؤدة والحلم. والسرّ في صدور هذه المعاصي والخطيّات، أن الناس قد غفلوا عن الله جليل الصفات. ونسوا يوم المكافات، وكفَرت القلوب بوجود ربّ الكائنات. ثم اختلفت الذنوب باختلاف الدواعي والإسباب، وحدَث كلّ ذنب بمناسبة المحرِّك والجذّاب. فمَن أُصلِيَ ببليّةِ مجاعة، اضطرّ إلى طَرٍّ وسرقة، ومَن ثقُل حاذُه بعيالٍ و دَينٍ، اضطرّ إلى

कमी, झूठ का प्रदर्शन करना तथा उसकी परवाह तक न करना क़यामत की निशानियों में से है। अत: कोई संदेह नहीं कि यह युग इन्हीं बुराइयों का युग है। लोगों को जो मुसीबतें, अकाल इत्यादि आपदाएं पहुंची हैं उनसे भी कोई सीख नहीं लेते, तथा न वह भिन्न-भिन्न प्रकार की मुसीबतों तथा भिन्न-भिन्न प्रकार की घटनाओं को जो उन पर टूटी हैं उनको याद करते हैं। यह बड़ी अजीब बात है कि उन पर कई इबरतनाक निशान ज़ाहिर हुए परन्तु वे सीख नहीं लेते। वे अल्लाह से लड़ाई करते हैं तथा मित्रता की ओर आकर्षित नहीं होते। और नेकी, ठहराव तथा विनम्रता के मार्ग को नहीं अपनाते। और इन गुनाहों तथा ग़लतियों के प्रकट होने का राज़ यह है कि लोग प्रतापवान विशेषताओं वाले ख़ुदा से विमुख हैं तथा प्रतिफ़ल के दिन को भूल गए हैं। उनके दिल प्रतिपालक ख़ुदा के अस्तित्व के इंकारी हो गए हैं। फिर विचारों तथा साधनों के मतभेद के कारण गुनाह भी विभिन्न प्रकार के हो गए हैं तथा प्रत्येक गुनाह अपने प्रेरक तथा साधन के हिसाब से उत्पन्न होता है। अत: जो कोई भूख की परीक्षा में गिरफ्तार है वह जेब काटने तथा चोरी करने पर विवश हो गया, और जिसकी परिवार के पालन-पोषण तथा उधार के कारण

تخلُّفِ وعدٍ واحتيالٍ ومَينٍ، ومَن أصبا قلبَه حسنُ جارية من الغِيد، اضطرّ إلى خائنة الاعين وتنجيس العَيْن بالتعويد، ونقضِ التوبة والعهد والمواعيد. فكذالك فرّط فى جنب الله كلُّ أحدٍ من الفاسقين والفاسقات، بتحريك من التحريكات. ثم إن للصُحبة والمُقانات تأثيراتٍ، وفى مجالس السوء سموم وآفات، ومن استحكمَ شرُّه من المخالطات، فلا يُرجى بُرْؤُه إلى يوم الوفاة. ومَن ضعف وهرم فى الشر فشرُّه قويٌّ، وشَيبُه عصيّ، ولا يُصلِح قلبَه أسيّ ولا فلسفيّ، ويموت على الخبث ولا ينزِع عن الغيّ، ولا يفىء مَنْشَرُه إلى الطَيّ. فإنه وافاه الشيبُ المعكِّس فما كان له نذيرًا، وولّى العيشُ النضير

कमर झुक गई है वह वचन तोड़ने, छल कपट तथा झूठ बोलने पर विवश हो गया, और जिसका दिल कोमल शरीर की स्त्रियों में से किसी लड़की की सुन्दरता पर मुग्ध हो जाए वह आँखों के कपट तथा आँख को गन्दा करने की आदत तथा तौबा को भंग करने, वचन तोड़ने पर मजबूर हो जाता है। इसी प्रकार उन अपवित्र भावनाओं में से किसी एक के कारण झूठे परुषों तथा स्त्रियों में से प्रत्येक अल्लाह तआला के आदेशों में लापरवाही करता है, फिर साहचर्य तथा मेल मिलाप के अपने प्रभाव हैं। बुराई की सभाओं में विष तथा आपदाएं हैं। और जिस व्यक्ति की बुराई इस प्रकार के मेल जोल से सुदृढ़ हो जाए तो उसके मरने तक उसके सुधार की कोई उम्मीद नहीं। और जो बुराई की अवस्था में कमज़ोर तथा बूढ़ा हो गया है तो उसका पाप भी मज़बूत होता है तथा उसका बुढ़ापा सख्त अवज्ञाकारी होता है और उसके दिल का सुधार न चिकित्सक कर सकता है तथा न ही दार्शनिक। वह दुराचार पर ही मर जाता है परन्तु गुमराही से अलग नहीं होता। और उसका (बुरा) कर्म संग्रह कम होने में नहीं आता। क्योंकि उसको सबसे खराब बुढ़ापे ने जकड़ लिया है तथा उसे कोई सावधान कराने वाला नहीं है, और

فما خاف تافهًا نزيرًا بل زاد ميلانًا إلى أموال الدنيا وعَقارها، وضِياعها ونُضارها۔ وحدائقها وثمارها، وسكنِها وسكينتها، وزَهْرِها وزينتها۔ والموت وقف على رأسه، وقرُب وقت نُعاسه، ومع ذالك يودّ أن يكون له كلُّ ما في الارض من الخزائن والدفائن والعلوم والفنون، والبلاد والحصون، والبحار والعيون۔ والافراس والدواب، والمحامد والالقاب، وتدابير الدنيا وعلم بواطنها، وحِكم الصنائع وأسرارها ومواطنها، وفتوح الغيب، وعلاج الشيب، ونسخة الكيمياء، والعزائم المهلكة للاعداء، والادوية المطوّلة للحياة، وأعمال الحُبّ والتسخيرات۔ ثم إنّ بعض العقائد

खुशहाल जीवन मुंह मोड़ चुका है और जो थोड़ा शेष है उसका उसे कोई भय नहीं अपितु सांसारिक धन, उसकी संपत्ति, उसके सोने, उसके बाग़ों, उसके फलों, उसका घर, उसके फूल तथा उसकी सुन्दरता की ओर उसका आकर्षण बढ़ गया है। जबकि मौत उसके सिर पर खड़ी है और उसकी नींद (अर्थात उसकी मौत का समय) निकट आ पहुंचा है। फिर भी वह चाहता है कि पृथ्वी में उपस्थित प्रत्येक वस्तु, ज़मीन के ऊपरी तथा भीतरी ख़ज़ाने, ज्ञान तथा कलाएँ, शहर तथा किले, दरिया तथा झरने, घोड़े तथा जानवर, प्रशंसा तथा उपाधियाँ, सांसारिक उपाय और इस (पृथ्वी) के छुपे हुए रहस्यों का ज्ञान उसको प्राप्त हो जाए। इसी प्रकार कलाओं के रहस्य तथा उनके भेद और स्थान, परोक्ष का ज्ञान, बुढ़ापे का इलाज तथा सोना-चांदी बनाने की विधि, शत्रुओं को नष्ट कर देने वाले संकल्प, आयुवर्धक दवाएं और वशीकरण और भलाई पहुँचाने वाले (जिन्न), सबके सब उसके हो जाएं। फिर कुछ आस्थाएँ ऐसी हैं जो बुराइयों को जन्म देने वाली हैं तथा आदतों की नीचता को दृढ़ता प्रदान करने वाले हैं जैसा कि हिन्द के मुश्रिकों ने पुत्र न होने की अवस्था में इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु व्यभिचार के मार्ग पर

مــولِّدة للســيئات، و مؤ كِّــدة لخبــثِ العــادات، كمــا أن مُشــركى الهنــد جــوّزوا النَّيّــكَ عــلى ســبيل الحــرام عنــدِ عــدم الــولد الذَّ كَــر والطمــع فى هــذا المــرام، فَيُرغِّبــون نســاء هــم فى اتخــاذ الإخــدان، لعــلّ ولدًا يحصــل بــه ولــو بنُيــوكٍ كثــيرة إلىٰ برهــة مــن الزمــان. ويســمّون هــذا العمــل نَيــوگا★ ۔ وكان بالحــرىِّ أن يســمّى بَــوّگا۔ قــد أُكِّــدَ فى هــذا الزمــان لهــذا العمــل القبيــح، وحثّــوا عليــه ورغّبــوا فيــه بالتصريــح، وبمــا أدخلــوا هــذه الاباطيــل فى الاعتقــاد، اضطــرّوا إلى أن يُروّجوهــا و يرقُبــوا مواقعَهــا رِقْبــةَ أهــلّةِ الاعيــادو كذالــك شــاع فى بعــض المســلمين بعــضُ العقائــد

दुराचार को वैध ठहराया है। अत: वे स्वयं अपनी पत्नियों को अवैध मित्र बनाने की प्रेरणा देते हैं। ताकि उसके माध्यम से पुत्र की प्राप्ति हो जाए चाहे एक लम्बे समय तक व्यभिचार करने के पश्चात ही हो। और वे इस विधि को "नियोग" का नाम देते हैं।★ और उचित तो यह था कि उसका नाम "बोग" (अर्थात गधा-गधी का मिलाप) रखा जाता। इस युग में इस बुरे कार्य पर बहुत ज़ोर दिया जाता है तथा खुलेआम में इस का लालच तथा प्रेरणा दिलाते हैं। क्योंकि उन्होंने उन झूठी बातों को अपनी आस्थाओं में सम्मिलित कर लिया है वे इस को रिवाज देने पर तथा ईद के चांदों की प्रतीक्षा के समान उनके अवसरों की ताक में रहने पर विवश हैं। इसी प्रकार कुछ मुसलमानों में भी कुप्रथाएँ घुस चुकी हैं। और तुच्छ चीज़ों के रिवाज के समान रिवाज पा गईं हैं। इनमें से एक यह है कि वे कहते हैं कि महदी

★ اعلــم انّ لفــظ النيــوك قــد اُخــذ مــن النَيّــك اشــارةً الى كثــرة الجماع فــان النيــوك جمــع النَيّك والجمــع يــدل عــلى الكثــرة والاجتماع منــه

स्पष्ट हो कि नियोग का शब्द "नैक" से लिया गया है। जोकि संभोग की अधिकता की ओर संकेत करता है। क्योंकि नियोग नैक का बहुवचन है तथा संभोग की अधिकता की ओर दलालत करती है। इसी से।

الفاسدة، ورُوّجتْ كرواج الامتعة الكاسدة، فمنها أنهم يقولون إن المهدى يخرج على الناس من المغارة، ويأخذ المنكرين على الغَرارة، و المسيح ينزل من السماء، ومعه ملائكة حضرة الكبرياء، ثم يُحيى الشيخان والأخرويين من الاعداء، فيقتلهما المسيحُ والمهدىُّ بأشدّ الإيذاء۔ ويومئذ يُعطٰى لكلّ من كان من الفِرق الإماميّة الجناحان كجناحَى الصقر بما أكلوا لحم صَحْبِ النبيّ بالغِيبة، فيطيرون إلى السماء لاستقبال المسيح كالملائكة، ثم يبتّكون أعناقَ كلّ مَن كان من أهل السُنّة، بما كانوا يُكرِمون صحابة خيرِ البريّة۔ وبما كانوا يعادون الشيعةَ، ولا يدخُلون فى هذه الفرقة

लोगों के समक्ष गुफ़ा से प्रकट होगा और इंकार करने वालों को लापरवाही की अवस्था में पकड़ लेगा, तथा मसीह आकाश से आएगा तथा इसके साथ महान ख़ुदा के फरिश्ते उसके साथ होंगे। फिर (नाऊज़ुबिल्लाह) शैख़ैन (अर्थात हज़रत अबू बक्र सिद्दीक तथा हज़रत उमर फ़ारूक़ रज़िअल्लाहु अन्हुमा) और (अहले बैअत) के शत्रुओं में से कुछ को जीवित करेगा। अत: (नाऊज़ुबिल्लाह) मसीह और महदी उन दोनों को कष्टदायक मृत्यु देंगे। और उस दिन प्रत्येक व्यक्ति को जो इमामिया फ़िर्क़ों में से है कुछ के परों के समान दो पर प्रदान किए जाएँगे। क्योंकि उन्होंने चुग़ली करके नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सहाबा का गोश्त खाया। अत: वे मसीह के स्वागत के लिए फ़रिश्तों के समान आकाश की ओर उड़ेंगे। फिर अहले सुन्नत वलजमाअत के प्रत्येक व्यक्ति की गर्दन काटेंगे। क्योंकि वे आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के सहाबा की प्रतिष्ठा तथा सम्मान किया करते थे और शियों से दुश्मनी रखते थे और वे उस मासूम पवित्र फ़िर्के में सम्मिलित नहीं हुए थे। उस दिन उनके हाथों से कोई नहीं बचेगा तथा न ही समस्त पृथ्वी पर कोई जीवित रहेगा सिवाए उसके जिसने

المعصومة المطهّرة، و يومئذ لا يسلَم مِن أيديهم ولا يبقى حيًّا على ظهر الارض إلا مَن فضَّل على جميع الناس عليًّا، وحسِبه وصيًّا۔ ولامراض الناس أسيًّا، وآمنَ بخلافته الحقة من غيرِ فاصلة۔ ولعَن الصحابةَ كلّهم إلا قليلا الذين كانوا زهاءَ خمسة و كذالك انتصب أهل الحديث لإزراء الحنفيّة والشافعيّة والمالكيّة والحنبليّة، وجهّل بعضُهم بعضًا، وقاموا للتخطية و قال النصارىٰ إنا نحن على الحق الصريح، ولا تنجو نفسٌ إلا بدم المسيح، وسينزل المسيح مع الملائكة المقرّبين، فهناك يأخذ المسيح كلَّ من كفَر بألوهيته ويذبحه كالقصّابين۔ و يومئذ لا يخلُص أحدٌ إلّا من آمن

अली[रज़ि॰] को समस्त लोगों पर श्रेष्ठता दी। और आपको वसी (उत्तराधिकारी) माना तथा लोगों की बीमारियों के लिए चिकित्सक समझा। और आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के बाद 'बिला फ़सल' (अर्थात आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के बाद पहले ख़लीफ़ा) आप की ख़िलाफ़त पर ईमान लाया। और (नाऊज़ुबिल्लाह) सिवाए कुछ के जो लगभग पांच व्यक्ति हैं अन्य समस्त सहाबा पर लानत की। इस प्रकार अहले हदीस भी हन्फ़ियों, शाफ़ियों, माल्कियों तथा हंबलियों की बुराई करने लग गए। उन में से कुछ ने कुछ को मूर्ख बताया तथा दूसरों को मुजरिम साबित करने के लिए उठ खड़े हुए। और ईसाई कहते हैं कि हम स्पष्ट रूप से सच्चाई पर हैं तथा सिवाए मसीह के रक्त (पर ईमान लाने) के कोई भी मुक्ति प्राप्त नहीं करेगा तथा जल्दी ही मसीह विशेष फ़रिश्तों के साथ अवतरित होगा। अत: तब मसीह प्रत्येक उस व्यक्ति को पकड़ेगा जिस ने उसकी ख़ुदाई से इंकार किया होगा तथा उसे कसाइयों के समान ज़िबह करेगा। और उस दिन कोई मुक्ति प्राप्त नहीं करेगा सिवाए उसके जो कफ्फारा पर ईमान लाया। और जो ईमान ले आया तो वह मुक्ति प्राप्त कर गया चाहे तामसिक

بالكَفّارة، ومن آمنَ فنجا ولو كان عبدًا للنفس الامّارة۔ وقال الذين أشركوا مِن براهمة هذه الديار، إن الدين ديننا والباقون كلهم وقود النار۔ فالحاصل أن الناس يمتحنون عيدانَهم لقَعْضٍ، ويموج بعضهم فى بعضٍ۔ ويصارعون ويتجاذبون ويُرعِلون فى كل رفع وخفض، وقد شمّروا عن ذراعَيهم لِهَشٍّ ونَفْضٍ. وترا ى طوفان لم يُرَ مثله من آدم إلى هذا الزمان، وترى الناسَ كمصارعين فى ذالك الميدان. و كتبوا رسائل و كتبًا لا تُعَدّ ولا تحصى، وجاءت كقطرات البحر وحَصاة البَرّ والحصا وقد اجتمع جميعهم صائلين على الإسلام، وأجمَروا على استئصاله بالجهد التام، ورموا مِن

इच्छाओं का ग़ुलाम ही क्यों न हो। और इस देश के मुश्रिक हिन्दू कहते हैं कि सच्चा धर्म तो हमारा धर्म ही है अन्य समस्त तो आग का ईंधन हैं। अत: सारांश यह कि लोग (एक-दूसरे को) नीचा दिखने के लिए अपनी-अपनी शाखों की परीक्षा ले रहे हैं तथा एक-दूसरे पर चढ़ाई कर रहे हैं। और प्रत्येक उच्चता तथा निम्नता में एक-दूसरे को पछाड़ रहे हैं, खींच रहे हैं तथा बाण चला रहे हैं। और एक-दूसरे को गिराने तथा झाड़ने के लिए बाज़ू चढ़ाए बैठे हैं। और एक ऐसा तूफ़ान ज़ाहिर हो गया है जिसकी उदाहरण आदम से लेकर इस युग तक दिखाई नहीं देती। और तू इस मैदान में लोगों को परस्पर कुश्ती करने वालों के समान देखता है। उन्होंने इतनी अधिक पुस्तकें तथा पत्रिकाएँ लिखीं कि उनको गिनना संभव नहीं। और वे दरिया की बूंदों, धरती के कंकरों तथा पत्थरों के समान असंख्य हो गए हैं। वे समस्त इस्लाम पर आक्रमण करते हुए इकट्ठे हो गए हैं तथा पूर्ण प्रयास से उसकी जड़ उखेड़ने के लिए एकत्र हो गए हैं। और आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के धर्म को ज़ख़्मी करने के लिए एक ही धनुष से उन सब ने बाण फेंके। क्योंकि इस्लाम ने ही उनके धर्म

قوس واحد لجرحِ دينِ خير الانام، فإنه ناوَأَ دينَهم فى سائر العقائد والاحكام، وما بقى لديننا حمايةٌ إلا حماية الكريم العلّام، وضاقت علينا الارض لتضايُق الايام. فاقتضت غيرةُ الله أن يحكم بينهم ويُنزِل أمره بالحق، ويُرِى آية لالتيام القمر المنشقّ، ويضع الحرب ويؤيّد دينه بالنور، ويجمّر جيشَ آياتِه بالثغور. فإن الاقوام جاءوا جُمارَى، وتراهم من النَهْمة كسكارى وما هم بسكارى، وصار الدين فى أيديهم كأسارى. وإن الله رأى أعداءه أهلَ منعةٍ وشدّة، وتظاهُرٍ وجَمْرة، وجِدَةٍ وثروة. ومكرٍ وحيلة، وجَلادةٍ وهمّة، وإيجادٍ وصنعة، وتجربةٍ فى المِراء ومعرفة، واستقلالٍ

की समस्त आस्थाओं तथा आदेशों में विरोध किया। सिवाए करीम तथा अलीम ख़ुदा की सहायता के हमारे धर्म के लिए दूसरी कोई सहायता शेष न रही। और कठिनाइयों के कारण ज़मीन हम पर तंग हो गई। अत: अल्लाह तआला के स्वाभिमान ने यह चाहा कि उनके मध्य निर्णय करे तथा अपने आदेश को सच्चाई के साथ नाज़िल करे और फटे हुए चंद्रमा को जोड़ने (इस्लामी वैभव को पुन: स्थापित करने) के लिए निशान दिखलाए, और युद्ध को समाप्त करे तथा प्रकाश से अपने धर्म की सहायता करे और अपने निशानों (चमत्कारों) के लश्कर को सरहदों पर एकत्र करे। क्योंकि समस्त क़ौमें एकत्र हो कर मुक़ाबले के लिए आईं हैं, और तू उन्हें लालच के नशे में बद्मस्तों के समान पाता है हालाँकि वह मदहोश नहीं हैं। धर्म उनके हाथों में कैदियों के समान हो गया है। अल्लाह तआला ने इनके शत्रुओं को देखा कि बहुत आक्रमण करने वाले और खूब मज़बूत हैं। और एक-दूसरे की सहायता करने वाले और सरल हमला करने वाले धनाढ्य, छल -कपट करने वाले, चालाकी तथा साहस वाले, कल कारखानों वाले, लड़ाई झगड़े में अनुभवी तथा माहिर और स्थायी स्वभाव तथा

وتُؤدة، وتيقّظٍ فى الحيل و بصيرة، و وجَد المسلمين غافلين و وجد فيهم رِخوةً وضعفًا وقلّةَ المعلومات، والانهماك فى الدنيا وعدمَ المبالاة، وقصورَ الهِمم واختلال النيّات، ورأى الدّينَ منفردًا كالغرباء، فأَعَدَّ ما يمكِّنه من العلوم والآيات فى السماء، كما أُعِدّت الحِيَل و المكائد فى الغبراء، مخلوطةً بالاهواء، وبعَث رجلا من عنده و اصطفاه من عرشه، ونفخ فيه من روحه، ترحّمًا على الضعفاء أتعجَبون ولا تشكرون، وإلى هيئة الزمان لا تنظرون، وفى قول الله ورسوله لا تفكّرون، وتضحكون ولا تخافون، وترون آيات الله ثم تمرّون كأنكم لا تؤانسون۔ أما خُسِف القمر والشمس وجُمِعَا فى رمضان؟ أما

सहनशील और योजनाओं में दूरदर्शी तथा तीव्र बुद्धि वाले हैं और मुसलमानों को उसने लापरवाह पाया। और उनमें सुस्ती, कमज़ोरी तथा ज्ञान की कमी, संसार में डूबे हुए, लापरवाही, साहस में कमी तथा निय्यतों का बिगाड़ देखा। और उसने धर्म को प्रवासियों के समान अकेला पाया। अत: उसने आकाश पर ऐसे ज्ञान तथा निशान तैयार किए जो धर्म को दृढ़ता प्रदान करें। जैसा कि ज़मीन पर छल तथा कपट तैयार किए गए थे, जो तामसिक इच्छाओं में मिले हुए थे, उसने कमज़ोरों पर दया करते हुए अपनी ओर से एक व्यक्ति को अवतरित किया तथा अपने अर्श से उसे सम्मानित किया तथा उसमें अपनी रूह फूंकी। क्या तुम आश्चर्य करते हो और शुक्र नहीं करते तथा युग की अवस्था की ओर नहीं देखते और अल्लाह तथा उसके रसूल (सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम) के आदेश पर सोच-विचार नहीं करते। और ठट्ठा करते हो तथा डरते नहीं। तुम अल्लाह तआला के निशानों को देखते हो और फिर ऐसे गुज़र जाते हो जैसे तुम उनसे पूर्णत: परिचित ही नहीं। क्या चंद्रमा तथा सूर्य को ग्रहण नहीं लगा तथा ये दोनों (ग्रहण) रमज़ान में इकठे नहीं हुए? क्या सदी के सिर (आरंभ) से लगभग पांचवां

مضت علی رأس المائة مُدّةٌ قریبا من خُمُسِها وصدَق رسول الله وما مان؟ فأَرُونی مجدِّدًا مِن دونی إنْ کان. أتکذّبون قولَ الله ورسوله ولا تصدّقون البیان، ولا تخافون المقتدر الدّیّان. أیها الاعزّة إن الزمان قد فسد مِن کل جهة وجنب، وأحاط الناسَ کلُّ نوعٍ جرمٍ وذنب. قد کثرت البدعات والرزائل، وقلّت الاخلاق الفاضلة والشمائل، وصار صدقُ الحدیث کالکبریت الاحمر، والإخلاصُ فی التذکیرِ أَشَقَّ السِیَرِ، وتعوّدَ الناس تتبّعَ العثرات وکتمانَ المکارم والحسنات، وکفرانَ الصنیعة وإدحاض المودّات، وعقوقَ الوالدین والوالدات، ومالَ الخواطرُ إلی المَصاف من المصافات، وفسخوا عهود

भाग गुज़र नहीं चुका? रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने तो सच फ़रमाया था तथा झूठ नहीं कहा था। यदि मेरे अतिरक्त और कोई मुजद्दिद है तो मुझे दिखाओ? क्या तुम अल्लाह और उसके रसूल सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की बात को झुठलाते हो तथा उनकी बात का सत्यापन नहीं करते। क्या तुम सामर्थवान तथा प्रतिफल तथा दंड देने वाले ख़ुदा से नहीं डरते। हे प्यारो! युग प्रत्येक दृष्टि से तथा हर प्रकार से ख़राब हो गया है। और लोगों को प्रत्येक प्रकार के जुर्म तथा गुनाह ने घेर लिया है। बुरे रिवाजों तथा गंदे कामों की अधिकता हो गई है तथा सदव्यवहार और प्रशंसनीय विशेषताएँ कम हो गईं हैं। सच्चाई अनमोल रत्न के समान दुर्लभ हो गई है। और शिष्टाचार के साथ उपदेश करना सबसे कठिन आचरण हो गया है। दूसरों की ग़लतियों की खोज, विशेषताओं तथा नेकियों को छुपाना, उपकारों को भुला देना, मित्रता को तोड़ देना तथा माता-पिता की अवज्ञा को लोगों ने आदत बना लिया है। दिल सच्ची दोस्ती की बजाए युद्ध की ओर आकर्षित हैं। उन्होंने मोहब्बत तथा भाईचारे के वचन को तोड़ा तथा वह चीज़ अपनाई जो संयम तथा परहेज़गारी के स्वभाव के विरुद्ध है। वे

المحبة و المؤاخاة، و اختاروا ما يباين الورع وسِيَرَ التقاة۔ يتمايلون على النساء مِكْلافين، ولا يحبّون الله أحسن المحبوبين۔ كلِفوا بجَوارٍ زانيات، وأُولعوا بأغانى ومغنّيات۔ وترى المساجد خاليةً من ذاكرين وذاكرات۔ وطلبوا فى وجوه الغلمان لذّةً وسرورًا، وتركوا ربّنا مهجورًا۔ يتكلّفون الكُلَفَ للدنيا الدنيّة وأمورِ الرياء، ويُسنِّي لهم بذلُ الاموال قَصْدَ الاهواء. وتجد كثيرا منهم ضاقت صدورهم و كثر كبرهم و غرورهم. يضربون نساءهم و حَفَدتَهم على أدنى ذنب من التمليح والإمراخ، و كادوا أن يشدِّخوهم على أن لم يأتوا عند الطعام بالنُقاخ، وربما يلطمونهم على أن المَباءة ما

स्त्रियों की ओर मित्रता और अथाह प्रेम से आकर्षित होते हैं, और अल्लाह से जो कि सब प्रेमियों से सुन्दर हैं, मोहब्बत नहीं करते। वे व्यभिचारी लड़कियों के आशिक हैं और गानों तथा गाने वालियों पर मर मिटे हैं। तू देखेगा कि मस्जिदें नमाज़ पढ़ने वाले पुरुषों तथा स्त्रियों से ख़ाली हैं। वे किशोर लड़कों के चेहरों में आनन्द खोजते हैं। और हमारे रब को उन्होंने त्याग दिया है। वे इस तुच्छ संसार तथा दिखावे के कामों के लिए कठिनाइयाँ सहन करते हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति ने धन खर्च करना उनके लिए आसान कर दिया है। तू उनमें से बहुतों हो पाएगा कि उनके दिल तंग हो गए हैं और उनका अहंकार बढ़ गया है वह अपनी पत्नियों तथा सेवकों को नमक अधिक होने तथा आटे के पतले होने जैसे मामूली कसूरों पर मारते हैं। संभव है कि वे उनके सिर फोड़ दें केवल इस बात पर कि वह खाने के समय ठंडा पानी क्यों नहीं लाए। और कई बार उन्हें केवल इस बात पर थप्पड़ मारते हैं कि (उनके) सोने के स्थान पर झाड़ू नहीं दिया गया या कालीन नहीं बिछाए गए या तकिये क्रमबद्ध नहीं रखे गए। वे त्यौरी चढ़ाए हुए होते हैं मुंह बसूरे हुए दांत पीसते हैं और ऐसे

كُسِحَتْ، أو الزرابيَّ ما بُثِّثتْ، أو النمارقَ ما صُفِفتْ. و يكلَحون و يعبِسون و يصلُقون، و يصرخون كأنهم يموتون. و يرفعون الاصوات و من الغضب يرتعدون. و يَدُعّون المساكين و كالكلاب يُخسِئون، و إذا اضطرّوا إليهم لغرض فيخلبون و لا يُخلصون. و إنْ بَطُؤَ خادم في مجيئه فيضربون حتى يقرُب الحَينَ، و يعاقبون بأنّى و أينَ. و يأكلون الخدّامَ إن لم يُحضِروا الطعام على أوقاته، و يمتحنون اللحم و يُجنِّبون على إيهاتِه. و يُبْذِئُون خادمًا عاقلا إنْ كان لا يتعوّد الظلم و الجورَ، و يبسَأون بظالم و إن كان يشابه الثورَ. يظلمون أرامل و إن كنّ قريبًا منهم و من جيرانهم، أو قريبةً و من بنات

चिल्लाते हैं जैसे कि वे मरने वाले हैं। वे आवाज़ें बुलंद करते हैं तथा गुस्से से कांपने लगते हैं। वे ग़रीबों को धक्के देते हैं और उन्हें कुत्तों के समान धुत्कारते हैं। और जब वे किसी उद्देश्य के लिए इन (ग़रीबों) के मोहताज हो जाएँ तो धोखे से काम लेते हैं परन्तु शिष्टाचार नहीं रखते, और यदि सेवक आने में देर कर दे तो वह उसे मारते हैं यहाँ तक कि वह मौत के निकट पहुंच जाता है। और उन्हें सज़ा देते हैं कि तुम कहाँ थे किधर थे। वे नौकरों को काट खाते हैं यदि वे समय पर खाना हाज़िर न करें। वे गोश्त की जाँच करते हैं तथा (तनिक) बू आने पर पसलियाँ तोड़ देते हैं। बुद्धिमान सेवक यदि अत्याचार तथा ज़ोर-ज़बरदस्ती का आदि न हो तो उसे गालियां बकते हैं। और अत्याचारियों से मुहब्बत रखते हैं बेशक वह बैल के समान हो। वे विधवाओं पर अत्याचार करते हैं बेशक वे उनके करीबी अथवा पड़ोसी हों चाहे उनके संबंधी या उनके भाईयों की बेटियों में से हों। और यदि उनमें से किसी का एक या दो भाई भूखे हों तो उनको भाइयों के समान एक निवाला भी नहीं देता चाहे वह यह देख रहा हो कि वह दोनों मौत के निकट हैं। और भूख ने उन्हें सांप के समान डस लिया

إخوانـهم. و إن كان لاحـد منـهم أخ أو أخـانِ جائعَـين، فـلا يُلقِمهمـا لقمـةً كالإخـوان- و إنْ يَّـرىٰ أنهمـا قريـب مـن المـوت و لدَغهمـا الجـوع كالثعبـان- و إنْ جـاء ت عاهـرة فيبتـدر فَتْـحَ البـاب، و يتلـقّاها بالتَـرحاب- و مـا كان لجار أن يحلّ ذَراه و يتلمّـظ بقِراه، و إن قطّعـه الجـوع بمُـداه- يتجشّـم لاجـل الاكابـر أُكُلًا، و يُهيـاء لـهم كلّ مـا يـؤكل ولا يراهـم عـلى نفسـه كَلاًّ بـل يجمـع لـهم مـن جميـع الالـوان مـآكلَ، و إن هاضـت الآكلَ- و يسـوم التكليـفَ فى سـبل الريـاء- ولا يعطـى السـائلَ مـا حضـر مـن العَشـاء. ولا ينظـر بخُلـقٍ سَـبُطٍ إلى ذى مجاعـة، و يسـبّ السـائلَ و يضـرب إن وقـف إلى سـاعة، و لا يـرى أن السـائل جـاء ه فى ليـل

है। और यदि कोई व्यभिचारी स्त्री आ जाए तो दरवाज़ा खोलने के लिए लपकता है तथा स्वागत करते हुए उसे मिलता है परन्तु किसी पड़ोसी का इतना साहस नहीं कि उसके आँगन में उतरे तथा उसकी मेहमान नवाज़ी से आनन्दमय हो चाहे भूख उसे छुरियों के समान काट रही हो। वह बड़े लोगों के खाने के लिए विशेष प्रबंध करता है तथा उनके लिए प्रत्येक प्रकार का खाना मंगवाता है, और उन्हें अपने आप पर बोझ नहीं समझता अपितु उनके लिए भिन्न-भिन्न प्रकार के खाने तैयार करता है चाहे खाने वाले को हैज़ा ही हो जाए। दिखावे के मार्गों में कठिनाई सहन करता है। और रात के खाने में से जो मौजूद हो मांगने वाले को नहीं देता। और भूखे की ओर प्रसन्नतापूर्वक नहीं देखता। वह मांगने वाले को गलियां देता तथा मारता है, यदि वह एक क्षण भी खड़ा रहे। वह यह नहीं देखता कि मांगने वाला उसके पास अँधेरी रात में आया है तथा उसको जो कठिनाई उठा कर उसके पास आया है और उसे ऐसा मेहमान नवाज़ समझता है जो ख़ुदाए लतीफ (छोटी से छोटी बातों का जानने वाला) से डर कर उसे रोटी दे देगा। अत: वह उसे अपने घर से धक्के देता है और यह ज्ञान

دَجی، وقصده علی ما به من الوَجیٰ، وظنَّه مضیفًا یعطی رغیفًا، ویخاف ربًّا لطیفًا۔ فیدُعّه مِن بیته ولا یرحمه مع علمه علی عدم مَوئل، و إن کان ما ذاق مُذ یومین طَعْمَ مأکل، وما یفکّر فی أن الغریب أین یذهب فی ظلام مُسبِل، وما یفعل عند تألّمٍ وتمَلمَل۔فالحاصل أن المواساة قد قلّتْ، ومصائب الضعفاء جلّتْ، و نسی المودّةَ و صِلةَ الرحم کلُّ مَن کان فی المشارق والمغارب، وصارت الاقارب کالعقارب، ولاجل ذالك یترك مَن ساقه السَغَبُ الاهلَ والدار، ویذهب أین یُذهبِه الفقر و یدور کیف أدارَ، و یفصل عن القُربی

रखने के बावजूद कि उसका कोई ठिकाना नहीं, उस पर दया नहीं करता चाहे उसने दो दिन से खाने का स्वाद न चखा हो, और यह भी नहीं सोचता कि यह ग़रीब बेचारा काली अँधेरी रात में कहाँ जाएगा और दर्द तथा तड़प की अवस्था में क्या करेगा। सारांश यह कि सहानुभूति कम हो गई है तथा कमज़ोरों की मुसीबतें बढ़ गईं हैं पूर्व और पश्चिम में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने मित्रता और सहानुभूति को भुला दिया है। और रिश्तेदार बिच्छुओं के समान हो गए हैं। इसलिए वह व्यक्ति जिसे भूख दौड़ाए फिरती है, वह अपना घर-बार छोड़ देता है तथा जिस ओर भूख उसे ले जाए उसी ओर चला जाता है। और (ग़रीबी उसे) जैसे घुमाए उसी प्रकार घूमता है तथा टूटे हुए दिल और बहते हुए आंसुओं के साथ अपने प्यारों से जुदा हो जाता है। यहाँ तक कि यह भी मालूम नहीं होता कि वह जीवित है, ताकि उसके (लौटने की) प्रतीक्षा की जाए, हालाँकि वह किसी वह परदेस में यह कहते हुए चिल्ला रहा है कि कहाँ हो हे मेरी पत्नी! और हे मेरे पुत्र! मुझे तुम्हारी जुदाई ने मार दिया है परन्तु मैं खाली हाथ तुम्हारे पास कैसे आऊं। और कहता है हाय मेरा देश! और उसका दिल तंग हो रहा होता है। और (लज्जा से) बोलता ही नहीं। और उसका कोई

بكبد مرضوضة۔ ودموعٍ مفضوضة، حتى لا يُعرَف أحَيٌّ فيُتَوقَّعَ، أم أُودِعَ اللحدَ البَلْقَعَ، ويصرخ فى الغربة قائلا أين أنت يا زوجى يا ولدى۔ وإنّى أهلكنى الهَجْر ولكن كيف أصِل إليكم بصفر يدى۔ ويقول يَا أَسَفٰى علىٰ وطنى ويضجر قلبه وهو يُخرِد، ولا يكون له أحد أن يرقُش حكايتَه على ما يسرُد، ثم يسعى بخبره إلى وطنه كما يسعى الاجرَد. ولا يستبطنه أحد عن مَرّتاه ولا يُعِينه فى استضمام زوجه وفتاه، ولا يُعطى له نصابٌ من المال۔ ليكفل زوجَه وابنه فى الحال. وقد تكون له بنت جاوزت الإعصارَ، وهى كعانسٍ فى بيته

भी ऐसा नहीं जो कि उसकी वर्णन की हुई सच्चाई को लिखे, फिर तेज़ रफ़्तार घोड़े के समान उसकी ख़बर उसके देश की ओर ले दौड़े। और उसके छुपे हुए दिल के हाल कोई नहीं पूछता। और कोई उसको बीवी बच्चों से मिलाने में उसकी सहायता नहीं करता तथा न ही उसे आवश्यकता अनुसार धन मिलता है ताकि वह तुरंत अपनी बीवी बच्चों का पालन पोषण कर सके। कभी-कभी उसकी बेटी होती है जो युवावस्था की आयु से बढ़ चुकी होती है और वह उस औरत के समान होती है जिसकी जवानी की आयु उसके माता-पिता के घर में ही गुज़र चुकी हो। और निकट है कि वह कुँवारियों के समान न रहे। अत: ऐसा व्यक्ति इन्हीं चिंताओं का शिकार हो जाता है और मौत का समय आने से पहले ही मर जाता है। मीठा पानी भी उसके गले में कड़वा हो जाता है। और उस पर अज़ाब आ जाता है, अत: वह परेशान अवस्था में चलता है मानो वह पागल है। वह क़र्ज़ मांगता है परन्तु लोग उसे धन का एक भाग भी नहीं देते चाहे वह उन्हें उसको लिखित रूप से भी दे। और वह विभिन्न उपाय अपनाता है परन्तु जीवित रहने योग्य अन्न भी नहीं पाता, मानो वह अकाल ग्रस्त वाले क्षेत्र में चला गया है तथा वह किसी गिरोह से शिष्टाचार नहीं पाता चाहे

و كادت أن لا تجانس الإبكارَ۔ فيكون هذا الرجل صيدًا لهذه الإفكار، ويموت قبل وقت الاحتضار، و يُمِرُّ فى حلقه ماءَ عذب و يتقضّى عليه عذاب۔ فيمشى مبهوتا كأنه مصاب. ويستدين فلا يُعطُون من المال قسطًا، و إنْ يكتُب لهم به قِطًّا. ويستَقْرى الحيلَ ولا يجد أقواتًا، كأنه ورَد أرضًا قاطًّا. ولا يرى من حزبٍ الصُنّعَ و إنْ يستنفذ فى ثنائهم الوُسعَ، ولا يشاهد الطَول، ولو أطال القول، ولا يجد منهم دواء الطَوَى، و إن نشَر من وَشْيِ سَمُرِه أو طَوَى. و كذالك يمتدّ ليله المُبير، ولا يجشُر الصبح المنير۔ و تبسُط عليه ليلُه جناحًا لا تغيب شوائبها، ولا تشيب ذوائبها۔ هذا حاله و أخوه المترَف يطمُر

वह उनकी प्रशंसा में समस्त शक्ति व्यय कर दे। और दया नहीं देखता चाहे बात कितनी ही लम्बी कर दे। वह उनसे भूख की दावा नहीं पाता चाहे वह अपने अफ़सानों की रंगीनी को छोटा अथवा बड़ा करे। इसी प्रकार उसको मार देने वाली रात लम्बी हो जाती है तथा प्रकाशित सुबह उदय नहीं होती। और उस पर वह रात अपनी छाया फैला देती है जिसकी अशुद्धताएं समाप्त नहीं होती और काली ज़ुल्फें सफ़ेद नहीं होती। यह उसकी अवस्था है जबकि ऐश्वर्य में पला उसका भाई हिरन के समान छालांगें मार रहा है तथा सूर्य उदय होने तक सोता रहता है। उसका हाथ दान करने के लिए नहीं उठता और न उसकी कमर नमाज़ के लिए झुकती है और अपनी उद्दंडता में रेल के समान दौड़ता है तथा अपनी मूर्खता को अपने अहंकार के वस्त्रों से अपने आप को ढांपता है। उसको यह ज्ञान भी नहीं कि देश और बेटे से मिलने के शौक़ की अधिकता के समय हृदय किस प्रकार टुकड़े-टुकड़े हो जाते हैं। वह दौलत अपनी थैली में एकत्रित करता रहता है तथा उसी से उसका सुन्दर चेहरा चमकने लगता है और इस प्रकार उसकी सफ़लता परीक्षा के रूप में मिल जाती है तथा उसके

طمورَ الغزالة، وينوم إلى طلوع الغَزالة۔ لا تُرفَع يده للصِّلات، ولا يجنَح صُلبُه للصَّلٰوة. يسعى كالبابورة فى غُلَوائه، ويستُر جهلاتِه بثوب خيلائه. لا يعلم كيف تستطير صدوعُ الكبد عند غلبة الحنين إلى الوطن والولد۔ يُحرِز العينَ فى صُرّته، وبها يبرق أساريرُ مسرّته. و كذالك يُسنَّى ابتلائً نجاحُه ويُبسَط جناحُه، فيعمَّى عليه طريقُ الاهتداء، ويجرّه شِقوته إلى العَماية والعَمياء، ويظن أن دولته مِن علمه ودهائه لا من قسّامِ آلائه ونعمائه، ويمدح عقلَه ويقول إنى به حُزتُ ما اشتهيتُ، وما حوى إخوانى ما حويتُ، وإنى ما آمنتُ بالرسل وتعافيتُ، فلِم ما عُذّبتُ إنْ أجرمت أو جنيت ومن الجرائم التى كثرت فى

बाज़ू फैला दिए जाते हैं। (अर्थात उसको धन-संपत्ति प्रदान की जाती है- अनुवादक) अत: उस से हिदायत पाने का मार्ग छुपा दिया जाता है तथा उसकी बदबख्ती उसे कुमार्ग तथा गुमराही की ओर ले जाती है वह यह समझता है कि उसकी संपत्ति उसके ज्ञान तथा उसकी चालाकी के कारण है न कि बाह्य तथा आंतरिक नेमतें बाँटने वाले ख़ुदा की ओर से। वह अपनी बुद्धि की प्रशंसा करता है और कहता है कि मैंने जिस वस्तु की इच्छा की उसी के माध्यम से उसे प्राप्त कर लिया, और मेरे भाइयों ने वह (धन) एकत्र नहीं किया जो मैंने कर लिया है और मैं रसूलों पर ईमान भी नहीं लाया अपितु नफ़रत करता हूँ। अत: यदि मैंने गुनाह अथवा जुर्म किया है तो क्यों मुझे दंड नहीं दिया जाता। वे जुर्म जिनकी मुसलमानों में अधिकता है उनमें से एक शैतानों के समान घमंड तथा अभिमान है, अत: जो कोई भी अपने आप को विद्वानों में से समझता है वह अपनी विद्वता को विभिन्न प्रकार के घमंड तथा अहंकार से प्रदर्शित करता है तथा दूसरों का तुच्छ तथा घटिया लोगों के समान वर्णन करता है। यदि कहा जाए कि वे भी विद्वानों में से हैं तो क्रोध से भड़क उठता है तथा दूसरे के वर्णन के समय

المسلمين. كبرٌ ونخوة كالشياطين، فمَن كان يحسب نفسه من العلماء يُرِى مزايا علمه بأنواع الخيلاء، ويذكر الآخرين كالمحقَّرين المزدرين. ويتوغّر غضبًا إذا قيل إنهم من العالِمين، ويشمَخ بأنفه أَنَفًا عند ذكر الغير، ويقول دَعُوا ذِكره فإنه كالحمار أو العَير. ثم يحمد نفسه صَلَفًا كالمستكبرين، ليعتلق به الناس اعتلاقَ العاشقين. ويتقلّب فى أقاليب، ويخبِط فى أساليب، فيدّعى تارة أنه من الادباء، ولا يبلغ شأنَه أحدٌ من البلغاء، ويسأل الاقرانَ كالصبيان عن التراكيب النحوية والصيغة، ويقطع على الناس كلامهم للتخطية، ويبدى ناجذيه على لفظ كالكلاب. ويزعم نفسه

अपनी नाक-भौं चढ़ाता है, और कहता है कि उसके वर्णन को दफ़ा करो वह तो गधे अथवा खच्चर के समान है। फिर घमंडियों के समान हँसते हुए स्वंय अपनी प्रशंसा करता है ताकि लोग उस से प्रेमियों के समान चिमट जाएँ। वह भिन्न-भिन्न प्रकार के सांचों में ढलता है तथा विभिन्न मार्गों में भटकता है कभी दावा करता है कि वह साहित्यकारों में से है तथा वाक्पटु लोगों में से कोई उस की प्रतिष्ठा तक नहीं पहुँच सकता। वह अपने साथियों से बच्चों के समान "**नहव**" (अरबी भाषा की व्याकरण-अनुवादक) की तरकीबें (विभक्तियाँ) तथा सीग़ों के बारे में प्रश्न पूछता है। और ग़लती पकड़ने के लिए लोगों की बात काटता है एक शब्द (के मतभेद) पर कुत्तों के समान अपनी कुचलिया तक निकल लेता है और अपने आप को सच्चाई पर तथा ठीक समझता है। इसी प्रकार कभी यह व्यक्ति यह विचार करता है कि वह चिकित्सकों में से है तथा बीमारी का पता करने और दवा देने में सर्वश्रेष्ठ है। और कई बार फुक्हा के रूप में प्रकट होता है, और कभी इस ओर संकेत करता है कि वह रसायन की विधि प्राप्त करने में सफ़ल हो गया है। फिर जब लेखनी तथा विद्वता के मैदान में आज़माया

على الصحة والصواب. وكذالك يزعم هذا الرجل مرة أنه من الاطبّاء، وفاق الكلّ فى تشخيص الداء وتجويز الدواء. ويبرُز طورًا فى زَيِّ الفقهاء، ويشير حينًا إلى أنه ظفِر بنسخة الكيمياء. ثم إذا فُتن فى موطن فرسان اليَراعة، وأرباب البراعة، فثبت أنه لا يقدر على أن ينقّح الإنشاء، ويتصرّف فيه كيف شاء، بل يظهَر أنه أعجَمُ ويضاهى العَجماءَ، ولا يعلم ما الادب ولا يدرى هذه الطريقةَ الغرّاءَ. ثم إذا عُرِض عليه المرضٰى للمداواة، كما ادّعى فى بعض الاوقات، فما كان أن يفرّق بين السَكْتة والسُبات. وربما يحسب الدِقَّ لَثِقةً، وانطباقَ المَرِيءِ ذُبَحةً، ويسمّى السَبَلَ سُلاقًا، وضِيق النَّفَسِ خُنّاقًا، ويستعمل فى مواضع

जाए तो साबित हो जाता है कि वह यह शक्ति भी नहीं रखता कि ठीक प्रकार से लेखन कर सके और इस में जिस प्रकार चाहे परिवर्तन कर सके, अपितु यह प्रदर्शित होता है कि वह गूंगा हैं तथा जानवरों के समान है तथा नहीं जानता कि साहित्य क्या है और इस प्रकाशमयी तरीक़े से अनजान है। फिर जब उसके समक्ष इलाज के लिए मरीज़ों को प्रस्तुत किया जाए जैसा कि वह कई बार दावा किया करता था तो उसको इतना भी सामर्थ्य नहीं होता कि बेहोशी तथा नींद में अंतर कर सके। कई बार वह क्षयरोग को बलग़मी बुख़ार तथा इन्तेबाके मरी (गले की नाली में सूजन होकर इसका तंग हो जाना) को ज़िबह (सीने की सूजन, सीने का दर्द) समझता है तथा सबल (आँखें दुखने का रोग) को सलाक (पल्कों का झड़ना) और दम्मा को खनाक (एक रोग जिसमें रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है) का नाम देता है। शरीर को गर्मी पहुँचाने के अवसर पर गर्मी समाप्त करने वाले तथा मेदे को ठंडा करने वाली दवाओं का प्रयोग करता है, तथा आदेश देता है के रोगी को बहुत सा सलाद, काफ़ूर, तथा धनिया दिया जाए जौ का पानी उसके लिए सर्वश्रेष्ठ भोजन समझता

التسخين كلَّ ما هو مُطفّى للحرارة، و مبرِّد للمَعِدة، و يأمر بأن يؤتى المريضُ كثيرًا من الخَسِّ و الكافور و الكزبرة، و يحسب له كَشْكَ الشعير أجودَ الأغذيةْ و يأمر أن يتجنّب اللحمَ و الأبازير الحارّة، و لا يقرُب شيئًا من الأشياء المسخّنة، فيكون آخرُ أمر العليل، أن الأورام الباردة تحدث في بدنه من الرأس إلى الإحليل، و في بعض الطبائع تزيد النفخُ أو يهلك المريضُ من شدة السعال، أو تسكُن حركةُ القلب فيموت السقيم في الحال. فبمثل تلك الأطبّاء يكثُر القبورُ و يقلّ رونقُ العمارات، و مَن أطال المكث تحت علاجهم فلا بدّ من الممات. و كم من أعين فَقَؤُوها، و كم من أرجل أعرجوها و كم من صبيان بُدِئُوا

है तथा आदेश देता है कि (रोगी) गोश्त, गर्म मसालों से परहेज़ किया करे और गर्म चीज़ों में से किसी के निकट भी न जाए। अत: रोगी का अंतिम परिणाम यह होता है कि सिर से लेकर गुप्तांग तक उसके शरीर में ठंडी सूजन उत्पन्न हो जाती है। और कुछ रोगियों का पेट अधिक फूल जाता है अथवा खांसी की अधिकता से रोगी मर जाता है अथवा दिल की धड़कन बंद हो जाती है। और रोगी तुरंत मर जाता है। अत: इन जैसे चिकित्सकों के कारण ही कब्रें अधिक होती है तथा आबादियों की रौनक कम हो जाती है। और जो दीर्घ काल तक उनके इलाज में रहा तो उसे मौत से छुटकारा नहीं, कितनी ही आँखें हैं जो उन्होंने फोड़ दीं। और कितनी ही टाँगें हैं जिन्हें उन्होंने लंगड़ा कर दिया। और कितने ही बच्चे हैं जिन्हें चेचक अथवा ख़सरा हुआ तो उन्होंने अपनी ग़लतियों के कारण इन बच्चों को दफ़न किया। और वे इन हकीमों के हाथों अपनी मौत के कारण मुक्ति पा गए। रोगी उन्हें मुर्गन (स्वादिष्ट) भोजन खिलाते हैं बेशक उनके अपने ही खेतों में झाड़ियाँ ही उगी हों। वे उनकी बकरियों तथा गायों में से प्रत्येक दूध देने वाली का इतना दूध पी जाते हैं कि दूध कम हो जाता है तथा थन

فدفنوهم بخطئهم، ونجَوا مِن أيديهم بفَنائهم. يَثْمَؤُهم المرضَى وإنْ يُجبِأُوا الزرعَ. ويشربون لبن كلّ لَبونٍ مِن غنمهم وبقرهم حتى تُبْكَأَ الدَرُّ وتُخْلِي الضَرْعُ. ثم يأتيهم الموت بالحسرات، ويلعنونهم عند فراق الأبناء والبنات. وقد يدّعى هؤلاء الكذّابون بأنهم يجعلون العاقرَ ضانِئًا، والكادِئَ ناميًا زانِئًا، ويؤتون الناسَ بناتٍ وبنين، وإنْ زَنئُوا الثمانين، ويرى الصبيُّ بدوائهم إخوةً بعد ما كان عِجْزةً. وكذالك يقولون إنا نكفَأُ المرضَ من اعتدائه، ونجعل العليل كنخيل بعد انحنائه. ومن أراد أن يمرَأَه الطعامُ ويتقوّى العظام، فليأكلْ معجونَنا الكبيرَ. وسينظر في أسبوع التأثيرَ. وإذا استعمل الناس دواءه

खाली हो जाता है। फिर उन रोगियों को हसरत के साथ मौत आती है। और वे अपने बेटों तथा बेटियों की जुदाई के समय उन पर लानत भेजते हैं। कभी ये झूठे लोग दावा करते हैं कि वह बाँझ औरत को अधिक बच्चा जनने वाली बना देंगे। और बंजर ज़मीन को तेज़ी से फलने-फूलने वाली तथा लहलहाते खेत वाली बना देंगे। वे लोगों को बेटे तथा बेटियां देंगे बेशक वह अस्सी वर्ष के हो गए हों तथा वे कहते हैं कि बच्चा उनकी दवा से मां-बाप की अंतिम सन्तान होते हुए भी और भाइयों को देखेगा। इसी प्रकार वे कहते हैं कि हम रोग को बढ़ने से रोकते हैं तथा रोगी को (कमर के) झुक जाने के पश्चात् भी खजूर के वृक्ष के समान (सीधा) कर देते हैं। और जो यह चाहता है की भोजन उसे हज़म हो जाए तथा हड्डियाँ मज़बूत हों तो चाहिए कि वह हमारी 'माजूने कबीर' (यूनानी दवा) खाए। अत: वे एक सप्ताह में (इसका) प्रभाव देख लेगा और जब लोग उसकी दवाई का प्रयोग करते हैं तो केवल हानि ही देखते हैं अत: वे जान लेते हैं कि उस व्यक्ति ने केवल झूठ बोला है तथा इसके बाद उस पर लानत भेजते हैं इसी प्रकार वे झूठ बोलते हैं तथा उसे बुराई नहीं समझते। और

و مـا رأوا إلّا النقصـان، فعلمـوا أن الرجـل قـد مـانَ، و أَتبَعـوه اللِّعـانَ۔ و كذالـك يـكذبـون ولا يحسـبونه سُـبّةً، وبالدجـل يجعلـون الـكـذب قُبّةً۔ و كذالـك إذا ادّعـى أحـد منـهم أنـه فقيـه ومـن المحدّثـين، فثبـت فى آخــر الإمــر أنــه جاهــل ولا يعلـم الدّيــن۔ ولا يخفــى عالــم وجُهــول، ولا صحيــح ومسـلول۔ وإنّى فى هــذه صاحــبُ التجربــة، وانتقدتُــهم فوجدتُــهم كالمَيتة۔ إنـهم تفـرّدوا فى الدَّقاريـر، وأغَـدُّوا كالبعــير۔ يأكلـون حـتى ينقلـب عليــهم المعــدةُ و ينفُضــوا عــلى الفـراش، و بعُـدوا عـن الحـق وطلبـه فليسـوا اليـوم كالشـمع ولا كالفَـراش۔ تركـوا الملّة وما قـاله النبيُّ الصبيحُ، وسـقطوا كأَذِبّـةٍ تسـقط عـلى جـرحٍ يقيـحُ۔ و إذا غـاب عنـهم قَذَرُهــم فضاقـوا لهـا ذَرَعًـا، ومـا ملكـوا صـبرا ولا ورَعًـا۔ والله إنـهم قـد أطاعـوا النفـس

छल कपट से झूठ का गुंबद बनाते हैं। इसी प्रकार जब उनमें से कोई दावा करता है कि वह फ़क़ीह (शास्त्री) तथा मुहद्दिसों में से है तो अंतत: यही साबित होता है कि वह मूर्ख है तथा धर्म का ज्ञान नहीं रखता। विद्वान तथा मूर्ख, स्वस्थ तथा सिल (टी०बी०) का रोगी छुपे हुए नहीं रह सकते। और मैं इस में अनुभवी हूँ, मैंने उन्हें आज़माया तथा उन्हें मुर्दे के समान पाया। वे बुरे झूठों में अकेले हैं तथा ऊंट के समान (उनके शरीर पर) प्लेग के फोड़े हैं वह इतना खाते हैं कि मेदा उन पर उलट जाता है तथा ज़मीन पर ही उलटी कर देते हैं। वह सच्चाई तथा इसको पाने की इच्छा से दूर हो गए हैं अत: आज वे न तो शमा के समान हैं तथा न परवाने के समान। उन्होंने (इस्लामी) क़ौम तथा अतिसुन्दर नबी करीम सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के आदेश का इंकार कर दिया, और इस प्रकार गिरे जैसे मक्खियाँ पीप वाले ज़ख्म पर गिरती हैं और जब उनसे उनकी गंदगी दूर हो जाती है तो उसके लिए उनके दिल तंग हो जाते हैं, न उनके पास सब्र है तथा न संयम। अल्लाह की क़सम! उन्होंने तामसिक इच्छाओं तथा उसके वर्चस्व

وسلطانَها۔و تعوّدوا الشهواتِ و شيطانَها. يدورون على أبواب أهل الثروة واليسار، و الجِدة و العَقار۔ و كم منهم مالوا من صلٰوة الصبح إلى الصَبوح، ومن العِشاء إلى الغَبوق فى الصُروح، واشتغلوا من شرح★ "الوقاية" و "الهداية" إلى العواهر و البغايا، و إلى الرحيق مع التغذى بالقلايا من الجدايا، و مالوا إلى السماع من المحسِنات الحُذّاق، و الموصوفات فى الآفاق؛

का पालन किया। और कामवासनाओं तथा उनके शैतान की आदतें अपना लीं। वे दौलतमंदों, धनवानों, ख़ुश नसीबों, तथा जमींदारों के दरवाज़ों के चक्कर लगाते हैं तथा कितने ही उनमें से ऐसे हैं जो सुबह की नमाज़ के बजाए सुबह की शराब तथा नमाज़े इशा की बजाए सुराहियों में मौजूद शाम की शराब की ओर आकर्षित हो गए हैं तथा "शरहुल वकाया"★ और "हिदाया" पढ़ने की बजाए दुराचारी तथा व्यभिचारी स्त्रियों की ओर तथा उच्च कोटि की शराब के

★ كان فى ديارنا رجل من الواعظين و كان الناس يحسبونه من الصالحين الموحدين فاتفق ان رجلا دخل عليه مفاجئًا كالزائرين فوجده يشرب بالخمر مع ندماء من الفاسقين فقال يا لعين، عَملُك هذا و قولك ذالك فأجاب و أرى العُجابَ قال أَرُونى عالمًا لا يشرب الخمر أو يتجنّب الزنا و الزَّمْرَ و كذالك كان عالمٌ آخر قريبا من قريتى و كان ينكر برُتَبتى فشرب الخمر فى مجلسِ كافرٍ يهوى الإسلام فلعَنه الكافر و لامَ و قال إنْ كان هؤلاء هم أئمّة الإسلام فكُفْرى خير لدنياى مِن أن أَلحَق بهذه اللئام۔منه۔

★ हमारे देश में उपदेशकों में से एक व्यक्ति था। लोग उसे नेकों तथा एकेश्वरवादियों में से समझते थे। अत: संयोग यह हुआ कि एक व्यक्ति ज़ियारत करने वालों के समान अचानक उसके पास चला गया तो उसे अपने झूठे साथियों के साथ शराब पीते पाया तो उस व्यक्ति ने कहा हे लानती! यह तेरी करनी है तथा तेरा कथन वह? तो उसने ऐसा उत्तर दिया कि आश्चर्य में डाल दिया। उसने कहा कि मुझे कोई एक ऐसा विद्वान दिखाओ जो शराब न पीता हो अथवा व्यभिचार तथा संगीत से बचता हो। इसी प्रकार मेरे गाँव के निकट एक और विद्वान था वह मेरे रुतबे का इंकार किया करता था। अत: उसने एक काफ़िर की सभा में शराब पी जो इस्लाम से निकटता रखता था। तो काफ़िर ने उसे बुरा भला कहा तथा कहा कि यदि इस्लाम के विद्वान ऐसे लोग ही हैं तो मेरा कुफ़्र मेरी दुनिया के लिए बेहतर है बजाए इसके कि मैं इन कमीनों में सम्मिलित हो जाऊं। इसी से।

وإذا قلّ البَعاعُ، وخفّ المتاع، وفرّ الرَّعاعُ وفرَغ الجِرابُ، وغُلِّق الابوابُ، نهضوا للوعظ والنصيحة مع حِبالة مِن أشعار الصوفية، لتعود إليهم أيام الثروة والجِدَة. وتراهم في مجالس الوعظ يتصرّخون ويُرغُون كبعير أَغَدَّ، وفي القلب يذكرون الجَدَّ، والدموعُ قرَّحتِ الخدّ. فالعامة يزعمون أنهم يبكون مخافة يوم المكافات، كما هو مِن سِيَرِ أهل التقاة، مع أنهم لا يبكون إلّا بفراق الصهباء. والغِيدِ من الندماء، وبما قَلَّ المِراح، وكانت كالرؤيا الرائحُ، فهيّج لهم البكائَ ما عندهم من الوحشة لفقدِ أسباب العيشة، وبما فقدوا رُفْقة أيام الرَخاء، ونُدماء حلقة الصهباء. ومع ذالك

साथ बकरों के कबाब खाने की ओर व्यस्त हो गए हैं। वे सुन्दर, माहिर कलाकारों तथा दुनिया भर में मशहूर स्त्रियों से नग़में सुनने की ओर आकर्षित हो गए। और जब सामान कम हो गया तथा संपत्ति समाप्त होने लगी और तुच्छ साथी भाग गए और जेब ख़ाली हो गई और (उन पर) दरवाज़े बंद कर दिए गए तो सूफ़ियों की कविताओं का फंदा लिए उपदेश के लिये उठ खड़े हुए ताकि धन-दौलत के दिन दोबारा उन पर लौट आएं। तू उन्हें देखेगा कि उपदेश की सभाओं में प्लेग हुए ऊंट के समान चिल्लाते तथा बिलबिलाते हैं यद्यपि दिल में अपने आराम के दिनों को याद कर रहे होते हैं, और आंसू गालों को ज़ख्मी कर रहे होते हैं, अत: जनसाधारण यह समझ रहे होते हैं कि वह प्रतिफल तथा दंड के दिन के भय से रो रहे हैं जैसा कि यह संयमियों की आदत है। बावजूद यह कि वह केवल शराब तथा हमप्याला नाज़ुक बदन औरतों की जुदाई से रो रहे होते हैं और इस कारण से कि प्रसन्नता कम हो गई है तथा शराब एक स्वप्न के समान हो गई है और जीवनयापन के साधनों की कमी के कारण जो उन पर भय छाया है वह उन्हें रोने पर विवश करता है और इसी प्रकार उन्होंने अच्छे दिनों के दोस्त तथा शराब खाने के साथी भी

يحسبون أنفسهم كالبدر۔و يحبّون أن يُقعَدوا من المجلس فی الصدر، ويسمّون أنفسهم مولويّين، أو فقهاء ومحدِّثين، ومن لم ينادِهم بهذه الاسماء فيغضبون عليه سابّين، مع أنه لم يبق لهم طبع عربی ولا ذوق أدبی. و إنّی دعوتهم مرارًا، وجرّبتهم أطوارًا۔و عرضتُ عليهم كلامی، وأريتُهم غُرَری وحُسَنَ نظامی۔ و قلت هذه آية صدقی وحجّتی وحُسامی، فأْتوا مِن مثله إن كنتم تنكرون بمقامی. ففرّوا فرارَ الحَيَوات من أسلحة الكُماة وتعوّدوا كالنساء اكتحال العين، والطيبَ والمُشُط والحِيَلَ لجمع العَين. وبعضهم يرغبون فی الضَّفْر والإجمار كالنسوة ويدهّنون خُصَلتهم و يعطفون كلّ وقت

खो दिए हैं। इसके बावजूद वह अपने आप को चौदहवीं के चांद जैसा समझते हैं तथा पसंद करते हैं कि वे सभा में सभापति हों। वे अपने आप को मौलवी अथवा फुक्हा तथा मुहद्दसों का नाम देते हैं और जो उन्हें इन नामों से न पुकारे तो उसे गालियां देते हुए उस पर क्रोधित हो जाते हैं, इसके बावजूद कि न तो वे स्वाभाविक रूप से अरबी हैं तथा न उनमें साहित्यिक रूचि है। मैंने उन्हें बार-बार बुलाया तथा उनका प्रत्येक प्रकार से अनुभव किया है। और मैंने उनके समक्ष अपना कलाम प्रस्तुत किया तथा उन्हें अपना उच्च कलाम तथा सुन्दर निज़ाम दिखाया और कहा कि यह मेरी सच्चाई की दलील और मेरा तर्क तथा मेरी तलवार है। यदि तुम मेरे स्थान का इंकार करते हो तो इस जैसा उदाहरण लाओ। तो वे ऐसे भागे जैसे सांप बहादुरों के औज़ारों से भागता है। उन्होंने औरतों के समान आँखों में सुरमा लगाने, खुशबू लगाने, कंघी करने तथा सोना-चांदी एकत्र करने के उपायों को आदत बना लिया है। उनमें से कुछ औरतों के समान बालों की चोटियाँ बनाने तथा जूड़ा बनाने की ओर आकर्षित हैं और अपनी ज़ुल्फों को तेल लगाते हैं। और अपनी समेटी हुई ज़ुल्फों को हर समय बल दिए रहते हैं तथा ज्ञान की सभाओं से भगोड़े ग़ुलाम

شعورَ الجَميرة۔ ويفرّون فرارَ الآبق من مجالس العلم، ومع ذالك لا ترى فيهم أثرا من الحلم. وإذا دخل مسجدهم أحدٌ من الغرباء وكان يخضب أشعاره مثلاً ويسوّدها بشيء من الاشياء۔ فصالوا عليه كالكلاب، أو ككُفّارِ غَزاةِ الاحزاب۔ وناشُوه كالسباع، اللّٰهم إلّا أن يُهدِّ إليهم شيئًا من المتاع، أو يمدَّ الباعَ بحذاء الباع۔ إنّهم قوم يأكلون الضعفاء باللسان، ويفرّون من الاقوياء كالجبان، وإذا اجُرَمَزَّ أحدٌ ليَبَاعَ وأرى الكنائنَ والسهام والباعَ، فنفَروا ولا كنفور الحُمر، وغلَب من صِيلَ عليه على الزُّمَر فحاصل البيان أنهم يُهرَعون إلى الغرباء كالطوفان، ولا يهتال صِلُّهم إلا بمشاهدة الثعبان، ولا

के समान भागते हैं। इसके अतिरिक्त तू उनमें विनम्रता का निशान तक नहीं पाएगा। और जब उनकी मस्जिद में कोई अजनबी आ जाए जो उदाहरण स्वरूप अपने बालों को खिज़ाब (रंगाई) लगाता हो तथा किसी चीज़ से काला करता हो तो वे उस पर कुत्तों के समान झपट पड़ते हैं या ऐसे जैसे कुफ़्फ़ार अहज़ाब के युद्ध में (हमलावर हुए थे) और उसे जानवरों के समान नोचते हैं। या ख़ुदा! यह ऐसा केवल इसलिए करते हैं कि उन्हें कोई चीज़ उपहार के रूप में मिले या हाथ के मुक़ाबले में हाथ बढ़ाया जाए। यह वह क़ौम हैं जो कमज़ोरों को ज़बान से खाते हैं और शक्तिशालियों से कायरों के समान भागते हैं। और जब कोई उनसे दो-दो हाथ करने के लिए अपने आप को इकट्ठा कर लेता है तथा तरकश, तीर तथा हाथ दिखाता है तो गधों के भागने से भी अधिक तेज़ी से भाग जाते हैं। और वह व्यक्ति जिस पर आक्रमण किया गया हो वह गिरोहों पर विजय प्राप्त कर जाता है। आशय यह कि वह कमज़ोरों की ओर तूफ़ान के समान चढ़ दौड़ते हैं तथा उनका सपोलिया केवल अज़दहे को देख कर ही भयभीत होता है और वे केवल रोटी तथा सीख कबाब के लिए ही आवभगत से पेश आते हैं। वे गली-सड़ी हड्डियों की प्रशंसा करते हैं तथा

يُـدارَون إلا برغيـف أو صفيـف. يعظّمـون العِظـامَ الرُفـاتَ، ويكفُـرون بـالذى بُعِـث وأحيـا الامـوات. ألا يعلمـون أن الوقـت وقـت نصـرِ الدّيـن ودفـعِ اللئـام، وقـد دنَفـتْ شـمس الإسـلام. بـل عـادَوا الحـقّ لحـبِّ الاقـارب والـلذّات، وآثـروا هـذه الدنيـا ومـا انعقـدت مـن المـودّات. يبْغـون عـرَضَ هـذه الدنيـا وخطارتها. ويحبّـون أن ينالـوا خُشـارتَها. فالاسـف كل الاسـف أنـهم بقـوا بعـد مـوت الاكابـر كالجِلْـف، ولا خَلَـفَ بعـد السَـلَف. يدّعـون أنـهم فاقـوا الـكل فى الفقـه والحديـث والادب. ونسـلوا مـن كل أنـواع الحَـدَب، وليـس لـهم خـبر مـن حقائـق الديـن، ولا نظـر فى حدائـق الشـرع المتـين، ومـا أُعطـىَ لـهم قـدرةٌ

उस मामूर का इंकार करते हैं जो अवतरित किया गया और उसने मुर्दों को जीवित किया है। क्या वे नहीं जानते कि यह समय धर्म की सहायता तथा कमीनों को समाप्त करने का समय है तथा इस्लाम का सूर्य अस्त होने को है। अपितु उन्होंने निकट संबंधियों की मुहब्बत तथा आनन्दों के लिए सच्च से शत्रुता की। उन्होंने इस संसार और अपने प्रेम सम्बन्धों को प्राथमिकता दी। वह इस संसार तथा इसका उच्च स्थान प्राप्त करना चाहते हैं। वह पसंद करते हैं कि इस (संसार) के दस्तरख्वान पर बचा कुचा खाना प्राप्त कर लें। अत: खेद, बहुत खेद! कि अकाबरीन की मौत के बाद वे मूर्खों के समान बाक़ी रह गए। और असलाफ के पश्चात् कोई उतराधिकारी नहीं हुआ। वे दावा करते हैं कि वे फिक:, हदीस तथा साहित्य में सब पर प्राथमिकता ले गए हैं तथा प्रत्येक प्रकार की बुलंदी से दौड़े आ रहे हैं। जबकि धर्म की वास्तविकता की उन्हें कुछ ख़बर ही नहीं है। और इस्लामी शरीअत के आदेशों पर कोई ध्यान भी नहीं। और न उन्हें शक्ति दी गई है कि वह रौशन इबारत लिख सकें। और न यह सामर्थ्य कि अछूती पुस्तक का अनावरण कर सके। मैं उनमें से एक भी ऐसा नहीं पाता जो लेखन में मेरा सामना कर सके तथा सरस एवं सुबोध

على أن يكتبوا عبارةً غرّاء، و لا قوّةٌ ليفترعوا رسالةً عذراء۔ وما أجد أحدا منهم يعارضني في الإملاء، ويبارزني في تنقيح الإنشاء۔ وقد قلتُ لهم مرارًا إنني أنا المُفْلِق الوحيد من كُتّاب هذه الاوان، والمنفرد بعلمِ معارف القرآن، ولي غلبة

वाक्य गठन में मेरा मुक़ाबला कर सके। और मैंने उन्हें बार-बार कहा है कि मैं इस युग के साहित्यकारों में अकेला माहिर हूँ, और क़ुरआन के रहस्यों के ज्ञान में अकेला हूँ, और मुझे अव्वलीन तथा आख़रीन (अर्थात पहले और बाद में आने वाले-अनुवादक) सब पर ग़लबा प्राप्त है। बेशक सोहबान वाईल (प्रसिद्ध सरस एवं सुबोध वक्ता) ही मुझसे मुक़ाबला करना चाहता हो।★ अत:

★ كلّما قلتُ من كمال بلاغتي في البيان فهو بعد كتاب الله القرآن وإنه معجزة جليل الشأن عظيم اللمعان قويّ البرهان وإنه فاق الكلَّ ببيان لطيف ومعنى شريف، والتزامِ البروقين في جميع مواضعه كبرقٍ وَلِيفٍ شاجرَ الناسُ فيه فما أرَوا كمثله مِن شجرة له حلاوة وعليه طلاوة، ولا يبلُغ وَهْفَه نبتٌ ولو كمُل في اهتزاز وخضرة والذي يطلب لمعانَه مِن كلام غيره من الكائنات فليس هو إلا كرجل يريد أن يَلفُوَ اللحمَ من العظام المقبورة الرُفاتِ فالحق والحق أقول إنه

★ **हाशिया**- जो कुछ मैंने अपने लेखों में अपनी सरलता और सुबोधता की पूर्णता के बारे में दावा किया है तो वह अल्लाह तआला की पुस्तक क़ुरआन मजीद के बाद है। निस्संदेह वह तो प्रतिष्ठावान, महान प्रकाशमय और ज़बरदस्त तर्क वाला चमत्कार है। और वह वर्णन में सरस एवं सुबोध तथा अर्थों में महान, और बार-बार चमकने वाली बिजली के समान प्रत्येक स्थान पर दो प्रकाशों (अर्थात वर्णन की सुबोधता तथा आध्यात्म ज्ञान के लेखन) के लिखने में सब पर प्राथमिकता ले गया है। लोगों ने इसमें मतभेद तो किया परन्तु इस जैसा कोई सुन्दर वृक्ष न दिखा सके जिसकी ऐसी मिठास तथा लावण्य हो। कोई उत्पत्ति इसकी हरियाली तथा रस को नहीं पहुँच सकती। बेशक वह ताज़गी तथा हरियाली में पूर्णता तक पहुंची हुई हो। जो व्यक्ति इस ब्रह्मांड में उसके अतिरिक्त किसी दूसरे कलाम से वही प्रकाश मांगता है तो वह ऐसे व्यक्ति के समान है जो क़ब्रों में दबी हुई चूर-चूर हड्डियों से गोश्त प्राप्त करना चाहता है। अत: सच्चाई

عـلى الاٰواخـر والاٰوائـل، ولـو جـاء نى سَـحْبانُ وائـل كالسـائل۔ ★
فـإذا طلبـتُ منـهم مبـارِزًا فى هـذا الميـدان، فمـا بـارَزنى أحـدو

जब मैंने उनमें से इस मैदान में मुक़ाबला करने वाला बुलाया तो कोई भी मेरे मुक़ाबले के लिए न आया। और वे स्त्रियों के समान छुप गए। उनका साहस न था कि अपनी जवांमर्दी दिखाते या अपने थैले में से अच्छी या

لا يوجـد كتـاب بـين الدفّتَـين كمثـل كتـاب ربّنـا ربّ الكونَين فكمـا أن الكمـال مِـن كل جهـة مخصـوص بحضـرة الكبرياء فكذالـك الحسـنُ مِـن جميـع الاٰنحـاء مختـص بهـذه الصحـف الغـرّاء وأمّـا الذى هـو دونـه فهـو لا يخلـو مـن عيـب ونقصـان وإن كان كلام النابغـة أو سَـحْبان فإنْ وجـدتَ مثـلا فقـرةً مـن كلمـات أحـدٍ منـهم كخـدٍّ أبـرقَ و أملـسَ، فتجـد فقـرة أخـرى كأنـف أصغـر وأفطـسَ وإنْ وجـدتَ لفظًـا كعـينٍ حَوراء فتجـد آخـر كناقـة عَشْـواء وإنْ وجـدت مثـلا قافيتَـين متوازيتَـين كعجـيزتَى النسـاء فتجد رديفًـا كأَلْيـةٍ اختـلَّ تركيبهـا وتحرّكـتْ ومـا بقيـتْ عـلى الاسـتواء وإن القـرآن يشـابه الوجـوهَ الحِسـان، لا تجـد ثنايـاه إلا مزيَّنـة بالشَـنَب ولا خـدودَه إلا مصْبِيـةً باللَهَـب ولا بنانَـه إلا لامعـة مـن الـتَرَف ولا خَصْـرَه

शेष हाशिया- यह है और सच्चाई ही मैं कहता हूँ दोनों लोकों के पालनहार हमारे ख़ुदा तआला की पुस्तक जैसा उदाहरण किसी पुस्तक में नहीं पाया जाता। अत: जैसा कि प्रत्येक ओर से पूर्णता केवल ख़ुदा तआला से विशिष्ठ है उसी प्रकार सुन्दरता प्रत्येक पहलु से इसी प्रकाशमयी पुस्तक से विशिष्ठ है। परन्तु जो भी इसके अतिरिक्त है वह बुराई तथा ग़लती से ख़ाली नहीं चाहे वह नाबगा (ज़ुन्यानी) अथवा सोहबान (वाईल) का कलाम हो। यदि तू उदाहरण स्वरूप उन में से किसी के लेखों में से एक वाक्य चमकदार और नर्म गालों के समान पाएगा तो दूसरा वाक्य छोटे तथा चपटे नाक के समान पाएगा। और यदि एक शब्द सुन्दर तथा काली आँख के समान है तो दूसरा रात को न देख पाने वाली ऊंटनी के समान पाएगा। और यदि तू उनके अनुप्रासों में इस प्रकार समानता पाए कि जिस प्रकार सुडोल स्त्रियों के अंग। तू उसकी रदीफ़ (ग़ज़ल में तुक के बाद आने वाला शब्द अथवा शब्द समूह) ऐसे पाएगा जैसे वह सुरीन (नितम्ब) जिसकी बनावट में दोष आ गया हो तथा दृढ़ता की अवस्था में न रहे हों। क़ुरआन तो उस सुन्दर वजूद के समान

اختفوا كالنّسوان. وما كان لهم أن يُظهروا من شَوْطهم۔أو ينثُروا عَجُوةً أو نَجْوةمِن نَوطهم۔فحاصل الكلام أنهم صاروا فى الشر للشيطان كفَيْءٍ، وليسوا من الخير فى شيء۔لا يعلمون مِن دون الجهلات، ويشابهون السباع فى العادات، وقد أضاعوا مادّة المواسات والمقانات۔ كأنهم استوطنوا الفلوات۔وإذا رأوا أحدًا صدر منه قليل من الجهالة۔فقَلَّ أن يُسعِفوا بالإقالة، بل يشتمونه على ذالك العِثار۔ أو يُدخِلونه

रद्दी खजूरें (अर्थात अपने उच्च अथवा निम्न कलाम का कोई उदाहरण) प्रस्तुत करते। सारांश यह कि वह बुराई में शैतान के चेले हो गए हैं तथा उनमें रत्ती भर भी भलाई नहीं है सिवाए मूर्खता के वे कुछ नहीं जानते। और वह आदतों में दरिंदों के समान हैं। उन्होंने हमदर्दी तथा मेल-जोल के तत्व को व्यर्थ कर दिया। मानो उन्होंने जंगल को अपना ठिकाना बना लिया है। यदि वे देखें कि किसी से मूर्खता की छोटी सी बात भी हो गई है तो ऐसा कम ही होता है कि वे उसे क्षमा कर दें। अपितु वे इस ग़लती पर उसे

إلّا منطَّقة بالهَيَف ولا حواجِبَه إلا بالجةً بالبَلَج ولا مَباسمَه إلا زاهرة بالفَلَج ولا جفونَه إلا مسكِرة بالسَقَم ولا أنفَه إلا معتبِدًابالشِمَم ولا جَبْهَه إلّا آسرةً بالطُرَر ولا عينَه إلا معبَّدةً بالحَوَر فهذه عشرة آراب يوجد حُسنها فى القرآن من غير ارتياب منه

शेष हाशिया- है जिसके दांत तो हर समय चमक से सुसज्जित और उसके गाल दिलकश लाली से सुशोभित पाएगा। और उसकी उँगलियां नज़ाकत से चमकती हैं तथा उसकी कमर नाड़े के समान पतली तथा उसकी भौंवें चौड़ी और चमकदार हैं और उसके दांत मोतियों के समान चमकते हैं। उसकी आँखों की पलकें अर्ध खुली, नशीली और उसकी नाक उठी हुई तथा संतुलित है। उसका माथा ज़ुल्फों के साथ क़ैद करने वाला और उसकी आँख अपनी खुबसूरत सफेदी तथा स्याही के द्वारा ग़ुलाम बना देने वाली पाएगा। अत: यह वह दस अंग हैं जिनकी सुन्दरता बिना किसी संदेह के क़ुरआन में पाए जाते हैं। इसी से।

فی الکفّار. و کما أن الفلاحین یقاتلون علی قُرًی و جِفان۔
یحارب هذه العلمائُ علی قِرًی و جِفانٍ. یترکون الحُبّ
للحَبّ۔ و یؤثرون الرُّبّ علی الرَبّ۔ یتنازعون علی الاموات،
و یأخذون أثواب المیّت مِن خبث النیّات. و کل منهم یُری
اللّسانَ حریفَه کالعَضْب و یبدی ناجذَیه و یحرق نابَه من
الغضب. و مع ذالك قد حُورِفَ کسبُهم ولا یفارقهم قُطوب
الخُطوب و حروب الکروب، و یلازمهم فی جمیع عمرهم
صِفْرُ الراحة و فراغ الساحة. و کما أن الفلاح یتوغّر غضبًا
علی نبش بَرِیٍ من الریف، و یأخذ النابش و یکسر بعض
الغضاریف، فکذالك إنْ لم یحسبهم أحدٌ بریئین من جریمة
فعلوها عدوانًا، و یشهد علیهم إیمانًا، و یخالفهم بیانًا،

गालियाँ देते हैं अथवा उसे काफ़िरों में सम्मिलित करते हैं और जैसे ज़मींदार गाँव तथा वृक्ष की शाखों पर लड़ पड़ते हैं यह उलमा भी भोजन तथा शोरबे के प्याले पर युद्ध करने लग जाते हैं। वे दानों के लिए मित्रता छोड़ देते हैं तथा अपने परवरदिगार पर फलों को प्राथमिकता देते हैं। वह मुर्दों पर झगड़ा करते हैं तथा बुरी निय्यत से मय्यत के कपड़े ले लेते हैं। उनमें से प्रत्येक अपने प्रतिद्वंदी को तलवार के समान ज़बान दिखता है। क्रोध से अपने कुचलियाँ निकालता तथा दांत पीसता है। इसी प्रकार उनका पेशा मनहूस है तथा बड़े-बड़े कामों में नाकामी की कड़वाहट और परेशानियों के युद्ध उनके साथ हमेशा चिमटे रहते हैं। उम्र भर तंगदस्ती उनके साथ लगी रहती है और (उनका) आँगन हमेशा ख़ाली रहता है जैसे किसान खेत से एक गन्ना तोड़ने पर क्रोध से भड़क जाता है। और उखेड़ने वाले को पकड़ लेता है तथा कुछ हड्डियाँ तोड़ देता है। इसी प्रकार जो जुर्म उन्होंने जान बूझ कर किया हो उसमें यदि कोई उन्हें निर्दोष ख्याल न करे तथा उनके विरुद्ध ईमान के रूप में गवाही दे दे तथा बातों में उनका विरोद्ध करे तो वे उसे मारते हैं और

فيضربونه ويسقُطون عليه زُرافاتٍ ووُحدانًا، وإنْ غُلبوا عند هذه المحاربات، فيندُبون شياطينَهم فى النائبات، وقد عُلّموا أن يجزوا من الظلم غفرانًا ومن الإساءة إحسانًا. فإنهم قوم أُمروا بإراءة نموذج الاخلاق۔ فما أرَوا إلا سِيَرَ الشرور والشقاق. فهم الذين سعوا لإيذائى وجاوزوا حدّ الإهطاع، فليت لى بهم أعداء من السباع. يأكلون لحم الغائب ولا يبارزون للمباراة، كأنهم ظِباء يخافون حَدَّ الظُباة۔ يا حسرة على هذا الزمان إن الامراء رغبوا فى الخمر والزَمْر والنساء والقَمْر والعلمائَ إلى الكذب والسَمْر، وتركوا الحكمة اليمانية ورضوا بالنواة من التمر، وما بقى فيهم مِن دون الكبر والشمر، والوثب والطَمْر۔ يبغون

इकट्ठे हो कर तथा अकेले-अकेले भी उस पर पिल पड़ते हैं। यदि वे इन जंगों के समय पराजित हो जाएँ तो उन घटनाओं में अपने सरगनों को भी सहायता के लिए बुला लेते हैं। हालाँकि उनको शिक्षा यह दी गई थी कि अत्याचार का बदला क्षमा से दें तथा बुराई का भलाई से। यह वह क़ौमें हैं जिन्हें शिष्टाचार का नमूना दिखाने के लिए कहा गया था परन्तु उन्होंने सिवाए बुराई तथा शत्रुता की प्रकृति के कुछ नहीं दिखाया। अत: यही वे लोग हैं जिन्होंने मुझे तकलीफ़ पहुँचाने के लिए बहुत प्रयास किया तथा तेज़ी की (प्रत्येक) सीमा को पार कर दिया। हे काश! उनकी बजाए दरिन्दे मेरे शत्रु होते, यह ग़ैर हाज़िर का गोश्त खाते हैं परन्तु मुक़ाबले के लिए बाहर नहीं निकलते। मानो कि वे हिरन हैं जो तलवार की तेज़ धार से डरते हैं। हाए अफ़सोस! इस युग पर कि हाकिम शराब, संगीत, स्त्रियों तथा जुए की ओर आकर्षित हो गए तथा उलमा झूठ और किस्से-कहानियों की ओर। उन्होंने वास्तविकता को छोड़ दिया तथा खजूर की बजाए गुठली पर राज़ी हो गए और उनमें सिवाए अकड़ कर तथा इतरा कर चलने और उछलने-कूदने

صِرْمــةً مــن الجِمــال، وعُرْمــةً مــن الحنطــة والارز والحمّــص وفــراغَ البــال، ومــا بقــى لــهم رغبــة فى إعــلاء الديــن ونبــشِ حشــائش الضــلال. أُدهقــتْ كــؤوس رؤوســهم مــن الكــبر إلى أصبارهــا وأصمارهــا. وتَقاســموا عــلى حفــظِ وِدَاد الدنيــا وتخيُّرهــا واستيثارها. وحســبونى مــن عــدا الله كأنــهم اطّلعــوا عــلى ذات صــدرى، أو علمــوا مــا خامــرَ سِــرّى. ورأيــتُ منــهم مــا عرّفــنى جَهْــدَ البــلاء، وجــرّونى إلى الحــكّام وعكفــوا بى عــلى الاصطــلاء، فمــا شــتوتُ ومــا أَصَفــتُ إلّا وبقِدِّهــم رسَــفتُ. ســلّطوا عــلىّ كلَّ بِلْــغٍ مِلْــغٍ للتوهــين، ليَندَغــونى وينــزِغوا فى قومــى كالشــيطان اللعــين. ثــم مــع ذالــك لا يعتــذرون ممــا فعلــوا، ولا يُظهِــرون النــدم عــلى مــا صنعــوا، بــل زادوا غيًّــا وتصــدَّوا

के और कुछ शेष नहीं रहा। वे चाहते हैं कि उनके पास ऊँटों का रेवड़, गेहूं, चावल तथा चनों का खलियान और निश्चिंतता हो। उन्हें धर्म की उन्नति तथा गुमराही की घास-फूस की जड़ काटने में कोई आकर्षण शेष न रहा। उनके सरों के प्याले अहंकार से ऊपर तक भरे हुए हैं। और उन्होंने सांसारिक प्रेम की सुरक्षा, उसे पसंद करने तथा प्राथमिकता देने पर क़समें खा रखी हैं। वे मुझे अल्लाह के शत्रुओं में से समझते हैं जैसे उन्होंने मेरे दिल के रहस्यों पर सूचना प्राप्त कर ली है या उन्होंने जान लिया है जो मेरे दिल में छुपा है। और मैंने उनसे वह देखा जिसने मुझे जह्दुल बला (अर्थात सख़्त मुसीबत) का अर्थ समझा दिया। उन्होंने मुझे हाकिमों की ओर खींचा और मुझे आग पर खड़ा कर दिया। अत: न मुझ पर सर्दियां आयीं तथा न गर्मियां, परन्तु मैं उनकी बेड़ियों में जकड़ा हुआ चलता रहा। उन्होंने अपमान के लिए प्रत्येक मूर्ख तथा शैतान लोगों को मेरे विरुद्ध लगा दिया ताकि वे मुझ से बुरा व्यवहार करें तथा धुत्कारे हुए शैतान के समान मेरी क़ौम पर फ़साद बरपा कर दें। फिर इसके अतिरिक्त जो उन्होंने किया इस पर क्षमा भी नहीं मांगते।

للمجالحة۔ وأعرضوا عن السلم والمصالحة، وحقّروني وازدرَوني وقالوا جاهل لا يعلم العربية، بل أُمِّيٌّ لا يعرف الصيغة. ثم إذا جَلَّحْنا عليهم ففرّوا كفرار الحُمُر من الضِرغام، أو الجبان من السهام، ورأوا مني ما يرى صبيٌّ عند حلول الاهوال، أو عصفورٌ من عُقاب إذا انقضّت عليه من قُنَنِ الجبال. و كانوا حسبوني كشاةٍ جَلْحاء، فمَسَّهم منّا ناطِحٌ فقالوا بقرةٌ قرنائُ۔ ومن جاء ني منهم متسلّحًا، جعلتُه مجلَّحًا، بما أغرَوا كلابهم على لحم البَرايٍ، و أوتغوا الدينَ بالافتراء، فكان جزاء هم أن يُفشَغوا و يُنسَغوا، أو يُطعَنوا و يُندَغوا. و يريدون أن يخوّفوني و كيف مخافتي، وإنْ هم إلّا عُوافتي. يفسّقون الناس وأنفسهم ينسون، و يكذّبون الصادقين ولا يخافون. لا يقومون في المضمار،

और न अपने किए पर खेद प्रकट करते हैं अपितु गुमराही में बढ़ गए हैं तथा खुल्लम खुल्ला युद्ध और शत्रुता के लिए सामने आते हैं। उन्होंने शांति तथा सामंजस्य से मुंह फेरा, मेरा अपमान किया तथा मुझे घटिया समझा। और कहा कि मूर्ख है अरबी नहीं जनता। अपितु अनपढ़ है एक शब्द अरबी का नहीं आता। अत: जब हमने उनके मुक़ाबले के लिए सख्त क़दम उठाए तो वे ऐसे भागे जैसे गधे शेर से, अथवा डरपोक तीर से भागता है। उन्होंने मुझ से वह देखा जो बच्चा भयभीत होने के समय देखता है या चिड़िया बाज़ से जब वह उस पर पहाड़ों की चोटियों से झपटता है वे मुझे बिना सींग वाली बकरी जैसा समझते थे परन्तु जब उन्हें हमसे सींग की चुभन पहुंची तो कहने लगे कि यह तो सींगों वाली गाए है। और उनमें से जो मेरी ओर सशस्त्र हो कर आया तो मैंने उन्हें टूंड-मूंड वृक्ष के समान बना दिया क्योंकि उन्होंने अपने कुत्तों को बेगुनाहों के गोश्त पर छोड़ दिया तथा झगड़े से धर्म को हानि पहुंचाई। अत: उनकी सज़ा तो यह थी कि उनको चाबुक

و يُعِدّون لإنفسهم سبعين منفذًا كالفأر للفرار. و كانوا أشهدوا اللهَ على كفّ اللسان وعاهدوه فما أسرعَ ما نسوه. و إنّ الكبر قد سرى فى عروقهم وعظامهم وملإ الشرايين، فما كان لهم أن يمتنعوا ولو حلفوا مغلّظين. و إنهم جمَّروا بُعوثَهم لحرب أهل السماء، وأغلظوا لنا وتصدَّوا للاستهزاء، وتجاهلوا بعد العلم وتعامَوا بعد البصيرة، فكأنهم قُذفوا مِن حالقٍ أو ماتوا جائعين مع وجود الثمار الكثيرة. فلإجل ذالك سمّاهم رَعاعا وسَقَطا خاتَمُ الانبياء. بل قال لا يوجد مثلهم شرًّا تحت بناء السّماء. إنهم قوم اختاروا الذنوب من جميع الجهات، وما ترى فاسقًا إلّا يوجد فيهم نموذجه بل يوجد فيهم صفات السباع والعجماوات. يؤْثرون البُرَّ على البِرِّ، و يتركون حُبّ الله لحَبٍّ

का निशाना बनाया जाता और कोड़े मारे जाते, या उन्हें तीर मार कर तथा कठोर शब्दों से घायल किया जाता। वे चाहते हैं कि मुझे डराएँ और मैं उनसे क्योंकर डरूं? वे तो स्वयं मेरा शिकार हैं। वे लोगों को झूठा बताते हैं तथा अपने आप को भूल जाते हैं। वे सच्चों को झुठलाते हैं तथा डरते नहीं। वे मैदान में खड़े नहीं होते तथा चूहे के समान भागने के लिए अपने लिए सत्तर सुराख़ तैयार करते हैं। उन्होंने ज़बान बंद रखने पर अल्लाह को गवाह ठहराया था तथा उस से वचन किया था। अत: कितनी जल्दी उन्होंने उसे भुला दिया। निस्संदेह अहंकार उनकी रगों तथा हड्डियों में घुस चुका है और नसों को भर चुका है। अत: उनके बस में नहीं कि सुधर जाएँ। चाहे वे पक्की क़समें खाएं। उन्होंने आसमान वालों से युद्ध करने के लिए सरहदों पर लश्कर एकत्र किए। हम पर सख़्ती की, तथा उपहास से पेश आए और ज्ञान होने के बावजूद देखते हुए मूर्ख बन गए जैसे कि वे बुलंद स्थान से फेंके गए अथवा फलों की अधिकता के बावजूद भूखे मर गए। इसी कारणवश

أو حليب كالهِرِّ. ترى فيهم في مواضع الغضب آثار الجنون، ويموتون للإمانى بأشتات المنون. يمضى ليلهم ونهارهم في الغيبة والسب والشتم والإثاوة، ومُلئت صدورهم من الغِلّ والحقد والعداوة. وتجد ألسنَهم كرماحٍ أُشرعتْ، أو سيوف شُهّرتْ، أو سهام قُوّمتْ، أو مُدًى حُدّدتْ أو آفة من السّماء نزلتْ. يسجدون أمام الامراء، ويأكلون قِحْفَ الفقراء. وإذا ذُكر عندهم أن فلانا يؤتى العلماء، ويملأ كِيس مَن جاء، وأنه من أغنياء القوم وكرام الناس، فسعوا إليه بالعين والرأس، وقالوا يا سيّدنا أنت خيرُ مَن بُرء وذُرء فتَصدّقْ علينا واغسِلْنا من الادناس. وأما فقراء

आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने उन्हें नीच तथा घटिया का नाम दिया। अपितु आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि बुराई के संदर्भ से आकाश की छत के नीचे उनका कोई उदाहरण नहीं मिलेगा। यह ऐसी क़ौम है जिन्होंने गुनाहों को प्रत्येक पहलू से अपनाया। और संसार में तू कोई पापी नहीं देखेगा जिसका उदाहरण उनमें न पाया जाता हो अपितु उन में राक्षसों तथा जानवरों की विशेषताएँ पाई जाती हैं। वे नेकी पर गेहूं को प्राथमिकता देते हैं और वे एक दाने के लिए या बिल्ली के समान दूध के लिए अल्लाह के प्रेम को छोड़ देते हैं। तू उनमें क्रोध के अवसर पर पागलपन के लक्षण देखता है। वे अपनी इच्छाओं के लिए विभिन्न प्रकार की मौतें मरते हैं। उनके रात-दिन पिशुनता, गाली-गलौज, बुरे नामों से पुकारना तथा चुग़लखोरी में गुज़रते हैं और उनके सीने अहंकार, द्वेष तथा शत्रुता से भरे हुए हैं। तू उनकी ज़बानों को लहराते भालों अथवा सोंती गई तलवारों अथवा सीधे किए गए बाणों अथवा तेज़ की गई छुरियों अथवा आकाश से आई आपदाओं के समान पाएगा। वे अधिकारीयों के सामने तो सज्दे करते हैं और ग़रीबों की खोपड़ी खा जाते हैं। यदि उनके सामने वर्णन किया जाए कि

القوم فيشربون دمائَ هم و يلعنون آباء هم، و إذا اقتدر أحدٌ منهم فآذى الجارَ وجارَ۔و ما رحم وما أجارَ، بل إذا أفرصَتْه الفرصةُ فجرّعه من الحميم۔و لو كان أحدٌ كالولى الحميم، وما امتنعَ من التخليط ولو بالخليط۔ وأخرج لِهوى النفس فى كل أمرٍ طريقًا، ولا غادر شفيقًا ولا شقيقًا۔ ومَن أحسنَ إليه بأنواع الآلاء ، وسقاه كأسَ الايادى والنعماء۔فما كافأَ بالعشير، ولو كان زوجًا أو من العشير، وما أحسنَ إلى أحد بدلو من الماء ، بل استقلَّ جزيلَ الآخرين من الخيلاء والاستعلاء۔ وإذا رأى جميلا من الزميل، أو وجد نَزَلا من النزيل، فما شكرله كما هو

अमुक व्यक्ति उलमा को प्रदान करता है और जो उसके पास आए उसकी जेब भर देता है तथा यह कि वे क़ौम के अमीरों तथा प्रतिष्ठितों में से है, तो वह सर और आँखों के बल उसकी ओर दौड़ते हैं और कहते हैं हे हमारे स्वामी! आप समस्त प्राणियों से बेहतर हैं। अत: हमें भी दान दें तथा हमें ग़रीबी की मैल से पवित्र करें। परन्तु जहाँ तक क़ौम के ग़रीबों का संबंध है तो वे उन ग़रीबों का खून पीते हैं। और उनके बाप दादों को बुरा भला कहते हैं। और यदि इन उलमा में से किसी को शक्ति प्राप्त हो जाए तो वह पड़ोसी को तकलीफ देता है तथा अत्याचार करता है, दया नहीं करता और न ही पनाह देता है बल्कि यदि उसको अवसर मिल जाए तो उसे गर्म पानी पिलाता है चाहे वह क़रीबी गहरा मित्र ही हो। वह कपटी व्यवहार से बाज़ नहीं आता चाहे यह मामला घनिष्ट मित्र के साथ ही हो। और तामसिक इच्छाओं के लिए प्रत्येक कार्य में कोई न कोई तरीक़ा निकाल लेता है। न मित्र को छोड़ता है और न भाई को। और जो प्रत्येक प्रकार की नेमतों के साथ उस पर एहसान करे तथा नेमतों और एहसानों का जाम पिलाए तो बदले में उसका दसवां भाग भी नहीं लौटाता। चाहे मित्र हो या

سيرة الصلحاء، بل أخذ عابسًا وذهب مُعرِضًا كالسفهاء۔ وإذا جاءه ضيفٌ، شتائً كان أو صيفًا، فما أكرمَه بالخدمة وتواضُع الجنان ولينِ اللسان، وما استفسرَ أين بات وما أكل بل ضاق ذرعًا وصار كالشيطان. وإذا صار من أغنياء فيخيّب الناسَ مِن معارف۔ ولو كانوا من معارف. هذه حالاتهم، وكاد أن تنعدم جهلا تهم۔ وإنّي أنا موتُ الزُّور، وحِرزُ المذعور، وأنا حَربةُ المولى الرحمن، وحُجّة اللّٰه الديّان، وأنا النهار والشمس والسبيل، وفي نفسي تحققّتِ الاقاويل، وبي أُبطلتِ الاباطيل، وأنا الواصف والموصوف، وأنا ساقُ اللّٰه المكشوف، وأنا قَدَمُ الرسول التي تُحشَر

निकट संबंधियों में से हो। वह किसी पर पानी के एक डोल से भी एहसान नहीं करता। अपितु खुद पसंदी तथा अहंकार से दूसरों के बड़े एहसान को बहुत कम गिनता है। जब वह किसी मित्र की नेकी और एहसान देखे अथवा मेहमान से कोई उपहार पाए तो उसका शुक्र अदा नहीं करता जैसा कि नेक लोगों का जीवन होता है। अपितु त्यूरी चढ़ाए हुए उसे स्वीकार करता है और कमीने लोगों के समान बचता हुआ निकल जाता है। यदि उसके पास कोई मेहमान आ जाए तो सर्दियां हों या गर्मियां वह दिल से मेहमान नवाज़ी तथा नर्म बात-चीत के द्वारा सेवा नहीं करता। उस से यह भी नहीं पूछता कि तुमने रात कहाँ गुज़ारी और क्या खाया अपितु उसका दिल तंग पड़ जाता है और वह शैतान के समान हो जाता है। और जब वह दौलतमंदों में से हो जाए तो लोगों को अपनी बख्शिश से वंचित रखता है चाहे वे उसके परिचितों में से ही हों। यह उनकी अवस्थाएँ हैं और निकट है कि उनकी मूर्खताएं समाप्त हो जाएँ क्योंकि मैं झूठ के लिए मौत तथा डरे हुए के लिए तावीज़ हूँ। मैं दयालु ख़ुदा का हथियार हूँ, और प्रतिफ़ल के मालिक ख़ुदा की दलील हूँ, मैं दिन हूँ, सूर्य हूँ, मार्ग हूँ, मुझ पर समस्त भविष्यवाणियाँ पूरी

عليها الاموات، وتُمحَى بها الضلالات. كَهَرَ الضحى فَلْيَرَ مَن يَّرى. وإن الله معنا وظلّه ظليل، وكلّ رداء نرتديه جميل. وإنا موفَّقون تُواتينا الاقلام، كأنها السهام. ومَن عارضَنا فهو ذليل، وليس له على دعواه دليل. ولن يُزدهىٰ عَرَضُنا فإنه من نور العرفان، ولا يُداس عِرضنا فإنه من عِرض الله وظِلُّ عزّةِ ربّنا المستعان. رُويدَ بنى قومى بعضَ الشحناء ، فإنكم لا تستطيعون أن تحاربوا حضرة الكبرياء. وقد بلَجتْ آياتى وظهرتْ علاماتى. وإن الله أرغمَ المَعاطِسَ بآى السّماء، واقتاد الشوامِسَ بسوطِ بُروقِ اليد البيضاء. وترون خيلَنا شلن على العِدا كالبازى على

हुईं और मेरे द्वारा ही समस्त झूठी चीज़ें झूठी साबित हुईं। मैं ही प्रशंसा करने वाला और मैं ही प्रशंसित हूँ। मैं ही अल्लाह की वास्तविकता हूँ और मैं ही रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का वह क़दम हूँ जिस पर मुर्दे उठाए जाएँगे और जिस से गुमराहियाँ मिटाई जाएंगी। दिन चढ़ आया है अत: देखने वाला देख ले। निस्संदेह अल्लाह तआला हमारे साथ है और उसकी छाया बहुत फैली हुई है। हम जो भी चादर ओढ़ते हैं वह सुन्दर प्रतीत होती है। हम सामर्थ्यवान हैं। कलमें हमारे अनुकूल हैं मानो कि वे बाण हैं। जो भी हमारे मुक़ाबले के लिए आएगा वह अपमानित है और न ही उसके पास अपने दावे की कोई दलील है, हमारा सामान कभी कम नहीं समझा जाएगा क्योंकि वह आध्यात्म ज्ञान के प्रकाश से है। और हमारा सम्मान कभी समाप्त नहीं होगा क्योंकि वह अल्लाह के सम्मान के साथ जुड़ा हुआ और हमारे सहायक ख़ुदा के सम्मान का प्रतिरूप है। हे मेरी क़ौम के बेटो! अपने द्वेष कुछ तो कम कर दो। क्योंकि तुम यह सामर्थ्य नहीं रखते कि ख़ुदा से युद्ध कर सको। निस्संदेह मेरे निशान रोशन हो गए तथा मेरे चिन्ह प्रदर्शित हो गए। अल्लाह तआला ने आकाशीय निशानों से उनकी नाकें मिट्टी में मिला

العصفور، أو الصقرِ على الغراب المذعور، فركنوا إلى الإحجام، و كفّوا ألسنَهم من استخفافِ خير الأنام. فسِرْ في الارض هل ترى من قسيسٍ يطلب الآياتِ، أو ينكر قائمًا في الميدان بإعجاز نبيّنا خيرِ الكائنات. كلا بل مات المنكرون، وقُبر المكذّبون. وقد أرى الله آياتِه قريبًا من مائة أو تزيد. وأُعطيَ المسلمون لفتحِ حصون الكفر المقاليدَ. اليوم يئِس الذين كانوا يصُولون على الإسلام، وأذاب لحمهم حربةُ الله فصار عظامهم كالعظام. و كان للقسوس من المال ما يُبطِرهم، ومن الاحتيال ما يحرّضهم، والقوم أحضروا لهم ما في يدهم، وقدّموا لهم ما في بلد

दीं तथा विलक्षण निशान की चमक-दमक के कोड़े से उद्दंड घोड़ों को काबू कर लिया। और तुम देखते हो कि हमारे घोड़े शत्रुओं पर इस प्रकार झपटते हैं जैसे बाज़ चिड़िया पर या गरुड़ पक्षी भयभीत कव्वे पर। अत: वह पराजय पर विवश हो गए और आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के अपमान से अपनी ज़बानों को रोक लिया। अत: ज़मीन में घूम-फिर कर देख ले कि क्या तू कोई ऐसा पादरी देखता है जो निशान मांगता हो? या मैदान में खड़ा हमारे नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के चमत्कारों का इंकार कर रहा हो। कदापि नहीं, बल्कि इंकार करने वाले मर गए तथा झुठलाने वाले क़ब्र में डाल दिए गए। अल्लाह तआला ने अपने लगभग सौ या उस से भी अधिक निशान दिखाए तथा कुफ्र के किले विजयी करने के लिए मुसलमानों को कुंजी दी गई। आज वे लोग जो इस्लाम पर आक्रमण किया करते थे, निराश हो गए। अल्लाह तआला की रणनीति ने उनके गोश्त घुला दिए। अत: उनके सरदार हड्डियों के समान हो गए। पादरियों के पास इतना धन था जो उन्हें अहंकारी बनाता था, और वह चालबाज़ियां थीं जो उन्हें (लोगों को) जोश में लाती थीं और लोग जो कुछ उनके हाथों में होता उन पादरियों के

هـم، و كان المسـلمون قـد عجِـزوا عـن الاعتراضـات الفلسـفية، والشـبهات الطبعيـة، ووشـايةِ علمـاء المسـيحية، ورَغْبتِـهم في تلويـث ذيـلِ العصمـة النبويـة، وتتبُّـعِ عثـرات رسـولِ الله و كسـرِ شـأنِ الصحـف الرحمانيـة۔ و كان كلُّ ذالـك كسـيل جـرّاف أهلـكَ كثـيرا مـن النـاس۔ وضنَأتْـكلّ نفـس مـن أنـواع الوسـواس، وارتاعـت القلـوب، واشـتدت الكـروب۔ ودار الشـيطان حـول إيمـان المسـلمين، وأراد أن يُخـرِج مـن صدورهـم نـورَ المؤمنـين، وقصَدهـم بفضّتـه وفضيضـه، وسُـمّرِه وبيضِـه، وآجـله وعاجـله وفارسـه وراجـله، وصارمـه وذابـله، ورامحـه ونابـله، واشـتدّ زحفُـه عليـهم، و كلُّ كَمِـيٍّ نهَـض إليـهم، و كاد

लिए प्रस्तुत कर देते थे, और जो कुछ उनके क्षेत्र में था वह भी उनको प्रस्तुत कर देते थे। मुसलमान दार्शनिकतापूर्ण एतराज़ों, स्वाभाविक संदेहों, ईसाई विद्वानों की आलोचना तथा इन (ईसाई पादरियों) की आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की प्रतिष्ठा के दामन को गंदा करने की ओर आकर्षण, और आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम पर आरोप लगाना और दयालु ख़ुदा की पुस्तकों का अपमान करने के मुक़ाबले में मुसलमान पराजित हो चुके थे। यह सब कुछ बहा ले जाने वाले सैलाब के समान था जिस ने बहुत से लोगों को मार दिया। प्रत्येक नफ़्स ने विभिन्न प्रकार की इच्छाओं को जन्म दिया। हृदय भयभीत हो गए तथा बेचैनियां बढ़ती गईं। शैतान ने मुसलमानों के ईमान के गिर्द चक्कर लगाया और उसने इरादा किया कि वह उनके दिलों से मोमिनों वाला प्रकाश निकाल दे। उसने अपनी चांदी तथा अपने चमकदार साफ़ पानी, अपने भालों तथा अपनी तलवारों, अपने जल्दी तथा देर से मिलने वाली संपत्ति, अपने सवारों तथा अपने प्यादों, अपने स्वस्थों तथा अपने कमज़ोरों, अपने भाला मारने वालों और तीरंदाज़ों के साथ उनको जकड़ लिया था। उसकी सेना ने उन पर सख्ती की तथा

أن يُناشوا و يُمضَغوا تحت أسنانهم و يمزَّقوا بسِنانهم۔ و كانوا فى ذالك متردّدين مبهوتين، و على شفا حفرة قائمين مرتاعين. فإذا نظَر إليهم حضرةُ العزّة، و تداركَهم يدُ الرحمة و بُدّلت الارض غيرَ الارض، و جُعل سافِلُها عاليَها، و حَفَدتُها مَواليَها و بطُل كلُّ ما أرجفت الالسنةُ، و ذُبحتْ طير الكَفَرة، و قُصّت الاجنحةُ، و أتممْنا عليهم حجّةً بعد حجّة، و بكّتْناهم دفعةً بعد دفعة حتى صار لنا المضمار، و ما بقى للعِدا إلّا الفرار۔

★ ★ ★

प्रत्येक बहादुर सवार उनकी ओर उठ खड़ा हुआ। निकट था कि वे टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाते और उनके दांतों के नीचे पीस दिए जाते और उनके भालों से छिन्न-भिन्न कर दिए जाते। वे (मुसलमान) इस अवस्था में दुविधाग्रस्त तथा स्तब्ध थे। वे गढ़े के किनारे पर सहमे हुए खड़े थे तो उस समय प्रतिष्ठावान ख़ुदा ने उनकी ओर देखा तथा उन्हें रहमत के हाथ ने थाम लिया। ज़मीन की हालत परिवर्तित कर दी गई और उसे तहस-नहस कर दिया गया और उसके गुलामों को स्वामी बना दिया गया। उन (ईसाइयों) की समस्त अफ़वाहें झूठी साबित हुईं। काफ़िरों के परिंदे ज़िबह कर दिए गए तथा पर काट दिए गए। हमने उन पर बार-बार हुज्जत पूरी की और कई बार उन्हें निरुत्तर कर दिया यहाँ तक कि मैदान हमारे हाथ रहा और शत्रुओं के लिए सिवाए भागने के कोई मार्ग शेष न रहा।

★ ★ ★